राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 265

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 2 मार्च 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

बुमराह और शमी की मेहनत पर बल्लेबाजों ने पानी फेरा

>> 14

सरोकार

सफलता का पर्याय बना एकलव्य आदर्श विद्यालय

देहरादून : देहरादून के कालसी में 2010 से संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ने कई उपलब्धियां दर्ज कराई हैं। जनजातीय बच्चों के लिए बनाए इस विद्यालय के 11 छात्र-छात्राएं प्रतिष्ठित कॉलेजों से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

तेजस की मारक क्षमता बढ़ेगी

चंडीगढ़ : दुश्मन की ना-पाक हरकतों का जवाब भारत अब और कारगर तरीके से देगा। स्वदेशी लाइट कंबेट एयरक्राफ्ट तेजस की मारक क्षमता बढ़ाने को चंडीगढ़ स्थित सीएसआइओ ने खास तकनीक हेडअप डिस्प्ले इमेज को तैयार किया है। तेजस को उड़ाने वाले पायलट को दुश्मन पर हमला करने के साथ ही नियंत्रण के लिए अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। (पेज-11)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

प्रियंका नहीं जाएंगी राज्यसभा, कांग्रेस में तीन दर्जन दावेदार

नई दिल्ली : कांग्रेस हाईकमान के लिए रास चुनाव के उम्मीदवारों का चयन बड़ी चुनौती है। कांग्रेस को राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में दर्जन भर सीटें मिलेंगी, मगर इनके लिए कम से कम पार्टी के तीन दर्जन नेता जोर लगा रहे हैं। हाईकमान की ओर से लगभग साफ संकेत है कि प्रियंका गांधी वाड्रा राज्यसभा में नहीं जाएंगी।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

निर्भया के दोषी पवन की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली : दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म कांड के दोषी पवन ने तीन मार्च की तय फांसी की तारीख टालने के लिए दो दिन पहले जो क्यूरेटिव याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी उस पर कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। याचिका पर पांच न्यायाधीशों की पीठ विचार करेगी।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा कॉल ड्रॉप : ट्राई

पुणे, प्रेट्र : टेलीकॉम कंपनियां कॉल ड्रॉप पर अलग-अलग बहाने बनाती रही हैं, लेकिन अब टेलीकॉम नियामक प्राधिकरण ट्राई ने साफ कर दिया है कि खराब गुणवत्ता के लिए कोई बहाना बिल्कुल नहीं चलने वाला है। टेलीकॉम सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने ही होंगे।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

ईरान में कोरोना वायरस से 54 लोगों की मौत

तेहरान : कोरोना वायरस की चपेट में आकर ईरान में 11 और लोगों की मौत हो गई। इससे देश में मृतकों की संख्या 54 हो गई है। 385 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की संख्या 978 पर पहुंच गई है। इस बीच, मीडिया सहित पश्चिमी देशों की विभिन्न संस्थाएं इस्लामिक गणराज्य पर महामारी से मरने वालों की संख्या छिपाने का आरोप लगा रही हैं।

सभी पवित्र नदियों और समुद्रों के जल से होगा भूमिपूजन

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की तैयारियां जोरों पर हैं। भूमि पूजन से लेकर मंदिर निर्माण के वक्त वहां के माहौल तक, हर विषय पर मंथन चल रहा है। गर्भगृह के नीचे की मिट्टी की ताकत जांचने, संपूर्ण भूमि का सर्वे कराने और भूमिपूजन के लिए सभी समुद्रों और देश की सभी पवित्र नदियों का जल लाने पर भी विचार हो रहा है। यह भी विचार है कि राममंदिर निर्माण के दौरान पूरे समय राम धुन गूंजती रहे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक के बाद से राम मंदिर निर्माण की तैयारियों ने जोर पकड़ा है। शनिवार को भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अयोध्या गए थे। वहां उन्होंने संपूर्ण 67 एकड़ भूमि को देखा और अधिकारियों से चीजों को समझा। उन्होंने वह स्थान भी देखा जहां भगवान रामलला को स्थानांतरित किए जाने की योजना है। उन्होंने ट्रस्ट के कुछ ट्रस्टियों और महासचिव के साथ विचार-विमर्श किया। रामलला की वर्तमान सुरक्षा की जानकारी देने के लिए पुलिस की ओर से पावर पॉइंट प्रजेंटेशन भी दिया गया। चर्चा के दौरान तय हुआ कि संपूर्ण भूमि का सर्वे कराया जाए। इसके अलावा जहां पर गर्भगृह बनना है, वहां की मिट्टी की ताकत जानने के लिए 50 फीट नीचे तक मिट्टी की जांच कराई जाएगी। यह सुझाव भी आया कि भगवान की शिफ्टिंग, भूमि का सर्वे और मिट्टी की जांच का काम एक महीने में पूरा हो जाना चाहिए। मंदिर निर्माण में बेवजह की देरी न हो।

रामंदिर निर्माण की तैयारियां

- मंदिर के गर्भगृह के नीचे 50 फीट तक होगी मिट्टी की जांच
- पूरे मंदिर निर्माण तक राम धुन बजाते रहने पर हो रहा विचार

प्रतीकात्मक फोटो

बताया जाता है कि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र 29 फरवरी को जब अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर गए तो उनके साथ लार्सन एंड टुब्रो कंपनी के तीन विशेषज्ञ और सरकारी संस्था एनबीसीसी के पूर्व चेयरमैन और सेवानिवृत आइएएस अधिकारी दिवाकर त्रिपाठी भी उपस्थित थे। इसके अलावा तीन ट्रस्टी और महासचिव चंपत राय भी मौजूद थे।

भूमिपूजन की बड़ी तैयारी : गर्भगृह के स्थान पर भूमिपूजन के लिए आए सुझावों में कहा गया कि इस अवसर पर पूरे भारत के गृहस्थ और संत समाज का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। संपूर्ण देश के प्रतिनिधित्व के प्रतीक के तौर पर प्रत्येक प्रांत से कम से कम एक शिला लाए जाने की भी बात हुई। मंदिर निर्माण के दौरान पूरे समय राम धुन बजाने, परिसर में किसी सुरक्षित स्थान पर राम कथा, प्रवचन और राम के जीवन के मंचन की व्यवस्था करने का भी सुझाव है। चर्चा में यह भी कहा गया कि पूरा देश पूजन कार्यक्रम देख सके, इसकी भी तकनीकी व्यवस्था होनी चाहिए।

रामलला की शिफ्टिंग का ब्लूप्रिंट तैयार पेज>>6

नहीं हटेंगे पीछे ▶ टीएमसी के गढ़ में गृह मंत्री का एलान, सीएए को रोक नहीं पाएंगी ममता

हर शरणार्थी को देंगे नागरिकता : अमित शाह

सीएए के विरोध पर ममता को घेरा, पूछा आपको घुसपैठिये ही अपने लगते हैं?

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एक बार फिर साफ किया कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का चाहे कितना भी विरोध कर लें, हम इससे पीछे हटने वाले नहीं हैं। कहा कि 70 साल से नागरिकता का इंतजार कर रहे शरणार्थियों को हम उन्हें उनका अधिकार देकर ही दम लेंगे। गृह मंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया सीएए से किसी की भी नागरिकता नहीं जाएगी। शाह ने कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हमने एक अग्रसक्रिय (प्रो-एक्टिव) रक्षा नीति विकसित कर ली है जो विदेश नीति से अलग है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत पर हमला हुआ और किसी ने आंख उठाने की कोशिश की तो हम घर में घुसकर मारेंगे। भारत पर हमला करने वाले अपनी मौत तय करके आते है।

अमित शाह रविवार को कोलकाता में थे। सुबह उन्होंने कोलकाता में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के नए भवन का उद्घाटन किया और दोपहर में कोलकाता के ही शहीद मीनार मैदान में सीएए के समर्थन में सभा को संबोधित किया। सभा के तुरंत बाद शाह कालीघाट मंदिर के लिए रवाना हो गए, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निवास स्थल से कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित है।

परिवार के साथ रह सकेंगे जवान : गृहमंत्री ने एनएसजी जवानों को भरोसा दिया कि पांच साल के अंदर उनकी सारी अपेक्षाएं पूरी की जाएंगी। उन्होंने एनएसजी जवानों की तारीफ करते हुए कहा कि वह हमेशा ही बढ़िया काम करते हैं। देश की सुरक्षा में जो भी बल लगे हैं उनके परिवारों की हर तरह से मदद करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। उनके कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाओं के लिए हम हरसंभव कदम उठाएंगे। गृहमंत्री ने कहा कि हम एक ऐसी रूपरेखा तैयार कर रहे हैं, जिससे प्रत्येक जवान को हर साल कम से कम 100 दिन अपने परिवार के साथ रहने का मौका मिले।

- जो हमारी शांति में दखल देगा, उसे उसके घर में घुसकर मारना भी जानते हैं
- गृह मंत्री बोले, जवानों के बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी
- एनएसजी जवान साल में 100 दिन परिवार संग रह सकेंगे, रूपरेखा तैयार

कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में रविवार को भाजपा की जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह। जागरण

दीदी से पूछे सवाल

शहीद मीनार मैदान में उन्होंने सीएए को लेकर ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी यह कानून इसलिए लेकर आए, ताकि बंगाल में रह रहे लाखों शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी। लेकिन ममता इसका विरोध कर रही है। बंगाल में उन्होंने सीएए के खिलाफ दंगे कराएं। ट्रेनें जला दी गई, रेलवे स्टेशनों को जला दिया गया। शाह ने कहा-मैं ममता दीदी से सवाल पूछने आया हूं कि हम नागरिकता देना चाहते हैं और आप इसका विरोध क्यों कर रही हो? आपको घुसपैठिये ही अपने लगते हैं।

मुहर्रम का जूलूस निकालो या कावड़ यात्रा, अराजकता बर्दाश्त नहीं : योगी

शामली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि हर व्यक्ति को धार्मिक त्योहारों को मनाने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन इसके बहाने कानून को बंधक नहीं बनाने दिया जाएगा। सीएए और दिल्ली हिंसा पर उन्होंने बोलने से परहेज किया, लेकिन पूर्व की चेतावनी को दोहराते हुए कहा कि आगजनी और तोड़फोड़ करने वालों से ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। होली, दीपावली, ईद, मोहर्रम, क्रिसमस और गुरु पर्व श्रद्धा से मनाओ। पूरी सुरक्षा मिलेगी, लेकिन कानून का पालन करते हुए। वह शामली पुलिस लाइन में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। (पेज-5)

दुश्मनों में खौफ पैदा करे एनएसजी पेज>>4

अनुच्छेद 370 पर आज आएगा सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

नई दिल्ली, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस एनवी रामना की अगुआई वाली पांच सदस्यीय पीठ ने 23 जनवरी की सुनवाई में याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित कर लिया था। सोमवार को फैसला आ सकता है। यह भी संभव है कि मामला बड़ी पीठ के पास सुनवाई के लिए भेज दिया जाए। केंद्र ने पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला किया था। फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में केंद्र सरकार ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के हालात में बदलाव के लिए अनुच्छेद 370 हटाना ही एकमात्र विकल्प था। इस अनुच्छेद को हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है और भविष्य में भी यह बरकरार रहने की उम्मीद है। गैर सरकारी संगठन पीपुल्स यूनियन ऑफ सिविल लिबर्टीज, जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और कुछ अन्य याचिकाकर्ताओं ने मामले को वृहत पीठ के समक्ष भेजे जाने का भी अनुरोध किया है।

तालिबान कैदियों को नहीं छोड़ेगा अफगानिस्तान : गनी

काबुल, एपी : अमेरिका-तालिबान शांति समझौते के एक दिन बाद ही अफगानिस्तान ने कैदियों की रिहाई पर सार्वजनिक रूप से असहमति जताई। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने रविवार को कहा, वह अगले हफ्ते प्रस्तावित वार्ता से पहले तालिबान कैदियों को रिहा नहीं करेंगे। गनी की इस टिप्पणी को शांति समझौता लागू करने में पहली अड़चन के तौर पर देखा जा रहा है। शांति समझौते का उद्देश्य 18 साल से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध को समाप्त कर अफगानिस्तान में शांति स्थापित करना है। समझौते के तहत अमेरिका अगले 14 महीने में अफगानिस्तान से चरणबद्ध तरीके से अपने सैनिक वापस बुलाएगा।

समझौते में कहा गया है कि अफगानिस्तान सरकार 10 मार्च को ओस्लो में अफगान गुटों से वार्ता से पहले पांच हजार तालिबान कैदियों को छोड़ेगी, जबकि तालिबान एक हजार बंदियों को छोड़ेगा। गनी ने रविवार को राजधानी काबुल में पत्रकार वार्ता में कहा, अमेरिका इस तरह का वादा नहीं कर सकता। कैदियों की रिहाई का निर्णय हमें लेना है और हम वार्ता शुरू होने से पहले कैदियों को रिहा करने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका द्वारा कैदियों की रिहाई का आग्रह किया गया है। यह वार्ता का हिस्सा हो सकता है, लेकिन यह पूर्व निर्धारित शर्त नहीं हो सकती।

- समझौता लागू करने के आड़े आ सकता है राष्ट्रपति का एलान

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी काबुल में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए। एएफपी

विश्वास बहाली के लिए कैदियों की रिहाई जरूरी : कतर के विदेश मंत्री मुहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने एक इंटरव्यू में कहा, यह पूरा समझौता 14 महीने का है। इस दौरान विश्वास बहाली के लिए कई प्रयास किए जाने हैं। सभी चीजें एक-दूसरे से जुड़ी हैं। कैदियों की रिहाई विश्वास बहाली के लिए महत्वपूर्ण कदम है, जिसे हमें आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारा प्रतिनिधिमंडल तालिबान और अन्य के साथ बातचीत के लिए तैयार है। मुझे पूरी उम्मीद है कि बातचीत जल्द शुरू होगी।

समझौते के बाद तालिबान ने शुरू किए कूटनीतिक प्रयास पेज>>13

शाहीन बाग के आसपास धारा 144 लागू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दहला देने वाले दिल्ली दंगों की आग अभी शांत भी नहीं पड़ी है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ आंदोलन का पर्याय बने शाहीन बाग में रविवार को अचानक तनाव बढ़ गया। धरना स्थल के आसपास धारा 144 लागू करने के साथ भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। देर शाम दूसरे इलाकों में भी तनाव की अफवाहें उड़ी, जिसके चलते राजधानी के कई मेट्रो स्टेशनों पर सेवाओं को रोक दिया गया। हालांकि पुलिस ने अफवाहों को मजबूती से खारिज कर दिया। वहीं, रविवार को गोकलपुर मेट्रो की पुलिया के पास नाले से दो शव और मिलने के बाद दंगों में मरने वालों की संख्या 44 पहुंच गई है। इन मामलों में पुलिस अब 903 आरोपितों को दबोच चुकी है, जबकि 254 एफआइआर दर्ज की गई है।

दरअसल, कुछ संगठनों ने शाहीन बाग में चल रहे धरने के खिलाफ एक मार्च को प्रदर्शन का आह्वान किया था। हालांकि बाद में उन्होंने अपनी अपील वापस ले ली थी, लेकिन एहतियातन पुलिस ने शाहीन बाग के आस-पास के इलाके में धारा 144 लागू कर दी। इसके बाद वहां काफी संख्या में पुलिस के जवानों के साथ अर्द्धसैनिक बल तैनात कर दिए गए। इससे धरने पर बैठे लोगों ने खलबली मच गई और आसपास के लोग भी पहुंच गए। धरने पर बैठी महिलाओं का कहना था कि हम आखिरी दम तक सड़क से नहीं हटेंगे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि धारा-144 धरना स्थल के आस-पास के इलाकों में लागू की गई है, ताकि आसपास लोग एकत्रित न हो सकें और शांति व्यवस्था बनी रहे।

ताहिर और शाहरुख फरार: दंगे के आरोपित आम आदमी पार्टी से निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन और शाहरुख की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। ताहिर पर आइबी सिपाही अंकित शर्मा की हत्या का आरोप है। पुलिस ने अमरोहा सहित दिल्ली व उत्तर प्रदेश में सभी संबंधित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है, लेकिन वह हाथ नहीं आ रहा है। हेड कांस्टेबल पर पिस्टल तानने वाला शाहरुख भी परिवार सहित फरार है।

दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में रविवार को अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। दरअसल, अफवाह के चलते यहां सुरक्षा के अतिरिक्त बदोबस्त किए गए हैं। एएनआई

अमन की पहल : दंगा प्रभावित इलाकों में रविवार को अध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने दौरा किया और लोगों से भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा, दिल्ली में जो कुछ भी हुआ उसे भूलकर लोग नए सिरे से जिंदगी की शुरुआत करें। बाद में मीडिया से बातचीत में अध्यात्मिक गुरु ने कहा,लोग बहुत डरे हुए हैं। जिम्मेदार लोग उनके बीच आएं और भरोसा दिलाएं ताकि खौफ दूर हो।

गतिरोध टूटा तो सिद्धू लेंगे पंजाब कैबिनेट में वाइल्ड कार्ड एंट्री

कैलाश नाथ, चंडीगढ़ : पंजाब के सियासी हालात बदल रहे हैं। दिल्ली में जीत के बाद पंजाब में आम आदमी पार्टी में नई शक्ति पैदा हुई है तो अकाली दल से बाहर होने के बाद ढींडसा पिता-पुत्र नया फ्रंट बनाने में जुटे हैं। इसी बीच नवजोत सिंह सिद्धू ने सोनिया गांधी व प्रियंका वाड्रा से मुलाकात करके कांग्रेस में हलचल पैदा कर दी है। माना जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सिद्धू को पंजाब कैबिनेट में पुनः वाइल्ड कार्ड एंट्री देना चाहता है, लेकिन ऐसा तभी संभव है जब मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और सिद्धू के बीच गतिरोध टूटे।

कैप्टन फिर सिद्धू को स्थानीय निकाय विभाग देने के हक में नहीं हैं, जबकि सिद्धू इससे कम पर तैयार नहीं हैं। लोकसभा चुनाव के बाद कैप्टन ने सिद्धू से निकाय विभाग लेकर ऊर्जा दे दिया था। इससे खफा होकर सिद्धू ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस की परेशानी यह है कि अगर इस मामले का हल नहीं निकला तो पार्टी को नुकसान उठाना पड़ेगा। सिद्धू 2022 के विस चुनाव में कांग्रेस का बेड़ा पार लगा पाएं या नहीं, पार्टी से बाहर होकर वह कांग्रेस की 'नाव' जरूर डुबा सकते हैं। दिल्ली में जीत के बाद आप और इससे पहले से ही अकाली दल टकसाली की नजरें सिद्धू पर टिकी हुई हैं।

मेक इन इंडिया

वर्ष 2032 तक एमआइ-17 की जगह लेंगे नए चॉपर, 2027 तक एचएएल बनाएगा पहला चॉपर,डिजाइन तैयार-सरकारी मंजूरी इस साल, नौसेना के अलग किस्म के और थलसेना और वायुसेना के लिए एक जैसे बनेंगे

देश में ही तैयार होंगे अपाचे सरीखे बनेंगे युद्धक हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत अब अमेरिकी कंपनी बोइंग के अपाचे हेलीकॉप्टर की टक्कर के स्वदेशी युद्धक हेलीकॉप्टर बनाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का बीड़ा हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सौंपा गया है, जिसे वर्ष 2027 कर 10 से 12 टन के युद्धक हेलीकॉप्टर बनाने हैं। यह स्वदेशी हेलीकॉप्टर 'मेक इन इंडिया' परियोजना के तहत तीनों भारतीय सेनाओं के लिए बनाए जाएंगे जो हर तरह से वैश्विक स्तर के मध्यम भार के युद्धक चॉपर होंगे।

एचएएल के प्रबंध निदेशक और चेयरमैन आर.माधवन ने रविवार को एक इंटरव्यू में बताया कि सरकार ने इस साल परियोजना को मंजूरी दे दी तो इसके कम से कम पांच सौ यूनिट तैयार किए जाएंगे। हालांकि इसका पहला प्रोटोटाइप वर्ष 2023 तक यानि अगले तीन साल में ही तैयार हो पाएगा जबकि पहले चॉपर का उत्पादन वर्ष 2027 तक होगा। एचएएल इस हेलीकॉप्टर केप्रोटोटाइप के लिए प्रारंभिक डिजाइन तैयार कर चुका है। इस हेलीकॉप्टर के डिजाइन और उसके प्रोटोटाइप के उत्पादन के लिए 9,600 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

माधवन ने बताया कि यह प्रोजेक्ट इसलिए भी बेहद अहम है कि अपाचे की तर्ज पर बननेवाले यह स्वदेशी युद्धक हेलीकॉप्टर एमआइ-17 फ्लीट की जगह लेंगे। दस से बारह टन के भार वाले इन स्वदेशी हेलीकॉप्टरों के कारण विभिन्न देशों से आयात किए जाने वाले हेलीकॉप्टरों पर खर्च होने वाले चार लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। एमआइ-17 हेलीकॉप्टर फिलहाल भारतीय वायुसेना की हेलीकॉप्टर फ्लीट की रीढ़ हैं। लेकिन वर्ष 2032 तक इन्हें रिटायर करने की तैयारी है।

10 व 12 टन की दो श्रेणियां बनेंगी : एक सैन्य विशेषज्ञ का कहना है कि तेजस विमानों के बाद एचएएल का यह अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। माधवन ने कहा कि प्रस्तावित मेगाप्रोजेक्ट के तहत इन स्वदेशी हेलीकॉप्टरों की दो श्रेणियां तैयार की जाएंगी जिसमें एक दस टन और दूसरा 12 टन श्रेणी का होगा। हेलीकॉप्टर के प्रारंभिक डिजाइन को पूरा कर लिया गया है। वायुसेना और नौसेना से बातचीत चल रही है। नौसेना का हेलीकॉप्टर थलसेना और वायुसेना से अलग होगा।

उन्नत हथियारों से लैस होंगे चॉपर : माधवन ने बताया कि अपाचे सरीखे हेलीकॉप्टर दो इंजन वाले होंगे। नौसेना के जहाज के डेक के अभियानों के लिए इनके पंखों केब्लेड को फ्लोडेबल बनाया जाएगा। इन हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल हमले, हवाई परिवहन, युद्धक अभियानों व बचाव कार्यों में किया जाएगा। यह बेहद उन्नत किस्म के हथियारों से लैस होंगे।

अपाचे हेलीकॉप्टर फाइल फोटो

अमेरिका से खरीदे जा रहे 28 अपाचे

पिछले ही हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान हुए रक्षा सौदे से भारतीय वायुसेना को कुल 22 अपाचे गार्जियन युद्धक हेलीकॉप्टर हासिल होने वाले हैं। यह भारत ने अमेरिकी कंपनी बोइंग से कई अरब डॉलर के सौदे में हासिल किए हैं। जबकि भारतीय थल सेना को भी हथियार प्रणाली से सुसज्जित छह अपाचे हेलीकॉप्टर मिलेंगे। लेकिन फौरी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही भारत आने वाले सालों में सैन्य हथियारों और उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भर होना चाहता है।

आर्मेनिया को 280 करोड़ रुपये की रडार प्रणाली निर्यात करेगा भारत पेज>>3

फर्जी हथियार लाइसेंस मामले में दो पूर्व जिला मजिस्ट्रेट गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर बने फर्जी गन लाइसेंस मामले की जांच कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने कुपवाड़ा के दो पूर्व जिला मजिस्ट्रेट को गिरफ्तार किया है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) अधिकारी राजीव रंजन और कश्मीर प्रशासनिक सेवा (केएएस) अधिकारी इतरत हुसैन शामिल हैं। दोनों पर फर्जी गन लाइसेंस मामले में शामिल होने के सुबूत मिले हैं। सीबीआइ प्रवक्ता ने रविवार को दोनों अधिकारियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर भी इस मामले की गाज गिरना तय माना जा रहा है।

सीबीआइ प्रवक्ता के अनुसार इतरत हुसैन व राजीव रंजन ने कुपवाड़ा में जिला मजिस्ट्रेट पद पर अपनी तैनाती के दौरान नियमों का उल्लंघन कर बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेजों पर गन लाइसेंस जारी किए। सीबीआइ ने जम्मू-कश्मीर सरकार को विश्वास में लेकर केंद्र सरकार की अधिसूचना के आधार पर कश्मीर में 17 मई, 2018 को फर्जी गन लाइसेंस जारी होने का मामला दर्ज किया था। इस मामले में आरोप थे कि जम्मू-कश्मीर में 2012 से 2016 के बीच कई जिलों के डिप्टी कमिश्नरों ने नियमों को ताक पर रखकर बड़े पैमाने पर गन लाइसेंस जारी किए थे। इस मामले में जांच जारी है।

- सीबीआइ को जम्मू-कश्मीर के दोनों अधिकारियों के खिलाफ मामले में शामिल होने के सुबूत मिले
- दोनों पर तैनाती के दौरान नियमों का उल्लंघन कर बड़े पैमाने पर गन लाइसेंस जारी करने का आरोप

दो महीने पहले हुई थी बड़ी छापेमारी पेज>>6

अफवाहों के चलते दहशत में आई दिल्ली, दौड़ती रही पुलिस

बढ़ी चौकसी ▶ 15 मिनट के लिए छह मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकासी रोकी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में गत दिनों हुई सांप्रदायिक हिंसा की आग अभी पूरी तरह बुझ भी नहीं पाई है कि इसी बीच रविवार की शाम कई इलाकों में दंगे की अफवाह फैलने से दिल्ली में दहशत फैल गई। सोशल मीडिया के जरिये अफवाह फैलती गई, इसके बाद पुलिस ने भी सोशल मीडिया के जरिये अफवाह का खंडन किया। हालांकि एहतियातन पूरी दिल्ली में चौकसी बढ़ी दी गई। छह मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास पर रोक लगा दी गई। लेकिन 15 मिनट बाद ही हालात सामान्य होने पर यात्रियों को प्रवेश व निकासी की सुविधा दे दी गई। अफवाह शाम 7.30 बजे फैलनी शुरू हुई और रात साढे नौ बजे तक फैलती रही। दक्षिण-पूर्वी, दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण जिले में तीन दर्जन से ज्यादा स्थानों पर दंगा और सांप्रदायिक तनाव फैलने की अफवाह फैली। अफवाहों पर तीनों जिले की पुलिस दौड़ती रही। सभी सूचनाएं फर्जी पाए जाने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।

दक्षिण-पूर्वी जिले में दुकानों व घरों में आग लगाने की फैली अफवाह : दक्षिण-पूर्वी जिले के न्यू फ्रैंडस कॉलोनी, मदनपुर खादर, आली गांव, जेजे कॉलोनी, मोलड़बंद, जैतपुर, बदरपुर, खड्डा कॉलोनी, महरौली, पुल प्रहलादपुर, तिगड़ी और देवली आदि इलाकों में कहीं पथराव तो कहीं गोली चलने तो कहीं दुकानों व मकानों में आग लगाने की अफवाह फैली। इसके चलते न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी सहित अन्य आवासीय कॉलोनियों में सुरक्षा गार्डों ने गेट बंद कर लिए। वहीं बाजारों में दुकानें बंद होने लगीं। इसी तरह दक्षिण जिले के संगम विहार, नेब सराय, फ्रीडम फाइटर कालोनी, मैदानगढ़ी, फतेहपुरबेरी, महरौली, मालवीय नगर, खिड़की एक्सटेंशन, हौजरानी, मदनगीर, आरके पुरम, नानकपुरा, मुनिरका, वंसत विहार आदि इलाके में भी ऐसी ही अफवाह फैली। दक्षिण-पश्चिम जिले के किशनगढ़, रजोकरी, मसूदपुर, आया नगर समेत कई इलाकों में भी ऐसी की अफवाह फैली। इन इलाकों में भी दुकानदारों ने दुकानें बंद कर लीं और लोगों ने घरों के दरवाजे बंद कर लिए। बाजारों में दुकानें व मॉल बंद होने लगे। लोग मॉल से बाहर निकलने के लिए भागदौड़ करने लगे। यहां भी कहीं गोली चलने तो कहीं हिंसा की बात उड़ने लगी। अफवाहों के बीच पश्चिमी रेंज की संयुक्त आयुक्त शालिनी सिंह ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरा इलाका शांत है। उक्त ट्वीट के बाद पुलिस अधिकारियों ने भी गश्त शुरू कर दी। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर अफवाहों पर ध्यान न देने की बात कही। तब जाकर एक घंटे बाद माहौल शांत हुआ।

बाहरी दिल्ली में फायरिंग और सांप्रदायिक हिंसा की थी अफवाह : बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी में एक अखाड़े पर गोली चलने व सांप्रदायिक हिंसा की अफवाह फैला दी गई। बुध विहार थाना क्षेत्र के वाई ब्लाक स्थित पहलवानों के अखाड़े पर भी फायरिंग होने की अफवाह उड़ा दी गई। रोहिणी में भी कई जगहों पर ऐसी अफवाह फैली। इससे कई जगहों पर लोगों ने दुकानें बंद कर दीं। लोग घरों से बाहर एकत्रित होने लगे। कोई रोहिणी सेक्टर तीन, 21, 24 व नाहरपुर में हिंसा होने की बात कह रहा था तो कोई मधुबन चौक, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी आदि जगहों में हिंसा फैलने की बात कह रहा था। पुलिस लोगों से शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील कर रही थी। मंगोलपुरी के जिस वाई ब्लॉक में हिंसा फैलने की अफवाह उड़ाई गई। वहां दोनों समुदाय के लोग एकत्रित हुए और उन्होंने एक वीडियो बनाकर तेजी से वायरल कर दिया कि यहां कोई घटना नहीं हुई है। यहां दोनों समुदाय के लोग एक साथ सद्भाव के साथ हैं। कई अन्य सामाजिक संगठनों ने भी इस दिशा में पहल की और माहौल को सामान्य बनाने की कोशिश की।

यमुनापार में भी फिर हिंसा भड़कने की फैली अफवाह : यमुनापार के दयालपुर, करावल नगर, वेलकम, चांदबाग, सीलमपुर, खुरेजी, त्रिलोकपुरी, सहित कई अन्य इलाके में दंगों की अफवाह फैल गई। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को बताया कि ऐसा अराजक तत्वों द्वारा किया जारहा है। अफवाहें फैला रहे हैं जिससे शांति व्यवस्था में बाधा आए। लोगों को अगाह किया जाता है कि न तो इन अफवाहों को फैलाएं और ना इन पर भरोसा करें। पूरी दिल्ली में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है और स्थिति शांत है। अफवाह फैलने वालों से सख्ती से निपटा जा रहा है। दिल्ली के नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाएं और शांति बनाए रखने में हरसंभव मदद करें।

ये मेट्रो स्टेशन बंद हुए : एहतियातन पुलिस ने तिलक नगर, जनकपुरी, उत्तम नगर ईस्ट, उत्तम नगर वेस्ट पर प्रवेश व निकासी बंद करा दिया। बाद में अफवाह की बात सामने आने पर करीब 15 मिनट बाद सभी मेट्रो स्टेशन खोल दिए गए।

दंगे के दौरान सक्रिय सोशल मीडिया के संदिग्ध 40 अकाउंट बंद करवाए

जासं, नई दिल्ली : उत्तर-पूर्वी जिले में हुई सांप्रदायिक हिंसा मामले में सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हिंसा के दौरान स्थानीय सहित देश के बाहर से संचालित कई अकाउंट से सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डाले जा रहे थे। इनमें वीडियो, चित्र और ऑडियो क्लिप शामिल हैं। ज्यादातर अकाउंट ट्विटर, फेसबूक और इंस्टाग्राम पर बनाए गए थे। पुलिस ने इनमें से 40 सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान की। जिसके बाद कंपनी को निर्देश देकर उन खातों को निलंबित करा दिया गया। इस मामले में अब तक 20 मामलों में एफआइआर दर्ज की गई है। अकाउंट चलाने वालों पर दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने मुकदमा दर्ज किया है।

हिंसा के दौरान दर्जनों लोगों की जान जाने के साथ ही आगजनी व पथराव से संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है। एक हफ्ते बाद भी उन इलाकों में स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है। वहीं, अफवाह का दौर जारी है।

दोषियों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई : रविशंकर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

भजनपुरा में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद पीड़ितों का दर्द सुनते श्री श्री रविशंकर। ध्रुव कुमार

उत्तर-पूर्वी दिल्ली इलाके में हिंसा से कई लोग बुरी तरह प्रभावित हुए है। ऐसे में हमें पीड़ितों को सदमे से बाहर लाकर उनके जीवन को वापस पटरी पर लाना है। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। हिंसा के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ये बातें धर्मगुरु श्री श्री रविशंकर ने हिंसा प्रभावित भजनपुरा व ब्रह्मपुरी इलाके के दौरा कर कहीं।

उन्होंने कहा कि सिर्फ मुआवजा देना ही काफी नही है। हिंसा पीड़ित लोगों से मिलकर उनका दुख-दर्द जानने की जरूरत है। उन्होंने दंगा प्रभावित लोगों से मिलकर संवेदना जताई और अपने शिष्यों और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे दंगा प्रभावित इलाकों में जाकर लोगों से मिलें और उनकी हर संभव मदद करें। साथ ही कहा कि दंगा प्रभावित इलाकों के उन लोगों से हमें भी सीखने की जरूरत है, जिन्होंने दूसरों की जान बचाकर आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की है। इस हिंसा से पीड़ित सभी परिवारों का दुख दर्द हम सभी को मिलकर दूर करना होगा। समाज के सभी लोगों को आगे बढ़कर इनकी मदद करनी चाहिए क्योंकि ये सभी भयंकर पीड़ा में हैं। जिस परिस्थिति को इन्होंने झेला है, उसमें मानसिक स्थिति बहुत कमजोर हो जाती है। दंगा प्रभावित इलाके लोगों की मानसिक स्थिति को मजबूत बनाने में समाज के सभी लोगों को आगे बढ़ना होगा।

हम चाहते हैं लोग घरों में लौटें तो पड़ोसी स्वागत करें : केजरीवाल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगा प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए दिल्ली सरकार तेजी से काम कर रही है। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार दंगों से प्रभावित लोगों के लिए बेहतर प्रयास कर रही है। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार यह चाहती है कि लोग अपने घरों में लौटें जहां उनके पड़ोसी उनका स्वागत करें।

केजरीवाल ने कहा कि हमलोग बेहतर प्रयास कर रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा हूं कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति के पास राहत पहुंचे। रविवार दोपहर उत्तर-पूर्वी दिल्ली में स्थिति सामान्य रही और इलाके में बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात है जहां सांप्रदायिक दंगा हुआ था। पुलिस क्षेत्र में लोगों तक पहुंचने का काम कर रही है।

तबाही के लिए अवैध फैक्ट्री से पहुंचाया गया तेजाब

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- पार्षद ताहिर के घर से तेजाब बम भी हुए हैं बरामद
- फिरोज खान की इस फैक्ट्री में रखा मिला हजारों लीटर तेजाब

जैसे-जैसे शांति बहाली हो रही है, दंगाइयों के चेहरों से नकाब हटता जा रहा है। क्राइम ब्रांच को जांच के दौरान अब एक ऐसी अवैध तेजाब फैक्ट्री का पता लगा है, जिससे आम आदमी पार्टी से निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन के घर पर तेजाब पहुंचाया गया था। इस तेजाब का इस्तेमाल दंगाइयों ने बम बनाने में किया था।

दंगे का सबसे भीषण दंश झेलने वाले शिव विहार आदि कुछ इलाकों में तनाव बरकरार है। इन इलाकों में अर्धसैनिक बल की तैनाती पहले की तरह रहेगी, लेकिन जहां हालात पूरी तरह सामान्य हैं, वहां से अर्धसैनिक बल को हटाया जाने लगा है। दिल्ली पुलिस प्रवक्ता मंदीप सिंह रंधावा ने बताया कि कुछ इलाकों को छोड़कर अधिकतर में शांति बहाल हो चुकी है। उधर हिंसा के सात दिन बाद पुलिस को शिव विहार के पास स्थित गोविंद विहार से तेजाब बनाने की अवैध फैक्ट्री के बारे में जानकारी मिली है, जो कि फिरोज खान नाम के व्यक्ति की बताई जा रही है। यहां पानी की टंकियों में हजारों लीटर तेजाब मिला है। जांच में स्थानीय लोगों से जानकारी मिली है कि दंगे से कुछ दिन पहले से फैक्ट्री में लोगों की गतिविधि बढ़ गई थीं। तेजाब ले जाकर लोग इकट्ठा कर रहे थे। यही नहीं आप के निलंबित पार्षद ताहिर के घर से भी पुलिस को तेजाब बम मिले हैं, जिन्हें बनाने के लिए तेजाब इसी फैक्ट्री से ले जाया गया।

आर्थिक सहायता मिलनी शुरू : दंगे में पीड़ित लोगों को जिला प्रशासन ने आर्थिक सहायता देना शुरू कर दिया है। शनिवार तक 69 लोग इसके लिए आवेदन कर चुके थे, जिन्हें 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

बरेली में ड्रग्स माफिया के बीच छिपा हो सकता है शाहरुख

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

- शाहरुख को नहीं पकड़ पाना स्पेशल सेल की बड़ी विफलता

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में गत 24 फरवरी को मौजपुर चौक के पास दंगे के दौरान सरेआम हवा में पिस्टल लहराने और पुलिस की तीसरी बटालियन में तैनात हवलदार दीपक दहिया पर सामने से पिस्टल तानने वाले शाहरुख को अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाना पुलिस की बड़ी विफलता मानी जा रही है। पिछले सात दिनों से शाहरुख परिवार समेत घर से फरार है। पुलिस पहले केवल शाहरुख की तलाश करती रही, लेकिन अब उसका परिवार भी फरार हो गया है। सूत्रों के मुताबिक वह समर्पण करने की फिराक में है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक शाहरुख का मोबाइल 28 फरवरी तक ऑन था। बावजूद इसके पुलिस उसकी लोकेशन का पता लगाकर दबोच नहीं सकी। सूत्र बता रहे हैं कि वह उत्तर-पूर्वी जिले के कुछ पुलिस कर्मियों से अलग-अलग नंबरों से संपर्क कर रहा है। ऐसे में उसके जल्द समर्पण करने के कयास लगाए जा रहे हैं।

22 वर्षीय शाहरुख मूलरूप से पंजाब का रहने वाला है। उसका पिता साबिर राणा भी ड्रग्स तस्कर रहा है, जो पंजाब से हेरोइन आदि लाकर दिल्ली व उत्तर प्रदेश में आपूर्ति करता था। इसमें शाहरुख की मां भी मदद करती थी। अब अपाहिज हो चुका साबिर 25-30 वर्षों तक पंजाब, दिल्ली व उत्तर प्रदेश की जेलों में बंद रहा है। शाहरुख पिछले कई साल से घोंडा के अरविंद नगर में रहता है। परिवार में माता-पिता के अलावा दो भाई हैं। इसमें एक बड़ा और एक उससे छोटा है। उसके बड़े भाई पर भी दंगे में शामिल होने का आरोप है।

शाहरुख ने चलाई थीं सात गोलियां : 24 फरवरी को मौजपुर चौक के पास दंगे हुए थे। दोनों तरफ की सड़कों पर आमने-सामने दो समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे पर जमकर पथराव किया था और गोलियां चलाई थीं। उसी समय शाहरुख ने हेड कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्टल तान दी थी। हालांकि पिस्टल की सभी सात गोलियां वह पहले ही दाग चुका था। इस वजह से दीपक की जान बच गई।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बरेली व रामपुर के बीच कई ऐसे कस्बे हैं जो देश में ड्रग्स का सबसे बड़ा अड्डा माने जाते हैं। ड्रग्स की सभी बड़ी डील वहीं से होती हैं। वहां से किसी को पकड़ पाना बहुत मुश्किल होता है। शाहरुख के पिता साबिर के वहां के ड्रग्स माफिया से बहुत अच्छे संबंध हैं। ऐसे में वह बरेली में ही कहीं परिवार के साथ छिप गया है। उसके कुछ रिश्तेदार मुजफ्फरनगर व कैराना में भी रहते हैं। पुलिस शाहरुख के हर संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर चुकी है, लेकिन वह हाथ नहीं आ रहा है।

पतंजलि उत्पाद के पैकेट में ड्रग्स विदेश भेजने वाले दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- आरोपित प्रतिबंधित दवा एयर कोरियर से ब्रिटेन भेजते थे
- इनका इस्तेमाल पब और नाइट क्लबों में पार्टी ड्रग्स के रूप में किया जाता था

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ड्रग्स के रूप में प्रयोग होने वाली प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। वे प्रतिबंधित दवा पतंजलि उत्पाद के पैकेट में एयर कोरियर से ब्रिटेन भेजते थे। उनके पास से अलग-अलग तरह की 232 किलो ड्रग्स बरामद हुई है। इस खेप को विदेश भेजा जाना था। आरोपितों की पहचान गुरुग्राम निवासी पुनीत अरोड़ा और उत्तम नगर निवासी विनोद कुमार के रूप में हुई है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है।

स्पेशल सेल के डीसीपी संजीव कुमार यादव ने बताया कि स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि ड्रग्स तस्कर गिरोह के सदस्य प्रतिबंधित नशीली दवाएं विदेश भेज रहे है। इस दौरान पता चला कि ड्रग्स तस्कर पुनीत अरोड़ा और विनोद कुमार प्रतिबंधित दवाओं की बड़ी खेप विदेश भेजने वाला है। वे मटियाला गांव में मिलने वाले थे। इसकी सूचना मिलने पर एसीपी संजय दत्त, इंस्पेक्टर तिलक चंद्र बिष्ट, पवन कुमार सहित एसआइ मनिंदर और एएसआइ महीलाल मीणा की टीम ने 26 फरवरी को पुनीत अरोड़ा और विनोद कुमार को दबोच लिया। उनके पास से 76 किलोग्राम भार की प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गई हैं। बाद में उनकी निशानदेही पर 32.8 किलो ट्रामाडोल कैप्सूल, 123.3 किलोग्राम ट्रामाडोल टैबलेट भी जब्त किए गए। पुनीत का पिता प्रवीण अरोड़ा ब्रिटेन के बर्मिंघम में एक आयुर्वेदिक दवा की दुकान चलाता है। इसकी आड़ में वह ट्रामाडोल, अल्प्राजोलम जैसी प्रतिबंधित दवाइयां अन्य को आपूर्ति करता था। इनका इस्तेमाल वहां के पब और नाइट क्लबों में पार्टी ड्रग्स के रूप में किया जाता था।

विनोद कुमार पहले एयर कूरियर कंपनी में काम करता था। वहीं उसके कस्टम क्लियरिंग एजेंटों से भी संपर्क है। वह पतंजलि के विभिन्न उत्पादों के साथ ड्रग्स के कैप्सूल और टैबलेट को पैक कर देता था।

अकाली दल की दिल्ली इकाई में घमासान

संतोष कुमार सिंह, नई दिल्ली

गुरु हरकिशन स्कूल को लेकर विवाद बढ़ा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल को लेकर सिख नेताओं के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। मामला पुलिस तक पहुंच गया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ ही पूर्व अध्यक्ष अवतार सिंह व मीडिया सलाहकार सुदीप सिंह के खिलाफ उनके फर्जी हस्ताक्षर करके बदनाम करने का आरोप लगाया है। इसकी शिकायत उन्होंने नॉर्थ एवेन्यू थाने में की है। कमेटी के मीडिया विभाग ने पिछले दिनों जीके के हस्ताक्षर वाला एक पत्र जारी करके स्कूल हित की सोसाइटी को दिए जाने का दावा किया था। जग आसरा गुरु ओट (जागो) के महासचिव परमिंदर पाल सिंह ने इस पत्र को फर्जी बताया था। बाद में कमेटी अध्यक्ष ने भी इसे फर्जी मान लिया था। जीके ने आरोप लगाया है कि उनके फर्जी हस्ताक्षर से स्कूल पर कब्जा करने की कोशिश के साथ ही उनकी छवि धूमिल की गई है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) के पदाधिकारियों के बीच लड़ाई एक बार फिर तेज हो गई है। कमेटी के उपाध्यक्ष कुलवंत सिंह बाठ ने अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हाल के दिनों में कई मुद्दों पर उन्होंने खुलकर पार्टी नेतृत्व की आलोचना की है। उन्होंने राजनीतिक चुनाव लड़ने वालों को कमेटी से अलग करने की मांग की है। उनके बागी तेवर से आने वाले दिनों में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) बादल और डीएसजीपीसी में लड़ाई और बढ़ सकती है। इससे पहले मनजीत सिंह जीके और सिरसा आमने-सामने थे। इस वजह से जीके को अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था।

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर शिअद बादल के पाले में जाने वाले बाठ अब खुद को अकाली मानने से इन्कार कर रहे हैं। वह खुद को आज भी भाजपा का सदस्य बता रहे हैं। उनका कहना है, 'मैं कमेटी का चुनाव संगत की सेवा के लिए लड़ा था। अकाली दल के दबाव में मैंने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दिया था। कमेटी के कामकाज के तरीके से मैं खुश नहीं हूं। धार्मिक संस्था की जिम्मेदारी राजनीतिक चुनाव लड़ने वालों को नहीं मिलनी चाहिए। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल से भी यह मांग कर चुका हूं।' उनके इस तरह के बयान से यह माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में वह कमेटी के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा भी दे सकते हैं। हालांकिइस बारे में वह खुलकर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा से गठबंधन टूटने के बाद से उनके सुर बदले हुए हैं। दोनों पार्टियों के बीच समझौता टूटने के बावजूद उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार शुरू कर दिया था। बताते हैं कि बाठ व अन्य नेताओं के दबाव की वजह से ही अकाली नेतृत्व को भाजपा प्रत्याशियों को समर्थन देने का फैसला करना पड़ा था। वहीं, उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद भी उनका बगावती तेवर सामने आ रहा है। उनके एक बयान पर कमेटी अध्यक्ष ने आपत्ति जताई है। इस पर पलटवार करते हुए उन्होंने अध्यक्ष पर ही गैर जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगा दिया। इसके साथ ही कमेटी की ओर से हिंसा प्रभावित क्षेत्र में लगाए जा रहे लंगर पर भी उन्होंने सवाल खड़ा किया है। उनका कहना है कि सड़क किनारे ट्रक खड़ा करके फोटो खिंचवाना लंगर मर्यादा के उलट सिर्फ सस्ती लोकप्रियता हासिल करना है।

कंफर्म टिकट के बावजूद नहीं दिया बोर्डिंग पास, लगा जुर्माना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- फोरम ने एयर इंडिया को उपभोक्ता को 19 हजार देने का दिया आदेश

फ्लाइट का कंफर्म टिकट होने के बावजूद उपभोक्ता को बोर्डिंग पास नहीं दिया गया। दलील दी गई कि फ्लाइट ओवर बुक हो गई है। उपभोक्ता को अगले दिन की यात्रा करने के लिए कहा गया। काफी मशक्कत के बाद एयरलाइंस की तरफ से होटल उपलब्ध कराया गया, लेकिन खाने के बजट पर पाबंदी लगा दी गई। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम में केस दायर किया। फोरम ने उपभोक्ता के हक में फैसला दिया है। एयर इंडिया को आदेश दिया गया है कि चार हजार रुपये प्रताड़ना और 15 हजार रुपये बतौर केस खर्च उपभोक्ता को दिए जाएं।

पेशे से अधिवक्ता दीपा राय ने एयर इंडिया के खिलाफ केस दायर किया था। शिकायत में कहा गया था कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के बागडोगरा जाने के लिए 13 हजार 864 रुपये का टिकट 2 अक्टूबर 2014 को लिया था। फ्लाइट इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दोपहर 1 बजकर 15 मिनट पर उड़नी थी। लेकिन काउंटर पर समय पर आने के बावजूद बोर्डिंग पास नहीं दिया। करीब साढ़े 12 बजे प्रबंधक ने बताया कि ओवर बुकिंग होने की वजह से सीट उपलब्ध नहीं है। उनके साथ कई अन्य यात्री भी भटकते रहे और किसी ने कोई सहायता नहीं की। कई जगह हाथ-पांव मारने के बाद बोर्डिंग पास मिल गए, लेकिन वह अगले दिन की फ्लाइट के थे। लंबी बहस करने के बाद विमान कंपनी ने महिपालपुर में होटल उपलब्ध कराया, लेकिन खाने पर पाबंदी लगा दी। होटल में 550 रुपये से ज्यादा का बिल कंपनी ने अदा करने से इन्कार कर दिया, जबकि वहां कोई भी व्यंजन 350 रुपये से कम नहीं था। ऐसे में उन्होंने खुद के पैसे खर्च कर खाना खाया।

फोरम के नोटिस पर एयर इंडिया की तरफ से कहा गया कि ओवर बुकिंग की वजह से समस्या हुई और उपभोक्ता ने अगले दिन की फ्लाइट से जाने में सहमति जताई। अच्छे स्तर के होटल में ठहराया और सेवा में कोई कोताही नहीं बरती गई। फोरम ने इन दलीलों को नहीं माना और पाया कि सीट अलॉट होने के बावजूद बोर्डिंग पास नहीं दिया गया।

प्रदूषण पर वार

राजधानी में वायु प्रदूषण कम करने को लेकर गत दिन हुई बैठक में विशेषज्ञों ने दिए कई अहम सुझाव

डस्ट पॉल्यूशन रोकने को बनना होगा पूरे साल का चार्ट

वी.के. शुक्ला, नई दिल्ली

करावल नगर में सड़क की जर्जर हालत। जागरण

ठंड के मौसम में दिल्ली में निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगा था। लेकिन, राजधानी में डस्ट पॉल्यूशन बढ़ रहा था। सर्वे में यह बात सामने आई है कि टूटी सड़कों से डस्ट पॉल्यूशन बढ़ रहा था। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रदूषण के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों ने इस समस्या को लेकर सुझाव दिए हैं। दरअसल, पिछले दिनों दिल्ली सचिवालय में प्रदूषण को कम करने को लेकर एक राउंड टेबल बैठक हुई थी। बैठक में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि ठंड के समय डस्ट पॉल्यूशन रोकने के लिए पूरे साल के लिए चार्ट बनाकर काम करना होगा।

आइआइटी दिल्ली के विशेषज्ञ हर्ष कोत्रा कहते हैं कि जैसे ही डस्ट पॉल्यूशन बढ़ा, निर्माण कार्य की गतिविधियां बंद कर दी गईं। लेकिन खुदी हुई सड़कों का कोई समाधान नहीं निकाला गया। निर्माण कार्य बंद होने से डस्ट पॉल्यूशन कम हुआ, लेकिन खुदी हुई सड़कों से डस्ट पॉल्यूशन होता रहा है। इसमें एक साल का चार्ट बनाकर निर्माण जागरूकता अभियान चलाना चाहिए।

वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के डॉ. जयप्रकाश कहते हैं कि जब किसी कार्य का टेंडर होता है, तब उसमें भी यह शामिल हो कि ठेकेदार और निर्माण कराने वाली एजेंसी ही सड़कों की मरम्मत कराएंगी। इस नियम का सख्ती से पालन होना चाहिए। जनता को भी जागरूक किया जाए कि निर्माण से संबंधित सभी गतिविधि अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएं। क्योंकि, अक्टूबर के बाद जब ठंड का मौसम शुरू होता है, तब इनडोर गतिविधि पर फोकस रहे। अगर ऐसा होता है कि तो शायद निर्माण कार्य पूरी तरह से बंद करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सर्दी में क्यों नहीं हो सका सड़कों का मरम्मत कार्य : सड़क बनाने का काम रात में होता है। अभी तक सुप्रीम कोर्ट ने रात में निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगा रखा था। इससे पहले ही प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली में 4 नवंबर से निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वहीं 9 दिसंबर से दिन में सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक निर्माण कार्य की अनुमति दी गई थी। मगर रात में अनुमति नहीं थी। चूंकि सड़कें बनाने का काम रात में ही होता है। इसलिए काम शुरू नहीं हो सका। 14 फरवरी से अब 24 घंटे निर्माण की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने दी है।

> हम हर तरह के प्रदूषण और उनके कारकों पर नजर रख रहे हैं। धूल प्रदूषण को रोकने को लेकर भी सुझाव आए हैं। इन पर गौर किया जा रहा है। एक प्लान तैयार किया जा रहा है कि किस तरह के प्रदूषण से किस तरह निपटा जा सके। हमारा मकसद दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाना है।
> –गोपाल राय, पर्यावरण मंत्री, दिल्ली सरकार

यहां सड़कें बढ़ा रहीं प्रदूषण: दक्षिणी दिल्ली में मथुरा रोड पर आली गांव, बदरपुर फ्लाइओवर, जैतपुर मोड़ के पास सड़क काफी टूटी है। वहीं एमबी रोड पर संगम विहार के सामने, देवली के सामने सड़क टूटी है। आउटर रिंग रोड पर नेहरू प्लेस फ्लाइओवर के नीचे सड़क की हालत खराब है।

एफसीएम दवा से गर्भवती महिलाएं होंगी एनीमिया मुक्त

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

- एम्स के डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं को यह दवा देने की केंद्र से की सिफारिश

एनीमिया देश में एक बड़ी समस्या है। लंबे समय से एनीमिया को दूर करने के लिए कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को निशुल्क आयरन की गोली भी उपलब्ध कराई जाती है। फिर भी समस्या दूर होती नहीं दिख रही है। इसके मद्देनजर एम्स के डॉक्टरों ने एनीमिया नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलाव करने व हीमोग्लोबिन की कमी से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को आयरन की गोली की जगह एफसीएम (फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज) दवा देने की सिफारिश की है। यह दवा इंजेक्शन के रूप में आती है। डॉक्टरों का कहना है कि गर्भवती महिलाओं को यह दवा सिर्फ एक बार लेनी होगी। उनका दावा है कि यह दवा देश को एनीमिया मुक्त करने में बड़ी मददगार साबित होगी।

एम्स के डॉक्टर कहते हैं कि संस्थान के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा अध्ययन करने के बाद सरकार से इसके इस्तेमाल के लिए सिफारिश की गई है। उम्मीद है कि सरकार आने वाले दिनों में इसे लागू भी करेगी। अमेरिका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया व यूरोप में गर्भावस्था के दूसरे व तीसरे तिमाही में गर्भवती महिलाओं के इस्तेमाल के लिए इस दवा को स्वीकृति प्राप्त है। लेकिन भारत में इस दवा को देने का प्रावधान नहीं है।

सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. पुनीत मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में एनीमिया मुक्त भारत के लिए पहल की। इसके तहत एनीमिया के मामलों में हर साल तीन फीसद कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग पर सरकार ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत विभाग को एनीमिया नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र घोषित किया गया है।

35 हजार करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों का निर्यात लक्ष्य तय किया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। रक्षा मंत्रालय ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है।

आर्मेनिया को 280 करोड़ की रडार प्रणाली निर्यात करेगा भारत

नई दिल्ली, एएनआइ : भारत ने रूस और पोलैंड की कंपनियों को पछाड़कर आर्मेनिया के लिए चार करोड़ डॉलर (करीब 280 करोड़ रुपये) का एक रक्षा सौदा झटक लिया है। भारत इस ईसाई बहुल देश के लिए चार वेपन लोकेटिंग रडार (डब्लूएलआर) यानि घातक स्वाति का उत्पादन करेगा।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, इन रडारों का निर्माण सोवियत संघ का हिस्सा रहे यूरोप स्थित आर्मेनिया के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) संयुक्त रूप से इन रडार का निर्माण और उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आर्मेनिया को इन रडार की आपूर्ति शुरू की जा चुकी है। इस रक्षा सौदे को भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' प्रोजेक्ट के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

मेक इन इंडिया

- रूस-पोलैंड को पछाड़ कर डीआरडीओ ने हासिल किया रक्षा सौदा
- चार स्वाति रडार प्रणालियों की आपूर्ति भी भारत ने शुरू कर दी है

प्रतीकात्मक फोटो

सूत्रों का कहना है कि आर्मेनिया ने रूस और पोलैंड की प्रणालियों के कई परीक्षण किए थे, जो कि अच्छे पाए गए थे, लेकिन उन्होंने भारत की विश्वसनीय व्यवस्था के साथ जाना बेहतर समझा है। यह रक्षा करार चार स्वाति रडार के लिए हुए हैं। इनकी खासियत ये है कि यह दुश्मन के हथियारों की मौजूदगी तलाश कर उन्हें तबाह करने के लिए सेना को गाइड करने का काम करता है। यह तेज गति, स्वचालित और दुश्मन की सटीक लोकेशन बताने वाले मोर्टारों, गोला-बारूदों और राकेटों से लैस है। इसकी मारक क्षमता 50 किलोमीटर रेंज की है।

लैटिन अमेरिका, दक्षिणपूर्व एशिया, पश्चिम एशिया पर नजर : रक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार वेपन लोकेटिंग रडार (डब्लूएलआर) निर्यात के इस आर्डर से भारत को अपने हथियारों और रक्षा प्रणालियों की बिक्री के लिए एक नया बाजार बनाने में मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय भी निर्यात आर्डरों के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका और पश्चिम एशिया के देशों पर नजर जमाए हुए है। ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिए 35,000 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों के निर्यात के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

एक से दो मिनट में लक्ष्य तबाह करने की ताकत

इस रडार से ये आसानी से पता लगेगा कि फायरिंग कहां से हो रही है। रॉकेट लांचर कहां से दागे जा रहे हैं और उनकी दूरी और ट्रेजेक्टरी क्या है। सारी जानकारी कुछ मिनटों में ही स्वाति रडार से मिल जाएगी। ये दुश्मन के मोर्टार राकेट लांचर और आर्टिलरी गन को सिर्फ एक से दो मिनट में तबाह करने की ताकत रखता है, क्योंकि इससे दुश्मन पर नजर रखी जाती है और उनसे पहले माकूल जवाब देता है। रडार सिस्टम को फायर सिस्टम से जोड़ने पर फायरिंग की जानकारी के साथ स्वचालित तरीके से मुंहतोड़ जवाब दिया जा सकता है। इस रडार सिस्टम की अहमियत सीमा पार गोलीबारी वाले क्षेत्रों में भी होती है। इस स्वदेशी रडार प्रणाली को भारतीय सेना में पहले ही शामिल किया जा चुका है।

प्रियंका नहीं जाएंगी राज्यसभा, कांग्रेस में तीन दर्जन दावेदार

प्रियंका गांधी वाड्रा फाइल फोटो

- दिग्गजों और युवाओं में संतुलन की कोशिश
- मुखर, वाकपटु और दमदार युवा चेहरों को भी मिलेगा मौका
- राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में दर्जन भर सीटें मिलेंगी

संजय मिश्र, नई दिल्ली

दावेदारों की बड़ी संख्या के चलते कांग्रेस हाईकमान के लिए राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवारों का फैसला करना बड़ी चुनौती बन गया है। रिटायर हो रहे सदस्यों के अलावा लोकसभा चुनाव में शिकस्त खाने वाले पार्टी के कई नए-पुराने दिग्गज अब राज्यसभा में पहुंचने के लिए जोर लगा रहे हैं। कांग्रेस को राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में दर्जन भर सीटें मिलेंगी, मगर एक अनार सौ बीमार की तर्ज पर इनके लिए पार्टी के तीन दर्जन नेता जोर लगा रहे हैं। नेताओं की दावेदारी के बीच एक संकेत हाईकमान की ओर से साफ है कि प्रियंका गांधी वाड्रा राज्यसभा में नहीं जाएंगी।

पुरानी और युवा पीढ़ी के नेताओं के बीच राज्यसभा सीट के लिए जारी जोर आजमाइश में हाईकमान दोनों खेमों के बीच संतुलन बनाते हुए उम्मीदवारी तय करेगा। इन संकेतों से साफ है कि पुराने नेताओं के साथ कांग्रेस के नए तेज-तर्रार चेहरों को भी राज्यसभा में लाया जाएगा। पार्टी सूत्रों ने कहा कि कुछ मुखर, वाकपटु और दमदार चेहरों को उच्च सदन में लाना कांग्रेस की सियासी जरूरत है। खासकर लोकसभा में विपक्षी चुनौती कमजोर होने के मद्देनजर पार्टी राज्यसभा में सरकार की घेरेबंदी को ढीला नहीं पड़ने देना चाहती।

राज्यसभा की 55 सीटों के लिए 26 मार्च को द्विवार्षिक चुनाव होने हैं। इसके लिए नामांकन की आखिरी तारीख 13 मार्च है। इनमें कांग्रेस को 12 से 13 सीटें मिलनी तय है। विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ से कांग्रेस को दो-दो सीटें मिलनी हैं, जबकि महाराष्ट्र और हरियाणा से एक-एक सीट पक्की मानी जा रही है। वहीं बंगाल, बिहार, तमिलनाडु के साथ-साथ एक सीट झारखंड से भी सहयोगी दलों की मदद से मिलने की पूरी संभावना है। इसलिए, वरिष्ठ नेताओं में जहां दिग्विजय सिंह को दूसरी पारी मिलने के प्रबल आसार हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में शिकस्त खाने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे और सुशील कुमार शिंदे जैसे दिग्गज भी राज्यसभा पहुंचने के लिए जोर लगा रहे हैं।

कांग्रेस के युवा चेहरों में जहां मिलिंद देवड़ा और राजीव सातव महाराष्ट्र से दावेदारी जता रहे हैं। वहीं शिवसेना और एनसीपी के साथ तालमेल बिठाकर खड़गे दूसरी संभावना वाली सीट पर निगाह डाल रहे हैं। शिंदे भी इस दूसरी सीट के लिए प्रयासरत हैं। मध्यप्रदेश की दो सीट में से एक पर दिग्विजय की दावेदारी पक्की मानी जा रही है, जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया को दूसरी सीट का दावेदार माना जा रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय के साथ सियासी खींचतान सिंधिया के लिए चुनौती जरूर है। छत्तीसगढ़ की दो सीटों के लिए तो कई दावेदार हैं, जिनमें अधिकांश बाहरी हैं। इनमें पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला के साथ आंध्र प्रदेश से रिटायर हो रहे सदस्य सुब्बीरामी रेड्डी और केवीपी रामचंद्र राव सरीखे नाम शामिल हैं। सुरजेवाला की राहुल गांधी से निकटता है तो रेड्डी और राव के कांग्रेस के अंदर अपने सियासी समीकरण और उपयोगिता है। हालांकि इन दोनों में से गुंजाइश केवल एक के लिए ही है।

गुजरात की दो सीटों के लिए पार्टी नेता भरत सोलंकी, बिहार व दिल्ली के प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल, सूबे के वरिष्ठ नेता सागर रायका और कांग्रेस महासचिव दीपक बाबरिया जोर आजमाइश कर रहे हैं। बिहार और झारखंड की एक-एक सीटों के लिए जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह, राजीव शुक्ला सहित कई अन्य नेता अपनी संभावनाओं का रास्ता बनाने की कसरत कर रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस को एक सीट मिलेगी और लगभग तय माना जा रहा कि प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा को हाईकमान दुबारा मौका देगा। वामदलों के बीच आपसी सहमति बनी तो कांग्रेस बंगाल की एक सीट माकपा महासचिव सीताराम येचुरी के लिए छोड़ सकती है। तमिलनाडु की एक सीट के उम्मीदवार का फैसला हाईकमान अपनी पसंद और द्रमुक प्रमुख स्टालिन से चर्चा के बाद तय करेगा।

दिल्ली दंगों पर संसद में आज सियासी गर्मागर्मी तय

कार्यस्थगन प्रस्ताव के सहारे मुद्दे को उठाकर केंद्र को घेरेगा विपक्ष

अधीर का एलान, गृह मंत्री शाह के इस्तीफे की संसद में मांग उठाएगी कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बजट सत्र के दूसरे हिस्से के पहले ही दिन संसद में दिल्ली दंगे पर सियासी संग्राम लगभग तय है। विपक्षी दलों ने दंगे में बड़ी संख्या में मौतों और बर्बादी पर केंद्र सरकार को घेरने के लिए संसद के दोनों सदनों में कार्यस्थगन प्रस्ताव लाने का फैसला किया है। कांग्रेस ने दंगों में केंद्र सरकार खासकर गृह मंत्रालय की नाकामी को मुद्दा बनाते हुए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग उठाने की घोषणा की है।

सोमवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष की ओर से दिल्ली के दंगे में हुई मौतों और घायलों का मुद्दा उठाया जाएगा। विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं और रणनीतिकारों की रविवार को हुई अनौपचारिक चर्चा में इस पर सहमति बन गई। कांग्रेस समेत तमाम दूसरे विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से दोनों सदनों में कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस देते

अधीर रंजन चौधरी। फाइल फोटो

हुए प्रश्नकाल स्थगित कर दिल्ली दंगों के हालात पर चर्चा की मांग उठाई जाएगी। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी की अगुआई में तो राज्यसभा में नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व में कार्यस्थगन नोटिस दिया जाएगा। बजट सत्र के दूसरे हिस्से में दोनों सदनों की बैठक अगले एक महीने चलेंगी और तीन अप्रैल को यह सत्र समाप्त होगा। अधीर ने कहा, केंद्र की विफलता का परिणाम है दिल्ली का दंगा, क्योंकि दिल्ली पुलिस सीधे गृह मंत्रालय के अधीन है। दिल्ली पुलिस दंगों के दौरान पहले दो-तीन दिन मूक दर्शक बनी रही, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोगों ने जान गंवाई है और करोड़ की संपत्ति नष्ट हुई है। ऐसे में दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। कांग्रेस इस नाकामी के लिए सदन में गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करेगी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने भी स्पष्ट कहा कि दंगों में दिल्ली पुलिस की निष्क्रियता कई सवाल खड़े करती है और सरकार को इन सवालों के जवाब तो देने ही होंगे। वहीं, माकपा के सांसद केके राकेश ने कहा, 'वामदल संसद के दोनों सदनों में दिल्ली दंगे का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाएंगे। मैंने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए राज्यसभा अध्यक्ष को नियम 267 के तहत नोटिस दिया है।' भाकपा महासचिव डी. राजा ने कहा, दिल्ली पुलिस की निष्क्रियता पर उनकी पार्टी सदन में गृह मंत्री से जवाब मांगेगी।

इससे पहले कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद पार्टी ने दंगों के लिए गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस को जवाबदेह ठहराते हुए गृह मंत्री का इस्तीफा मांगा था। इसके बाद सोनिया गांधी की अगुआई में प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भेंट कर केंद्र को राजधर्म की याद दिलाने का अनुरोध किया था।

छत्तीसगढ़ में आयकर छापे पर बिफरी कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, 36 हजार करोड़ के नान घोटाले में भाजपा नेताओं को बचाने के लिए छापे की कार्रवाई
- संघीय ढांचे के तहत मिले राज्यों के अधिकार पर केंद्र के हमले को संसद में उठाएगी पार्टी

छत्तीसगढ़ सरकार के अफसरों के खिलाफ सीआरपीएफ की सुरक्षा में आयकर छापे को कांग्रेस ने संघीय व्यवस्था पर हमला बताया है। पार्टी ने कहा है कि रमन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए केंद्र सरकार ने संवैधानिक हदें पार कर दी हैं। यह मामला छत्तीसगढ़ और केंद्र के बीच टकराव का मुद्दा बन गया है। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तानाशाही का आरोप भी लगाया है। साथ ही संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण में संघीय ढांचे में राज्यों के अधिकार पर केंद्र के गंभीर अतिक्रमण के मुद्दे को सदन में उठाने की भी घोषणा की है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला और प्रभारी पीएल पुनिया ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर केंद्र सरकार और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। आयकर अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी अधिकारियों के खिलाफ सीआरपीएफ की सुरक्षा लेते हुए छापे की कार्रवाई की है। दोनों नेताओं ने कहा कि आयकर विभाग ने बदले की भावना और भाजपा नेताओं को भ्रष्टाचार की जांच से बचाने के लिए यह कार्रवाई की है। चुपचाप केंद्रीय बल को किसी राज्य सरकार के खिलाफ भेजना संविधान पर हमला है और यह साफ तौर पर मोदी सरकार की तानाशाही है।

सुरजेवाला ने कहा, रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में 36 हजार करोड़ रुपये का नान घोटाला हुआ था और उसकी डायरी गलती से छत्तीसगढ़ पुलिस के हाथ आ गई थी। भाजपा के 15 साल के शासन में रमन सरकार घोटालों की मॉडल सरकार रही है। भूपेश बघेल सरकार इस मॉडल के तहत हुए नान घोटाले और पनामा पेपर्स समेत 21 घोटालों की जांच कर रही है। केंद्र ने इसी को रोकने के लिए आयकर छापेमारी की है। उन्होंने कहा, नान घोटाले की डायरी में भाजपा नेताओं को पैसे दिए जाने के तमाम प्रमाण हैं और रकम नागपुर के अलावा भाजपा के दिल्ली मुख्यालय व कई उसके नेताओं तक पहुंची है। जांच में इसकी परतें खुलने के डर में उन अफसरों पर छापा डाला गया है जो जांच से जुड़े हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और उनके बेटे के साथ एक भाजपा सांसद का नाम पनामा पेपर्स में आने का हवाला देते हुए सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार ने कभी इसकी जांच नहीं कराई। अब 36 हजार करोड़ रुपये के नान घोटाले को कवर-अप करने के लिए पिछले चार दिन से आयकर छापे की कार्रवाई हो रही है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस हाईकमान से भी चर्चा की है।

एम्स नर्सिंग भर्ती प्रक्रिया में फंसा आरक्षण का पेच

माला दीक्षित, नई दिल्ली

- भोपाल, जोधपुर, पटना और रायपुर एम्स में नर्सिंग ऑफीसर भर्ती परीक्षा से जुड़ा है मामला
- मेरिट के चलते सामान्य वर्ग में शामिल किए गए याचिकाकर्ताओं ने मांगा आरक्षित वर्ग का लाभ

एम्स नर्सिंग भर्ती में आरक्षण का पेच फंस गया है। मेरिट में आने के कारण सामान्य वर्ग में गिने गए आरक्षित वर्ग के मेधावियों ने मनचाहे इंस्टीट्यूट में पोस्टिंग न दिए जाने और कम अंक पाए आरक्षित वर्ग के अन्य उम्मीदवारों को मनचाही पोस्टिंग को केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (कैट) में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं ने सीट आवंटन में आरक्षित वर्ग के लाभ की मांग की है। कैट ने सरकार को नोटिस जारी किया है, साथ ही अंतरिम आदेश में कहा है कि याचिकाकर्ताओं को जहां पोस्टिंग दी गई है वहां उनकी नियुक्ति कैट के अगले आदेश पर निर्भर करेगी। कैट के समक्ष यह याचिका ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के करीब 20 उम्मीदवारों ने दायर की है। यह मामला भोपाल, जोधपुर, पटना और रायपुर एम्स में नर्सिंग ऑफीसर (स्टाफ नर्स ग्रेड टू) भर्ती का है, जिसका रिजल्ट 20 फरवरी को आया है।

सभी याचिकाकर्ता आरक्षित वर्ग के हैं लेकिन परीक्षा में ज्यादा अंक पाने के कारण उन्हें सामान्य वर्ग की मेरिट लिस्ट में शामिल माना गया है। इस वजह से इन लोगों को उनके द्वारा चुनी गई पोस्टिंग की पहली प्राथमिकता के मुताबिक पोस्टिंग नहीं दी गई, जबकि उनसे कम अंक पाए उन्हीं आरक्षित वर्ग के अन्य उम्मीदवारों को मनचाही पोस्टिंग दी गई है।

याचिकाकर्ताओं के वकील ज्ञानंत सिंह ने कहा, याचिकाकर्ताओं की पोस्टिंग के लिए मनमानी प्रक्रिया अपनाई गई है। एम्स द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया 2010 में रमेश राम मामले में संविधान पीठ द्वारा दिए गए फैसले के खिलाफ है। यह कुछ उच्च न्यायालयों के पूर्व फैसलों के भी खिलाफ है। सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 2010 में रमेश राम के फैसले में कहा है कि आरक्षित वर्ग के मेधावी को सामान्य वर्ग के साथ कंपटीट करने के नुकसान नहीं हो सकते। उसे मनचाही पोस्ट चुनने के लिए आरक्षित वर्ग में वापस जाने का विकल्प मिलेगा। उन्होंने कहा कि मेरिट के कारण सामान्य वर्ग में गिना गया आरक्षित वर्ग का मेधावी उम्मीदवार पूर्व फैसलों के मुताबिक मनचाही पोस्टिंग पाने के लिए आरक्षित वर्ग की सीटों पर दावा कर सकता है।

जज्बे को सलाम

महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को कार्यक्रम के दौरान एक दिव्यांग युवक से हाथ मिलाते सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांगों को उपकरण और ट्राईसाइकिल का वितरण भी किया। प्रेट्र

नेतृत्व की अनिश्चितता दूर करना राहुल का कर्तव्य : अश्विनी कुमार

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने रविवार को कहा कि कांग्रेस के प्रति राहुल गांधी का यह कर्तव्य है वह दोबारा अध्यक्ष पद संभाल कर नेतृत्व को लेकर जारी अनिश्चितता को दूर करें, क्योंकि पार्टी के पास ज्यादा समय नहीं है।

अश्विनी कुमार ने कहा, यह बुनियादी सच है कि कांग्रेस में जब तक गांधी परिवार सक्रिय रहेगा, उसकी भूमिका केंद्र में रहेगी। अगर राहुल अध्यक्ष पद स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो किसी दूसरे नेता को चुना जा सकता है, लेकिन, वह भी सर्वसम्मति से चुनाव से नहीं।

पीटीआइ को दिए इंटरव्यू में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अश्विनी कुमार ने कहा, 'आज देश में राजनीति की बुनियादी हकीकत को देखते हुए, मैं समझता हूं कि पार्टी के प्रति राहुल गांधी का कर्तव्य बनता है कि वो पार्टी का नेतृत्व संभालें, पार्टी के नेताओं को हौसला दें और बेहतर तरीके से राष्ट्र का भरोसा जीतें।' कुमार ने कहा, राहुल के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की जगह लेने को लेकर पार्टी में एकमत है और जरूरत पड़ने पर उन्हें ऐसा करने के लिए निर्देशित भी किया जाना चाहिए। हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है। राजनीतिक वफादारी

अश्विनी कुमार फाइल फोटो

- कहा, दोबारा अध्यक्ष पद संभालें, पार्टी के पास वक्त नहीं
- जरूरत पड़ने पर अध्यक्ष पद संभालने के लिए राहुल को निर्देशित किया जाए
- जब तक गांधी परिवार सक्रिय है, वह कांग्रेस के केंद्र में रहेगा

के बदलते रहने के इस दौर में हमारी स्थिति ठीक होने के लिए जनता हमारा लंबे समय तक इंतजार नहीं करेगी। 'भविष्य के नेतृत्व पर अनिश्चितता दूर करना आवश्यक है। इसमें पहले ही बहुत देर हो चुकी है। अगर जरूरी हो तो राहुल को नेतृत्व संभालने का निर्देश दिया जा सकता है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि सोनिया गांधी ने सिर्फ अंतरिम अध्यक्ष बनना ही स्वीकार किया था।

कुमार ने कहा, देश में आज विपक्षी एकता प्रमुख जरूरत है और कांग्रेस ही इसे गति दे सकती है। इसलिए भी कांग्रेस नेतृत्व के मसले का समाधान अत्यंत आवश्यक है। हाल के चुनावों में मिली हार को देखते हुए क्या राहुल गांधी पार्टी पार्टी में जान फूंक पाएंगे, इस पर कुमार ने कहा कि निश्चित रूप से वह पार्टी को एक से ज्यादा बार नेतृत्व करने के हकदार हैं।

पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'हम जानते हैं कि इस समय लगभग एक राय है कि राहुल गांधी, सोनिया का स्थान लें। ये सच है कि वह 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में अच्छा नहीं कर पाए और इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दिया। लेकिन, उनकी राजनीतिक प्राथमिकता आदर्शवाद में निहित हैं और मुझे भरोसा है कि जब भी वह दोबारा अध्यक्ष का पद संभालेंगे तो संगठनात्मक कमियां दूर करेंगे।' उन्होंने नेतृत्व के सवाल को हल करने के लिए संगठनात्मक चुनाव के सुझावों को भी नकार दिया और कहा, सर्वसम्मति रास्ता ही सबसे बेहतर जरिया है। कुमार ने कहा, चुनाव से पार्टी के अंदर कड़वाहट ही पैदा होगी। उन्होंने कांग्रेस में वंशवाद के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, गांधी आग में तप के निकले हैं।

सुरक्षाबल सतर्क

भारतीय सेना ने आतंकियों और उनके सरपरस्तों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तो की है, लेकिन अब नई चुनौती सामने आ खड़ी हुई है।

गर्मियों में सामने आ सकती है आतंक की नई चुनौती

नीलू रंजन, नई दिल्ली

- घुसपैठ के रास्ते खुलने और तालिबान-अमेरिका समझौते का असर पड़ने की आशंका
- स्थानीय नेटवर्क के ध्वस्त होने के वाद आसान नहीं होगी कश्मीर में आतंकियों की सक्रियता

गर्मियों में कश्मीर में सुरक्षाबलों को आतंकियों की नई चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। सुरक्षा एजेंसियों के आकलन के मुताबिक पहाड़ों पर बर्फ पिघलने और घुसपैठ के नए रास्ते खुलने के बाद आतंकी एक बार फिर जोर लगा सकते हैं। इस कोशिश के नाकाम होने के बाद ही कश्मीर में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इन चुनौतियों से निपटने की तैयारी में जुटी हैं।

सुरक्षा एजेंसी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, गर्मियों में आतंकी गतिविधियों के बढ़ने की आशंका के पीछे कई कारण हैं। इसमें एक प्रमुख कारण है कि पहाड़ों पर बर्फ पिघलने के बाद आतंकियों के घुसपैठ के कई रास्ते खुल जाएंगे। यही कारण है कि कश्मीर में गर्मियों में सबसे अधिक हिंसा का इतिहास रहा है। हालांकि इस बार आतंकियों को ऐसा दुस्साहस करने पर मुंह की खानी पड़ सकती है। केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद आतंकी नेटवर्क की अहम कड़ी माने जाने वाले अधिकांश ओवरग्राउंड वर्कर गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एनएसए के तहत गिरफ्तार इन ओवरग्राउंड वर्कर को देश के विभिन्न भागों में जेलों में रखा गया है। ऐसे में घुसपैठ के बाद ठिकाना तलाशना और एक से दूसरी जगह जाना आतंकियों के लिए मुश्किल होगा। यही नहीं, सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान पत्थरबाजों की मदद से बच निकलने का विकल्प भी लगभग समाप्त हो गया है। सुरक्षा एजेंसी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार गर्मी में आतंकी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। लेकिन सुरक्षा बलों की तैयारी और घाटी के जमीनी हालात को देखते हुए इसके सीमित दायरे में ही रहने की उम्मीद है। सुरक्षा एजेंसियां नई परिस्थितियों में आतंकियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

तालिबान-आइएसआइ आ सकते हैं साथ : सुरक्षा बलों के अनुसार, पहाड़ों पर बर्फ पिघलने के साथ ही अफगानिस्तान में तालिबान और अमेरिका के बीच शांति समझौते का असर भी कश्मीर के भीतर देखने को मिल सकता है। इसके बाद आइएसआइ तालिबान आतंकियों को कश्मीर में उतारने की कोशिश कर सकता है। हालांकि स्थानीय नेटवर्क ध्वस्त होने के कारण तालिबान आतंकियों के लिए घाटी में पैर जमाना बहुत आसान नहीं होगा। माना यह भी जा रहा है कि अमेरिका से समझौते में दूसरे देशों के आतंकी संगठनों से संपर्क नहीं करने पर सहमति जता चुका तालिबान भी शायद इतनी जल्दी आइएसआइ से हाथ नहीं मिलाएगा।

पाक को एफएटीएफ का भी डर : कश्मीर में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस के रास्ते में एफएटीएफ का डर भी रोड़ा साबित हो सकता है। आतंकी फंडिंग पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए पाकिस्तान को जून तक का समय मिला है। ऐसा नहीं करने पर उसे काली सूची में डालने का अल्टीमेटम दिया गया है। ऐसे में पाकिस्तान के लिए पहले की तरह लश्करे-तैयबा, जैश ए मुहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन की खुलकर मदद करना आसान नहीं होगा।

कह के रहेंगे माधव जोशी

1971 में पेरियार की रैली के बारे में पिछले महीने फिल्म अभिनेता रजनीकांत की टिप्पणी के बाद द्रविड़ संगठनों ने उनके आवास के सामने प्रदर्शन की धमकी दी थी, जिसके बाद उनके आवास पर सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। अब अभिनेता के आग्रह पर सुरक्षा हटा ली गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 2 मार्च 2020

झारखंड में उपायुक्त ने सरकारी अस्पताल में प्रसव करा पेश की मिसाल

जासं, गोड्डा: नेता, अफसर, रसूखमंद और सक्षम लोग तो भूलकर भी सरकारी अस्पताल का रुख नहीं करते। ऐसे में गोड्डा की उपायुक्त किरण पासी ने सरकारी तंत्र पर भरोसा जताते हुए रविवार को स्थानीय सदर अस्पताल में अपना प्रसव कराया। गोड्डा डीसी का मानना है उनके इस कदम से आम लोगों में भी सरकारी अस्पताल के प्रति धारणा बदलेगी और भरोसा बढ़ेगा।

गोड्डा उपायुक्त रविवार सुबह 6.30 बजे सदर अस्पताल में भर्ती हुईं। यहां करीब दो घंटे बाद 8.50 बजे ऑपरेशन से उनका प्रसव (सिजेरियन) हुआ। उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। प्रसव कराने वाली डॉक्टरों की टीम में डॉ. प्रभा रानी प्रसाद व इसी अस्पताल से सेवानिवृत्त सर्जन डॉक्टर डॉ. बनदेवी झा मुख्य रूप से शामिल थी। स्वास्थ्यकर्मियों ने कहा कि यह हम सबों के लिए गर्व की बात है कि उपायुक्त ने हम सब के ऊपर भरोसा जताया। इस दौरान उपायुक्त किरन पासी के पति डॉ. पुष्पेंद्र सरोज ने कहा कि आरंभ से ही उन्हें इस अस्पताल पर भरोसा था। रविवार की सुबह सफलतापूर्वक ऑपरेशन के बाद उन्हें काफी खुशी हुई। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थान पर सभी को भरोसा होना चाहिए। उपायुक्त ने हाल ही में यहां ब्लड बैंक की सुविधा उपलब्ध कराई थी।

बंगाल की सियासत : 'दीदी के बोलो' के जवाब में 'आर नोय अन्याय'

जागरण संवाददाता, कोलकाता

बंगाल में तृणमूल के 'दीदी के बोलो' अभियान के जवाब में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निकाय चुनाव से पहले रविवार को 'आर नोय अन्याय' (और अन्याय नहीं) अभियान का आगाज किया। कोलकाता में आयोजित सभा के दौरान उन्होंने इस अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब अन्याय सहन नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि इस अभियान से एक-एक बंगाली को जोड़ा जाएगा। उन्होंने लोगों से मोबाइल नंबर-9727294294 पर मिस्ड कॉल देकर इस अभियान से जुड़ने की अपील की। शाह ने कहा कि वह बंगाल के घर-घर व गली-गली में इस अभियान को लेकर जाएंगे और तृणमूल के अत्याचार के खिलाफ लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि जब कोई 'दीदी के बोलो' अब बोले तो उसे 'आर नोय अन्याय' कहकर जवाब दें। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इसी अभियान के जरिए भाजपा विधानसभा चुनाव में फतह करेगी।

कोलकाता में आयोजित सभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

बंगाल का भूमि पुत्र ही बनेगा अगला सीएम : गृह मंत्री शाह ने यह भी स्पष्ट कहा कि बंगाल का अगला सीएम यहां का कोई भूमि पुत्र ही बनेगा। उन्होंने ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी को लेकर तंज कसते हुए कहा कि कोई शहजादा यहां का सीएम नहीं बनेगा, बल्कि बंगाल का भूमि पुत्र ही यहां का अगला सीएम होगा।

वाममोर्चा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने किया विरोध : अमित शाह के कोलकाता पहुंचते ही एयरपोर्ट के बाहर जमा भारी संख्या में वाममोर्चा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए। कार्यकर्ता अपने हाथ में काले झंडे थामे उनके खिलाफ विरोध जताया। इसके अलावा कोलकाता के विभिन्न जगहों पर भी शाह के दौरे के खिलाफ वाममोर्चा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया।

शाह के सामने एनएसजी कमांडो ने किया युद्धाभ्यास : गृह मंत्री शाह ने राजरहाट में एनएसजी के 29 विशेष समग्र समूह परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान एनएसजी कमांडो ने गृहमंत्री के सामने युद्धाभ्यास भी किया। शाह ने कहा कि मुंबई हमले के बाद सरकार ने एनएसजी के नेटवर्क का विस्तार करने का फैसला किया। एनएसजी ने धीरे-धीरे पूरे देश में अपनी उपस्थिति साबित की है। उन्होंने कहा कि एनएसजी ने अपनी स्थापना से आज तक अपने जवानों के सर्वोच्च बलिदान से न केवल सरकार बल्कि देश और दुनिया में और विशेषकर देश की जनता में एक भरोसा अर्जित करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है।

दुश्मनों में खौफ पैदा करे एनएसजी

प्रथम पृष्ठ से आगे

शाह ने कहा कि भारत आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने प्रभावी और अग्रसक्रिय रक्षा नीति विकसित की है। सर्जिकल स्ट्राइक में भारत अब अमेरिका और इजराइल जैसे देशों के समूह में शामिल हो गया है। एनएसजी के नए भवन के उद्घाटन के मौके पर कहा कि एनएसजी का काम है कि वो देश की एकता और अखंडता को खंडित करने वालों के मन में खौफ पैदा करे और अगर फिर भी ये लोग नहीं मानते हैं तो कड़ा एक्शन ले। कहा कि हम किसी को भी अपनी शांति में खलल डालने की इजाजत नहीं देंगे और जो भी हमारे जवानों की जान लेगा उसे इसका भुगतान करना पड़ेगा।

भाजपा को नहीं होगा लाभ : तृणमूल

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : अमित शाह की कोलकाता में हुई सभा पर तृणमूल का कहना है कि इससे भाजपा को बंगाल में कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। तृणमूल के वरिष्ठ नेता व राज्य के शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि बंगाल की जनता भाजपा के साथ नहीं है। यहां सिर्फ एक ही नेता ममता बनर्जी हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह हों या प्रधानमंत्री मोदी किसी के भी यहां सभा करने से कोई फायदा नहीं मिलने वाला है।

2021 में बंगाल में बनाएंगे सरकार

अमित शाह ने दावा किया कि 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा दो तिहाई बहुमत से जीत दर्ज कर बंगाल में सरकार बनाएगी। भाजपा की सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा की जो विजय यात्रा शुरू हुई है वह रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में यहां की जनता ने भाजपा को 42 में से 18 सीटें दी और विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी।

कुछ महीनों में भव्य राम मंदिर : सभा में कहा कि अयोध्या में कुछ ही महीनों के अंदर आसमान को छूने वाला भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस अयोध्या में प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ वहां उनकी भव्य मंदिर बनाने के लिए हम 500 साल से लड़ाई लड़ रहे थे।

तृणमूल ने कहा-पहले दिल्ली देखें शाह

तृणमूल ने कहा है कि बंगाल सरकार पर टिप्पणी से पहले अमित शाह को देश की राजधानी दिल्ली पर ध्यान देना चाहिए। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा-बंगाल आने और भाषण देने की बजाय शाह को दिल्ली में हुई हिंसा पर जवाब देने की जरूरत है। बता दें रैली में अमित शाह ने ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी को लेकर तंज भी कसा था कि कोई शहजादा यहां का सीएम नहीं बनेगा, बल्कि बंगाल का भूमि पुत्र ही यहां का अगला सीएम होगा।

'राजग के साथ ही विस चुनाव लड़ेगा जदयू'

बेबाक बोल ▶ बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा-किसी से मुलाकात का मतलब यह नहीं कि कुछ चल रहा है

अल्पसंख्यकों का असली हमदर्द जदयू है, कांग्रेस और राजद नहीं

अरविंद शर्मा, पटना

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान से महासमर के लिए प्रस्थान करने से पहले जदयू कार्यकर्ताओं को दुविधा से निकालते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तीन चीजें बिल्कुल साफ कर दीं। पहला, अगले चुनाव के लिए कोई नया समीकरण नहीं बनने जा रहा। जदयू बिहार विधानसभा चुनाव राजग के साथ ही लड़ेगा। दूसरा, किसी से मेल-मुलाकात का मतलब यह नहीं कि हमारे बीच कुछ चल रहा है और तीसरा अल्पसंख्यकों का असली हमदर्द जदयू है, कांग्रेस और राजद नहीं। गांधी मैदान में रविवार को जदयू के कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कई तरह की चर्चाओं को विराम दे दिया।

बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान तीन दिनों के भीतर नीतीश के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से दो-दो बार की मुलाकात ने इस बात को खूब प्रचारित किया कि दोनों के बीच खिचड़ी पकने लगी है। रविवार सुबह तेजस्वी ने नीतीश को जन्मदिन की बधाई जिन शब्दों में दी, उससे भी चर्चाओं को मजबूती मिलने लगी। कड़वे बयानों से जदयू को असहज कर देने वाले तेजस्वी ने नीतीश को अपना अभिभावक बताया था। जाहिर है, गांवों से गांधी मैदान तक पहुंचे कार्यकताओं में दुविधा थी कि चुनाव मैदान में दोस्ती किससे रखनी है और लड़ाई किससे लड़नी है? निचले स्तर पर दुविधा थी किंतु नेतृत्व के सामने असमंजस नहीं था।

गांधी मैदान में आयोजित जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। जागरण

पीएम मोदी ने ट्वीट कर नीतीश को दी जन्मदिन की बधाई

राज्य ब्यूरो, पटना: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ट्वीट कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की बधाई दी है। ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि नीतीश कुमार जमीन से जुड़े एक लोकप्रिय नेता हैं। उनके नेतृत्व में बिहार का उल्लेखनीय विकास हुआ है। उनके द्वारा समाज के सशक्तीकरण के लिए किए गए कार्य सराहनीय हैं। उनके दीर्घ व स्वस्थ जीवन की वह कामना करते हैं। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी ट्वीट कर प्रधानमंत्री की शुभकामनाओं के लिए उनका धन्यवाद एवं आभार जताया।

नीतीश ने अपने पूरे भाषण में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन संकेतों में लालू-राबड़ी सरकार के 15 साल बनाम राजग सरकार के 15 साल की तुलना करते हुए विपक्ष को आईना दिखाया। 24 नवंबर 2005 से लेकर अभी तक की अपनी उपलब्धियों का ब्योरा दिया। यह भी बताया कि जंगल राज से बिहार को मैंने ही मुक्त कराया। सत्ता में आने से पहले न्याय यात्रा निकालकर वादा किया था कि मौका मिलेगा तो बिहार में कानून का राज स्थापित करूंगा। पब्लिक ने मौका दिया और राजग ने कर दिखाया।

नीतीश बोले, फिर मौका मिला तो हर खेत तक पहुंचा देंगे पानी : नीतीश ने आश्वासन दिया कि हम बिहार को विकसित प्रदेश बनाएंगे और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक रखेंगे। जदयू बिहार के सभी लोगों की पार्टी है। यह काम करने वाली पार्टी है। विवाद करने व झगड़ा लगाने वाली पार्टी नहीं। रैली में पहुंचे लोगों को उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में मजबूती से एनडीए को दो सौ से अधिक सीटों पर जिताने का संकल्प लीजिए। सीएए पर परामर्श के अंदाज में कहा कि इंतजार कीजिए। यह सुप्रीम कोर्ट को तय करना है कि यह संवैधानिक है या फिर असंवैधानिक। उन्होंने कहा कि देश पर सभी का अधिकार है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने का प्रश्न भी मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उठाया। उन्होंने कहा कि पंद्रहवें वित्त आयोग ने यह कह दिया है यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। केंद्र सरकार को यह अधिकार है।

सामर्थ्य और संसाधन के अनुरूप नहीं विकसित हुआ बिहार : चिराग

जासं, जमुई : लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि उन्हें सिर्फ विकास से संतोष नहीं है, विकसित बिहार चाहिए। चिराग जमुई में 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट यात्रा' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार को देश का नंबर वन राज्य बनाना ही इस यात्रा का लक्ष्य है। इस दौरान उन्होंने कई सवाल भी किए और कहा कि आजादी के बाद संसाधन और सामर्थ्य के बावजूद बिहार के पिछड़ेपन की वजह तलाशने वह बिहार की यात्रा पर निकले हैं।

आजम से जुड़े मुकदमों में ढिलाई एसपी को पड़ी भारी

जागरण संवाददाता, रामपुर

▶ संतोष कुमार मिश्रा को पुलिस मुख्यालय प्रयागराज भेजा गया

सांसद आजम खां से जुड़े मुकदमों में पुलिस की लापरवाही की शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंची। न्यायालय ने भी संज्ञान लिया और आख्या मांगी। इसके बाद रामपुर के एसपी संतोष कुमार मिश्रा का तबादला हो गया। उन्हें रामपुर से हटाकर पुलिस मुख्यालय प्रयागराज भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक मिश्रा दो माह भी रामपुर में पूरे नहीं कर सके। आजम खां से जुड़े मुकदमों में लापरवाही सामने आई। आजम खां के पड़ोसी से संबंधित मुकदमे में अदालत ने आजम खां के खिलाफ कुर्की का नोटिस जारी करते हुए मुनादी के आदेश दिए थे लेकिन, मुनादी नहीं कराई गई। इस पर अदालत ने नाराजगी जताई। इसके बाद आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम के पासपोर्ट से जुड़े मामले में विवेचना अधिकारी चार्जशीट दाखिल करने के लिए कोर्ट पहुंचे तो अदालत ने चार्जशीट लेने से ही मना कर दिया। कहा कि पहले आरोपित को पकड़िए। इसके बाद भी पुलिस गिरफ्तारी नहीं कर सकी।

26 फरवरी को आजम खां उनकी पत्नी विधायक डॉ. तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम ने कोर्ट में समर्पण कर दिया, जबकि उस दिन जिले में हाई अलर्ट था। अपर पुलिस महानिदेशक राम कुमार भी रामपुर आए हुए थे। पुलिस की चेकिंग के बावजूद आजम खां और अब्दुल्ला अदालत तक पहुंच गए, जबकि इनके खिलाफ तो पुलिस ने कुर्की वारंट भी जारी कर रखे थे। इसके अगले दिन 27 फरवरी को आजम खां की आठ मुकदमों में जमानत पुलिस की लापरवाही से हो गई। इन मामलों में अदालत ने पुलिस से आख्या मांगी थी लेकिन, पुलिस ने कोर्ट को रिपोर्ट नहीं दी। इस पर उनकी जमानत मंजूर हो गई। इनमें छह मामले आचार संहिता और भड़काऊ भाषण से जुड़े हैं।

थाना भोट, शहजादनगर व शहर कोतवाली का एक-एक मुकदमा है, जबकि शाहबाद के दो मुकदमे शामिल हैं। गंज थाने के दो मुकदमे मारपीट और गाली-गलौज से संबंधित हैं। पुलिस की लापरवाही से जमानत होने पर सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता राम औतार सिंह सैनी ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर भेजा है।

मप्र में राज्यसभा सीट के लिए उमा पर दांव लगा सकती है भाजपा

भोपाल, नईदुनिया : मध्य प्रदेश में विपक्षी दल भाजपा राज्यसभा चुनाव के जरिये एक तीर से कई शिकार की रणनीति बनाने में जुटी है। विधायकों के संख्या बल से भाजपा की एक राज्यसभा सीट पक्की है, दूसरी सीट हथियाने के लिए पार्टी कई संभावनाओं पर काम कर रही है। एक विकल्प पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती पर दांव खेलने का भी है। इसके लिए पार्टी का चुनावी प्रबंधन सक्रिय हो गया है। होली के बाद प्रत्याशी के नाम का एलान होगा।

भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में रविवार सुबह संगठन के दिग्गज नेताओं ने इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव और प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत ने विधानसभा के आगर और जौरा उपचुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। राज्यसभा टिकट के लिए दिग्गज नेताओं के साथ पार्टी के मौजूदा पदाधिकारियों के नाम भी सामने आ रहे हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि रास के संभावित नामों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी जैसे फैक्टर पर जोर है।

केंद्रीय मंत्री ने बनाए पराठे

झारखंड की राजधानी रांची के हरमू मैदान में आयोजित हुनर हॉट का उद्घाटन करने पहुंचे केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी (दाएं) ने एक फूड स्टॉल पर रुककर पराठे तैयार किए। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी थे। देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर हुनर हॉट का आयोजन किया रहा है। करुण

ग्रेनो में फ्लैट पर कब्जा पाने की निवेशकों की उम्मीद बढ़ी

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

बिल्डर परियोजनाओं में फंसे करीब 38 हजार निवेशकों को फ्लैट पर जल्द कब्जा मिलने की उम्मीद है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 18 परियोजनाओं को पूरा करने के लिए बिल्डरों को शून्य काल का लाभ दे दिया है। इससे बिल्डरों को 143.41 करोड़ का फायदा हुआ है। बिल्डरों को जून 2021 तक अपनी परियोजना पूरी कर निवेशकों को कब्जा देना होगा।

उप्र सरकार ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण की अधर में फंसी बिल्डर परियोजना को उबारने के लिए शून्य काल का लाभ देने का फैसला किया था। सरकार के इस फैसले पर अमल करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 18 बिल्डर परियोजनाओं को शून्य काल का लाभ दे दिया है। रीशेड्यूलमेंट योजना में 58 बिल्डरों ने आवेदन किया था। प्राधिकरण ने इसमें से 18 को शून्य काल का लाभ दे दिया है। शून्य काल का लाभ मिलने के बाद उम्मीद है कि बिल्डर परियोजना का निर्माण कार्य तय समय में पूरा करेंगे। इन परियोजनाओं में 37890 फ्लैट हैं।

प्राधिकरण के एसीईओ दीपचंद ने बताया कि बिल्डरों को शून्य काल का लाभ तभी मान्य होगा, जब वह तय समय में परियोजना का कार्य पूरा कर निवेशकों को कब्जा देंगे।

जिन बिल्डरों को शून्य काल का लाभ दिया गया है उसमें पंचशील बिल्डटेक प्रालि, रुद्र बिल्डवेल इंफ्रा प्रालि, निराला प्रोजेक्ट प्रालि, निराला हाउसिंग, गौर संस रियलिटी, यूपी टाउनशिप इंफ्रा, सुपरटेक, पीजन बिल्डहोम, महागुन, हेवे इंफ्रास्ट्रक्चर, अजनारा रियलटेक, धन्य प्रमोटर्स, सॉलिटर इंफ्राहोम, कैपिटल इंफ्राटेक होम्स, एपीवी रियलिटी, जिंदल प्रमोटर्स, फ्यूजन बिल्डटेक शामिल हैं।

यह होता शून्य काल: जिन आवंटियों को प्राधिकरण भूखंड पर कब्जा नहीं दिला सका है, न्यायालय के स्थगन के कारण पट्टा प्रलेख या कब्जे की प्रक्रिया या निर्माण कार्य रुका है, इसके अलावा भूखंड तक पहुंचने के लिए प्राधिकरण मार्ग नहीं उपलब्ध करा सका है। इस स्थिति में प्राधिकरण उस अवधि को शून्य घोषित कर देता है, जब तक समस्या का समाधान नहीं हो जाता।

वर्ष 2017-19 के बीच ट्रेन व रेलवे परिसर में हुए दुष्कर्म के 165 मामले

नई दिल्ली, प्रेट्र : वर्ष 2017-19 के बीच चलती ट्रेन व रेलवे परिसरों में दुष्कर्म के कुल 165 मामले सामने आए। वर्ष 2017 में 51, वर्ष 2018 में 70 व वर्ष 2019 में 44 ऐसे मामले दर्ज हुए। नीमच निवासी सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ की तरफ से मांगी गई जानकारी के जवाब में रेलवे ने बताया कि इन तीन वर्षों में चलती ट्रेन में दुष्कर्म की 29 घटनाएं हुईं, जबकि रेलवे परिसरों में ऐसी वारदातों की संख्या 136 रही।

इन वर्षों में चलती ट्रेन व रेलवे परिसर में महिलाओं के साथ हुए अन्य अपराधों की संख्या 1,672 रही। इनमें 802 मामले रेलवे परिसर व 870 चलती ट्रेन में हुए। इस दौरान अपहरण के 7,71, लूटपाट के 4,718, हत्या के प्रयास के 213 और हत्या के 542 मामले हुए। रेलवे में पुलिसिंग राज्य के अधीन आता है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्रालय ने पिछले महीने राज्यसभा को सूचित किया था कि जोखिम वाले और चिह्नित मार्गों या खंडों में औसतन 2,200 ट्रेनों में रेलवे सुरक्षा बल व 2,200 में राजकीय रेलवे पुलिस सुरक्षा देती है।

रेल का रोल

तीन सालों में वेटलिस्टेड टिकट कैंसिल न करा पाने वालों से जुटाए 4335 करोड़, कंफर्म टिकट कैंसिल कराने वालों से भी रेलवे को हुई 4684 करोड़ की कमाई

स्लीपर/थर्ड एसी टिकट पर यात्रा नहीं की तो रेलवे को और फायदा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोगों को यात्रा कराए बगैर ही रेलवे उनसे मोटी कमाई कर रहा है। ये कमाई स्लीपर और थर्ड एसी में यात्रा के इच्छुक लोगों से की जा रही है। ये वो लोग हैं जो वेटिंग लिस्ट में चल रहे टिकट बुक कराने के बाद कंफर्म होने की उम्मीद में आखिरी मिनट तक उसे कैंसिल नहीं कराते और चूक जाते हैं। इतना ही नहीं, रेलवे के लिए वे यात्री और ज्यादा फायदेमंद हैं जिन्हें किसी न किसी कारणवश अपने कंफर्म टिकट को कैंसिल कराना पड़ जाता है। दोनों स्थितियों में रेलवे की पौ बारह है।

एक बार टिकट बुक हो गई इसके बाद यात्री यात्रा करे या न करे, रेलवे को कोई नुकसान नहीं होता। बल्कि फायदे की संभावना ज्यादा है। टिकट लेने के बाद यात्री यात्रा करे तो रेलवे को थोड़ी कमाई होगी। लेकिन यदि यात्री कंफर्म टिकट को कैंसिल करा दे अथवा उसे वेटलिस्टेड टिकट को कैंसिल कराने का मौका ही न मिले तो रेलवे ज्यादा फायदा होगा। यानी आम के आम गुठलियों के दाम, जबकि यात्री को चूना ही चूना।

प्रतीकात्मक फोटो

एक आरटीआइ कार्यकर्ता के सवालों के जवाब में रेलवे के 'सेंटर फॉर रेलवे इंफारमेशन सिस्टम्स' (क्रिस) ने बताया है कि एक जनवरी, 2017 से 31 जनवरी, 2020 के तीन वर्षों की अवधि में रेलवे ने टिकट कैंसिल न करा पाने वाले साढ़े नौ करोड़ से अधिक यात्रियों से 4335 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई है। ये ऐसी रकम है जिसके बदले में रेलवे ने न तो कोई वास्तविक सेवा प्रदान की और न ही किसी तरह का खर्च किया। इन यात्रियों की बस इतनी गलती थी कि उन्होंने कंफर्म होने की उम्मीद में टिकट खरीद लिया था परंतु वो आखिरी समय तक वेटलिस्टेड ही बना रहा। इन्हें या तो टिकट कैंसिल कराने का समय नहीं मिला अथवा मिला भी तो शुल्क इतना अधिक था कि कैंसिल कराने की हिम्मत ही नहीं हुई।

दरअसल, पिछले दस-बारह सालों में रेलवे ने कैंसिलेशन नियमों को इतना सख्त और महंगा बना दिया है कि टिकट कंफर्म न होने पर अधिकांश लोग उसे कैंसिल कराने के बजाय दूसरी तिथि या ट्रेन में बुकिंग करना अथवा बस या विमान का विकल्प चुनना पसंद करते हैं। लेकिन लोगों की यही मजबूरी रेलवे के लिए वरदान साबित हो रही है।

इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक जनवरी, 2017 से 31 जनवरी, 2020 की तीन वर्ष की अवधि में रेलवे को अकेले कैंसिलेशन चार्ज या निरस्तीकरण शुल्क के तौर पर 4684 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल हुआ। इन दोनों ही तरह के ग्राहकों (टिकट लेकर उसे रद नहीं कराने वाले तथा टिकट कंफर्म होने के बाद रद कराने वाले) से रेलवे को संयुक्त रूप से कुल 9019 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है। रेलवे ने ये पैसा अधिकांशतः सामान्य और निम्न मध्यम वर्ग के लोगों से हासिल किया है जिन्होंने ट्रेनों के स्लीपर अथवा थर्ड ऐसी दर्जों में सफर की उम्मीद में टिकट लिया था।

पूर्व सीएम शांता कुमार को 'साहित्य वाचस्पति' सम्मान

जागरण संवादादाता, सोलन

मिला पुरस्कार

▶ साहित्यकार ने कहा-लेखन की पीड़ा भी प्रसव की पीड़ा जैसी, साहित्य सृजन के साथ ही होती है शांत

हिमाचल प्रदेश के सोलन में रविवार को तीन दिवसीय हिंदी साहित्य सम्मेलन-प्रयाग के 72वें अधिवेशन एवं परिसंवाद में पूर्व मुख्यमंत्री और साहित्यकार शांता कुमार को सम्मेलन की सर्वोच्च उपाधि 'साहित्य वाचस्पति' से सम्मानित किया। मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने साहित्य में अमूल्य योगदान के लिए चार अन्य साहित्यकारों सोम ठाकुर, माधव कौशिक, डॉ. जयप्रकाश व डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा को भी यह सम्मान किया। इस अवसर पर शांता कुमार ने कहा कि लेखन की पीड़ा भी प्रसव की पीड़ा की तरह ही है जो साहित्य सृजन के साथ ही शांत होती है। उन्होंने इस उपाधि को देने के लिए हिंदी साहित्य सम्मेलन-प्रयाग संस्था का भी आभार जताया। राज्यपाल ने शांता कुमार की पत्नी संतोष शैलजा, भाषा कला एवं संस्कृति विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. प्रेम शर्मा सहित अन्य विभूतियों को सम्मेलन सम्मान दिया। इस अवसर पर डॉ. गरिमा सिंह के उपन्यास 'ख्वाहिशें अपनी-अपनी' और कृष्ण मुरारी अग्रवाल की पुस्तक 'भाषा प्रवाह' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल, डॉ. राधा रमण शास्त्री, महेंद्र सोफ्त, वीरेंद्र कश्यप, प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र, विभूति मिश्र, श्याम कृष्ण पांडेय, उत्तम चौहान, डॉ. मुकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

न्यूज गैलरी

अब जनसंख्या नियंत्रण कानून की बारी : साध्वी निरंजन ज्योति

मथुरा : केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटा दिया गया और श्रीराम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो गया। ऐसे में भरोसा है कि देश हित में कोई भी कानून लाना पड़े तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने देश हित में जनसंख्या नियंत्रण कानून को लाना जरूरी बताया। वह स्वामी वामदेव ज्योतिर्मठ में रविवार को आयोजित स्वामी वामदेव महाराज की श्रद्धांजलि सभा में आई थीं। उन्होंने पत्रकार वार्ता में कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की अपील की तो प्रधानमंत्री ने मौन स्वीकृति दी। इससे निश्चित है कि प्रधानमंत्री अब जनसंख्या नियंत्रण कानून भी लाने की तैयारी कर चुके हैं। (जासं)

सीएए और एनआरसी को समझने की जरूरत : कोकजे

पटना : 'सीएए और एनआरसी को लेकर विवाद और हिंसक घटनाएं चीजों को गलत तरीके से पेश करने की वजह से हो रही हैं। लोगों को इसे समझने की जरूरत है। बिना कुछ समझे शांति-व्यवस्था भंग करना ठीक नहीं।' ये बातें विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु सदाशिव कोकजे ने बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स में अपने सम्मान समारोह में कहीं। कोकजे ने कहा कि 1950 में पंडित नेहरू ने समझौता किया था, जिसमें भारत और पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यकों को सुरक्षा की बात कही गई थी। इसका अनुपालन पड़ोसी देशों ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हिंदुत्व के लिए कई काम किए। आजकल हिंदुत्व की बात करने वाले लोगों को पिछड़ा समझा जाता है। हिंदू धर्म दुराचारियों का अहित करता है, सदाचारियों का नहीं। सभी धर्मों से जुड़े लोग ईश्वर के ही अंश हैं, देश में ऐसा भाव रखने की जरूरत है। (जासं)

अलीगढ़ में हुए बवाल में 752 लोगों को नोटिस

अलीगढ़ : सीएए के विरोध में अलीगढ़ के शाहजमाल, पुरानी चुंगी व जीवनगढ़ में हुए धरना-प्रदर्शन के अलावा ऊपरकोट में हुए बवाल के दौरान चिह्नित किए गए 752 लोगों को धारा 107-116 में भारी निजी मुचलकों पर पाबंद कराने के लिए पुलिस स्तर से नोटिस थमाए गए हैं। पांच हिस्ट्रीशीटरों सहित 20 लोगों पर 110 जी की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा धरना स्थलों के पास रहने वाले 48 लाइसेंस धारकों को हथियार जमा कराने के नोटिस दिए गए हैं। (जासं)

मुहर्रम का जुलूस निकालो या कांवड़ यात्रा, अराजकता बर्दाश्त नहीं : योगी

दो टूक ▶ दोहराया, आगजनी और तोड़फोड़ करने वाले ही करेंगे नुकसान की भरपाई

कहा, कैराना से अब व्यापारी नहीं, बदमाश कर रहे पलायन

जागरण संवाददाता, शामली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि हर व्यक्ति को धार्मिक त्योहारों को मनाने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन इसके बहाने कानून को बंधक नहीं बनाने दिया जाएगा। सीएए और दिल्ली हिंसा पर उन्होंने बोलने से परहेज किया। लेकिन पूर्व की चेतावनी को दोहराते हुए कहा कि आगजनी और तोड़फोड़ करने वालों से ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। चाहे होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस और गुरु पर्व मनाओ, मोहर्रम का जुलूस निकालो या कांवड़ यात्रा, पूरी सुरक्षा मिलेगी, लेकिन कानून का पालन करना होगा। वह प्रदेश के शामली स्थित पुलिस लाइन में सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को और बेहतर करने का भरोसा दिया। दावा किया कि कैराना से अब व्यापारी नहीं, बदमाश पलायन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह 2014 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में शामली आए थे। तब लोग कहते थे कि हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, त्योहार नहीं मना सकते। अब ऐसा नहीं है। अब कांधला और कैराना से पलायन बंद हो चुका है। सुरक्षा का माहौल और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। कांधला-कैराना के बीच पीएसी कैंप बनाया जा रहा हैं। योगी ने कहा कि प्रदेश में किसी का तुष्टीकरण नहीं हो रहा है। सुरक्षा सबको, सम्मान सबका, विकास की योजनाओं में भागीदारी सभी की है। इस संकल्प के साथ प्रधानमंत्री के नए भारत के साथ नए उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए काम किया जा रहा है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने शामली में पुलिस लाइन सहित 290 करोड़ की 18 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री आवास योजना, कन्या सुमंगला योजना, आयुष्मान भारत सहितत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और धनराशि के चेक भी वितरित किए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। फाइल

हमारी बेटियां गुंडों को दौड़ाकर पीटेंगी

सीएम ने महिला सशक्तीकरण को संजीवनी दी। कहा कि सरकार ने 1.37 लाख पुलिसकर्मियों की भर्ती को पारदर्शिता के साथ पूरा किया है। इसमें 20 फीसद महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई है। अब कोई महिलाओं और बालिकाओं के साथ अपराध करेगा या भय का माहौल बनाएगा तो हमारी बेटियां (महिला पुलिसकर्मी) उनको दौड़ा-दौड़ाकर पीटेंगी।

स्मार्ट पुलिसिंग के बिना विकास नहीं कर सकता कोई प्रदेश : नोएडा में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा, बेहतर कानून व्यवस्था और स्मार्ट पुलिसिंग के बिना कोई भी प्रदेश विकास नहीं कर सकता है। उनकी सरकार की सख्त और पारदर्शी नीति के चलते अधिकारियों ने अपने काम करने का तरीका बदला है। अब प्रदेश बदल रहा है। वह रविवार को ही गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-108 में बने पुलिस आयुक्त कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

मेघालय में एक और की हत्या, स्थिति तनावपूर्ण

- सीएए विरोधी रैली के बाद भड़की हिंसा में मरने वालों की संख्या हुई तीन
- कई क्षेत्रों में कर्फ्यू जारी, मोबाइल-इंटरनेट सेवा भी बाधित

शिलांग, प्रेट्र : मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले में रविवार को एक युवक की हत्या कर दी गई । इसके साथ ही सीएए विरोधी रैली के बाद भड़की हिंसा में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। हिंसा के बाद लागू कर्फ्यू को रविवार की सुबह आठ बजे कुछ हिस्सों से हटा लिया गया है तो कुछ इलाकों में जारी है। खासी और जयंतिया हिल्स क्षेत्र के छह जिलों में मोबाइल इंटरनेट और मैसेजिंग की सुविधा बहाल नहीं हो पाई है। हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस और सैन्य बल की तैनाती कर दी गई है। अब तक आठ की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले की मजिस्ट्रेटी जांच शुरू हो चुकी है। राज्यपाल तथागत राय व मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने लोगों से शांति बहाली की अपील की है।

पुलिस सहायक महानिरीक्षक जी. इंगराई ने बताया कि शुक्रवार को ईस्ट खासी हिल्स और शनिवार को शिलांग में एक-एक व्यक्ति की हत्या के बाद रात नौ बजे से कर्फ्यू लगा दिया गया था। ईस्ट खासी हिल्स के अधिकारियों ने बताया कि बाकी हिस्सों में तो रविवार की सुबह आठ बजे कर्फ्यू हटा लिया गया, लेकिन लुमडिएंगजरी, सदर थाना और कैनटोनमेंट पीट हाउस क्षेत्र में अनिश्चितकाल के लिए जारी है। प्रशासन के टोल फ्री नंबर 18003453846 पर मिली सूचना के आधार पर 16 पर्यटकों को पहाड़ी क्षेत्र से सुरक्षित निकालकर गुवाहाटी पहुंचाया गया है।

मृतकों के परिजनों को मुआवजे की घोषणा

पुलिस अधीक्षक क्लाउडिया लिंगवा ने बताया कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित ईचामाटी क्षेत्र में खासी छात्र संघ (केएसयू) की रैली के बाद संगठन सदस्यों और गैर आवासी समूहों में संघर्ष हो गया था। शुक्रवार को केएसयू की रैली नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में आयोजित की गई थी और वे इनर लाइन परमिट (आइएलपी) को लागू करने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार की हिंसा में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को दो लाख रुपये बतौर मुआवजा देने की घोषणा की है।

संघ की बैठक में उठ सकते हैं दिल्ली हिंसा, सीएए के मुद्दे

- बेंगलुरु में 15 मार्च से शुरू हो रही है तीन दिन की वार्षिक बैठक

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की 15 मार्च से शुरू होने वाली तीन दिवसीय वार्षिक बैठक में दिल्ली में सांप्रदायिक हिंसा और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन जैसे मुद्दे उठ सकते हैं।

संघ से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की वार्षिक बैठक बेंगलुरु में 15 से 17 मार्च को होगी। प्रतिनिधि सभा संघ की निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई है जो निर्णय लेने और भविष्य की रणनीति पर फैसला करने के लिए साल में एक बार बैठक करती है। सूत्र ने बताया कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी महासचिव (संगठन) बीएल संतोष इस बैठक में भाग ले सकते हैं। संघ के एक अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि दिल्ली में हालिया हिंसा, नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन समेत कई मुद्दों पर बौद्धिक सत्र के दौरान चर्चा हो सकती है। बैठक की अध्यक्षता सरसंघचालक मोहन भागवत तथा संचालन संघ के सरकार्यवाह भय्याजी जोशी करेंगे।

1,400 से अधिक प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

तीन दिवसीय बैठक के दौरान देशभर से 1,400 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे और महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रस्ताव पारित करेंगे। संघ ने कहा कि विभिन्न इलाकों में काम करने वाले स्वयंसेवकों और विभिन्न संगठनों के जरिये समाज के कई वर्गों को अपने अनुभव साझा करने और राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया है। राष्ट्र सेविका समिति से महिला प्रतिनिधियों को भी बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है।

'सीएए और एनपीआर के खिलाफ प्रस्ताव की जरूरत नहीं'

- महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने कहा, सीएए, एनआरसी और एनपीआर से किसी की नागरिकता नहीं जाएगी
- बिहार में पारित प्रस्ताव का हवाला देकर कुछ लोग इस पर फैला रहे अफवाह, जागरूकता जरूरी

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता अजीत पवार ने रविवार को दो टूक कहा कि नागरिकता संशोधन कानून, प्रस्तावित एनपीआर और एनआरसी से किसी की नागरिकता नहीं जाएगी। कुछ लोग इसको लेकर अफवाह फैला रहे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में सीएए और एनपीआर के खिलाफ प्रस्ताव लाने की कोई जरूरत नहीं है।

अजीत पवार यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) से किसी की नागरिकता नहीं जाएगी।' बिहार में पारित एक प्रस्ताव का हवाला देकर लोग इसके बारे में अफवाह फैला रहे हैं, इस मुद्दे पर और जागरूकता फैलाने की जरूरत है। बिहार विधानसभा में पिछले महीने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें कहा गया है राज्य में एनआरसी की कोई जरूरत नहीं है और एनपीआर की प्रक्रिया 2010 के प्रारूप के आधार पर पूरी कराई जाएगी।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार फाइल

पवार सीएए का कर चुके हैं विरोध : गौरतलब है कि राकांपा प्रमुख शरद पवार ने पिछले महीने कहा था कि अन्य आठ राज्यों की तरह महाराष्ट्र को भी सीएए लागू करने से इन्कार कर देना चाहिए, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे देश का धार्मिक और सामाजिक सौहार्द बिगड़ेगा।

कांग्रेस ने की थी खिलाफ प्रस्ताव लाने की मांग : कांग्रेस ने सीएए और एनपीआर के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव लाने की मांग की थी। उस नजरिए से अजीत पवार का यह बयान अहम है, क्योंकि शिवसेना के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में कांग्रेस भी शामिल है। पिछले महीने राकांपा नेता व राज्य के मंत्री नवाब मलिक ने भी कहा था कि राज्य में एनआरसी को नहीं लागू किया जाएगा।

उद्धव सीएए का कर चुके हैं समर्थन : पिछले महीने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा था कि सीएए को लेकर डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि एनपीआर से किसी को देश से बाहर नहीं निकाला जा रहा है। हालांकि, ठाकरे प्रस्तावित एनआरसी को नहीं लागू करने की बात भी कह चुके हैं।

महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण का प्रस्ताव नहीं : शिवसेना

शिवसेना ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्य में सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी सरकार द्वारा मुस्लिमों को आरक्षण देने पर विचार करने संबंधी खबरों पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की तरफ से चिंता जताए जाने के बाद शिवसेना का यह बयान आया है। इससे पहले, 28 फरवरी को महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मंत्री नवाब मलिक ने एलान किया था कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिम को आरक्षण के लिए कानून बनाया जाएगा। हाई कोर्ट ने सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिमों को पांच फीसद आरक्षण देने की अनुमति दे दी है।

अनीस के परिवार को 10 लाख रुपये देगी ओडिशा सरकार

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

- दिल्ली की हिंसा में उपद्रवियों ने जला दिया था बीएसएफ कांस्टेबल का घर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सीएम राहतकोष से बीएसएफ कांस्टेबल अनीस को 10 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। दिल्ली में भड़की हिंसा में मोहम्मद अनीस के घर को उपद्रवियों ने जला दिया था। इस घटना पर दुख प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को अनीस के साथ टेलीफोन पर बात कर यह घोषणा की है। अनीस ओडिशा में नक्सल प्रभावित जिला मलकानगिरी में बीएसएफ की नौवीं बटालियन में कार्यरत हैं।

25 फरवरी को दिल्ली स्थित खजूरीखास में हुई हिंसा में उपद्रवियों के एक समूह ने अनीस के घर को जला दिया था। इसमें उनका पूरा घर एवं सामान जलकर खाक हो गया था। कुछ ही दिन बाद बीएसएफ जवान मो. अनीस की शादी है, जो फिलहाल टल गई है। ऐसे में उनका घर बनाने के लिए बीएसएफ ने मदद का हाथ बढ़ाया है।

सीमा सुरक्षा बल अपने जवान के इस घर का निर्माण करेगा। नए घर को अनीस की शादी में उपहार के तौर पर दिया जाएगा।

दंगाइयों का कोई धर्म नहीं : अनीस

जासं, मुंगेर : अनीस ने कहा कि दंगाइयों का कोई धर्म नहीं होता। वोट की राजनीति करने वाले स्वार्थी नेताओं के बहकावे में आकर लोग ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। अप्रैल में होने वाली अनीस की शादी की तैयारी को लेकर उनकी मां मेहरुनिशा व भाई चांद मुंगेर स्थित गांव में है। दूरभाष पर हुई बातचीत में मुंगेर निवासी अनीस ने लोगों से भाईचारा बनाए रखने की अपील की है। उन्हें घर जलने का दुख नहीं है, दुख इस बात का है कि स्वार्थी लोगों के कारण समाज बंट रहा है। छोटी-छोटी बातों को लेकर लोग मरने-मारने को तैयार हैं।

सीएए के विरोध के चलते पोलैंड के छात्र को भारत छोड़ने का आदेश

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- पिछले साल दिसंबर में कोलकाता में सीएए के खिलाफ रैली में हिस्सा लिया था
- छात्र ने एफआरआरओ से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का किया अनुरोध

कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले पोलैंड के एक छात्र को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ रैली में हिस्सा लेना महंगा पड़ गया। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने नोटिस भेज कर उसे देश छोड़कर जाने के लिए कहा है। एफआरआरओ केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

छात्र का नाम कामिल सिदसिंस्की है। वह विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य की पढ़ाई कर रहा था। उसने इस मामले में मीडिया से बात करने से मना कर दिया है। विवि के छात्रों का कहना है कि उसे नोटिस इसलिए मिला है क्योंकि पिछले साल दिसंबर में कोलकाता के मौलाली इलाके में उसने सीएए के खिलाफ रैली में हिस्सा लिया था। यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है जब हाल में विश्व भारती विवि में पढ़ने वाली बांग्लादेशी छात्रा को सरकार विरोधी गतिविधियों में हिस्सा लेने की वजह से एफआरआरओ ने भारत छोड़ने को नोटिस दिया है। छात्रा का नाम अफसरा अनिका मीम है। मीम और कामिल को 15 दिनों के अंदर देश छोड़ने के लिए कहा गया है। इस बारे में जेयू के कुलपति सुरंजन दास और रजिस्ट्रार स्नेहामंजू बसु को फोन किया गया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया।

हालांकि, दोनों विदेशी छात्रों ने एफआरआरओ से अनुरोध किया है वह अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। उन्होंने वादा किया है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे। सूत्र ने दोनों छात्रों के हवाले से कहा है कि एफआरआरओ ने इस बारे में दिल्ली में अंतिम निर्णय लिए जाने की बात कही है।

पोलैंड के छोटे से शहर से ताल्लुक रखता है छात्र

जादवपुर विवि में तुलनात्मक साहित्य के प्रोफेसर सादतन दासगुप्ता ने कहा कि कामिल जैसे बुद्धिमान छात्र का अपने पाठ्यक्रम को बीच में छोड़कर जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। बंगाली साहित्य के छात्र को हुए नुकसान पर मुझे गहरा अफसोस है जो इस भाषा और इस राज्य से प्यार करता था। कामिल के दोस्तों का कहना है कि वह पोलैंड के छोटे से शहर से ताल्लुक रखता है, जिसकी सीमा जर्मनी से लगती है। वह बांग्ला भाषा को लेकर अपनी जिज्ञासा के चलते पहले विश्वभारती आया था। बाद में वह जादवपुर विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य पाठ्यक्रम में शामिल हो गया। यहां भाषा की पढ़ाई करते हुए उसने पोलैंड की कविताओं और गद्य का बांग्ला में अनुवाद करना शुरू कर दिया था, जिसमें से ज्यादातर जादवपुर विवि प्रेस से प्रकाशित हुई हैं। वहीं, इससे पहले जर्मनी के छात्र जैकब लिंडेथल जो ड्रेसडेन के रहने वाले थे, उन्हें सीएए विरोधी रैली में हिस्सा लेने की वजह से देश छोड़कर जाने का आदेश दिया गया था। उन्होंने पिछले साल अगस्त में एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत एमएस प्रोग्राम में दाखिला लिया था।

देश के गद्दारों... जैसा भाषण मैंने नहीं दिया : अनुराग

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

- कहा, मीडिया की अधूरी जानकारी के कारण खड़ा हुआ विवाद

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने लंबी चुप्पी तोड़ते हुए सफाई दी है कि देश के गद्दारों को... जैसा कोई भी विवादित भाषण उन्होंने नहीं दिया। मीडिया के दुष्प्रचार और अधूरी जानकारी के कारण उन पर दंगा भड़काने और हिंसा कराने के झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।

अनुराग ठाकुर रविवार को यहां सीआइआइ की तरफ से व्यापारिक संगठनों, चार्टर्ड अकाउंटेंटों और आयकर अधिकारियों के एक सत्र के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अनुराग ठाकुर के एक विवादित भाषण को लेकर जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया की अधूरी जानकारी के कारण यह सब कुछ हुआ है। चूंकि जांच चल रही है, इसलिए इस विवादित नारे को लेकर वह ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि दिल्ली दंगों को लेकर केंद्र व राज्य सरकार अपना काम कर रही हैं। दंगा भड़काने वाला चाहे किसी पार्टी, धर्म या समुदाय का हो, उस पर कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। दंगाइयों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

2025 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी का लक्ष्य : केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के समय देश 11वीं अर्थ व्यवस्था था, जो मोदी सरकार में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2025 तक इसे दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

कोरोना वायरस का सबसे ज्यादा असर फार्मा क्षेत्र पर : ठाकुर ने बताया कि कोरोना वायरस का सबसे ज्यादा असर भारत के फार्मा सेक्टर पर पड़ेगा। लिहाजा भारत अपने फार्मा सेक्टर पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों विभिन्न व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों के साथ बैठक कर पता किया गया था कि किस क्षेत्र में चीन के साथ ज्यादा सौदे होते हैं। वित्त मंत्रालय इस पर रिपोर्ट बना रहा है।

बैंकिंग क्षेत्रों में करेंगे सुधार : इससे पूर्व सीआइआइ के सत्र को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि लंबित कर विवादों के समाधान के लिए 'एक बार विवाद से विश्वास' योजना लागू की गई है, जो ब्याज और जुर्माना से छूट प्रदान करती है। बैंकिंग क्षेत्र के सुधार सरकार की प्राथमिकता है।

बादल ने कहा, सरकार सभी धर्म के लोगों के जज्बातों का ख्याल रखे

जागरण संवाददाता, बठिंडा

- पूर्व मुख्यमंत्री बादल ने मौजूदा हालात पर जताई गहरी चिंता
- कहा-सोचा नहीं था, 1984 जैसा कत्लेआम दोबारा होगा

शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने एक बार फिर देश के मौजूदा हालात पर चिंता जताई और अमन-शांति और भाईचारक सांझ को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, आपस में हैं भाई-भाई का नारा लगाते हुए कहा कि जिस मुल्क में सभी धर्मों के लोगों में सांप्रदायिक सद्भावना को कायम नहीं रखा जाता है, वह मुल्क कभी तरक्की नहीं कर सकता। सरकारों का फर्ज है कि सभी धर्मों के लोगों के जज्बातों का ख्याल रखें। देश में समानता व धर्मनिरपेक्षता बहुत जरूरी है।

बादल रविवार को यहां शिअद की रोष रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली में हुई हिंसा पर गहरी चिंता जताई और कहा कि 1984 के सिख कत्लेआम के बाद सोचा नहीं था कि फिर कभी ऐसा होगा। अगर विभिन्न धर्मों के लोग आपस में लड़ पड़े तो इसका बहुत भारी नुकसान होगा।

प्रकाश सिंह बादल फाइल

कांग्रेस फिर पैदा करना चाहती उग्रवाद जैसे हालात : मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की तरफ से चुनावी वादे पूरे न करने की आलोचना करते हुए बादल ने कहा कि पंजाब के लोगों के साथ यह धोखा जवाहर लाल नेहरू के समय से ही हो रहा है। 1946 में नेहरू ने पंजाबी भाषी इलाकों का सूबा बनाने का वादा किया था। बाद में इन्कार कर दिया।

बादल ने कहा कि शिअद के संघर्ष से पंजाबी सूबा तो बना, लेकिन न तो राजधानी चंडीगढ़ दी और न ही सभी पंजाबी भाषीय इलाकों को शामिल किया। पंजाब में उग्रवाद कांग्रेस की ही देन थी और वही हालात कांग्रेस फिर लाना चाहती है। शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कहा कि कांग्रेस विधायक सरेआम नशा बिकवा रहे हैं।

दिल्ली हिंसा में मुंगेर में बनी पिस्टल का हुआ इस्तेमाल

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- मांग और आपूर्ति का खेल समझ नहीं सकी पुलिस

बिहार के मुंगेर में बनी पिस्टलों का भी दिल्ली की हिंसा में इस्तेमाल हुआ। हिंसा में गिरफ्तार किए गए अधिकतर दंगाइयों के पास से मुंगेर में बनी पिस्टल बरामद हुई है। इनमें नाइन एमएम से लेकर 315 बोर तक के असलहे शामिल हैं। खुफिया तंत्र को जानकारी मिली थी कि दिल्ली और उससे सटे उप्र के इलाकों में मुंगेर के असलहों की आपूर्ति का रूट चंदौली है।

पुलिस और जीआरपी डीडीयू रेलवे की टीम तीन साल से प्रतिवर्ष औसतन 100 पिस्टल और लगभग 500 से अधिक कारतूस चंदौली से बरामद कर रही है। अधिकतर तस्कर बिहार व झारखंड के रहने वाले थे। पकड़े गए तस्करों ने दिल्ली और उससे सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तस्करी की बात भी स्वीकार की, लेकिन खुफिया तंत्र और पुलिस के कान खड़े नहीं हुए कि आखिर क्यों इतनी बड़ी संख्या में हथियार और कारतूस की तस्करी दिल्ली और उसके आसपास के इलाके में हो रही है।

पहले भी बरामद हुई थी पिस्टल

पीएम मोदी 16 फरवरी को वाराणसी आए थे। पं. दीनदयाल की प्रतिमा का अनावरण करने वह चंदौली के पड़ाव पहुंचे थे। उसी दौरान जीआरपी डीडीयू रेलवे स्टेशन की टीम ने झारखंड के दो तस्करों से 24 पिस्टल और 48 मैगजीन बरामद की थी। इससे पहले 22 जुलाई 2019 को भी इतनी ही संख्या में पिस्टल बरामद हुई थी।

बरेली में धर्मसभा की आड़ में धर्मांतरण को उकसाने पर हंगामा

जागरण संवाददाता, बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित फरीदपुर कस्बे में धर्मांतरण के शक में विहिप कार्यकर्ताओं ने पादरी को पकड़ लिया। हंगामा हुआ। ट्रेनी आइपीएस अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि विहिप ने तहरीर दी है। जांच करा रहे हैं। यदि धर्मांतरण का प्रयास सिद्ध हुआ तो कड़ी कार्रवाई करेंगे।

कस्बा के मठिया में रहने वाले कमलेश मौर्य के घर रविवार दोपहर कुछ लोग एकत्र थे। जानकारी पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) कार्यकर्ता कपिल शर्मा और धर्मेंद्र चौधरी पहुंच गए। कपिल का आरोप है कि वहां पर पादरी अमित मैसी व उनकी पत्नी य श्वेता मैसी लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रहीं थीं। हिंदू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की तो वीडियो बनाया, जिसका अमित मैसी ने विरोध किया। हंगामा होने लगा। बाद में दोनों पक्षों को कोतवाली ले जाया गया।

विहिप नगर अध्यक्ष सोमपाल राठौर का कहना था कि कई महीने से धर्मसभा की आड़ में धर्मांतरण के लिए हिंदू धर्म के लोगों को उकसाया जा रहा था। हकीकत जानने के लिए कार्यकर्ता खुद भीड़ के बीच बैठ गए। कहा कि यदि धर्मसभा थी तो वहां ईसाई समुदाय के लोग होने चाहिए थे। हिंदू समुदाय के दो दर्जन लोगों को बुलाने का क्या औचित्य। उधर, पादरी अमित मैसी का कहना था कि किसी भी धर्म के खिलाफ मैंने कुछ नहीं कहा। मैं सिर्फ नेकी, इमानदारी के रास्ते पर चलने की बात कह रहा था।

न्यूज गैलरी

बोर्ड परीक्षा के कारण राष्ट्रपति ने एक घंटा टाला कार्यक्रम

बिलासपुर : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दो दिवसीय प्रवास पर रविवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे। राष्ट्रपति सोमवार को बिलासपुर स्थित गुर घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सुबह दस बजे से तय है। राष्ट्रपति को जब पता चला कि सोमवार से छत्तीसगढ़ बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं, तो उन्होंने अधिकारियों से चर्चा की और दीक्षा समारोह एक घंटा देर से शुरू कराने का सुझाव दिया। ताकि सुरक्षा कारणों से छात्रों को परेशानी नहीं हो। इससे पहले राष्ट्रपति के विशेष विमान से रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर राज्यपाल अनसुईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उनका स्वागत किया। रायपुर से वायुसेना के हेलीकॉप्टर से राष्ट्रपति बिलासपुर पहुंचे। रविवार शाम छत्तीसगढ़ भवन में चाय पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रपति से हाई कोर्ट के जजों ने मुलाकात की। उन्होंने अपने मित्र पूर्व सांसद गोविंद राम मिरी व उनके परिवार के साथ भी भेंट की। राष्ट्रपति दो मार्च की सुबह 11 बजे केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में शामिल होंगे। (नईदुनिया)

बडगाम में आतंकियों के चार ओजीडब्ल्यू गिरफ्तार

जम्मू: कश्मीर के बडगाम जिले से रविवार को पुलिस ने आतंकियों के चार ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) को हिरासत में ले लिया। उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया गया है। ओजीडब्ल्यू की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए ओजीडब्ल्यू की पहचान कनीहामा क्षेत्र के मुजमिल नबी व उमर एजाज और कांटेबाग एसके पोरा के रहने वाले रौफ भट व इशफाक भट के रूप में हुई है। (राब्यू)

पवन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म कांड ▶ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है क्यूरेटिव याचिका

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म कांड के दोषी पवन कुमार गुप्ता ने तीन मार्च की तय फांसी की तारीख टालने के लिए दो दिन पहले जो क्यूरेटिव याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी उस पर कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। याचिका पर पांच न्यायाधीशों की पीठ सुबह 10.25 पर चैम्बर में विचार करेगी।

बता दें कि दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म कांड में निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक चारों दोषियों मुकेश, अक्षय, विनय और पवन को फांसी की सजा सुनाई गई है। फांसी से बचने और मामले में देरी करने के जिस उद्देश्य से पवन ने मात्र दो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव याचिका दाखिल की थी वह पूरा होता नहीं दिख रहा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार की शाम को दाखिल हुई क्यूरेटिव याचिका को अगले ही कार्य दिवस सोमवार को सुबह नियमित अदालत बैठने से पांच मिनट पूर्व चैम्बर में सुनवाई के लिए लगा लिया। क्यूरेटिव याचिका पर न्यायाधीश चैम्बर में सर्कुलेशन के जरिये विचार करते हैं। पवन की क्यूरेटिव याचिका पर न्यायमूर्ति एनवी रमना, न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, न्यायमूर्ति आरएफ नरीमन, न्यायमूर्ति आर भानुमती और न्यायमूर्ति अशोक भूषण विचार करेंगे।

गौरतलब है कि पवन ने शुक्रवार की शाम सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की और उसके बाद शनिवार को उस याचिका को आधार बनाकर पटियाला हाउस कोर्ट में अर्जी देकर तीन मार्च का डेथ वारंट निरस्त करने की मांग कर दी। पटियाला हाउस कोर्ट ने उसकी अर्जी पर तिहाड़ जेल प्रशासन से जवाब मांगा है। पटियाला हाउस कोर्ट में भी सोमवार को ही सुनवाई होगी। पवन ने अपनी अर्जी में सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव याचिका लंबित होने का आधार दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सुबह 10.25 पर ही याचिका पर सुनवाई हो जाने से पटियाला हाउस कोर्ट में पवन की ओर से मामला लंबित रहने की दी गई दलील शायद उस वक्त तक बची न रहे। वैसे सब कुछ सोमवार की सुनवाई पर निर्भर करेगा।

पवन गुप्ता ने इसके अलावा अभी तक राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दाखिल नहीं की है। संभव है कि वह क्यूरेटिव याचिका पर फैसला आने के बाद राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका भी दाखिल करे। वैसे निचली अदालत ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा सभी दोषियों को कानूनी विकल्प अपनाने के लिए दिए गए सात दिनों की अवधि समाप्त होने के बाद ही तीन मार्च का डेथ वारंट जारी किया था। पवन के अलावा बाकी के तीन दोषी मुकेश, अक्षय और विनय के कानूनी विकल्प समाप्त हो चुके हैं। तीनों की क्यूरेटिव याचिका तक सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति उनकी दया याचिका भी ठुकरा चुके हैं। हालांकि इस सबके बावजूद दोषी अक्षय सिंह ने राष्ट्रपति के समक्ष नई दया याचिका दाखिल की है और उसे आधार बनाकर उसने भी पटियाला हाउस कोर्ट में अर्जी दाखिल कर तीन मार्च का डेथ वारंट निरस्त करने की मांग की है। अक्षय का कहना है कि पहली दया याचिका पर्याप्त तथ्य न होने के कारण खारिज हो गई थी। वह याचिका अपूर्ण थी, इसलिए अब उसने उन सब खामियों को दूर करके नई दया याचिका दाखिल की है। अक्षय की अर्जी पर भी पटियाला हाउस कोर्ट में सोमवार को ही सुनवाई होनी है।

उधर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अलग से एक याचिका दाखिल कर सभी दोषियों को साथ फांसी देने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दे रखी है। सरकार का कहना है कि जिन दोषियों के कानूनी विकल्प समाप्त हो चुके हैं उनकी सजा पर अमल की इजाजत दी जाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि इस याचिका के लंबित रहने का निचली अदालत से दोषियों के खिलाफ डेथ वारंट जारी होने पर असर नहीं पड़ेगा। केंद्र की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने पांच मार्च तक के लिए सुनवाई टाल दी थी।

पवन गुप्ता की फाइल फोटो। प्रेट्र

पोप फ्रांसिस ने छात्रा से दुष्कर्म में सजायाफ्ता पादरी को पद से हटाया

- दो साल पहले सामने आई थी वारदात, पिछले वर्ष 20 साल कैद की हो चुकी है सजा

कोच्चि, प्रेट्र : पोप फ्रांसिस ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के मामले में पिछले साल सजा पा चुके केरल के पादरी रॉबिन वडक्कुमचेरी को पद से हटा दिया है। अदालत ने पादरी को 20 साल की सजा सुनाई है। फिलहाल वह जेल में बंद है।

चर्च के एक अधिकारी ने बताया, 'सायरो मालाबार चर्च के पादरी रॉबिन ने 16 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म किया था। वह गर्भवती हो गई थी। 50 वर्षीय पादरी से उसकी सभी जिम्मेदारी और अधिकारी छीन लिए गए हैं।' वर्ष 2017 में जब यह मामला सामने आया था, तभी उसे पादरी के पद से निलंबित कर दिया गया था।

कन्नूर में स्थित एक चर्च का पादरी था रॉबिन: रॉबिन कन्नूर जिले में स्थित एक चर्च का पादरी था और स्कूल का प्रबंधन भी करता था। पीड़ित छात्रा उसी स्कूल में पढ़ती थी। दो साल पहले रॉबिन को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया था, जब वह कनाडा भागने की कोशिश कर रहा था। थालास्सेरी की प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज (पॉक्सो) अदालत ने इस मामले में रॉबिन को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी और तीन लाख रुपये जुर्माना भी लगाया था।

उल्लेखनीय है कि दो साल पहले पोप फ्रांसिस ने सभी बिशप को निर्देश जारी किया था कि बच्चों का यौन शोषण करने वाले पादरी को किसी भी कीमत पर न बख्शा जाए।

वेटिकन ने खारिज की नन लुसी कलापुरा की दूसरी अपील

- दुष्कर्म के आरोपित बिशप फ्रैंको के खिलाफ उठाई थी आवाज
- चर्च के नियमों के खिलाफ जीवनशैली अपनाने पर हटाई गई थीं पद से
- नन ने मीडिया के सामने बात रखने के लिए जॉर्ज को किया है अधिकृत

कोच्चि, प्रेट्र : एक नन से दुष्कर्म के आरोपित बिशप फ्रैंको मुलक्कल के खिलाफ आंदोलन में शामिल रही केरल की नन लुसी कलापुरा के पद से हटाए जाने संबंधी आदेश के खिलाफ दाखिल दूसरी याचिका भी वेटिकन ने खारिज कर दी है। फ्रांसिस्कन क्लैरिस्ट कांग्रेगैशन (एफसीसी) ने नन लुसी की जीवनशैली को चर्च के नियमों का उल्लंघन बताते हुए जवाब मांगा था। बाद में उन्हें पद से हटा दिया गया था।

कुछ महीने पहले एफसीसी और ओरिएंटल चर्चेज इन वेटिकन (ओसीवी) ने लुसी की पहली याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने खुद को पद से हटाए जाने संबंधी आदेश को चुनौती दी थी। वेटिकन सिटी रोमन कैथोलिक चर्च का मुख्यालय है। दूसरी याचिका में लुसी ने आरोप लगाया था कि उन्हें सहकर्मी नन से दुष्कर्म के आरोपित बिशप के खिलाफ गिरफ्तारी की मांग करने के कारण पद से हटाया गया है।

'जस्टिस फॉर सिस्टर लुसी' नामक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े जॉर्ज एम. ने कहा, 'लुसी कलापुरा को वेटिकन से लैटिन में पत्र मिला है। उनका आवेदन खारिज कर दिया गया है।' नन ने मीडिया के सामने बात रखने के लिए जॉर्ज को अधिकृत किया है। वह केरल कैथोलिक चर्च रिफॉर्मेशन मूवमेंट (केसीआरएम) के नेता भी हैं। उन्होंने कहा कि नन लुसी अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेंगी। हालांकि, मणंतवादी डायोसिस के प्रवक्ता का कहना है कि उन्हें वेटिकन से इस संबंध में कोई पत्र नहीं मिला है। चूंकि उन्होंने सीधे अपील की है, इसलिए शायद सीधे जवाब मिला होगा।

आरोपित की गिरफ्तारी के लिए चले आंदोलन में शामिल रही हैं नन

उल्लेखनीय है कि मिशनरीज ऑफ जीसस कांग्रेगैशन की एक नन से दुष्कर्म के आरोपित बिशप फ्रैंको मुलक्कल की गिरफ्तारी के लिए चले आंदोलन में नन लुसी कलापुरा शामिल रही थीं। उन्हें पिछले साल अगस्त में निलंबित कर दिया गया था। उन पर चर्च के नियमों के खिलाफ और बिना वरिष्ठों को जानकारी दिए कार खरीदने, ड्राइविंग लाइसेंस पाने व किताब प्रकाशन के लिए कर्ज लेने का आरोप लगाया गया था।

तिहाड़ पहुंचा जल्लाद, आज होगा फांसी का ट्रायल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- जल्लाद ने आधे घंटे तक फांसी घर का लिया जायजा

निर्भया के दोषियों को फांसी पर लटकाने के लिए जल्लाद एक महीने बाद फिर रविवार को तिहाड़ पहुंच गया। उसे विशेष गाड़ी से जेल संख्या तीन ले जाया गया, जहां उसने फांसी घर का मुआयना किया।

जल्लाद के जेल परिसर में पहुंचने पर विशेष सतर्कता बरती गई। सभी बैरकों के मुख्य दरवाजे बंद कर दिए गए। फांसी घर जाने वाले रास्ते को खाली करवा दिया गया। वह करीब आधे घंटे फांसी घर में रहा। वहां प्लेटफार्म पर चढ़ा और लीवर दबाकर इस बात की तसल्ली करनी चाही कि कहीं इसमें जंग तो नहीं लगा है।

उसने पहले से तैयार डमी भी देखी। जेल अधिकारियों का कहना है कि सोमवार को जल्लाद फांसी घर में फांसी पर लटकाने का ट्रायल करेगा।

निर्भया की मां ने कहा, 3 मार्च को फांसी पर लटकाया जाए

निर्भया की मां ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि वह दोषियों की फांसी की सजा को कायम रखें ताकि तीन मार्च को फांसी पर लटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि दुनिया देख रही है कि दोषियों के वकील किस प्रकार कोर्ट को गुमराह कर रहे हैं। आश्चर्य है कि कोर्ट के आदेश का ही पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है।

दो महीने पहले हुई थी बड़ी छापेमारी

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

इस मामले में करीब दो महीने पहले सीबीआइ ने दो आइएएस और छह केएएस अधिकारियों के घरों और कार्यालयों में दबिश देकर रिकॉर्ड जांचा था और उनसे पूछताछ की थी। सीबीआइ ने 2007 बैच की आइएएस यशा मुद्गल, 2010 बैच के आइएएस कुमार राजीव रंजन, कुपवाड़ा के पूर्व जिला मजिस्ट्रेट इतरत हुसैन, किश्तवाड़ के पूर्व जिला मजिस्ट्रेट सलीम मुहम्मद, किश्तवाड़ और शोपियां के पूर्व जिला मजिस्ट्रेट रहे मुहम्मद जावेद खान, राजौरी के पूर्व जिला मजिस्ट्रेट फकीर चंद भगत, डोडा के पूर्व जिला मजिस्ट्रेट फारूक अहमद खान और पुलवामा के पूर्व डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट जहांगीर अहमद के घरों पर दबिश दी थी।

पिछले साल अगस्त में सीबीआइ को सौंपी गई थी जांच : सीबीआइ को इस मामले की जांच पिछले साल अगस्त में सौंपी गई थी। सीबीआइ जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों से एक दशक में दो लाख के करीब गन लाइसेंस जारी करने की जांच कर रही है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने रिश्वत लेकर नियमों को ताकपर रखकर जम्मू-कश्मीर से बाहर रहने वाले लोगों को लाइसेंस जारी किए। यह मामला राजस्थान पुलिस एंटी टेरर स्क्वायड (एटीएस) ने उजागर किया था। राजस्थान के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस ओपी गल्होत्रा ने यह मामला सीबीआइ को सौंपने की सिफारिश की थी। इसके बाद सीबीआइ ने जम्मू-कश्मीर सरकार की सहमति से दो एफआइआर दर्ज की थी।

दस फीसद लाइसेंस ही स्थानीय लोगों के

राजस्थान एटीएस के अनुसार 1,43,014 मामलों में से 1,32,321 गन लाइसेंस जम्मू संभाग के डोडा, रामबन और उधमपुर जिलों में बने हैं। पूरे राज्य में 4,29,301 गन लाइसेंस बने। उनमें से 10 फीसद लाइसेंस ही जम्मू-कश्मीर के रहने वाले लोगों के थे। शुरुआती जांच के समय इसे ऑपरेशन जुबेदा नाम दिया गया था। सर्वे उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले से शुरू हुआ। इस दौरान पाया गया कि जिले में गन लाइसेंस का रिकॉर्ड कहीं नहीं है। कई लाइसेंस फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जारी किए गए थे। यह भी सामने आया था कि कुछ लाइसेंस सैनिकों व जवानों के नाम पर फर्जी भी बने हैं। अर्धसैनिक बलों, बीएसएफ, सेना, आरपीएफ आदि से भी उन जवानों का ब्योरा मांगा गया था, जिनके नाम पर लाइसेंस बने हैं।

कांके सामूहिक दुष्कर्म मामले में दोषियों पर आज आएगा फैसला

जागरण संवाददाता, रांची

झारखंड के रांची के कांके के संग्रामपुर में लॉ छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में फैसले की घड़ी आ गई है। सोमवार को सजा सुनाई जाएगी। 26 फरवरी को न्यायायुक्त नवनीत कुमार की अदालत ने 12 में से 11 अभियुक्तों को सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट, चोरी सहित विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया था। वहीं, एक को नाबालिग घोषित किया गया है। नाबालिग का मामला किशोर न्याय बोर्ड में चलेगा। सभी 11 अभियुक्त होटवार जेल में बंद हैं। सजा सुनाए जाने के दौरान इन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया जाएगा। अभियोजन पक्ष की ओर से 21 गवाह पेश किए गए थे।

बता दें कि गत वर्ष 26 नवंबर को कांके के संग्रामपुर में लॉ छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। दूसरे दिन छात्रा की शिकायत पर कांके थाना में 12 आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर 29 फरवरी को जेल भेज दिया था। हाई कोर्ट के निर्देश पर केस की डे-टू-डे सुनवाई हुई। 24 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल कर दी गई। यही नहीं हाई कोर्ट खुद मामले की मॉनिटरिंग कर रहा था। इसी का परिणाम है कि 92 दिन में पीड़िता को न्याय मिलेगा।

नाबालिग घटना को अंजाम देने में सक्षम है या नहीं, इसकी जांच होगी। किशोर न्याय बोर्ड की अनुशंसा पर रिनपास में नाबालिग के मानसिक व शारीरिक क्षमता की जांच की जाएगी। जांच में अगर नाबालिग घटना को अंजाम देने में सक्षम पाया जाता है तो इस स्थिति में उसे वयस्कों की तरह ट्रायल फेस करना पड़ेगा।

रामलला की शिफ्टिंग का ब्लूप्रिंट तैयार

रघुवरशरण, अयोध्या : वैकल्पिक गर्भगृह में रामलला की शिफ्टिंग के ब्लूप्रिंट को अंतिम रूप दे दिया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के साथ चर्चा में तकनीकी विशेषज्ञों ने चार दिन में ही रामलला की शिफ्टिंग पूरा करने का दावा किया। सुरक्षा के मानकों व भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ने के सुझाव के साथ अध्यक्ष ने इस काम के लिए समुचित समय दिया है। चंपत राय ने कहा कि 25 मार्च से शुरू होने जा रहे वासंतिक नवरात्र तक रामलला वैकल्पिक गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे। वैकल्पिक गर्भगृह में रामलला की स्थापना के दो उद्देश्य हैं। पहला यह कि रामलला को मौजूदा गर्भगृह से हटाए बिना मंदिर निर्माण का काम संभव नहीं है। दूसरा उद्देश्य यह है कि मामले में फैसला आने के बाद पहला राम जन्मोत्सव भव्यता से मनाया जाए और रामलला को उपेक्षा की पर्याय मानी जाने वाली परिस्थितियों से बाहर निकाला जाए।

'सीमा पर दुश्मन के मंसूबों को करें नाकाम'

राज्य ब्यूरो, जम्मू

- गृह मंत्रालय की टीम ने लिया हालात का जायजा
- गृह सचिव ने चुनौतियों से निपटने जैसे मुद्दों पर चर्चा की

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कड़ी चौकसी से दुश्मन के मंसूबों को नाकाम बनाने के निर्देश देकर केंद्रीय गृह सचिव (सीमा प्रबंधन) एनएन सिन्हा रविवार को दिल्ली लौट गए। उनके साथ गृह मंत्रालय के कई अधिकारी भी थे।

दिल्ली रवाना होने से पहले गृह सचिव ने सीमा सुरक्षा बल फ्रंटियर मुख्यालय पलोड़ा में वरिष्ठ अधिकारियों से भविष्य की चुनौतियों से निपटने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। गृह सचिव ने शनिवार को जम्मू प्रांत में अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ सटे विभिन्न इलाकों का दौरा किया था। उन्होंने संबंधित अग्रिम चौकियों पर तैनात कर्मियों से हालात का जायजा लेने के साथ फील्ड कमांडरों, अधिकारियों व जवानों के साथ स्थानीय सुरक्षा परिदृश्य और सीमा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की थी। जम्मू फ्रंटियर के आइजी एनएस जम्वाल ने उन्हें उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ से निपटने और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने की रणनीति से अवगत कराया था। उन्होंने सीमांत इलाकों में तैनात जवानों के कल्याण, उनकी ऑपरेशनल तैयारियों व साजो सामान से जुड़े मुद्दों के बारे में भी गृह सचिव को जानकारी दी। जमीनी सतह के हालात जानने को केंद्रीय गृह सचिव ने पानसर और चंदवां स्थित अग्रिम चौकियों का भी दौरा किया था।

कश्मीरी युवाओं को व्यस्त रखना एजेंडे में : बीएस राजू

चिनार कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू ने कहा है कि अलगाववादी भावनाओं का पोषण करने वालों को दरवाजा दिखाया गया है। नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तान के नापाक मंसूबों पर नजर रखना और कश्मीरी युवाओं को व्यस्त रखना उनके एजेंडे में है। लेफ्टिनेंट जनरल राजू ने लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो से रविवार को नए कोर कमांडर के रूप में पदभार संभालने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में उनकी पोस्टिंग घर वापसी जैसी है। पहले नियंत्रण रेखा पर ब्रिगेड कमांडर के रूप में काम किया था। बाद में आतंकवाद प्रभावित दक्षिण कश्मीर में सेना के काउंटर इंसरजेंसी समूह विक्टर फोर्स का नेतृत्व किया। लेफ्टिनेंट जनरल राजू ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान बच्चों को विभिन्न खेलों और रचनात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखा था। इन गतिविधियों में सेना की ओर से खेल और पेंटिंग प्रतियोगिताओं जैसे आउटरीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू करना, स्टेशनरी वितरित करना, बच्चों को पैक भोजन के साथ ट्रैकिंग पर ले जाना शामिल था।

जागरण के अनंत विजय को मिला महाराणा मेवाड़ सम्मान

उदयपुर में महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी अरविंद सिंह मेवाड़ (दाएं) के हाथों महाराणा मेवाड़ सम्मान ग्रहण करने के दौरान अनंत विजय (बीच में)। साथ में हैं इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के कस्तूरीरंगन (बाएं)। जागरण

संसू, उदयपुर : दैनिक जागरण के एसोसिएट एडिटर अनंत विजय को महाराणा मेवाड़ सम्मान दिया गया। महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के 38वें वार्षिक अलंकरण समारोह में यह सम्मान उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए प्रदान किया गया। समारोह उदयपुर के सिटी पैलेस के ऐतिहासिक माणक चौक में आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने की। यह पुरस्कार के. कस्तूरीरंगन व फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी एवं पूर्व राजघराने के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ ने प्रदान किया।

रामलला के साथ बहुरेंगे उनके कुलदेवता के दिन

रघुवरशरण, अयोध्या

- 27 साल से अधिग्रहण का दंश झेल रहे रंगमहल को अब वापस मिलेगा खोया गौरव
- रामलला के मंदिर निर्माण के साथ रंगमहल के नवीनीकरण की तैयारी

27 साल पूर्व राम जन्मभूमि परिसर के अधिग्रहण के साथ फीकी पड़ी भगवान राम के कुलदेवता रंगनाथ के रंगमहल की आभा मंदिर निर्माण के साथ फिर बहाल होगी। अपनी पौराणिक महत्ता के साथ रंगमहल अपनी दर्शनीयता एवं उत्सवधर्मिता के लिए भी जाना जाता रहा है, पर अधिग्रहण के ग्रहण से रंगमहल की चमक स्याह हो उठी। श्रद्धालुओं की राह बाधित होने से रंगमहल की चमक ही नहीं फीकी पड़ी बल्कि व्यवस्था भी प्रभावित हुई। अब राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ उनकी भंगिमा 'सूरज की गरमी से जलते हुए तन को मिल जाए तरुवर की छाया' जैसी बयां हो रही है।

रंगमहल आश्रम के महंत रामशरणदास कहते हैं कि रामभक्तों की तपस्या का सुफल रामलला के साथ रंगमहल को भी मिला है। निकट भविष्य में यदि रामलला का मंदिर निर्माण शुरू होने को है तो रामशरणदास रंगमहल के नवीनीकरण की तैयारी करने लगे हैं।

ढाई सौ वर्ष पूर्व महंत सरयूशरण ने की पुनर्स्थापना : रंगमहल को नए सिरे से स्थापित करने का श्रेय ढाई सौ वर्ष पूर्व महंत सरयूशरण दास को जाता है। मान्यता है कि महंत सरयूशरण साधुओं के साथ यात्रा किया करते थे। राजस्थान में भ्रमण के दौरान पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए साधु कुआं खोदते थे। ऐसी ही एक खोदाई में सरयूशरण मलबे में दब गए और इस दुर्घटना की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। उनकी जमात के साधु आगे बढ़ गए।

छह माह बाद जब साधुओं की जमात वापस लौटी तो कुएं से सीताराम नाम जप की मंद धुन सुनाई पड़ी। साधुओं ने मलबा हटाया तो जलस्रोत के करीब रामधुन में लीन सरयूशरण ध्यानावस्थित मिले।

इसके बाद कुएं से बाहर निकाले गए सरयूशरण ने साधुओं को बताया कि वह एक बालिका के मार्गदर्शन में दिव्य जगत में भ्रमण कर रहे थे। इसके बाद मां जानकी की प्रगाढ़ भक्ति के आवेग में वह अयोध्या आए और रंगमहल की स्थापना की।

उधर, अयोध्यावासियों को भी उम्मीद है अब जल्द ही मंदिर निर्माण का काम शुरू होगा और वे अपने आराध्य की पूजा कर पाएंगे।

मंदिर निर्माण में देश भर से सहयोग लेंगे : आलोक

अमरोहा : विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राम जन्मभूमि के फैसले के बाद जितने समय में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रस्ट बनाने के लिए कहा था, उतने समय में बन गया है। मंदिर निर्माण शुरू कराने के लिए नृपेंद्र मिश्र ने अयोध्या का दौरा भी कर लिया है। अब मंदिर निर्माण की तारीख की घोषणा का इंतजार है। हमने ट्रस्ट को सुझाव दिया है कि पूरे विश्व में जहां कहीं भी हिंदू समाज रहता है, उन सबका मंदिर निर्माण में आर्थिक सहयोग लेना चाहिए। इसमें ट्रस्ट तय करे कि परिवार से कितनी राशि लेनी है। हम भारत के कोने-कोने में जाएंगे और मंदिर निर्माण के लिए सहयोग मांगेंगे। वह रविवार को उप्र के अमरोहा, बबराला और गजरौला विभाग की बैठक लेने आए थे।

तैयारी

मीडिया से बात कर सुर्खियों में आने के बजाय मंदिर निर्माण की दिशा में पुख्ता पहल करते दिखे समिति के अध्यक्ष

मंदिर निर्माण की बारीकियां परख दिल्ली रवाना हुए नृपेंद्र

जागरण संवाददाता, अयोध्या

राम मंदिर निर्माण को लेकर शनिवार को राम जन्मभूमि परिसर का जायजा लेने आए मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र रविवार सुबह वापस लौट गए। अपनी यात्रा में वह बोले तो कुछ नहीं, पर बहुत कुछ कह गए। शनिवार को उन्होंने दौरे की शुरुआत हनुमानगढ़ी में विराजे रामलला के दूत बजरंगबली के दर्शन से की। अगले कुछ मिनट में वह राम जन्मभूमि परिसर में दाखिल हुए और सीधे रामलला के सम्मुख जाकर नतमस्तक हुए। जैसे उनसे मंदिर निर्माण शुरू करने की आज्ञा ले रहे हों।

उन्होंने परिसर में करीब तीन घंटे का वक्त गुजारा और मंदिर निर्माण की संभावनाओं को बारीकी से परखा। इस दौरान भी बोलने के बजाय अपेक्षित जानकारी ही हासिल करते रहे। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष का यह रुख मंदिर निर्माण कार्यशाला के निरीक्षण से लेकर शनिवार को सायं सर्किट हाउस में बैठक के दौरान भी बयां हुआ। स्थानीय सर्किट हाउस में उनका रात्रि-प्रवास महज औपचारिकता थी।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र (बाएं) को विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने स्मृति चिह्न प्रदान किया। जागरण

अपने उद्देश्य को निर्णायक मोड़ तक पहुंचाने में जुटे

रविवार सुबह क्षेत्र के विधायक वेदप्रकाश गुप्त से लेकर जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, एसएसपी आशीष तिवारी उन्हें सी-ऑफ करने जरूर पहुंचे, पर उनसे भी मिश्र की वार्ता अभिवादन के आदान-प्रदान और औपचारिकता तक ही सीमित रही। इसके बावजूद मिश्र जिस उद्देश्य से आए थे, उसे निर्णायक मोड़ तक साधते प्रतीत हुए। रामलला को वैकल्पिक गर्भगृह में शिफ्ट करने का सवाल हो या मंदिर निर्माण शुरू करने के लिए ठोस भाव-भूमि तैयार करने की संभावना हो, मिश्र दोनों आयामों में पुख्ता पहल करते प्रतीत हुए। समझा जाता है कि उनके प्रयास जल्द ही फलीभूत होने लगेंगे।

न्यूज गैलरी

बीएसएफ ने पकड़ा संदिग्ध मोबाइल व 60 रुपये मिले

दोरांगला (गुरदासपुर) : भारत-पाक सीमा पर कंटीली तार के पास घूमते एक संदिग्ध को बीएसएफ की 58 बटालियन के जवानों ने पकड़ा है। उसके पास से मोबाइल व 60 रुपये बरामद हुए हैं। ठाकरपुर पोस्ट के कमांडेंट मुकेश कुमार ने बताया कि शनिवार रात करीब दो बजे एक युवक कंटीली तारों के पास घूम रहा था। जवानों के ललकारने पर वह वहीं बैठ गया। उसके पास से मोबाइल के अलावा एक नोट 50 रुपये का और एक 10 रुपये का मिला है। संदिग्ध खुद को रांची का रहने वाला साधू कुमार बता रहा है। कभी पिता का नाम रवि कुमार बता रहा है तो कभी शेखूपुर के रंजिदर कुमार बता रहा है। बीएसएफ अधिकारियों ने युवक को दोरांगला पुलिस को सौंप दिया है। (संसू)

हरिद्वार में स्कूल से लौट रही बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास

हरिद्वार : हरिद्वार में स्कूल से घर लौट रही छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों ने आरोपित की पिटाई कर उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। झबरेड़ा क्षेत्र में यह घटना सामने आई। शनिवार को छुट्टी के बाद घर लौट रही बच्ची को एक युवक ने रास्ते में रोक लिया। वह चाकलेट दिलाने के बहाने उसे अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवक बच्ची को एक खाली मकान में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। बच्ची के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण वहां पहुंचे। उन्होंने आरोपित को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। कुछ लोगों ने किसी तरह से उसे भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। इस बीच, झबरेड़ा थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस आरोपित को लेकर थाने आ गई। पूछताछ में उसने अपनी पहचान भक्तोंवाली गांव निवासी सोनू के रूप में बताई। झबरेड़ा थाना प्रभारी रविंद्र शाह ने बताया है कि आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। (संसू)

टूटी स्प्रिंग पर 102 किमी तक दौड़ती रही वैशाली एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर : बरौनी से मुजफ्फरपुर के बीच 102 किमी की दूरी तक टूटी स्प्रिंग पर सहरसा से नई दिल्ली जाने वाली वैशाली एक्सप्रेस दौड़ती रही। हालांकि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। रविवार की सुबह 11.20 बजे मुजफ्फरपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या तीन पर ट्रेन पहुंची। कंट्रोल के आदेश पर ट्रेन पासिंग सेक्शन इंजीनियर ने कर्मियों के साथ जांच की। ट्रेन के पिछले एसएलआर की प्राइमरी स्प्रिंग टूटी हुई व एक साइड झुकी पाई गई। कर्मियों ने स्टेशन मास्टरों को ट्रेन रोके रखने की सूचना दी। किसी तरह काम चलाने लायक मरम्मत की गई। करीब 25 मिनट तक ट्रेन रुकी रही। (जासं)

एनटीपीसी की दो मालगाड़ियां भिड़ीं दो लोको पायलट सहित तीन की मौत

हादसा ▶ मध्य प्रदेश के सिंगरौली में बीजपुर रेलवे क्रॉसिंग पर हुई दुर्घटना

रेलवे ने कहा, हादसे से लेना-देना नहीं

नईदुनिया, सिंगरौली

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में सासन के पास राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) रिहंद (सोनभद्र, उप्र) के लिए अमलोरी से कोयला लेकर जाने वाली और रिहंद पावर प्लांट से कोयला खाली कर आने वाली दो मालगाड़ियों की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों ट्रेनों के लोको पायलट और एक पायलट सहित तीन की मौत हो गई। दुर्घटना से परियोजना को भारी नुकसान हुआ है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि हादसा एनटीपीसी के ट्रैक पर हुआ है, उसका इससे लेना-देना नहीं है।

घटना रविवार सुबह 4.30 बजे बैढ़न से दो किमी पहले गनियारी के पास बीजपुर रेलवे क्रॉसिंग पर हुई। दोनों मालगाड़ियों के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। एनटीपीसी और जिला प्रशासन ने रेस्क्यू कर तीन घंटे की मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला। दुर्घटना को लेकर एनटीपीसी और जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। सिंगरौली के अतिरिक्त जिला कलेक्टर (एडीएम) ऋषि पवार ने मृतकों के परिवार को तत्काल 25-25 हजार रुपये की सहायता राशि दी। साथ ही मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने के निर्देश दिए।

सिंगरौली जिले के अमलोरी एनसीएल खदान और एनटीपीसी रिहंद परियोजना से कोयला लेकर उत्तर प्रदेश के रिहंद (सोनभद्र) कोयला लेकर जा रही मालगाड़ी उस समय सामने से आ रही मालगाड़ी से टकरा गई जब गनियारी के पास रेलवे क्रॉसिंग पर दूसरी मालगाड़ी को भी सिग्नल दे दिया गया।

इंजन व डिब्बे ट्रैक से दूर जा गिरे : टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ही मालगाड़ियों के इंजन और डिब्बे ट्रैक से दूर जा गिरे। हादसे के बाद राहत और बचाव के लिए युद्धस्तर पर कार्य शुरू किया गया। देर शाम तक ट्रैक से दोनों मालगाड़ियों के इंजन और डिब्बों को हटा लिया गया था।

मृत लोको पायलट और पायलट उप्र के : हादसे में पायलट रशीद अहमद, निवासी चुनार मिर्जापुर और लोको पायलट मनदीप प्रजापति, निवासी सोनभद्र व लोको पायलट राम लक्ष्मण वैश्य, निवासी सिंगरौली की मौत हुई है।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में टकराई दो मालगाड़ियों के क्षतिग्रस्त डिब्बों को क्रेन के जरिये हटाया गया। नईदुनिया

यह घटना रेलवे की नहीं है। कोयले का परिवहन करने के लिए एनटीपीसी ने खुद की पटरियां बिछाई हैं। लिहाजा इस घटना से भारतीय रेलवे का लेना-देना नहीं है।
-राजेश कुमार, पीआरओ ईस्ट सेंट्रल रेलवे

घटना क्यों हुई, इसकी जांच एनटीपीसी और जिला प्रशासन करा रहा है। जांच के बाद दोषी कौन है, यह तय किया जाएगा। पीड़ित परिवार को नियम के अनुसार मदद दी जाएगी।
- टीके विद्यार्थी, पुलिस अधीक्षक सिंगरौली

एडीएम ऋषि पवार को मौके पर भेजा था। मृतक के परिजन को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 25-25 हजार की आर्थिक सहायता दी गई है। जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।
-केवीएस चौधरी, कलेक्टर, सिंगरौली

छत्तीसगढ़ में आयकर टीम ने शराब कारोबारी के तीन फ्लैट किए सील

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ की सियासत में हलचल मचाने वाले आयकर विभाग के छापे चौथे दिन भी जारी रहे। आयकर टीम ने चिन्हित 90 फीसद ठिकानों पर जांच पूरी कर लेने का संकेत दिया है। इस बीच रविवार को बड़े शराब कारोबारी विकास अग्रवाल के घर से 13 लाख के जेवरात मिलने की चर्चा रही। छापे के बाद विकास फरार हो गए। आयकर टीम ने उनके शंकर नगर स्थित गोलछा अपार्टमेंट में तीन फ्लैट को सील कर दिया है। इधर, मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया का घर सील किए जाने के बाद रविवार को उनके पति सौरभ मोदी मीडिया के सामने आए। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों पर अकारण प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कहा कि सीएम का करीबी होने के कारण उनके परिवार को निशाना बनाया गया।

आयकर इन्वेस्टीगेशन विंग के आला अधिकारियों ने बताया कि पूर्व मुख्य सचिव व छत्तीसगढ़ रेरा के चेयरमैन विवेक ढांड, आइएएस अनिल टुटेजा, उनकी पत्नी मीनाक्षी टुटेजा, रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर, उनके भाई अनवर ढेबर, आबकारी विभाग के ओएसडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी गुचरण होरा के अधिकांश ठिकानों पर कार्रवाई पूरी हो गई है। इन रसूखदारों पर कार्रवाई में मिली जानकारी के आधार पर टीम छापे का विस्तार कर रही है। पूरी कार्रवाई के बारे में आयकर टीम की ओर से अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

कार्रवाई

- मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या के पति सौरभ मोदी आए सामने
- बोले-सीएम का करीबी होने के कारण उनके घर को बनाया निशाना

14 करोड़ सरेंडर कराए

राजनीतिज्ञों, बड़े नौकरशाहों और रियल एस्टेट, शराब के बड़े कारोबारियों के ठिकानों पर छापे के साथ ही आयकर विभाग की टीमों ने कुछ और लोगों के ठिकानों की जांच की। बस्तर संभाग के जगदलपुर में करीब 10 करोड़ रुपये और सरगुजा संभाग के रायगढ़ में करीब चार करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़े जाने की खबर है। दोनों स्थानों से 14 करोड़ रुपये सरेंडर (जमा) कराए गए। हालांकि अभी आयकर विभाग ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जगदलपुर में दो दिन पहले पहुंची आयकर विभाग की टीमों ने स्थानीय प्रकाश हार्डवेयर, ठेकेदार रूपेश झा, पैथोलॉजी लैब संचालक डॉ अविनाश चिखलीकर व ठेकेदार गुलजार सिंह के व्यावसायिक ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इधर रायगढ़ में शहर के सदर बाजार चूड़ी गोदाम स्थित रायगढ़ होजियरी और उनकी फर्म से जुड़ी बिलासपुर की सागर टेक्सटाइल में गुरुवार दोपहर से आयकर विभाग जांच कर रही थी।

रंगदारी मांगने में गैंगस्टर एजाज लकड़ावाला का रिश्तेदार गिरफ्तार

मुंबई, प्रेट्र : बिल्डर से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने जेल में बंद गैंगस्टर एजाज लकड़ावाला के रिश्तेदार नदीम लकड़ावाला को गिरफ्तार कर लिया।

एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया, 'बांद्रा निवासी एक बिल्डर ने छह जनवरी को मुंबई अपराध शाखा के एंटी एक्स्टॉर्सन सेल (एईसी) में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के बाद शनिवार को 49 वर्षीय नदीम अब्दुल सत्तार लकड़ावाला को गिरफ्तार कर लिया गया।' गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान एजाज लकड़ावाला ने भी नदीम का नाम लिया था। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हुआ था। शनिवार को जब नदीम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचा तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अधिकारी के अनुसार, 'अपराध शाखा की जांच में पाया गया था कि एजाज लकड़ावाला दुबई रहते हुए जिन लोगों से रंगदारी मांगता था, नदीम उनके लिए बिचौलिए का काम करता था।' नदीम को स्थानीय कोर्ट के पास पेश किया गया, जहां से उसे तीन मार्च तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। गैंगस्टर छोटा राजन के सहयोगी रहे एजाज लकड़ावाला पर भी कई मुकदमे दर्ज हैं।

आगरा में पीएसी जवान में स्वाइन फ्लू की पुष्टि

जासं, आगरा : मेरठ में कहर बरपा रहे स्वाइन फ्लू ने आगरा में दस्तक दे दी है। 15वीं वाहिनी पीएसी में तैनात जवान में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। उसका दिल्ली में इलाज चल रहा है, ऐसे में रविवार को जवान के स्वजन और बैरक में साथ रहे रहे लोगों की स्क्रीनिंग की गई। यहां से 51 संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेकर एसएन मेडिकल कालेज में जांच को भेजे गए हैं। रोकथाम के लिए टेमीफ्लू दी गई है।

15वीं वाहिनी पीएसी में कार्यरत जवान को बुखार था। 26 फरवरी को पीएसी चिकित्सालय में दिखाया। यहां से दिल्ली रेफर कर दिया लेकिन स्वजन ने आगरा के निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया, यहां प्रारंभिक जांच में एच1एन1 स्वाइन फ्लू की पुष्टि होने के बाद आरएमएल हॉस्पिटल दिल्ली रेफर कर दिया।

जम्मू में बदले जाने लगे चौराहों के नाम

जागरण संवाददाता, जम्मू

- सिटी चौक का नाम भारत माता पर पड़ा, सर्कुलर रोड अब अटल चौक
- भगवती नगर चौक का नाम बाबा अमरनाथ जी चौक रखा जाएगा

शहर का प्रसिद्ध सिटी चौक अब भारत माता चौक के नाम से जाना जाएगा। सर्कुलर रोड का नाम भी बदल कर अटल जी चौक कर दिया गया है। इन चौराहों पर रविवार को बोर्ड लगा दिए गए। जल्द कुछ और चौराहों के नाम भी बदल दिए जाएंगे।

नगर निगम की जनरल हाउस की बैठक में दो दिन पहले ही तवी नदी पर बने चौथे पुल के नजदीक भगवती नगर चौक का नाम बदल कर बाबा अमरनाथ जी चौक रखने का फैसला लिया गया है। कच्ची छावनी चौक का भी रंगरूप बदलने वाला है। यहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की साढ़े आठ फुट ऊंची प्रतिमा लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। डिप्टी मेयर पूर्णिमा शर्मा के निर्देश पर इन चौराहों पर बोर्ड लगा दिए गए हैं। कॉरपोरेटर प्रमोद कपाही का कहना है कि भगवती नगर चौक का नाम बदलने और बाबा अमरनाथ की विशाल प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव नगर निगम के जनरल हाउस में सर्वसम्मति से पारित हो चुका है।

भारत माता चौक व अटल जी चौक के नाम बदलने को लेकर कोई प्रस्ताव पारित नहीं हुआ है। नगर निगम के चीफ ट्रांसपोर्ट आफिसर तलत महमूद ने कहा कि फिलहाल भारत माता चौक व अटल जी चौक के बोर्ड लगा दिए गए हैं। इसके अलावा कुंजवानी चौक पर बाबा बंदा बहादुर की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव कॉरपोरेटर स. इंद्र सिंह सूदन ने लाया है।

कांग्रेस ने किया विरोध

विपक्ष के नेता और कांग्रेस के व्हिप द्वारका चौधरी ने कहा कि नगर निगम की जनरल हाउस की बैठक में लिए गए निर्णय को ही लागू किया जा सकता है। भाजपा मनमर्जी से शहर के चौराहों के नाम बदल रही है। इस बार जनरल हाउस की बैठक में कई चौराहों का नाम बदलने के संबंध में हाउस में फैसला लिया गया है, लेकिन जो नाम बदले गए हैं, उनके बारे में वहां कोई चर्चा नहीं हुई थी।

हरियाणा की बटन फैक्ट्री में भीषण आग से आठ मजदूर झुलसे

जागरण संवाददाता, राई (सोनीपत)

हरियाणा के सोनीपत में कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित बटन फैक्ट्री में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। इससे फैक्ट्री में मौजूद 49 मजदूरों में से आठ मजदूर झुलस गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से झुलसे मजदूरों को दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में दाखिल कराया गया है। दमकल की तीन गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र के फेज-4 में सेक्टर 57 स्थित एरो एंटरप्राइजेज फैक्ट्री में बटन बनाने का काम होता है। रविवार को सुबह करीब छह बजे फैक्ट्री में अचानक आग भड़क उठी। उसी समय इस क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही एचएसआइआइडीसी (हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत ढाचा निगम) की क्विक रिस्पांस टीम के सदस्यों की नजर फैक्ट्री से उठते धुएं पर पड़ी। वे फैक्ट्री की तरफ दौड़े और इसकी सूचना दमकल केंद्र को दी और अपने स्तर पर बचाव का काम शुरू किया।

तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू : कुछ देर बाद कुंडली, राई व सोनीपत से दमकम की गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसी बीच अग्निशमन व क्विक रिस्पांस की टीम ने फैक्ट्री से सभी मजदूरों को बाहर निकाला। इनमें से आठ मजदूर आग से झुलस गए। सभी को दिल्ली के राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां से सुरेंद्र व अमरजीत की हालत गंभीर होने से चलते उन्हें दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर, कुंडली थाना पुलिस ने फैक्ट्री मालिक राहुल जैन से पूछताछ की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। शार्ट-सर्किट से आग लगने की बात बताई जा रही है। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक से भी पूछताछ की है। मामले की जांच की जा रही है।
-सतबीर, जांच अधिकारी, थाना कुंडली

साढ़े तीन घंटे में 20 हजार ग्रामीणों ने बनाई 40 हजार जल संरचनाएं

15 समूह में ग्रामीण बंट गए थे।
6.30 बजे ही सुबह गैती, तगारी लेकर निकल पड़े थे।
6 बार अब तक हुआ हाथीपावा पर हलमा।
1 करोड़ 80 लाख लीटर पानी संग्रहित होने की संभावना।
4 महीने से चल रही थी तैयारी।

नईदुनिया, झाबुआ : मध्य प्रदेश के झाबुआ से सटी हाथीपावा की पहाड़ियों पर रविवार को सामाजिक संस्था शिवगंगा के हलमा (सामूहिक श्रमदान) कार्यक्रम में 20 हजार ग्रामीण शामिल हुए। इन्होंने साढ़े तीन घंटे तक सामूहिक श्रमदान करते हुए जल संरचनाओं का निर्माण किया। आयोजकों के अनुसार 40 हजार जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है।

सुबह 7.30 बजे से ही अलग-अलग समूह में पहाड़ियों पर पहुंचकर ग्रामीण श्रमदान करने लगे थे। यह कार्य 11 बजे तक चलता रहा। सभी ने इस कार्य में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। पुरुष गैती (मिट्टी खोदाई का उपकरण) और महिलाएं तगारी (तसला) लेकर आए थे। विधायक कांतिलाल भूरिया और बाहर से आए अतिथियों व विद्यार्थियों ने हलमा कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लोगों में इसे लेकर काफी उत्साह था।

झाबुआ से सटी हाथीपावा की पहाड़ियों पर जल संरचनाए बनाते ग्रामीण। दर्पण भाटी

देवकीनंदन ठाकुर मामले आज से शुरू होगी जांच

जासं, मथुरा : भागवताचार्य देवकीनंदन ठाकुर और उनके भाइयों सहित छह के खिलाफ मारपीट और अश्लीलता की रिपोर्ट दर्ज कराने के मामले में पुलिस सोमवार से अपनी जांच शुरू करेगी। पुलिस ने सोमवार को वादी को अपने बयान देने के लिए बुलाया है। देवकीनंदन ठाकुर (शांति सेवा धाम छटीकरा रोड, वृंदावन), उनके भाई गजेंद्र शर्मा, विजय शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा और अन्य अमित और धर्मेंद्र के खिलाफ मथुरा के थाना हाईवे में राधावैली निवासी पुष्पेंद्र कुमार आर्य ने नामजद रिपोर्ट कराई है।

पुष्पेंद्र ने खुद के मीडियाकर्मी होने का जिक्र करते हुए उन पर आरोप लगाया है कि श्यामसुंदर ने हरियाणा के रेवाड़ी जिले की एक लड़की का शारीरिक शोषण किया, आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बनाए। इसकी बाइट युवती ने उन्हें दी। आरोपितों ने जानकारी होने पर 24 फरवरी को उनके घर पर आकर मारपीट की। उनकी पत्नी से भी अश्लीलता करते हुए बेइज्जत किया। पीड़ित ने बताया कि घटना की सूचना उसी समय पुलिस को दे दी गई थी। 25 फरवरी को थाने में तहरीर दी, पर पुलिस ने तीन दिन बाद 27 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज की है।

फर्जी डिग्री मामला

हिमाचल प्रदेश में निजी शिक्षण संस्थान नियामक आयोग ने जारी किया आदेश, हिमाचल के मानव भारती विश्वविद्यालय की पहले भी आई थी शिकायत

17 निजी विश्वविद्यालयों का रिकॉर्ड तलब

राज्य ब्यूरो, शिमला

निजी शिक्षण संस्थान नियामक आयोग भी डिग्री फर्जीवाड़े मामले में सख्त हो गया है। आयोग ने हिमाचल में स्थित सभी 17 विश्वविद्यालयों को ताजा सर्कुलर जारी किया है। इसमें तमाम डिग्रियों, छात्रों के दाखिले, पासआउट और दूसरी जगह गए विद्यार्थियों का रिकॉर्ड तलब किया है। यह रिकॉर्ड तब से देना होगा, जबसे डिग्रियां देनी शुरू हुई हैं।

दो विश्वविद्यालयों के अलावा अन्य संस्थानों की हालांकि शिकायतें नहीं आई हैं, लेकिन आयोग ने खुद ही यह सख्त कदम उठाया है। अगर रिकॉर्ड संदिग्ध पाया या फर्जीवाड़ा होने का शक हुआ तो जांच के लिए सीआइडी को लिखा जाएगा। मानव भारती निजी विश्वविद्यालय की इससे पहले जब शिकायत आई थी तो आयोग ने कुलपति और रजिस्ट्रार को शिमला तलब किया था। जांच में पता चला है जिन डिग्रियों की शिकायत हुई थी, वह विवि ने जारी नहीं की थी। इसके बाद विवि प्रबंधन ने सोलन के धर्मपुर में केस दर्ज करवाया था।

यूजीसी से आए शिकायत पत्र के आधार पर प्रदेश के सभी निजी विश्वविद्यालयों को ताजा सर्कुलर जारी किया है। आज तक जितनी भी डिग्रियां बांटी हैं, उन सबका रिकॉर्ड तलब किया है। अगर कोई भी गड़बड़ी पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मानव भारती के बारे में पहले भी शिकायत हुई थी। तब विवि प्रशासन ने कहा था उसने जाली डिग्रियां जारी नहीं की हैं।
डॉ. एसपी कत्याल, सदस्य, निजी शिक्षण संस्थान नियामक आयोग

एपीजी यूनिवर्सिटी से रिकॉर्ड आ गया है। मानव भारती विश्वविद्यालय ने दो सप्ताह का वक्त मांगा है। रिकॉर्ड जांचने के बाद ही अगली कार्रवाई की जा सकती है।
पूनम, सचिव, निजी शिक्षण संस्थान, नियामक आयोग

निजी विश्वविद्यालयों में सीआइडी की दबिश, रिकॉर्ड जब्त

राज्य ब्यूरो, शिमला : फर्जी डिग्री मामले में सीआइडी की एसआइटी ने जांच तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार एसआइटी की दो टीमों ने विश्वविद्यालयों में दबिश दी और डिग्रियों से जुड़ा रिकॉर्ड कब्जे में ले लिया है। अनियमितताएं पाने जाने के सुबूत मिले तो सीआइडी एफआइआर दर्ज करेगी।

शिमला की एपीजी और सोलन स्थित मानव भारती विश्वविद्यालय में गहनता से जांच होगी। एपीजी पर 15 हजार और मानव भारती विवि पर पांच लाख डिग्रियां फर्जी तरीके देने का आरोप है। विपक्ष के नेता मुकेश अग्निहोत्री ने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। शिक्षा मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा था कि विपक्ष मुद्दे को सनसनीखेज बना रहा है। इसके बाद डीजीपी ने सीआइडी जांच के आदेश दिए। सीआइडी के एसपी वीरेंद्र कालिया की अध्यक्षता में एसआइटी गठित की गई है।

उत्तराखंड में बस में लगी आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

जासं, ऋषिकेश: उत्तराखंड परिवहन निगम की हरिद्वार से देहरादून जा रही एक बस पर नेपाली फार्म के समीप अचानक आग लग गई। आग लगने से बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया, लेकिन आग फैलने से पहले ही सभी यात्री सकुशल बस से बाहर निकल गए। इसके बाद कुछ ही देर में पूरी बस आग का गोला बन गई। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट होना माना जा रहा है।

घटना रविवार शाम करीब 4 बजे की है। हरिद्वार डिपो की बस नेपाली फार्म, रायवाला में निर्माणाधीन फ्लाइओवर के पास से गुजर रही थी। इस बीच चालक को इंजन में आग लगने का पता चला तो चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस को सड़क के किनारे खड़ा किया और यात्रियों को तुरंत बस से उतरने को कहा। इसके बाद अफरा-तफरी में कुछ यात्री बस से उतरे तो कुछ खिड़की से ही बाहर कूद गए। बस में 40 यात्री सवार थे।

बिहार में स्वर्ण व्यवसायी की हत्या, आभूषण और नकदी लूटी

जागरण संवाददाता, अंधराठाढ़ी (मधुबनी)

बिहार के मधुबनी जिले के अंधराठाढ़ी थाना क्षेत्र में बदमाशों ने स्वर्ण व्यवसायी नीरज ठाकुर (45) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई तथा आभूषण और रुपये लूट लिए गए। वारदात से आक्रोशित लोगों ने रविवार को प्रदर्शन किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, नीरज ठाकुर रुद्रपुर थाना क्षेत्र के रखवारी गांव के निवासी थे। अंधरा बाजार में नीता ज्वेलर्स के नाम से उनकी आभूषण की दुकान है। शनिवार की रात वह रोज की तरह दुकान बंद कर साढ़े आठ बजे बाइक से घर के लिए निकले। इसी दौरान रास्ते में मधुबन गांव के पास कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। आभूषण और नकदी देने में आनाकानी करने पर चाकू से घायल कर दिया। इसके बाद आभूषण व नकदी लूटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल स्वर्ण व्यवसायी ने मोबाइल से स्वजनों को सूचना दी। मधुबन गांव से दो सौ मीटर दूर नीरज गेहूं के खेत में खून से लथपथ पड़े थे। पेट में चाकू से गहरा वार किया गया था। शरीर से काफी खून निकल चुका था। आनन-फानन स्वजन उन्हें अस्पताल ले गए। गंभीर स्थिति देख चिकित्सकों ने उन्हें दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। स्वजनों ने किसी से दुश्मनी होने से इन्कार किया है। बताया कि रास्ते में उन्होंने बच्चों के लिए चॉकलेट ली, पान भी खाया। रात करीब साढ़े नौ बजे फोन आया कि किसी ने लूटपाट कर बुरी तरह घायल कर दिया है। कहा, जब वहां पहुंचे तो नीरज की बाइक सड़क पर खड़ी थी। नीरज बगल में गेहूं के खेत में खून से लथपथ पड़े थे। बाइक की डिक्की खुली थी।

दैनिक जागरण

सफलता के लिए अपनी क्षमताओं की परख बेहद आवश्यक है

संसद पर निगाहें

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में सभी ज्वलंत विषयों पर चर्चा स्वाभाविक ही नहीं आवश्यक भी है, लेकिन मुश्किल यह है कि चर्चा के नाम पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति ही अधिक होती है। इसके संकेत भी कांग्रेस के नेताओं के इन बयानों से मिल रहे हैं कि वे दिल्ली के दंगों को लेकर दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार को घेरेंगे। इस सिलसिले में लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने यह आरोप भी लगा डाला कि उनकी समझ से दिल्ली पुलिस और हिंसक तत्वों के बीच कोई साठगांठ थी। क्या वह यह कहना चाहते हैं कि मोदी सरकार ने तब स्वयं की छवि बिगाड़ने वाले काम किए जब अमेरिकी राष्ट्रपति नई दिल्ली में थे और इस कारण दुनिया की निगाहें भारत की ओर थीं? इससे इन्कार नहीं कि दिल्ली पुलिस ने अपना काम सही तरह से नहीं किया और सरकार भी स्थितियों को सही ढंग से भांप नहीं सकी, लेकिन भयावह दंगों का आरोप उस पर मढ़ना क्षुद्र राजनीति के अलावा और कुछ नहीं। वस्तुतः दिल्ली का माहौल बिगाड़ने में एक बड़ी भूमिका इस क्षुद्र राजनीति की भी है।

कोई भी इसकी अनदेखी नहीं कर सकता और न ही करनी चाहिए कि संसद से बाहर नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विपक्षी दलों ने किस तरह न केवल जमकर दुष्प्रचार किया, बल्कि लोगों को भड़काने में कोई कसर नहीं उठा रखी। कांग्रेस उन राजनीतिक दलों में सबसे आगे रही जिन्होंने शाहीन बाग सरीखे धरने को बढ़-चढ़कर अपना समर्थन प्रदान किया। यह एक सच्चाई है कि दिल्ली के माहौल को खराब करने में एक बड़ी भूमिका शाहीन बाग के जमावड़े की भी है। करीब अस्सी दिन बीत जाने के बावजूद यह धरना जारी है। इसी के साथ उसके समर्थन और विरोध में बयानों का सिलसिला भी कायम है। निश्चित रूप से इस धरने के समर्थन और विरोध में दिए गए भड़काऊ बयानों ने माहौल को दूषित करने का काम किया, लेकिन असली गुनहगार तो वे हैं जिन्होंने यह स्थापित करने की चेष्टा की और अभी भी कर रहे हैं कि नागरिकता संशोधन कानून भारत के मुसलमानों के खिलाफ है। यह कोरा झूठ इसके बावजूद फैलाया जा रहा है कि इस कानून का किसी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं। यदि हमारे राजनीतिक दल गंभीर मुद्दों पर सचमुच चर्चा करना चाहते हैं तो उन्हें कम से कम संसद के भीतर विभाजनकारी और वैमनस्य फैलाने वाली राजनीति करने से बाज आना चाहिए। बेहतर हो कि हमारे राजनीतिक दल यह स्मरण रखें कि संसद का काम देश को दिशा दिखाना है और यह काम वैसे राजनीतिक विमर्श से कदापि नहीं हो सकता जैसा कि इन दिनों देखने को मिल रहा है।

खुद के दुश्मन

पंजाब के लुधियाना के ग्यासपुरा में गत दिवस रेलवे फाटक पर हुआ दुखद हादसा उन लोगों के लिए एक सबक है जो अपने जीवन की कीमत नहीं समझते। यहां फाटक बंद होने पर भी लोग उसके नीचे से रेलवे ट्रैक पार करने की जल्दबाजी में शताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इस घटना में दो लोगों को जान गंवानी पड़ी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इससे पहले भी पंजाब में रेलवे फाटक पर कई हादसे हो चुके हैं। पहले जब मानव रहित रेलवे क्रासिंग होते थे, तब यह मानने के कारण थे कि इसमें व्यवस्था का दोष है, लेकिन अब अधिकांश रेलवे क्रासिंग पर फाटक लगा दिए गए हैं। हालांकि फाटक बंद होने के बावजूद उसके नीचे से निकलने वाले लोग बेहद आसानी से कहीं भी देखे जा सकते हैं। ऐसे लोग किसी प्रकार की अनहोनी के लिए खुद ही अधिक जिम्मेदार होते हैं। आखिर दो-चार मिनट की देरी क्या जीवन से ज्यादा अनमोल है? कहा भी जाता है कि दुर्घटना से देरी भली होती है। लोगों के साथ-साथ जीआरपी भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है। अक्सर लोग फाटकों के नीचे से निकल रहे होते हैं, लेकिन उन्हें रोकने और दंडित करने के मामले शायद ही कभी सामने आते हैं, जबकि जल्दबाजी में रेलवे फाटक के नीचे से निकलना दंडनीय अपराध है। न सिर्फ रेलवे ट्रैक को अनुचित तरीके से पार करना, अपितु इस पर अनावश्यक रूप से खड़ा होना, चलना भी उचित नहीं है। विगत वर्ष अमृतसर में दशहरे पर यही गलती तो भारी पड़ी थी। यहां बहुत से लोग रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर रावण दहन देख रहे थे और ट्रेन की चपेट में आ गए। यही नहीं रेलवे प्लेटफार्म पर भी अक्सर लोग अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार कर एक प्लेटफार्म से दूसरे पर जाते हुए देखे जा सकते हैं। ऐसा करने वालों के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई कर सकती है, सरकार दंड के प्रावधान और कड़े कर सकती है, लेकिन यदि लोग स्वयं जाग जाएं तो ऐसा कुछ भी करने की आवश्यकता है ही नहीं।

फाटक बंद होने के बावजूद उसके नीचे से निकलने वाले लोग कहीं भी देखे जा सकते हैं। ऐसे लोग अनहोनी के लिए खुद ही अधिक जिम्मेदार होते हैं।

जहर घोलती सांप्रदायिकता

हृदयनारायण दीक्षित

जब दंगे और हिंसा के बावजूद साथ-साथ रहना ही हम सबकी नियति है तो आखिर सांप्रदायिक आक्रामकता का क्या मतलब है?

अवधेश राजपूत

भारत का मन इन दिनों व्यथित है। सांप्रदायिकता के राक्षस ने राष्ट्रीय एकता को पलीता लगाया है। दिल्ली दंगों का यथार्थ डरावना है। कई लोग मारे गए हैं। दो सौ से अधिक घायल हैं। पुलिसकर्मी भी हिंसा के शिकार हुए हैं। सरकारी प्रयासों से स्थिति सामान्य हुई है। इसको लेकर राजनीतिक लाभ उठाने की निंदनीय कोशिशें भी हो रही हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से अकारण त्यागपत्र मांगा गया है। सांप्रदायिक आक्रामकता वस्तुतः कानून व्यवस्था की ही समस्या नहीं है। यह राष्ट्रीय एकता को चुनौती देने वाले अलगाववादी समूहों की साजिश है। देश में पिछले तीन-चार माह से सुनियोजित तरीके से सांप्रदायिकता का जहर फैलाया जा रहा है। ताजा हिंसा इसी सुनियोजित सांप्रदायिक आक्रामकता का नतीजा है। राष्ट्र सर्वोपरि अस्मिता है। संविधान की उद्देशिका में ही राष्ट्र की अस्मिता का स्रोत 'हम भारत के लोग' हैं। राष्ट्र से भिन्न सभी समूहगत अस्मिताएं सांप्रदायिक हैं। सांप्रदायिक अलगाववाद हमेशा क्षतिकारक होता है। अलगाववाद से होने वाली राष्ट्रीय क्षति से बचने के लिए 'सांप्रदायिक सद्भाव' जैसे काल्पनिक विचार और प्रतीक गढ़े गए। सद्भाव कभी सांप्रदायिक नहीं होता। जो सांप्रदायिक होता है वह सद्भाव नहीं होता।

सांप्रदायिक सद्भाव की दृष्टि से ही 'गंगा-जमुनी तहजीब' का मुहावरा उछाला गया। बेशक इसका ध्येय आत्मीयता का संवर्धन था, लेकिन गंगा-यमुना के प्रतीकों से दो विभाजित संप्रदायों को स्वीकृति मिली कि दोनों का अलग अस्तित्व है। सहअस्तित्व साध्य है। वस्तुतः भारत के सभी लोग एक हैं। सबकी एक संस्कृति है। सबका उद्गम एवं पोषक स्रोत यह भारत भूमि है। गंगा और यमुना का उद्गम भी एक ही पर्वत शृंखला है। प्रयागराज में दोनों का मिलन केंद्र भी एक है। मिलन और संपूर्ण एकीकरण गंगा-यमुना की नियति है। गंगा और यमुना जैसे भौगोलिक एवं सांस्कृतिक प्रतीकों को भी संप्रदायों से जोड़ना उचित नहीं कहा जा सकता। भारतीय समाज तमाम संस्कृतियों या संप्रदायों का गठजोड़ नहीं है। राष्ट्र सांप्रदायिक समझौतों का परिणाम नहीं है। बेशक यहां भिन्न रीति-रिवाज हैं। आस्था एवं विश्वास के संवैधानिक अधिकार हैं। बावजूद इसके सारी दुनिया को एक परिवार जानने वाली समूचे भारत की एक संस्कृति है। सांप्रदायिकता इसका अंग या घटक नहीं है। अलग सांप्रदायिक आक्रामकता की प्रकृति विदेशी है। यह भारत के बाहर से आई है।

'हम भारत के लोग' एक राष्ट्र हैं, लेकिन मुस्लिम लीग ने मजहबी आधार पर हिंदू-मुस्लिम को दो राष्ट्र बताया था। सांप्रदायिक आक्रामकता का ताजा उभार भी सोची-समझी रणनीति है। इसका मूल स्रोत राजनीति में है। डॉ. आंबेडकर की पुस्तक 'पाकिस्तान आर पार्टिशन ऑफ इंडिया' में एक अध्याय 'सांप्रदायिक आक्रामकता' पर है। उन्होंने सांप्रदायिक राजनीति की मांगों की तुलना चेकोस्लोवाकिया से हिटलर की मांगों से की थी।

भारत में सांप्रदायिक राजनीति का इतिहास पुराना और भयावह है। आक्रामक सांप्रदायिकता के चलते स्वाधीनता के पूर्व भी तमाम दंगे हुए थे। 1946 में बाकायदा कलकत्ता में सीधी कार्रवाई की घोषणा की गई थी। उसमें तब लगभग चार हजार लोग मारे गए थे। 10-11 हजार लोग घायल हुए थे। संविधान सभा को लेकर भी दंगे हुए थे। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद ढाई हजार से ज्यादा सिखों की हत्या हुई थी। मुंबई का 1992-93 का दंगा कुख्यात है। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर दंगों के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं। 2012 के असम दंगे में 80 लोग मारे गए थे। भागलपुर दंगों की याद डरावनी है। इसके अलावा भी सांप्रदायिक आक्रामकता ने देश के अनेक हिस्सों में व्यापक जनधन की हानि की है। सांप्रदायिक अलगाववाद स्थायी भाव है। सांप्रदायिक दंगों के पीछे भड़काऊ ताकतें होती हैं। सांप्रदायिकता का स्थायी भाव भड़कने के लिए तत्पर रहता है। भारतीय समाज में रचनात्मकता और सद्भाव को बढ़ाने वाली शक्तियां भी अपना काम करती हैं, पर उनका प्रभाव सांप्रदायिक उन्माद पर नहीं पड़ता। सांप्रदायिक सद्भाव सकारात्मक विचार नहीं है। सकारात्मक विचार राष्ट्र सर्वोपरिता है, लेकिन दुर्भाग्य से यहां राष्ट्रभाव को ही अपशब्द कहे जाते हैं। सांप्रदायिकता की समाप्ति व्यापक जन अभियान से ही संभव है, लेकिन देश के राजनीतिक दलों को भी ईमानदार प्रयास करने होंगे।

सांप्रदायिक अलगाववाद का वोट बैंक है। वे धौंस देते हैं कि हमारी संख्या 20-25 करोड़ है। हम एक अरब आबादी पर भारी हैं। तब गंगा जमुनी तहजीब की यमुना की ताकत 20-25 करोड़ ही रह जाती है। वे अपनी ही सगी बहन गंगा को धौंस देती हैं। आखिरकार यह कैसी तहजीब है? सातवीं सदी के पहले भारत में कोई सांप्रदायिक समस्या नहीं थी। यहां 'दंगा' शब्द भी नहीं था। यह शब्द विदेशी है। सांप्रदायिक आक्रामकता राष्ट्र-राज्य के विरुद्ध युद्ध है। कायदे से भारत के सभी नागरिक एक कौम हैं। साथ-साथ रहना, उन्नति करना, राष्ट्रीय समृद्धि में वृद्धि करना, समृद्धि में भागीदार बनना और संविधान के अनुशासन में रहना हम सबकी नियति है। जब दंगे और हिंसा के बावजूद साथ-साथ रहना हम सबकी नियति है तो सांप्रदायिक आक्रामकता का क्या मतलब है?

सांप्रदायिक अलगाववाद का पोषण ब्रिटिश सत्ता ने किया। इसी अलगाववाद का नतीजा देश विभाजन था। डॉ. आंबेडकर ने सही लिखा था, 'अलगाव वहां होता है, जहां टुकड़ों को जोड़ा गया हो, पर यहां तो जुड़ी हुई चीज को ही तोड़ने की बात है।' देश की कुछ लोकतांत्रिक सरकारों ने ही अलगाववाद बढ़ाया। वोट बैंक के लिए सच्चर कमेटी एवं रंगनाथ मिश्र आयोग बने। एक संप्रदाय को अलग एवं गरीब बताकर अर्थशास्त्र को भी सांप्रदायिक बनाया गया। गरीबी या अमीरी सांप्रदायिक नहीं होती, लेकिन गरीबी या अमीरी को भी सांप्रदायिक नजरिये से जांचा गया। मजहबी आरक्षण की सांप्रदायिक मांग विभाजक है। ऐसे कारनामों से सांप्रदायिकता बढ़ती रही, बढ़ाई जाती रही। संप्रति सांप्रदायिकता उफान पर है। ऐसे में राष्ट्र के शुभेच्छु सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बौद्धिकों का राष्ट्रीय दायित्व बढ़ गया है। राजनीतिक दलतंत्र की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। उम्मीद की जानी चाहिए कि राजनीतिक तंत्र अतिरिक्त संवेदनशील रहेगा। इसी में राष्ट्रीय एकता की मजबूती है।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

सुधारों से और बेहतर हुई बीमा योजना

वर्ष 2016-17 में केंद्र की मोदी सरकार ने 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के रूप में एक बड़ी पहल की थी। इस योजना में प्रतिकूल मौसम के कारण बोआई बाधित होने या सूखे, बाढ़, तूफान या ओलावृष्टि जैसी किसी प्राकृतिक आपदा से फसल को हुए नुकसान की आर्थिक भरपाई करने का प्रावधान है। भारत में कुल 14 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि में से लगभग 55 प्रतिशत रकबा असिंचित है। हर साल औसतन 1.25 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें किसी न किसी प्राकृतिक आपदा की भेंट चढ़ जाती हैं। इस कारण करोड़ों किसानों की आय और आजीविका प्रभावित होती है। 2018-19 में इस योजना के अंतर्गत 5.64 करोड़ किसानों का पंजीकरण कर 30 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में 2.35 लाख करोड़ रुपये की फसलों का बीमा किया गया। आगामी वित्त वर्ष के लिए इस योजना में 15,695 करोड़ रुपये का आवंटन हुआ है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि यह एक सराहनीय योजना है, परंतु इसमें कई किस्म की शिकायतें आने के बाद केंद्र ने अब इस योजना में कई बदलाव किए हैं। इन संशोधनों से पहले इस योजना में संस्थागत ऋण लेने वाले किसानों को अनिवार्य रूप से सम्मिलित करने का प्रावधान था। इस बाबत किसानों की शिकायत थी कि बगैर उनकी सहमति के आवश्यकता न होने पर भी उन्हें फसल बीमा दिया जा रहा है और बिना सूचना के उनके खाते से प्रीमियम की राशि भी काट ली जाती है। अक्सर उन्हें अपनी फसल का बीमा होने की जानकारी भी नहीं होती। अतः किसान बीमा होते हुए भी इसके लाभ से वंचित रह जाते थे। अब आगामी खरीफ सीजन से इस योजना में बीमा स्वैच्छिक कर दिया गया है। इस लिहाज से यह एक बड़ा सुधार हुआ है। हालांकि समस्याएं और भी हैं। जैसे योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों में से अभी लगभग 58 प्रतिशत ऋणी किसान ही हैं। अब सरकार को यह देखना होगा कि स्वैच्छिक होने के कारण यदि इसमें किसानों की संख्या कम होती है तो कहीं बीमा कंपनियां प्रीमियम अनावश्यक रूप से बढ़ा न दें।

इस योजना में खरीफ फसलों के लिए बीमा राशि का दो प्रतिशत, रबी फसलों के लिए डेढ़ प्रतिशत और वाणिज्यिक-बागवानी फसलों के लिए पांच प्रतिशत प्रीमियम राशि किसानों द्वारा देय है। शेष राशि का भुगतान केंद्र तथा राज्य सरकार को बराबर-बराबर करना होता है। अब केंद्र ने एक और सुधार करते हुए अपने हिस्से की प्रीमियम राशि को गैर-सिंचित क्षेत्रों के लिए अधिकतम 30 प्रतिशत और सिंचित क्षेत्रों के लिए अधिकतम 25 प्रतिशत प्रीमियम तक ही सीमित करने का निर्णय लिया है। जैसे यदि पहले गैर-सिंचित क्षेत्र की किसी खरीफ फसल का एक लाख रुपये का बीमा और प्रीमियम 40 प्रतिशत होता तो 40 हजार रुपये प्रीमियम बनता। इसमें से किसान दो प्रतिशत के हिसाब से दो हजार रुपये देता, बाकी 38 हजार का केंद्र एवं राज्य सरकार बराबर-बराबर यानी उन्नीस-उन्नीस हजार रुपये भुगतान करतीं, परंतु अब केंद्र केवल 30 प्रतिशत अंशदान देगा। अतः अब किसान

पुष्पेंद्र पाल सिंह

किसान अब उन्हीं आपदाओं के लिए फसल बीमा ले सकते हैं जिनसे उनके क्षेत्र में क्षति की आशंका हो

को पहले की तरह दो हजार रुपये, केंद्र को 14 हजार और राज्य सरकार को 24 हजार रुपये देने होंगे। कुछ अपरिहार्य कारणों से इससे अधिक प्रीमियम भी हो सकता है, परंतु केंद्र द्वारा एक सीमा तक ही प्रीमियम वहन करने के निर्णय से कंपनियों की अत्यधिक प्रीमियम वसूलने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगेगा।

ऋणी किसान को अनिवार्य बीमा देने से कंपनियों को कम जोखिम वाली फसलों से भी प्रीमियम की बड़ी राशि मिल जाती थी। हालांकि अब स्वैच्छिक होने से केवल उन्हीं किसानों से प्रीमियम मिलेगा जिनकी फसलों को वास्तविक जोखिम होगा। इस कारण कंपनियां बहुत सोच-समझ कर ही इस क्षेत्र में काम करेंगी। केंद्र ने अब इसमें एक सुधार यह भी किया है कि अपने क्षेत्र और फसलों के अनुसार जोखिम को देखकर बीमा लेने की सुविधा भी दी है। अब किसान उन्हीं आपदाओं के लिए बीमा ले सकते हैं जिनसे उनके क्षेत्र में नुकसान होने की ज्यादा आशंका रहती है। उन्हें सभी तरह के कारकों के लिए बीमा लेने और प्रीमियम भरने की आवश्यकता नहीं। अतः जोखिम कारक कम होने से प्रीमियम राशि भी कम होने की आशा है।

वहीं केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों में फसल बीमा को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रीमियम अंशदान को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दिया है। इससे एक तो उन राज्यों पर बहुत अधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा और दूसरा फसल बीमा का लाभ भी अधिकांश किसानों तक पहुंचेगा। इसके अलावा सरकार सभी हितधारकों से परामर्श कर ज्यादा जोखिम और अधिक प्रीमियम वाले क्षेत्रों और फसलों के लिए अलग योजना भी तैयार करेगी।

कुछ राज्य सरकारें बीमा कंपनियों को अपने हिस्से के प्रीमियम भुगतान में विलंब कर देती हैं। इस कारण भी किसानों को अपने नुकसान के दावों का भुगतान नहीं हो पाता। केंद्र ने खरीफ के लिए अगले साल 31 मार्च और रबी के लिए अगले साल 30 सितंबर तक प्रीमियम भुगतान की अंतिम तिथि का प्रावधान किया है। इस तिथि तक भुगतान करना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर अगले सीजन से उस राज्य में यह योजना कार्यान्वित नहीं होगी। इससे आशा है कि किसानों के दावों का भुगतान अब समय से हो सकेगा।

पीएम फसल बीमा योजना में 2016-17 से 2018-19 के बीच तीन वर्षों में सभी पक्षों द्वारा 76,331 करोड़ रुपये प्रीमियम कंपनियों को अदा किया गया। इस अवधि में किसानों को 60,000 करोड़ रुपये बीमा दावों का भुगतान मिला। यदि सभी खर्चे जोड़ दिए जाएं तो ऐसा नहीं लगता कि कंपनियों को बहुत अधिक लाभ मिला हो। प्रीमियम और दावों के भुगतान के अब तक के आंकड़े बता रहे हैं कि किए गए सुधारों को यदि ठीक नीयत से जमीन पर उतारा गया तो यह सफल योजना साबित हो सकती है।

(लेखक किसान शक्ति संघ के अध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

सुख-दुख

सुख और दुख एक-दूसरे के अस्तित्व एवं मूल्य रक्षा के लिए अति आवश्यक हैं। एक के रहने पर दूसरे का महत्व स्वतः ही बढ़ जाता है, जबकि एक के न रहने पर दूसरा अर्थहीन हो जाता है। सुख और दुख प्रभु द्वारा जीव के कर्मों के अनुरूप उसे प्रदत्त कर्म-प्रसाद हैं। अब प्रसाद तो प्रसाद होता है, चाहे वह खिलखिलाता बड़ा अनार हो अथवा सूखा हुआ काना अखरोट। भौतिक दृष्टि से खिलखिलाते अनार एवं काने अखरोट का तुलनात्मक विवेचन हमें कुछ क्षणों के लिए कष्ट के भंवर में फंसा सकता है, लेकिन सूक्ष्म रूप में उसे वस्तु न मानकर प्रसाद रूप में स्वीकार करने की दृष्टि क्षुब्ध हृदय में वास्तविक आनंद की संरचना कर सकती है।

यदि जीवन में सुख ही सुख हों तो दुखों की तुलना में उनकी गुणात्मकता एवं श्रेष्ठता का बोध भला कैसे हो? अनुकूलता की श्रेष्ठता सुनिश्चित करने के लिए विपरीतता का होना अनिवार्य है। सुख एवं दुख, दोनों की ही रचना ईश्वर द्वारा मनुष्य के धैर्य, विश्वास, आस्था, साहस, दृढ़ता एवं पौरुष के परीक्षण के लिए की जाती है। दुखों की भट्टी में तप्त होकर सुख अधिक प्रभावी, आनंददायी एवं रुचिकर लगने लगते हैं। बिना दुखों के सुख का आनंद नहीं मिलता है। भोज्य पदार्थों में यदि मसाले न भी हों तो अकेले नमक के कारण काम चल सकता है, लेकिन बिना नमक के अनेकानेक मसालों का गुण-वैभव भी फीका पड़ जाता है।

दुख जीवन रूपी उद्यान में खिले हुए सुख-पुष्पों के साथ रक्षा-कवच हैं। दुख मनुष्य को दर्प, आडंबर, प्रदर्शन, कृत्रिमता एवं विपत्ति में साम्यावस्था बनाए रखने और जीव को उसके मूलस्वरूप का बोध कराने में संचेतक की भूमिका का निर्वहन करते हैं। मनुष्य के लिए सुख ही महज प्रभु के दुर्लभ उपहार नहीं हैं, बल्कि दुख भी कमतर नहीं हैं जो जीव को उसके असली स्वरूप का बोध कराते हैं। सुखों के दुर्ग रूपी किले की दुख ही चाबी हैं।

प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश'

सोशल मीडिया का हिंसक होता चेहरा

अंशुमाली रस्तोगी

सोशल मीडिया पर अपनी असहमति, आलोचना और विरोध दर्ज करवाइए, पर भाषाई दायरे में रहकर

इन दिनों सोशल मीडिया के जैसे हालात बना दिए गए हैं या बना दिए जा रहे हैं, उन्हें देखते हुए इससे दूरी अब उचित लगने लगी है। दिन-रात यहां शब्दों, विचारों और भाषा की 'हिंसा' का खेल चलता रहता है। कभी धर्म तो कभी जाति के नाम पर किसी को कुछ भी कह दिया जाता है। न छोटे में छोटेपन की, न बड़े में बड़प्पन की 'तमीज' रह गई है। कभी-कभी लगता है कि जितनी हिंसा जमीन पर हो रही है, उससे कहीं अधिक यहां सोशल मीडिया पर चल रही है। यहां लोग लिखते नहीं, बल्कि मन की भड़ास निकालते हैं। खुद के लिखे को सही, मगर दूसरे के लिखे को गलत साबित करने में किसी भी सीमा को पार कर सकते हैं। न किसी के पास धैर्य है सुनने का, न किसी के पास सहनशक्ति है आलोचना को बर्दाश्त करने की। कितना शाब्दिक जहर भरा है लोगों के दिलो-दिमाग में। इससे तो कहीं बेहतर और सभ्य हम सोशल मीडिया के आने से पहले थे। तब हम आपस में बहस भी करते थे, लड़ते भी थे, बुरा-भला भी कहते थे, मगर शालीनताएं फिर भी साथ थीं। दुख तब अधिक होता है, जब खुद को उदार कहने वाले भी शब्द और भाषाई मर्यादा की परवाह नहीं करते। वे विचार और विचारधारा की बात तो करते हैं, किंतु स्वयं उसका ध्यान नहीं रखते।

मुझे लगता है, हमने खुद अपनी अक्ल से काम लेना बंद कर दिया है। जो नेता कह-बोल रहे हैं, उसे ही पत्थर की लकीर मान ले रहे हैं। आखिर कैसे हम सोशल मीडिया पर लिखी और फैलाई जा रही हर बात को सच मान सकते हैं? आखिर कैसे हम मारपीट और हिंसा का समर्थन कर सकते हैं? आखिर कैसे हम जलती दुकानों, जलते घरों और जलते शहर को देखकर खुश हो सकते हैं? मत भूलिए, हम इंसान हैं जानवर नहीं। क्या हम भी उसी भेड़चाल का हिस्सा हो गए हैं! क्या देश की भी हमें अब कोई परवाह नहीं!

चौबीस घंटे सोशल मीडिया और टीवी पर चलने वाली इस हिंसा को मैं नहीं देख सकता। एक मैं ही नहीं मुझ जैसा हर वह शख्स यह सब नहीं देखना चाहेगा, जो अपने दिल में इंसान, समाज और देश के प्रति प्यार और संवेदनशीलता रखता है। न केवल सोशल मीडिया, बल्कि समाज में व्याप्त इस हिंसा को हमें रोकना ही होगा, नहीं तो हमारा देश और समाज बिखर जाएगा। इसका लोकतांत्रिक तानाबाना गड़बड़ा जाएगा। ध्वस्त हो जाएंगे वे मूल्य जो कभी हमारे पूर्वजों ने कभी स्थापित किए थे। फिर आगे आने वाली पीढ़ी को हम क्या देंगे! उसे क्या बताएंगे कि हम कैसे और किस हद तक सांप्रदायिक हैं!

सोशल मीडिया को इतना हिंसक मत बनाइए कि मेरे जैसे संवेदनशील इंसान यहां से खुद को हमेशा के लिए दूर करने के बारे में सोचने लगें। असहमति, आलोचना और विरोध दर्ज करवाइए, पर भाषाई दायरे में रहकर।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

बना रहे सौहार्द का वातावरण

दुष्प्रचार की भारी कीमत चुकाता देश शीर्षक से लिखे लेख में संजय गुप्त ने सरकार द्वारा बनाए सीएए कानून के बाद उपजे हालात तथा वर्तमान हिंसा का गंभीर विश्लेषण किया है। ध्यान देना होगा कि निंदा-आलोचना विपक्ष का अधिकार है, किंतु प्रत्येक मामले में विरोध की राजनीति क्या ठीक है? विरोध की इस समूची प्रक्रिया में कहीं न कहीं समूचा विपक्ष अपना अस्तित्व खोज रहा है। वह सीएए पर लोगों को भड़काकर और गुमराह करके ऐसा वातावरण निर्माण कर रहा है जिसमें सब कुछ अशांत लगने लगे। क्या 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' में देश के सभी नागरिक सम्मिलित नहीं हैं? आज भारतवर्ष राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर आगे बढ़ रहा है। उसकी एक सशक्त छवि सामने आ रही है। विभिन्न राज्यों में भिन्न-भिन्न मुद्दों पर छात्रों, किसानों, महिलाओं, विभिन्न जाति तथा धर्म के लोगों को बरगलाकर विपक्ष विकास के कार्यों में रोड़ा अटकाना चाहता है। राजधानी दिल्ली में हुई हिंसा अचानक नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित राजनीति तथा योजना का परिणाम है। पुलिस, प्रशासन तथा सभी दलों की समझदारी इसी में होनी चाहिए कि आने वाले दिनों में इस प्रकार की घटनाएं न हों और देश में सौहार्द का वातावरण बना रहे।

डॉ. वेदप्रकाश, हंसराज कॉलेज, दिल्ली

प्लास्टिक पर अंकुश जरूरी

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान में एक प्रमुख मुद्दा है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया में प्लास्टिक का प्रयोग तेजी से बढ़ा है। प्लास्टिक को पर्यावरण के लिए प्रतिकूल माना जाता है। इसकी वजह से समुद्री जीवों के अस्तित्व पर भी संकट गहरा रहा है। दुनिया में जिस रफ्तार से प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है, संभव है 2025 में समुद्र और नदियों से तीन टन मछली निकालने पर एक टन प्लास्टिक निकले। 2050 तक पहुंचने तक स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी और मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक निकलेगा। गंगा भारत की पवित्र और प्रमुख नदी है, परंतु प्लास्टिक के बढ़ते प्रयोग ने इसे भी अशुद्ध कर दिया है। भारत सरकार नमामि गंगे जैसी अनेकों योजनाओं द्वारा गंगा को शुद्ध और निर्मल करने के कार्य में लगी हुई है। ऐसे में प्लास्टिक का बढ़ता प्रयोग गंगा शुद्धिकरण में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। बांग्लादेश की ओर से भारी मात्रा में प्लास्टिक गंगा में प्रवाहित किया जा रहा है। सरकार को इस दिशा में भी ध्यान देना चाहिए। जब तक प्लास्टिक को गंगा में उड़ेलने से नहीं रोका जाएगा तब तक गंगा को पवित्र नहीं किया जा सकता।

हितेंद्र डेढ़ा, चिल्ला गांव, दिल्ली

आज का आंदोलन और गांधी जी

गांधी जी ने देश की आजादी के लिए आंदोलन चलाया था। इसमें सभी धर्म एवं समाज के लोग शामिल हुए थे। आपस में कोई मतैक्य नहीं था। लेकिन आज जो गांधी जी के नाम पर आंदोलन हो रहे हैं उसमें न तो हर वर्ग की भागीदारी है और न ही राष्ट्रहित में प्रतीत हो रहा है। कोई ऐसी समस्या भी नहीं है, जिसके विरोध में आंदोलन किया जा रहा हो। इससे सिर्फ समाज में वैमनस्य पैदा हो रहा है। हमें कोई ऐसा आंदोलन नहीं करना चाहिए, जिससे लोगों को परेशानी हो और समाज में कटुता उत्पन्न होती हो।

रामजी लाल गोदारा, सिरसा, हरियाणा

अमन की जरूरत

पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा में किसी के घर का चिराग बुझ गया तो किसी के जीवनभर की कमाई कुछ ही पल में खाक हो गई। आखिर यह सब हुआ कैसे? सवाल यह है कि उन टूटे लोगों को कैसे संभाला जाए जिन्होंने अपनों को खो दिया? हिंसा का यह रूप इतना डरावना है कि शरीर के साथ जो कुछ कर सकते थे उन्होंने किया। कोई यह क्यों नहीं समझ रहा कि मारे गए सभी इंसान ही थे। सड़कों पर हिंसा शांत हुई तो इस वक्त सोशल मीडिया उबल रहा है। सोशल मीडिया के जरिये जहर फैलाया जा रहा है। इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस समय हमें अमन की जरूरत है।

आशीष गुसाईं, दिल्ली विवि

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

83.9 अरब डॉलर का सामान अमेरिका ने आयात किया था भारत से वर्ष 2018 में, जबकि 58.7 अरब डॉलर का सामान अमेरिका ने भारत को निर्यात किया था वर्ष 2018 में।

आजकल

अमेरिका के साथ सतर्कता से आगे बढ़ता भारत

डॉ. अश्विनी महाजन
एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की यात्रा पूरी करके लौट चुके हैं। आज की दुनिया में विभिन्न मुल्कों के साथ राजनयिक, सामरिक एवं आर्थिक संबंधों की एक विशेष भूमिका है। ऐसे में दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क अमेरिका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा एक महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है। हालांकि यह भी सच है कि जितनी जरूरत आज भारत को अमेरिका की है, कमोबेश उतनी ही आवश्यकता अमेरिका को भी भारत की है। इतना ही नहीं, अमेरिका को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत आज दुनिया की एक उभरती हुई ताकत है, जिसका मजबूत होना वैश्विक सामरिक संतुलन के दृष्टिकोण से भी बहुत आवश्यक है

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा संपन्न हो चुकी है। भारत यात्रा से पहले और उस दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मित्रता का हवाला भी दिया। दुनिया के दो महान देशों के शासनाध्यक्षों के बीच इस प्रकार का सौहार्द एक अच्छा संकेत है। पिछले लंबे समय से अमेरिका, चीन और भारत के साथ व्यापार युद्ध छेड़े हुए हैं। चीन के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति की यह शिकायत है कि वह अपने सस्ते माल को अमेरिका में डंप करते हुए अमेरिका के रोजगार को समाप्त कर रहा है। इसलिए अपने देश के रोजगार और अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए वे हर कदम उठाएंगे। अमेरिका को भारत से भी यह शिकायत है कि भारत तमाम प्रकार का सामान अमेरिका में बेचता है, लेकिन अमेरिकी सामान पर बहुत ऊंचे आयात शुल्क लगाए जाते हैं। पिछले काफी समय से अमेरिका, चीन और भारत से आने वाले सामानों पर आयात शुल्क लगातार बढ़ाता जा रहा है। कुछ माह पूर्व अमेरिका ने भारत को रियायत देने वाला एक प्रावधान 'जीएसपी' हटा दिया था, जिससे भारत से जाने वाले लगभग 5.6 अरब डॉलर के निर्यातों पर असर पड़ा। ट्रंप की भारत यात्रा से कुछ दिन पहले ही अमेरिका ने भारत को विकासशील देशों की श्रेणी से हटाकर विकसित देशों की श्रेणी में डाल दिया था। इसका असर यह होगा कि भारत को विकासशील देश के रूप में मिलने वाली व्यापार रियायतें समाप्त हो जाएंगी।

अमेरिका को भारत से केवल यही शिकायत नहीं है कि वह अमेरिका से आने वाले सामान पर भारी शुल्क लगाता है, बल्कि यह भी है कि उसने अमेरिका के दुग्ध उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। अमेरिकी कंपनियों की यह भी शिकायत है कि भारत ने हृदय में लगने वाले स्टंट, कृत्रिम घुटने समेत स्वास्थ्य उपकरणों पर कीमत नियंत्रण लागू किए हुए हैं, जिससे वे मुश्किल में हैं। उधर भारत ने पिछले कुछ समय से अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनियों पर विभिन्न प्रकार के अंकुश लगाए हैं। अमेरिका की यह भी शिकायत है कि भारत का पेटेंट कानून उनकी कंपनियों के हितों के विपरीत है। भारत ने अमेरिका को यह समझाया है कि हम उनकी मांगों को नहीं मान सकते।

अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा अनाप-शनाप डिस्काउंट देने के कारण भारत के छोटे दुकानदार अपनी जीविका खो रहे हैं, इसलिए इन कंपनियों पर अंकुश लगाना जरूरी है। जहां तक पेटेंट समेत हमारा बौद्धिक संपदा कानून है यह हमारी स्वास्थ्य सुरक्षा और किसानों की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है, इसे किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

शिकायतों की भरमार के बीच अमेरिका को ऐसा लगता था जैसे पूर्व में वे आर्थिक प्रतिबंधों का डर दिखाकर या अन्य प्रकार के दबाव डालकर अपनी बातें मनवा लेते थे, इस बार भी वे भारत को दबाव में लेकर कोई ऐसा व्यापार समझौता कर पाएंगे, जिससे अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाया जा सकेगा। लेकिन ट्रंप की यात्रा से कुछ दिन पहले ही यह स्पष्ट हो गया था कि भारत और अमेरिका के बीच एक सीमित व्यापार समझौता भी नहीं हो पाएगा। ट्रंप ने भारत आने से पहले ही यह घोषणा भी कर दी थी कि भारत उनकी बातें नहीं मान रहा, जिससे व्यापार समझौता तो नहीं हो पाएगा, लेकिन उसके बावजूद वे भारत आएंगे क्योंकि मोदी उन्हें अच्छे लगते हैं। ट्रंप की यात्रा के अंत में भारत और अमेरिका ने आगे चलकर एक वृहत व्यापार समझौते की बात कही है, लेकिन भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा।

अमेरिका को नहीं भूलना चाहिए कि भारत उसके लिए एक महत्वपूर्ण बाजार भी है। भारत का लगातार विकसित होता नागरिक उड्यन उद्योग अमेरिका की बोईंग कंपनी के लिए वरदान सिद्ध हुआ है और अगले कुछ वर्षों में भारत अमेरिका की बोईंग कंपनी से 40 अरब डॉलर की लागत के 300 बोईंग विमान खरीदने वाला है। आज अमेरिका भारत को तेल निर्यात करने वाला बहुत महत्वपूर्ण देश बन चुका है। ऐसे में अमेरिका जिस व्यापार घाटे को लेकर शिकायत कर रहा है, वह अगले कुछ वर्षों में समाप्त ही होने वाला है।

अमेरिका को समझना होगा कि भारत और अमेरिका के बीच अच्छे संबंध, अंतरराष्ट्रीय संतुलन बनाने के लिए नितांत जरूरी है। संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में यह बात स्पष्ट हो रही है कि दोनों देश प्रतिरक्षा के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। भारत और अमेरिका के बीच सामरिक सहकार बढ़ने से इस महाद्वीप में शक्ति संतुलन बेहतर हो सकेगा और चीन जो लगातार अपनी सामरिक उपस्थिति इस क्षेत्र में बढ़ा रहा है, उसको भी उचित जवाब मिलेगा। पिछले कुछ समय से चीन 'बेल्ट रोड परियोजना' के तहत विभिन्न देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर उन्हें कर्ज के जाल में डुबोता जा रहा है। इसके माध्यम से वह उन मुल्कों के सामरिक महत्व की परिसंपत्तियों पर कब्जा कर इस क्षेत्र की शांति के लिए खतरा बना हुआ है। भारत और अमेरिका के बीच सामरिक सहभाग चीन को एक उचित जवाब माना जा सकता है।

अमेरिका की अनुचित व्यापार एवं आर्थिक मांगों को दृढ़ता से मना करते हुए व्यापार समझौता न करने और भारत-अमेरिका संबंधों में इस विवाद को आड़े न आने देते हुए, अमेरिका को कश्मीर के मुद्दे पर अपने पक्ष में लेना, सामरिक समझौते करना आदि मोदी सरकार के अंतर्गत भारत की विदेश नीति की महत्वपूर्ण सफलता मानी जा सकती है। अपने छोटे-मोटे आर्थिक हितों का परित्याग करते हुए उसे भारत की भावनाओं का आदर करना चाहिए। अमेरिका इतिहास में पाकिस्तान का समर्थक रहा है। ऐसे में अमेरिका की भारत के साथ बढ़ती नजदीकियां इस क्षेत्र में भारत की विदेश नीति की सफलता तो है ही, इस क्षेत्र में शांति और सौहार्द के लिए अच्छा संकेत भी है।

कारोबारी रिश्तों में गर्माहट

प्रो. लल्लन प्रसाद
पूर्व विभागाध्यक्ष, बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है। दोनों देशों के बीच सामान एवं सेवाओं के आयात निर्यात में वृद्धि हुई है। 21वीं सदी के प्रारंभ में दोनों देशों के बीच व्यापार 20 अरब डॉलर से भी कम था, जो 2018 में 142 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018 में अमेरिका ने भारत से 83.9 अरब डालर के सामान आयात किया और 58.7 अरब डॉलर का सामान भारत को बेचा। इस बीच 25.2 अरब डॉलर की सेवाएं भारत को निर्यात किया और 54.8 अरब डॉलर की सेवाएं भारत से आयात किया। निर्यात की अपेक्षा भारत अमेरिका से कम माल एवं सेवाएं आयात करता रहा है जिससे अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़ता रहा। 2001 में यह घाटा 6.1 अरब डॉलर था जो 2018 में 25 अरब डॉलर पहुंच गया।

भारत का मानना है कि अमेरिका ने कई चीजों पर टैरिफ बढ़ा कर भारतीय उद्योगों को दुष्प्रभावित किया है। स्टील व एल्युमीनियम पर क्रमशः 25 एवं 10 प्रतिशत ड्यूटी अमेरिका ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा धारा 232 के ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट 1962 के अंतर्गत निर्धारित कर दिया जिससे भारत के इन उद्योगों को धक्का लगा। भारत एक विकासशील देश है, उसको ड्यूटी फ्री या कम ड्यूटी की सुविधा मिलनी चाहिए ताकि उसके उद्योगों का विकास हो सके। भारत के सॉफ्टवेयर व बीपीओ सेवाओं के निर्यात पर भी अमेरिका अंकुश लगाता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की नीति 'अमेरिकी खरीदो, अमेरिकी को काम दो' के अंतर्गत वीसा के नियमों को कड़ा करके अमेरिका ने भारतीय सॉफ्टवेयर कार्मिकों, इंजीनियरों और प्रशिक्षित कामगारों के अमेरिका में काम करने और बसने के अवसरों में कमी की। उनकी इस नीति के पूर्व 75 प्रतिशत एच-1 वीसा भारतीयों को मिल रहा था। इससे भी भारत की चिंता बढ़ी।

ट्रंप की भारत यात्रा में रक्षा सौदे के अलावा ट्रंप एवं मोदी के बीच कृषि पदार्थों और मेडिकल उपकरणों, बौद्धिक संपदा एवं आविष्कार, एच-1 वीसा आदि पर भी चर्चा हुई। भारतीय उद्योगपतियों को ट्रंप ने अमेरिका में निवेश की अधिक सुविधाओं का आश्वासन दिया। भारत के साथ बड़े व्यापार समझौते की संभावना अपने देश में राष्ट्रपति चुनाव के बाद ही जताई जो भारत भी चाहता है। समझौते के मसौदे पर दोनों देश इस वर्ष ही अप्रैल से काम शुरू कर देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्तों में जो गरमाहट है वह व्यापार संबंधों में भी होगी, इसकी उम्मीद दोनों देशों में बढ़ी है। अप्रैल 2020 में समझौते को लेकर जो बातचीत शुरू होनी है, भारत को आशा है जून 2019 के पहले जीएसपी के अंतर्गत भारत को जिन वस्तुओं के निर्यात की ड्यूटी फ्री की सुविधा थी, वह पुनः दी जाएगी। एच-1 वीसा एवं भारतीय मूल के कर्मचारियों के वेतन से सामाजिक सुरक्षा के लिए अमेरिका में जो कटौती होती थी और जिसे वापस लेने के लिए कम से कम दस वर्षों की सेवा अनिवार्य है, उस पर भी अमेरिका को पुनर्विचार करना होगा। अमेरिकी डेयरी उत्पादों के बाजार खोलने के लिए भारत ने शर्त रखी है कि जिन पशुओं के दूध से ये बनाए जाते हैं उन्हें मांसाहार न दिया जाय।

भारत इस बात से अवगत है कि व्यापार समझौते के कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर अमेरिकी कांग्रेस को फैसला लेना है। इसलिए उनके संबंध में निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया जा सकता। बड़ा समझौता तभी हो सकता है जब दोनों देश इसे अपने हित में मानते हैं और दोनों को इससे लाभ होगा। भारत और अमेरिका के बीच बड़े सौदे पर जो विचार विमर्श चल रहा है वह दोनों देशों के हित में सफलतापूर्वक संपन्न होगा इसकी उम्मीद है।

खरी-खरी

चचा की समाजसेवा और बेचारा गोवर्धन

मुकेश राठौर

समाजसेवा चचा की नस-नस में लहू बनकर दौड़ती है। समाजसेवा के बिन वे ठीक वैसे ही नहीं रह सकते, जैसे कि घूस बिन बाबू, डांस बिन बराती, विरोध बिन विपक्ष आदि आदि।

एक बार सरपंच बनकर वे उसी तरह सोशल वायरस से संक्रमित हो गए, जैसे चीन के लोग कोरोना से। पंचायत में घुसे तो पांच साल बाद समाजसेवक बनकर ही निकले। मगर जब गांव की सरपंच सीट आरक्षित हुई तो चचा खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे। गांव का अध्ययन करने पर एक बंदा गोवर्धन समझ आया, जो उनके गुनिए में फिट बैठा। चचा ने उसे घर बुलाकर समझाया। उसने बताया कि उसे न तो राजनीति का 'र' आता है, ना ही समाजसेवा का 'स'। उसे सरपंची में कोई 'रस' नहीं! चचा बोले- एक बार यह 'ग्यारहवां रस' चख ले पगले तो दुनिया के सारे रस फीके लगेंगे।

चचा का यह प्रयोग मात्र था, लेकिन संयोग से गोवर्धन जीत गया। वह सरपंच बना और चचा उसके प्रतिनिधि। चचा ने पहले ही दिन से सरपंच के नाम वाली चेक बुक, पासबुक और सील-सिक्के संभाल लिए। गोवर्धन को हस्ताक्षर सेवा के साथ सरपंच नाम से गांव में छोड़ दिया। पांच साल बीतने को हुए। एक दिन गोवर्धन को उसकी पत्नी ने चचा के पास भिजवाया कि पांच साल पूरे होने को हैं, इस सरपंची के बहाने फटी धोती तो बदलवा लो। वह चचा के दर जाकर बोला, माई-बाप सरपंची का समय बीता जा रहा। सरपंचन चाहती है कि मैं अब नए कपड़े ले लूं।

चचा बोले, गोवर्धन सामने चुनाव हैं। विपक्ष नए कपड़ों को मुद्दा बना लेगा और फिर आजकल सारे काम ऑनलाइन होने से सरपंची में बचता ही क्या है? ऊपर से आचार संहिता! मैं तो बस अपने शौक और तुम्हें दिए वचन के लिए घिस रहा हूं। वरना रक्खा ही क्या है इस समाजसेवा में! एक बार फिर से तुम्हे सरपंच बना दूं, फिर गंगा नहाऊं। चुनाव बाद कपड़े का इंतजाम करवा दूंगा। जाओ, चुनाव लड़ने की तैयारी करो। गोवर्धन एक बार फिर उम्मीद से हो लिया। कुछ दिन में पंचायत चुनाव का बिगुल बज उठा। गोवर्धन फिर चुनाव लड़ने को तैयार है और चचा फिर समाज की 'सेवा' करने को।

ट्वीट-ट्वीट

पहली-दूसरी तिमाही में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कोरोना का भारी कहर बरपने वाला है। प्रभावित देशों में पर्यटन पस्त है। बेसेलवर्ल्ड और जेनेवा मोटर शो जैसे आयोजन रद हो गए हैं। विदेशी व्यापार पहले से ही लुंज-पुंज है, ऊपर से यह झटका और हालात खराब करेगा।

आशीष चंद्रोकर@c_aashish

असम एनआरसी केवल असम में ही लागू है। जो बुद्धिजीवी इसे जानबूझकर सीएए या शेष भारत में एनपीआर से जोड़कर पेश कर रहे हैं वे भी हालात बिगाड़ने के उतने ही बड़े जिम्मेदार हैं जितने भाजपा के बड़बोले नेता।

डॉ. अरविंद विरमानी@dravirmani

जब बांग्लादेश में किसी हिंदू पर हमला होता है तो कोई मुस्लिम ही उन्हें पनाह देता है। वहीं भारत में किसी मुसलमान पर हमले की स्थिति में हिंदू और सिख ही उसे बचाने के लिए आगे आते हैं। मैं आशा करती हूं कि ऐसे उदार लोगों की संख्या बढ़े और यह नफरती लोगों के आंकड़ों को पार कर जाए।

तसलीमा नसरीन@taslimanasreen

अमूल्य पटनायक दिल्ली के ऐसे पुलिस आयुक्त के रूप में याद किए जाएंगे जिनके पास न तो योजना थी और न टीम। उनके कार्यकाल में पुलिस का मनोबल रसातल में चला गया।

राज शेखर झा@rajshekharTOI

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या कोरोना वायरस वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है?

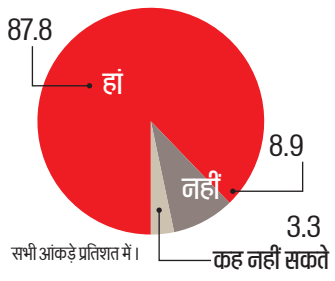

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या अमेरिका-तालिबान के बीच हुए समझौते से अफगानिस्तान में शांति का रास्ता साफ होगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

बिजनेस के भी हैं बड़े अजब-निराले पेच,
बुद्धू बक्सा शान से दर्द रहा अब बेच।
दर्द रहा अब बेच दिखाकर बीती बातें,
घर-घर जाय कुरेद रहा अनचाही यादें।
बहुत हो चुका यार जरा अब करिए भी बस,
या मरघट में जाय लाश का करिए बिजनेस!

– ओमप्रकाश तिवारी

सद्गुरु शरण
स्थानीय संपादक, लखनऊ

उत्तर प्रदेश डायरी

दंगाइयों के खिलाफ 'योगी फॉर्मूला' सुपरहिट

जिस वक्त दंगाई दिल्ली को जला रहे थे, उस वक्त उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कैमरे के सामने दहाड़ रहे थे कि किसी में हिम्मत हो तो उत्तर प्रदेश में बवाल करके देखे। दिल्ली कई दिन जलती रही, पर उत्तर प्रदेश में उपद्रवी घरों में दुबके रहे। वजह थी, योगी का वह सुपरहिट फॉर्मूला, जिसमें न लाठी चली, न गोली, पर दंगाइयों को जख्म बहुत गहरे मिले।

दरअसल दिल्ली से पहले लखनऊ में भी एक दिन जमकर उपद्रव हुआ था। दंगाइयों ने दिन भर खूब हिंसा, लूटपाट और आगजनी की थी। महिलाओं-बच्चों की ढाल के चलते पुलिस कुछ कर नहीं पाई। खैर, योगी जी ने नया रास्ता निकाला। वीडियो और फोटो से दंगाइयों की पहचान करवाई और शहर भर में इनकी तस्वीरों के होर्डिंग लगवा दिए। सरकारी अमले ने नुकसान का आकलन किया और वसूली के नोटिस इनके घरों पर चस्पा करवा दिए। कोर्ट में मुकदमे दर्ज हो गए। इस कार्रवाई से दंगाइयों की हवा निकल गई। नाते-रिश्तेदार और घनिष्ठ-मित्र कन्नी काटने लगे। जो लोग इन्हें कैश-बिरयानी का लालच देकर लाए थे, वे दिल्ली, अलीगढ़ खिसक लिए। यह उपद्रवी भाग भी नहीं सकते, क्योंकि हर जगह उनकी तस्वीरों के होर्डिंग लगे हुए हैं। कोर्ट ने संपत्तियों के नुकसान की भरपाई के लिए जुर्माना लगाना शुरू कर दिया है। इनके मां-बाप इन्हें अलग से ताने दे रहे कि इनकी वजह से परिवार की इज्जत और सुकून चला गया। बेचारे दंगाई कटी पतंग की तरह इधर-उधर भटक रहे हैं। सब उस घड़ी को कोस रहे, जब उन्होंने अलीगढ़ और जामिया के बहादुरों के उकसाने पर अपने शहर में आग लगाई थी। उनकी लगाई आग तो बुझ गई, पर उसकी तपिश अब इनकी अपनी जिंदगी को झुलसा रही है।

टांग में गोली : योगी जी का फॉर्मूला सिर्फ दंगाइयों के लिए ही सुपरहिट नहीं है, अपराधी भी इससे थर-थर कांपते हैं। उनकी सरकार बनते ही खास वर्गों के अपराधियों ने योजनाबद्ध ढंग से ऊधम काटना शुरू किया तो पुलिस ने बड़ी संख्या में हिस्ट्रीशीटर और इनामी अपराधी ढेर किए। वोटबैंक राजनीति के लिए कुख्यात एक पार्टी के अपरिपक्व नेताजी के पेट में इस पर कुछ ज्यादा ही मरोड़ होने लगी। वह पुलिस की कार्रवाई को एक खास संप्रदाय के खिलाफ अभियान बताकर मोटे-मोटे आंसू बहाने लगे। इस पर ज्यादा शोर मचता, इससे पहले पुलिस ने अपनी रणनीति बदल ली। अब अपराधी ढेर तो नहीं हो रहे, पर पुलिस मुठभेड़ में पैर के निचले हिस्से में गोली खाने के बाद घायल अवस्था में दबोचे जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी स्वीकारते हैं कि यह फॉर्मूला भी कारगर साबित हो रहा है। पैर में गोली खाने के डर से अपराधी यूपी छोड़ बंगाल, मध्य प्रदेश और राजस्थान में शरण ले रहे हैं। इससे यूपी में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रित हो रहे हैं।

रस्सी जल गई, पर... : आजम खां कई दिन इधर-उधर भागते रहे, पर जब रामपुर का साम्राज्य कुर्क होने की नौबत आ गई तो पत्नी और बेटे को लेकर न्यायालय की चौखट पर आना ही पड़ा। पता था कि जेल जाना पड़ेगा, इसलिए उनके कारिंदे बड़े-बड़े संदूकनुमा कई बैग लेकर जेल के गेट पर आ डटे। जेल का गेट पार करते हुए आजम अपने पैरों की थरथराहट काबू करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने एक बार पीछे मुड़कर होठों पर फर्जी मुस्कुराहट जुटाई और हवा में हाथ हिलाया, पर यह देखकर मायूस हुए कि सामने उनके वेतनभोगी कारिंदों के अलावा कोई नहीं था। जहाज डूबने लगता है तो चूहे बाहर कूद जाते हैं। आजम के जहाज में पानी भरता देखकर चूहे पहले ही कूद चुके थे। बहरहाल रामपुर जेल प्रशासन पर आजम का रुतबा बाकी था। वहां उनकी भरपूर आवभगत हुई। शाम होते-होते यह सूचना लखनऊ पहुंच गई और तय किया गया कि आजम को भोर होते ही सीतापुर शिफ्ट कर दिया जाए। सीतापुर जेल में दाखिल होने पर महाशय को पहली बार जेल वाली फीलिंग आई तो टेढ़े-मेढ़े होने लगे। जल्द ही जेल अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि वह रामपुर नहीं, सीतापुर जेल में हैं। अब वह मंत्री नहीं, अपराध के आरोपित कैदी हैं। प्रदेश में अब अखिलेश यादव नहीं, योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं। आजम को यह जल्द समझ में आ भी गया और उन्होंने खुद को किसी हद तक काबू किया। उन्होंने घोषणा कर दी कि अब वह मौन व्रत रखेंगे। बहरहाल उनसे यह व्रत नहीं रखा गया। अगले दिन जब उन्हें कोर्ट में पेशी के लिए सीतापुर से रामपुर ले जाया जा रहा था तो मीडिया के माइक-कैमरे देखकर चिल्लाने लगे कि मेरे साथ टेररिस्ट जैसा बर्ताव किया जा रहा है। उनकी प्रतिक्रिया अस्वाभाविक नहीं। अभी शुरुआत है। धीरे-धीरे आजम को जेल की आदत पड़ जाएगी, क्योंकि अभी काफी दिन अंदर रहना है। रामपुर पुलिस के कुछ दब्बू और हमदर्द अधिकारियों की मेहरबानी से उन्हें कुछ केसों में बेशक जमानत मिल गई, पर केसों की फेहरिश्त काफी लंबी है। उन्हें न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए। यह तो वह भी मान गए होंगे कि वहां देर है, अंधेर नहीं।

मंथन

पानी की बर्बादी पर लगे लगाम

नरपतदान चारण
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आज हर व्यक्ति अपने स्तर पर प्रयास करते हुए पानी की बर्बादी को रोक सकता है। पानी को स्वच्छ बनाने वाली मशीन का उपयोग हमें जरूरत के आधार पर ही करना चाहिए

वाटर आरओ के उपयोग से बड़े पैमाने पर हो रही पानी की बर्बादी को देखते हुए हाल ही में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पर्यावरण मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह दो महीने के अंदर उन जगहों पर आरओ प्यूरीफायर को प्रतिबंधित करने की अधिसूचना जारी करे जहां पानी में टीडीएस (टोटल डिसॉल्व्ड सॉलिड) प्रतिलीटर 500 मिलीग्राम से नीचे है। इससे पहले एनजीटी सरकार से यह भी कह चुका है कि देश भर में जहां भी आरओ (रिवर्स ओस्मोसिस यानी पानी को पीने लायक स्वच्छ बनाने की एक विधि) की अनुमति दी गई है, वहां 60 फीसद से ज्यादा पानी दोबारा इस्तेमाल किया जाए, ताकि आरओ से होने वाली पानी की बर्बादी को रोका जा सके।

दरअसल जहां पानी में टीडीएस 500 मिलीग्राम प्रति लीटर से कम हैं, वहां के पानी को साफ करने के लिए आरओ का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं है, क्योंकि पानी में प्रति लीटर 500 एमजी तक टीडीएस होने पर आरओ काम नहीं करता, बल्कि उलटे उसमें मौजूद कई महत्वपूर्ण खनिजों को हटा देता है, जिससे पानी से स्वाभाविक रूप से मिलने वाले मिनरल्स नहीं मिल पाते। यह चिंतनीय है कि देश के कई शहरों में अंधाधुंध जलदोहन और पानी की बर्बादी के कारण भूजल स्तर बहुत नीचे चला गया है। पानी की स्वच्छता को लेकर हर कोई संवेदनशील तो है, लेकिन स्वच्छ पानी के चक्कर में लोग हर रोज लाखों लीटर पानी नाली में बहा देते हैं।

असल में लोग इस बात से नावाकिफ हैं कि शुद्ध पानी दे रहा आरओ प्यूरीफायर जितना पानी साफ करके देता है, उसका तीन गुना पानी बर्बाद कर देता है। भू-जल स्तर गिरने का भी यह एक बड़ा कारण है। पीने के पानी के शुद्धिकरण के लिए आरओ वाटर प्यूरीफायर की जरूरत के बारे में पड़ताल किए बिना जल शोधन

के लिए इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है। आजकल देखादेखी में लगभग हर घर में आरओ लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि आरओ का विकास ऐसे क्षेत्रों के लिए किया गया है, जहां पानी में घुलित खनिजों (टीडीएस) की अत्यधिक मात्रा पाई जाती है। इसलिए सिर्फ टीडीएस को पानी की गुणवत्ता का मापदंड मानकर आरओ लगाना सही नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक पानी की गुणवत्ता कई जैविक और अजैविक मापदंडों से मिलकर निर्धारित होती है। जिन इलाकों में पानी ज्यादा खारा नहीं है, वहां आरओ की जरूरत नहीं है। जिन जगहों पर पानी में टीडीएस की मात्रा 500 एमजी प्रति लीटर से कम है, वहां घरों में सप्लाई होने वाले नल का पानी सीधे पेयजल के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। आरओ का उपयोग अनावश्यक रूप से करने पर सेहत के लिए जरूरी कई महत्वपूर्ण खनिज तत्व भी पानी से अलग हो जाते हैं। इसीलिए, जल शुद्धीकरण की सही तकनीक का चयन करने से पहले यह निर्धारित करना जरूरी है कि उस इलाके में पानी की गुणवत्ता कैसी है। उसके बाद ही जल शुद्ध करने की तकनीकों का चयन किया जाना चाहिए।

आरओ मशीन का पहली बार इस्तेमाल वर्ष 1949 में अमेरिका के फ्लोरिडा में किया गया था। इस मशीन का असल मकसद खारे पानी वाले समुद्र से पीने लायक पानी निकालना था। लेकिन इसका इस्तेमाल वहां भी किया जाने लगा जहां पर पानी का खारापन उतना अधिक नहीं था जितना समुद्र का होता है। इससे पानी की बहुत अधिक बर्बादी और पानी में मौजूद जरूरी लवणता और खनिज पदार्थ नष्ट होने के नुकसान सामने आने लगे। एक तरफ किसानों से पानी की हर बूंद को बचाने के लिए बहुत तेजी से 'ड्रिप इरिगेशन' अपनाने के लिए कहा जाता है। लेकिन अधिकांश लोग घरों में आरओ मशीनों का उपयोग कर पानी बर्बाद करते हैं। ऐसे में हमें घरों में हर दिन बर्बाद होने वाले पानी के बारे में बात क्यों नहीं करनी चाहिए? क्या पानी की हर बूंद को बचाना सबकी जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए? क्या हम तकनीक से बिगड़ते हुए रास्ते को नहीं अपना रहे हैं?

पेयजल के बढ़ते संकट को देखते हुए आरओ की रिकवरी क्षमता की ओर ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे वाटर प्यूरीफायर्स के निर्माण को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, जो पानी की अधिक रिकवरी कर सकें। रिकवरी क्षमता के आधार पर आरओ संयंत्रों को बिजली के उपकरणों की तरह स्टार रेटिंग दी जानी चाहिए। यह भी कि जल शुद्धिकरण के लिए सिर्फ आरओ पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। दूषित पानी को साफ करने के लिए ग्रेविटी फिल्टरेशन, यूवी रेडिएशन और ओजोनेशन जैसी कई अन्य तकनीकें भी उपलब्ध हैं, उनका उपयोग बढ़ाना चाहिए। वर्तमान में तकरीबन 60 करोड़ भारतीय पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। तमाम शहरों का भूमिगत जलस्तर हद से अधिक नीचे चला गया है। ऐसे में पीने के पानी के संरक्षण लिए नए उपायों को अपनाने की बहुत आवश्यकता है।

क्या है टीडीएस : टीडीएस (टोटल डिसॉल्व्ड सोलिड्स) यानी पानी में घुले हुए सूक्ष्म ठोस तत्व। जैसे कि कैल्शियम, मैग्नीशियम क्लोराइड, कैल्शियम और मैग्नीशियम सल्फेट आदि। इन खनिजों के कारण ही पानी का स्वाद ज्यादा या कम खारा होता है। इनके अलावा पानी में कई खतरनाक ठोस तत्व भी मिले होते हैं, जैसे आर्सेनिक, फ्लोराइड और नाइट्रेट। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रति लीटर पानी में 300 एमजी से नीचे टीडीएस बेहतरीन माना जाता है, जबकि 800 से 900 एमजी खराब और इससे ज्यादा होने पर पानी को पीने योग्य नहीं माना जाता है।

21.82 लाख खाता धारकों की दूसरी सूची जारी की है महाराष्ट्र सरकार ने। इसमें शामिल लोगों को कृषि कर्ज माफी योजना का लाभ मिल सकेगा। इसके साथ ही योजना से लाभान्वित होने वालों की संख्या 21.97 लाख हो गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 2 मार्च 2020

हिमाचल प्रदेश

भूकंप से निपटने के लिए पूर्व प्रबंधन जरूरी

आम तौर पर तूफान या बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा की भले ही कुछ समय पूर्व ही सही, पर सूचना कमोबेश मिल जाती है और उसके बाद उनके प्रबंधन की दिशा में काम शुरू कर दिया जाता है। लेकिन भूकंप एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है जिसके बारे में पहले से कुछ भी जानकारी होना अब तक मुमकिन नहीं हो पाया है, लिहाजा इस बारे में पूरी तैयारी होनी जरूरी है। हमें यह समझना होगा कि आपदा की स्थिति से निपटने के लिए किस तरह के इंतजाम की आवश्यकता होती है, ताकि ऐसी स्थिति आने पर हम उससे मुकाबला कर सकें।

आपदा से उतना अधिक नुकसान नहीं होता है जितना भगदड़ या अफवाह से होता है। आपदा किसी भी समय आ सकती है, इनसे निपटने के लिए पूर्व आपदा प्रबंधन ही अहम होता है। ऐसे समय में सावधानी अहम होती है। यदि किसी तरह की लापरवाही या भगदड़ हो तो भारी नुकसान हो सकता है। यह सही है कि आपदाएं रोकी नहीं जा सकती, लेकिन इनसे होने वाले नुकसान को अवश्य कम किया जा सकता है।

भूकंप जैसी आपदा किसी भी समय आ सकती है, इससे निपटने के लिए पूर्व आपदा प्रबंधन ही अहम होता है। ऐसे समय में सावधानी अहम होती है।

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में आपदाएं आती रहती हैं। इनसे निपटने के लिए पूर्व आपदा प्रबंधन अहम रहता है। सरकारी स्तर पर भी पूर्व आपदा प्रबंधन किया जाता है और लोग भी अपने स्तर पर इनसे निपटने के इंतजाम करते हैं। हिमाचल के लोग बर्फबारी, बारिश और अग्निकांड से हर साल जूझते हैं। भूकंप की दृष्टि से भी हिमाचल प्रदेश अतिसंवेदनशील है। आए दिन यहां भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। तीन दिन में ही यहां पर पांच बार धरती हिल चुकी है।

यह सुखद है कि ये हल्के झटके थे। हिमाचल भूकंप की त्रासदी भी झेल चुका है। वर्ष 1905 में आए विनाशकारी भूकंप में कांगड़ा जिला में काफी नुकसान हुआ था। आवश्यकता है कि पूर्व में आए ऐसे झटकों से सबक लिया जाए। लोगों को भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए भी प्रेरित किया जाता है, लेकिन लोग इसके प्रति कितने गंभीर हैं यह शोध का विषय अवश्य हो सकता है। प्रदेश में तेजी से भवन निर्माण हो रहा है। हद तो यह है कि पर्यटन स्थलों पर बड़े-बड़े भवन खड़े हो रहे हैं, लेकिन इनके निर्माण के दौरान प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में नहीं रखा जा रहा है। जरा सी कंपन से भी यहां पर भारी नुकसान की आशंका है। कई ढलानों पर भी बड़े-बड़े होटल बना दिए गए हैं। बरसात के दिनों में ऐसे क्षेत्रों में कई भवन भूस्खलन की चपेट में भी आए हैं।

इस तरह की तमाम चुनौतियों और जोखिम की घटनाओं के बावजूद धड़ल्ले से ऐसे क्षेत्रों में भी भवन निर्माण किया जा रहा है। इस ओर न तो सरकार और न ही लोग निर्माण से पूर्व ऐसी परिस्थितियों के बारे में सोच रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि सरकार और समाज के साथ आम लोग भी पूर्व आपदा प्रबंधन की सोचें और इस तरह के निर्माण करें कि यदि किसी तरह की आपदा आए तो उसका मुकाबला कर सकें और किसी तरह का नुकसान न हो।

बंगाल

मजबूत गांठ की तैयारी

बंगाल में निकाय चुनाव सिर पर है। कांग्रेस एवं माकपा दोनों इस समय सूबे में खस्ताहाल हैं। ऐसे में दोनों एक-दूसरे का सहारा बनकर अपनी-अपनी स्थिति थोड़ी बेहतर करना चाहती हैं। शायद इसीलिए बंगाल में इसी साल होने वाले निकाय व 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और वाममोर्चा ने गठबंधन की गांठ को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है ताकि ये फिर से न टूटे। बंगाल कांग्रेस के नेता 26 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव से ही इस गठबंधन को मजबूती देना चाहते हैं। वाममोर्चा-कांग्रेस के संयुक्त प्रत्याशी के रूप में माकपा के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी को राज्यसभा भेजने पर कांग्रेस नेता राजी हो गए हैं।

निकाय चुनाव में सीटों के तालमेल की बातें दोनों दलों में चल रही हैं। इस बीच राज्यसभा चुनाव की घोषणा हो जाने के बाद से माना जा रहा था कि यह चुनाव वाममोर्चा और कांग्रेस गठबंधन के लिए अग्निपरीक्षा जैसी होगी, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सोमेन मित्रा और पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान में लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने येचुरी के नाम पर अपनी सहमति दे दी है। वैसे भी कांग्रेस एवं माकपा को पता है कि वे अपने दम पर बंगाल से राज्यसभा की पांचवीं सीट नहीं जीत सकते इसीलिए माकपा ने सीताराम येचुरी को बंगाल से राज्यसभा भेजने की बात कह दी तो कांग्रेस

प्रतीकात्मक फोटो

भी राजी हो गई। 26 मार्च को देश की 55 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होना है, जिनमें से पांच सीटें बंगाल की हैं। इनमें से चार सीटों पर तृणमूल की जीत पक्की मानी जा रही है। पांचवीं सीट पर पेंच फंसा था, जिसे माकपा एवं कांग्रेस नेताओं ने सुलझा लिया है। पांचवीं सीट पर या तो वाममोर्चा-कांग्रेस या फिर तृणमूल-कांग्रेस का ही संयुक्त उम्मीदवार जीत पाएगा, क्योंकि पांचवीं सीट के मामले में तृणमूल के पास भी इतने विधायक नहीं बचेंगे कि वह अपने दम पर किसी प्रत्याशी को जिता सके। इससे पहले दो बार कांग्रेस तृणमूल के साथ हाथ मिलाकर अपने दो उम्मीदवारों प्रदीप भट्टाचार्य और अभिषेक मनु सिंघवी को राज्यसभा भेज चुकी है। पिछली बार येचुरी के नाम पर कांग्रेस सहमत हो गई थी, लेकिन माकपा के अंदर ही विरोध हो गया था, जिसके चलते 2005 से 2017 तक ऊपरी सदन के सदस्य के तौर पर शानदार रिकार्ड रखने वाले येचुरी राज्यसभा नहीं पहुंच पाए थे। हालांकि इस बार ऐसा लग रहा है कि सब कुछ ठीक रहा तो बंगाल से एक बार फिर येचुरी कांग्रेस के समर्थन से राज्यसभा पहुंच जाएंगे, जो कि वाममोर्चा-कांग्रेस गठबंधन के लिए काफी अहम होगा। वैसे भी 2016 से ही कांग्रेस एवं माकपा विधानसभा से लेकर सड़क तक साथ-साथ दिखाई दे रहे हैं।

बंगाल विधानसभा में माकपा ही नहीं, पूरे वाममोर्चा के पास इतने विधायक नहीं हैं कि वे अपने बूते अपने किसी प्रत्याशी को राज्यसभा भेज सके। यही हाल कांग्रेस का भी है क्योंकि दोनों के पास (तृणमूल कांग्रेस व भाजपा में शामिल हो चुके विधायकों को छोड़कर) महज 24-24 ही विधायक हैं। तृणमूल के पास इतने विधायक हैं कि वह अपने चार प्रत्याशियों को आसानी से लोकसभा भेज सकती है। इसके बाद भी उनके पास 42 विधायकों के वोट बच जाएंगे। ऐसी स्थिति में अगर कांग्रेस चाहती (जैसा कि पूर्व में प्रदीप भट्टाचार्य और अभिषेक सिंघवी के मामले में हुआ था) तो तृणमूल से हाथ मिलाकर अपने एक और सदस्य को राज्यसभा भेज सकती है, लेकिन इसका असर निकाय चुनाव में माकपा व कांग्रेस गठबंधन पर पड़ सकता है इसलिए कांग्रेस येचुरी को राज्यसभा भेज गठबंधन को मजबूत करना चाहती है।

उत्तराखंड

गैरसैंण के बहाने

स्थायी राजधानी का चयन सूबे में अब तक सत्ता में रही दोनों पार्टियों, भाजपा और कांग्रेस के लिए गर्म दूध की तरह है।

उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र आगामी तीन मार्च से चमोली जिले के गैरसैंण में शुरू होने जा रहा है। यूं तो पिछले छह सालों से हर साल ही विधानसभा का एक सत्र गैरसैंण में आयोजित किया जाता रहा है, लेकिन पिछले साल यह क्रम टूट गया। विपक्षी कांग्रेस ने स्वाभाविक रूप से इसे मुद्दा बनाया और सरकार को स्थायी राजधानी के नाम पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। दरअसल गैरसैंण भौगोलिक रूप से राज्य के मध्य में स्थित है, लिहाजा उत्तराखंड राज्य आंदोलन के समय से ही गैरसैंण को राजधानी बनाने की मांग उठती रही। नवंबर 2000 में जब उत्तराखंड देश के मानचित्र पर सत्ताइसवें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया, उस वक्त देहरादून को अस्थायी राजधानी बनाया गया। तब कहा गया कि गैरसैंण में राजधानी के अनुरूप आधारभूत ढांचे की अनुपलब्धता के कारण यह फैसला लिया गया।

राज्य की पहली निर्वाचित सरकार ने स्थायी राजधानी तय करने के लिए कदम बढ़ाए। इसके लिए एकल सदस्यीय आयोग का गठन किया गया। कई एक्सटेंशन के बाद आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी। इसमें देहरादून समेत स्थायी राजधानी के

प्रतीकात्मक फोटो

लिए चार नाम सुझाए गए। इसे भी दस साल से ज्यादा वक्त गुजर गया, रिपोर्ट ठंडे बस्ते में पड़ी है। दरअसल स्थायी राजधानी का चयन सूबे में अब तक सत्ता में रही दोनों पार्टियों, भाजपा और कांग्रेस के लिए गर्म दूध की तरह है। गैरसैंण को लेकर राज्य गठन से पहले से ही मांग उठती रही है, लेकिन पिछले लगभग बीस वर्षों से अस्थायी राजधानी देहरादून है। देहरादून को सभी सरकारों ने राजधानी के रूप में ही विकसित किया है।

अब अगर सरकार इनमें से किसी एक को स्थायी राजधानी बनाती है तो उसे हर स्थिति में इसका विरोध झेलना होगा। वैसे भी राज्य की 70 में से आधी से ज्यादा सीटें मैदानी भूगोल की हैं। ऐसे में कोई भी सरकार स्थायी राजधानी घोषित करने के फैसले से अब तक बचती रही है। पिछले छह वर्षों से गैरसैंण में विधानसभा भवन समेत जरूरी आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है। तब से हर साल विधानसभा का एक सत्र गैरसैंण में भी आयोजित किया जाता है। साफ शब्दों में कहें तो इस मसले पर अब तक केवल तुष्टीकरण की ही राजनीति हुई है। इस बार चर्चा उठी है कि सरकार गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी बना सकती है। अब देखना यह है कि क्या सरकार इस तरह का फैसला लेने का साहस जुटा पाएगी या फिर भविष्य में भी गैरसैंण केवल सियासी मुद्दा ही बना रहेगा।

जम्मू-कश्मीर

बदल रही जम्मू-कश्मीर की तस्वीर

कश्मीर में इस समय 150 से ज्यादा छोटे-बड़े रॉक बैंड हैं। इनके अलावा कई नौजवान बिना बैंड ग्रुप के भी अपने स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। सूफी संगीत हो या सुगम संगीत। गजल गायिकी या फिर वेस्टर्न म्यूजिक। संगीत की ऐसी कोई विधा नहीं जो कश्मीर के युवाओं से अछूती हो। दो दिन पहले ही डल झील के किनारे स्थित शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआइसीसी) में सेना की ओर से चिनार यूथ कम सूफी फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इसमें बैटल आफ बैंड्स संगीत प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें घाटी के 30 से ज्यादा रॉक बैंडस ने हिस्सा लिया। इनमें लड़कियों का एक बैंड रुदाद भी शामिल था। समारोह के समापन पर नूरां सिस्टर्स ने प्रस्तुति दी। उन्हें सुनने के लिए हजारों की तादाद में लोग विशेषकर युवा जुटे। नूरां सिस्टर्स ने खुद एक बातचीत में कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि कश्मीर में उन्हें इतना रिस्पांस मिलेगा।

जाहिर है नए कश्मीर में युवाओं की सोच में आ रहा बदलाव सुकून देने वाला है। निःसंदेह इससे जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और खुशहाली का दौर आएगा। कश्मीर में यह आतंकवाद के लंबे दौर के बाद देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां फुटबॉल का जुनून युवाओं में चरम पर है, वहीं युवाओं के डेढ़ सौ रॉक बैंड संगीत के प्रति उनके समर्पण और प्यार को दर्शा रहे हैं। हालांकि कुछ वर्ष पहले भी कश्मीर में लड़कियों के एक रॉक बैंड ने काफी प्रसिद्धि हासिल की थी। विडंबना यह थी कि अलगाववादियों को उस समय यह बैंड रास नहीं आया और उन्होंने फरमान जारी कर दिए। यह अच्छी बात है कि अब युवाओं के जुनून पर फरमान जारी करने वाले बेनकाब हो चुके हैं। कश्मीर के हालात किसी से नहीं छुपे हैं। अलगाववादियों और पाकिस्तान ने यहां के युवाओं को गुमराह करने के लिए कोई कोर कसर शेष नहीं रखी। उनको बहला-फुसला कर आतंकवाद की ओर धकेल दिया।

नए कश्मीर में युवाओं की सोच में आ रहा बदलाव सुकून देने वाला है। निःसंदेह इससे जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और खुशहाली का दौर आएगा।

पूर्व की सरकारों ने युवाओं को सही रास्ते पर लाने के लिए प्रयास तो किए, लेकिन अलगाववादियों पर नकेल न कसने के कारण स्थिति में सुधार नहीं हो पाया। अब अधिकांश अलगाववादी नेता जेलों में बंद हैं और कई संगठनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। युवाओं की काउंसलिंग की जा रही है। उन्हें सही रास्तों पर चलने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके परिणाम भी साफ देखने को मिल रहे हैं। विगत सप्ताह जब श्रीनगर में संगीत का एक कार्यक्रम हुआ तो उसमें स्थानीय युवाओं के कई बैंड सामने आए और उन्होंने अपने प्रदर्शन से लोगों को दिल जीत लिया। जम्मू-कश्मीर के युवाओं में संगीत के प्रति दीवानगी का श्रेय पुलिस को भी जाता है। पुलिस ने कुछ वर्ष पहले छूना है आसमान कार्यक्रम कर स्कूल व कॉलेजों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित कराई और उन्हें संगीत के क्षेत्र में नाम कमाने के लिए प्रेरित किया। अब सरकार को चाहिए कि वह युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी तेजी के साथ कदम उठाए।

उत्तराखंड में उम्मीदें दरकने का खतरा, मंजिल से दूर बजट

रविंद्र बड़थ्वाल, देहरादून

- उत्तराखंड में जिला योजना का 150 करोड़ अभी खर्च होना बाकी
- जिला नियोजन समितियों का गठन नहीं, खर्च की राह में मुश्किलें

उत्तराखंड में जिलों में गली-मुहल्लों से लेकर बस्तियों व शहरों में सड़कों, नालियों, बिजली के जर्जर खंभों और झूलती तारों समेत तमाम छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर जनता में गुस्सा आम बात है। इसे शांत करने का सबसे बड़ा दारोमदार जिस जिला योजना के बजट पर है, वह साल के दस महीने मंजिल से दूर भटकता रहता है। अंतिम दो महीनों में जन समस्याओं भले ही ठिकाने न लग पाएं, लेकिन बजट का बड़ा हिस्सा ठिकाने लग जाता है। इस बार भी ऐसा होने जा रहा है। जिला योजना की 150 करोड़ से ज्यादा राशि अभी खर्च होना बाकी है।

राज्य के बजट आकार में जिला योजना का हिस्सा सबसे छोटा, लेकिन वजनदार होता है। पूरे वित्तीय वर्ष में इस योजना का हश्र, इस बात की बानगी भी है कि बजट को बड़ा बनाने का मोह सिर्फ सपनों में गुलाबी रंग भरना भर है। इसके इस्तेमाल की हकीकत जनता की उम्मीदों को स्याह ज्यादा करती दिखती है। चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 में जिला योजना का कुल बजट 612.82 करोड़ रखा गया है। बजट खर्च को लेकर पड़ने वाले दबाव ने अब कुछ असर दिखाया है। इससे सभी 13 जिलों को 605 करोड़ यानी 98.72 फीसद जारी

प्रतीकात्मक

कर दिया गया।

31 जनवरी, 2020 तक इसमें से सिर्फ 457.17 करोड़ ही खर्च हो पाया है। डेढ़ सौ करोड़ की राशि खर्च होने को रह गई है। यह हाल तब रहा, जब सौ फीसद से कुछ कम राशि जिलों को खर्च के लिए जारी की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष खत्म होने के मुहाने पर है, लेकिन 24 फीसद बजट खर्च नहीं हो पाया है। शेष बजट के खर्च की राह आसान नहीं है। दरअसल पंचायत चुनाव के बाद अभी तक जिलों में जिला नियोजन समितियां गठित नहीं हो पाई हैं। इन समितियों का गठन और उनमें प्रस्तावों को मंजूरी के बगैर शेष धनराशि का खर्च होना मुश्किल है। जाहिर है कि जिला योजना बजट के उपयोग को लेकर सरकार रणनीतिक चूक से खुद को बचा नहीं पाई है। उत्तरकाशी, देहरादून, रुद्रप्रयाग समेत जिन जिलों में बजट काफी कम खर्च हुआ है, वहां जनता की उम्मीदों को ठेस पहुंचनी तय है।

जिलेवार जिला योजना के बजट खर्च की स्थिति

जिले	खर्च
नैनीताल	32.57
ऊधमसिंहनगर	37.85
अल्मोड़ा	35.52
पिथौरागढ़	34.07
बागेश्वर	29.74
चंपावत	28.47
देहरादून	37.31
पौड़ी	59.23
टिहरी	46.92
चमोली	35.05
उत्तरकाशी	26.23
रुद्रप्रयाग	25.55
हरिद्वार	28.66

(खर्च राशि- करोड़ रुपये)

हरिद्वार कुंभ में पूरी मदद करेगा उप्र : योगी

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश

- उप्र के मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में किया अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव का उद्घाटन
- उत्तराखंड के सीएम बोले, योग के नाम से भारत की विश्व में बनी है पहचान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हरिद्वार कुंभ में उत्तराखंड की उत्तर प्रदेश सरकार हर संभव मदद करेगी। योग भारतीय ऋषियों की साधना और सिद्धि का निचोड़ है। विश्व कल्याण के लिए यह भारतीय वैदिक संस्कृति का अनूठा उपहार है। आज दुनिया के 193 देश योग की परंपरा के साथ जुड़ चुके हैं। वैदिक संस्कृति की इसी दिव्यता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में देश का पहला वैदिक विज्ञान केंद्र खोलने का निर्णय लिया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड में योग केंद्र और वेलनेस सेंटर की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया।

रविवार को ऋषिकेश में उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद और गढ़वाल मंडल विकास निगम की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिव योग के आदि देवता है और हिमालय भगवान शिव का प्रिय स्थान है। यही वजह है कि उत्तराखंड पूरे विश्व में योग का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में सभी लोग मानसिक शांति व बीमारियों से मुक्ति चाहते हैं, ऐसे में योग ही एक मात्र ऐसा उपाय है जो इन रोगों छुटकारा दिला सकता है। हरिद्वार में 2021 में होने वाले कुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि कुंभ में उत्तर प्रदेश

उत्तराखंड के ऋषिकेश में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उद्घाटन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (दाएं) ने मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के साथ प्रेस कांफ्रेंस किया। जागरण

सरकार, उत्तराखंड सरकार की हर संभव मदद करेगी।

दोनों प्रदेशों के बीच परिसंपत्तियों के बंटवारे पर पूछे गए सवाल पर योगी ने कहा कि वर्षों से लंबित मामले दोनों सरकारों ने एक झटके में हल कर दिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उत्तराखंड के लिए उत्तर प्रदेश हमेशा बड़े भाई की भूमिका निभाता रहेगा।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि योग के नाम से भारत की दुनिया भर में पहचान बनी है। योगाचार्य और उत्तराखंड का इसमें बहुत बड़ा योगदान है। मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि यह गौरव की बात है कि हम विश्व में योग को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से दुनिया आज भारत को सलाम कर रही है।

200 से ज्यादा साधक पहुंचे

अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव में 11 देशों और भारत के नौ राज्यों के साधक भाग ले रहे हैं। 7 मार्च तक चलने वाले महोत्सव में अब तक 200 से ज्यादा साधक पहुंच चुके हैं।

सात-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव शुरू

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश : विश्व विख्यात योग गुरुओं के मार्गदर्शन में योग कक्षाओं के साथ परमार्थ निकेतन गंगा तट पर सात-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव रविवार से शुरू हो गया। इस मौके पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि योग हमारे भाव, मन और आत्मा को जोड़ता है। इसीलिए भारत सदियों से दुनिया को एकता और शांति का संदेश देता आ रहा है। योग महोत्सव में 56 देशों से 90 योगाचार्य व 900 से अधिक योग साधक शिरकत कर रहे हैं।

योग महोत्सव का उद्घाटन परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज, केंद्रीय पर्यटन मंत्री प्रहलाद पटेल, विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल, महोत्सव की निदेशक साध्वी भगवती सरस्वती सहित योगाचार्यों ने संयुक्त रूप से किया। केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने कहा कि हम भौगोलिक विस्तार के नहीं, बल्कि ज्ञान के विस्तार के समर्थक हैं। यही योग की शक्ति है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि योग वैश्विक एकता व उत्थान का महापर्व है। योग से संपूर्ण मानवता का कल्याण संभव है। इसलिए प्रकृति, पर्यावरण और नदियों को प्रदूषणमुक्त करने के लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे।

गंगोत्री यात्रा में रोमांच पैदा करेंगे हिमखंड

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी

पहाड़ों पर हो रहे भारी हिमपात के कारण गंगोत्री हाईवे पर सड़क के दोनों ओर हिमखंड बने हुए हैं। हालांकि अप्रैल तक इनमें से ज्यादातर पिघल जाते हैं, लेकिन चांगथांग में बना हिमखंड यात्रियों के आकर्षण का केंद्र रहता है। एक किलोमीटर की दूरी पर करीब 50 मीटर ऊंचा हिमखंड मई तक बना रहता है। गंगोत्री धाम के कपाट 26 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

उत्तरकाशी से गंगोत्री तक 104 किमी के सफर में ये हिमखंड सैलानियों को एहसास कराते हैं कि मानो वे ग्लेशियर बीच से गुजर रहे हों। इन दिनों सुक्की नामक स्थान से गंगोत्री के बीच 25 किलोमीटर की दूरी में आठ जगह पर ऐसे नजारे देखने को मिल जाएंगे। उत्तरकाशी के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि इनमें सबसे बड़ा हिमखंड चांगथांग में है। यहां से गंगोत्री धाम 18 किलोमीटर दूर है। इससे पहले 2012 में यहां इतने ऊंचे हिमखंड देखे गए थे। पटवाल ने बताया कि

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के चांगथांग इलाके में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग हिमखंडों को काटकर खोल दिया गया है। यह यात्रियों को रोमांचित करेगा। जागरण

चांगथांग के ऊपर पहाड़ी पर फरवरी में 15 बार हिमपात हुआ है। इसी कारण यहां पर हिमखंड अस्तित्व में आता है। उत्तरकाशी के पास हर्षिल की पूर्व प्रधान 72 वर्षीय बसंती नेगी कहती है कि इस बार हर्षिल, झाला, मुखवा, धराली, बाकर्या ओडार, पंगरियाणा, जंगला और चांगथांग क्षेत्र में अच्छी बर्फबारी हुई। अगर 15 मार्च तक इसी तरह की बर्फबारी होती रही तो इस बार यह हिमखंड और बड़ा बन सकता है।

कॉलेज में मिले देश विरोधी बातें लिखे पोस्टर, केस दर्ज

कन्नूर, एएनआइ : केरल पुलिस ने पोस्टरों में देश विरोधी बातें लिखी होने पर मामला दर्ज किया है। ये पोस्टर पलक्कड के मालमापुजहा के सरकारी आइटीआइ कालेज और थालेसेरी के सरकारी ब्रेनन कॉलेज में लगे पाए गए। इन पोस्टरों में लिखा था, भारत मेरा देश नहीं है।

आरोप है कि ये पोस्टर स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआइ) की ओर से लगाए गए। हालांकि एसएफआइ ने इन पोस्टरों को लगाने से इन्कार किया और घटना की निंदा की। संगठन के राज्य सचिव सचिन देव ने कहा कि वह संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध पर विश्वास करते हैं। इस तरह के पोस्टर उनकी विचारधारा के खिलाफ हैं। हम इस तरह की भावना की खुले तौर पर दृढ़ता से निंदा करते हैं। अगर संगठन का हमारा कोई कार्यकर्ता इन पोस्टरों को लगाने के लिए जिम्मेदार होगा तो हम उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। स्थानीय भाषा में लिखे गए पोस्टरों में लिखा था, भारत मेरा देश नहीं है।

जिंदगी को नया मुकाम देगा 'स्वाभिमान परिसर'

रोहित जंडियाल, जम्मू

पहल

- वृद्धों के लिए होंगी खेल सुविधाएं, मनोरंजन के साधन, सफलता की कहानियां कर सकेंगे साझा

समाज में ऐसे कई लोग हैं जिनकी सफलता की कहानियां समाज के शोर में गुम होकर रह जाती हैं। वृद्धावस्था में दाखिल हो चुके इन लोगों को सुनने वाला कोई नहीं होता। घरों में अकेले रहते-रहते ये अक्सर तनाव का शिकार हो जाते हैं और उपेक्षित महसूस करते हैं। मगर जम्मू के वृद्धाश्रम ने एक नई पहल की है। आश्रम अब बुजुर्गों के लिए अंबफला में डे केयर सीनियर सिटीजन क्लब स्थापित कर रहा है। इसे 'स्वाभिमान परिसर' का नाम दिया गया है।

आश्रम के पदाधिकारियों का कहना है कि यह परिसर बुजुर्गों की जिंदगी को नया आयाम देगा। बुजुर्ग समाज के लिए यहां प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। वृद्ध आश्रम में ही स्थापित होने वाले इस क्लब अर्थात 'स्वाभिमान परिसर' में बुजुर्गों के लिए सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा, ताकि यहां पर आने वाले बुजुर्गों को अकेलापन महसूस न हो और वे समाज को नया संदेश दे सकें। इसी को ध्यान में रखते हुए परिसर में बुजुर्गों के लिए खेलों के अलावा मनोरंजन और लाइब्रेरी की सुविधा भी होगी। यह क्लब स्थापित करने का फैसला आश्रम की प्रबंधन कमेटी ने किया। कमेटी का मानना है कि वृद्ध देश की ताकत हैं और इस क्लब के स्थापित होने से उन्हें आपस में मिलने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिलेगा। ये वृद्ध अपने अनुभव से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के सुझाव दे सकते हैं। अपनी सफलता की कहानियों को साझा करके दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकते हैं।

सुबह-शाम खुलेगा क्लब

इस क्लब को दिन में छह घंटे तक खोला जाएगा। सुबह दस बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक और शाम को पांच बजे से लेकर सात बजे तक इस क्लब में बुजुर्ग आ सकते हैं। वृद्ध आश्रम के सचिव विजय कुमार के अनुसार यह क्लब अपनी तरह का पहला क्लब होगा। यहां पर कोई भी वृद्ध आकर अपने नाम का पंजीकरण करवा सकेगा।

जम्मू में स्थित स्वाभिमान परिसर में इंडोर खेलों के अलावा टेलीविजन की सुविधा होगी। वृद्धों की पसंद की किताबें भी यहां होंगी। लाइब्रेरी होगी, समाचारपत्र और मैगजीन होंगी। समय-समय पर सांस्कृतिक और धार्मिक समारोह आयोजित किए जाएंगे। यही नहीं वृद्ध यहां पर सभी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय समारोहों के अलावा धार्मिक समारोह भी मिलकर मना सकेंगे। इसके अलावा समय-समय पर उनके लिए पिकनिक आयोजित किए जाएंगे। हर शाम को सत्संग के बाद पुजारी आरती करेंगे। परिसर में ही फिजियोथेरेपी सेंटर होगा। प्राथमिक उपचार की सुविधा होगी और हर सुबह रिफ्रेशमेंट भी दी जाएगी।

7 करोड़ लोग भारत में मधुमेह से पीड़ित हैं। अनियंत्रित जीवन शैली, खानपान में जंक फूड के अधिक इस्तेमाल व मोटापे के कारण शहरी क्षेत्रों में यह बीमारी अधिक देखी जाती है।

सफलता का पर्याय बना एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय

कामयाबी का सफर ▶ देहरादून में 2010 से संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के नाम दर्ज हैं कई उपलब्धियां

राजेश पंवार, देहरादून

देहरादून के कालसी में 2010 से संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ने कम समय में कई उपलब्धियां अपने नाम दर्ज कराई हैं। जनजातीय क्षेत्र के बच्चों का भविष्य संवारने के लिए स्थापित इस विद्यालय से अभी तक इंटर के तीन बैच निकले हैं। इनमें से 11 छात्र-छात्राएं जेईई मेन्स व एडवांस के माध्यम से मुंबई, प्रयागराज व जबलपुर के प्रतिष्ठित संस्थानों से इंजीनियरिंग कर रहे हैं। नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) के माध्यम से तीन छात्र-छात्राओं का एमबीबीएस में चयन हुआ है। जबकि, दो छात्रों का चयन सेना और मर्चेंट नेवी में हो चुका है।

सुशिक्षित समाज

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय से निकलकर पीजीआइ चंडीगढ़ से एमबीबीएस कर रही ईशा मूलरूप से जनजातीय क्षेत्र जौनसार-बावर की निवासी है। ईशा के पिता ठेकेदार हैं, जबकि मां गृहणी। ईशा के लक्ष्य के अनुरूप विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. जीसी बडोनी समेत अन्य शिक्षकों ने उन्हें पढ़ाई के साथ ही नीट की भी तैयारी कराई। आवासीय विद्यालय होने के चलते शिक्षक यह भी ध्यान रखते थे कि कौन छात्र-छात्राएं किस विषय में कमजोर हैं। ईशा बताती हैं कि उन्होंने डॉक्टर बनने का लक्ष्य तय कर रखा था। अभिभावकों का भी सहयोग रहा, लेकिन सबसे ज्यादा मेहनत प्रधानाचार्य, उपप्रधानाचार्य व शिक्षकों ने की। बकौल ईशा, 'मैं रोजाना पांच से छह घंटे एकाग्रता के साथ पढ़ाई करती थी। मुझमें सिर्फ लक्ष्य हासिल करने का ही जुनून था। जौनसार-बावर में पढ़ाई के सीमित संसाधन हैं, लेकिन शिक्षकों ने कभी मेरा मनोबल डिगने नहीं दिया। नतीजा सामने है।'

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कालसी का भवन। जागरण

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कालसी के प्रधानाचार्य जीसी बडोनी। जागरण

विद्यालय के छात्रों की धमक : जेईई मेन्स व एडवांस के माध्यम से एकलव्य विद्यालय के अंशुल चौहान मुंबई, सोनम चौहान मंडी, आशीष चौहान टीएचडीसी टिहरी, शीतल जोशी जालंधर, मनीष तोमर, मनीष चौहान, नताशा तोमर, ऋतिक चौहान, नीतेश रावत व अंकित चौहान प्रयागराज और अमन राणा जबलपुर के विभिन्न इंस्टीटयूट से इंजीनियरिंग कर रहे हैं। जबकि, नीट के माध्यम से शालू चौहान देहरादून, ईशा चौहान एम्स चंडीगढ़ और अजय राठौर श्रीनगर गढ़वाल से एमबीबीएस कर रहे हैं। इसी तरह विजेंद्र तोमर सेना और कुलदीप राय मर्चेंट नेवी में सेवाएं दे रहे हैं।

हर बच्चा रोपता है अपने नाम का पौधा : प्रधानाचार्य डॉ. जीसी बडोनी ने बताया कि बच्चों को पर्यावरण से जोड़ने के लिए उनके नाम का पौधा लगवाया जाता है। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी उसी बच्चे की होती है। राज्य स्तर के खेलों में 200 बच्चों ने मेडल हासिल किए हैं। द्वितीय ईएमआरएस स्पोर्ट्स मीट भोपाल (मध्य प्रदेश) में बच्चों ने 22 स्वर्ण, 18 रजत व आठ कांस्य पदक जीतकर राज्य का मान बढ़ाया। जमशेदपुर टाटा नगर में प्रथम राष्ट्रीय ईएमआरएस म्यूजिक प्रतियोगिता में उनके विद्यालय की टीम विजेता रही। उसने दो लाख रुपये का नगद इनाम व ट्रॉफी हासिल की।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

कम नहीं गरीबों के हकमार, सामने आए चार हजार

- हजारीबाग में प्रशासन के अल्टीमेटम के बाद चार हजार लोगों ने सरेंडर किया अंत्योदय राशन कार्ड
- लोगों को झिझक न हो इसके लिए लगाए गए सरेंडर बॉक्स

विकास कुमार, हजारीबाग : गरीबों का हक मार कर उनका राशन डकार जानेवालों पर जब प्रशासन ने सख्ती शुरू की तो एक-एक कर गलत तरीके से बनाए गए अंत्योदय कार्ड सरेंडर किये जाने लगे हैं। हजारीबाग के उपायुक्त ने ऐसे लोगों को 29 फरवरी तक का अल्टीमेटम दिया था जो सुविधा संपन्न होने के बावजूद गलत तरीके से पीएच और अंत्योदय कार्ड का लाभ उठा रहे हैं। राशन कार्ड जमा नहीं करने की स्थिति में प्राथमिकी और जुर्माना की बात कही गई थी। उपायुक्त खुद इस काम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। कार्रवाई की तलवार लटकी तो लोगों ने तेजी से कार्ड सरेंडर करने शुरू किये।

ये सभी हर माह एक रुपये की दर से अनाज उठा रहे थे। प्रशासन के अल्टीमेटम के बाद 28 फरवरी तक करीब 4000 हजार लोगों ने राशन कार्ड सरेंडर कर दिया है। सबसे अधिक कार्ड जमा करने वाले चौपारण के हैं। यहां करीब 1000 लोगों ने कार्ड सरेंडर किया है। वही सबसे कम अब तक बड़कागांव में 11 लोगों ने कार्ड सरेंडर किया है।

चौपारण और चुरचू में लगाए गए हैं सरेंडर बॉक्स : ज्यादा से ज्यादा लोग बिना परेशानी के कार्ड सरेंडर कर सकें, इसके लिए चौपारण और चुरचू के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) ने विशेष पहल की। दोनों ब्लॉक में सरेंडर बॉक्स में कार्ड जमा करने की सुविधा दी गई, ताकि लोगों को कार्ड जमा करने में ना परेशानी हो ना झिझक। इसका फायदा भी हुआ और चौपारण में करीब 1000 से अधिक कार्ड 28 फरवरी तक सरेंडर हो चुके हैं। वैसे ही चुरचू में करीब 100 कार्ड सरेंडर हुए हैं। यहां अभी सरेंडर बॉक्स नहीं खुला है, उसे दो मार्च (सोमवार) को खोला जाएगा।

अब वसूला जाएगा दोगुना जुर्माना : कार्ड बनाने में हुई धांधली को लेकर प्रशासन इस बार बेहद गंभीर है। उपायुक्त भुवनेश प्रताप सिंह खुद जनता दरबार में ऐसे मामलों की जांच कर रहे हैं और नियम के विरुद्ध बने कार्ड को लोगों से छोड़ने की अपील कर रहे हैं। पदमा में एक लाभुक पर उन्होंने कार्रवाई भी की। संबंधित लाभुक के पास बंगला से लेकर बोलरो गाड़ी तक थी, उसके बाद भी वह अंत्योदय कार्ड का लाभ ले रहा था। वही 29 फरवरी के बाद भी कार्ड सरेंडर नही करने वाले संपन्न लोगों पर प्रशासन अनाज की दोगुनी राशि वसूल करेगा। पीएच कार्ड में पांच किलो अनाज और अंत्योदय कार्ड में 35 किलो अनाज एक रुपये की दर से प्रतिमाह दिया जाता है।

तेजस की मारक क्षमता और बढ़ेगी

- सीएसआइओ ने ईजाद की खास टेक्नोलॉजी 'एचयूडी'
- पायलट को दुश्मन पर हमला करने में होगी आसानी
- दुश्मन की ना-पाक हरकतों का देंगे और करारा जवाब

सीएसआइओ द्वारा तैयार नई टेक्नोलॉजी को लड़ाकू विमान तेजस में इस तरह किया जाएगा इस्तेमाल। जागरण

डॉ. सुमित सिंह श्योराण, चंडीगढ़

दुश्मन की नापाक हरकतों का जवाब भारत अब और कारगर तरीके से देगा। लड़ाकू विमानों का निशाना एकदम अचूक होगा। देश में बने फाइटर एयरक्राफ्ट एलसीए तेजस (लाइट कंबेट एयरक्राफ्ट) की मारक क्षमता को मजबूत बनाने में चंडीगढ़ स्थित केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआइओ) ने खास टेक्नोलॉजी हेडअप डिस्प्ले (एचयूडी) इमेज को तैयार किया है। दो हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले तेजस को उड़ाने वाले पायलट को दुश्मन पर हमला करने के साथ ही अन्य प्रणाली पर नियंत्रण के लिए अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी।

शुक्रवार को चंडीगढ़ सीएसआइओ के डायरेक्टर डॉ. आरके सिन्हा की उपस्थिति में एचयूडी टेक्नोलॉजी को पंचकूला की भारत इलेक्ट्रोनिक लिमिटेड (बीईएल) को सौंपा गया। परीक्षण में नई टेक्नोलॉजी के शानदार परिणाम रहे। अब लड़ाकू विमानों में सीएसआइओ द्वारा तैयार टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाएगा।

इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश : एचयूडी इमेज टेक्नोलॉजी को सीएसआइओ के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. विनोद करार की देखरेख में तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस टेक्नोलॉजी से लड़ाकू विमान तेजस की मारक क्षमता और पायलट की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। दुनिया में इस टेक्नोलॉजी को विकसित करने वाला भारत पांचवां देश है। यह टेक्नोलॉजी इजराइल, फ्रांस, यूके व यूएसए के पास पहले से ही है। एचयूडी टेक्नोलॉजी से पायलट को कॉकपिट में बने ग्लास पर ही सभी जरूरी जानकारी एकदम स्टीक मिलेगी। दुश्मन के ठिकानों पर सौ फीसद अचूक निशाना लगाया जा सकेगा।

परीक्षण के बाद 37 एचयूडी इमेज के ऑर्डर दिए जा चुके हैं। प्रति यूनिट इस टेक्नोलॉजी पर 90 लाख के करीब खर्च आएगा जबकि दूसरे देश से लेने पर एक से सवा करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते थे। हर लड़ाकू विमान में एचयूडी की दो यूनिट लगाई जाएंगी ताकि एक खराब होने पर दूसरे का इस्तेमाल किया जा सके।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

सीएसआइओ चंडीगढ़ द्वारा तैयार नई टेक्नोलॉजी से लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता और बेहतर होगी। पूरी टीम ने काफी लंबे समय तक इस पर काम किया। परिणाम भी काफी अच्छे मिले हैं। इंस्टीट्यूट के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

– डॉ. विनोद करार, चीफ साइंटिस्ट एंड हेड ओपटिक्स बेस्ड स्ट्रेटेजिक इंस्ट्रूमेंटेशन सीएसआइओ, चंडीगढ़

यह पूरी तरह से स्वदेशी टेक्नोलॉजी है। जिसे कम लागत में तैयार किया गया है। सीएसआइओ ने अब कामर्शियल एयरक्राफ्ट से लेकर वाहनों तक में एचयूडी टेक्नोलॉजी को विकसित करने पर काम शुरू कर दिया है। लड़ाकू विमान में भी इस टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जा सकेगा। टेक्नोलॉजी के मामले में भारत अब आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है।

– डॉ. सुरेंद्र सिंह सैनी, हेड बिजनेस इनोवेटिव एंड प्रोजेक्ट प्लानिंग सीएसआइओ, चंडीगढ़

शिमला के रिज मैदान पर जातर उत्सव

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर रविवार को बारिश की फुहारों के बीच डोमेश्वर देवता का जातर उत्सव मनाया गया। डोमेश्वर देवता की पालकी के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर देवलू ने चोल्टू देव नृत्य किया। देवता की जातर देखने हजारों लोग पहुंचे। इस धार्मिक आयोजन में स्थानीय लोगों के साथ पर्यटक भी शामिल हुए। यह आयोजन रिज के मैदान पर पहली बार हुआ। करीब 20 साल पहले यह रथ रानी झांसी पार्क में आया था। मान्यता है कि रियासती दौर के दौरान एक बार जुंगा स्थित क्यौंथल रियासत के राज परिवार के किसी व्यक्ति पर विपदा आई थी तो देवता महाराज ने उनकी रक्षा की थी। इसके बाद राजपरिवार में पुत्र होने पर जातर आयोजित की जाती थी। देवता की जातर लोक कल्याण और इलाके की सुख-शांति के लिए आयोजित की जाती है। डोमेश्वर देवता महाराज पौराणिक देवताओं में से एक हैं। जागरण

सिफेट ने दुधारू पशुओं के लिए बनाया हाई वॉल्यूम लो स्पीड सीलिंग फैन

आशा मेहता, लुधियाना

क्या आपने कभी सोचा है कि डेयरियों में तेज गति से चलने वाले पंखों की हवा दुधारू पशुओं की सेहत पर बुरा प्रभाव डालती है। तेज हवा से पशु अवसाद में आ जाते हैं। थकावट भी महसूस करते हैं। पशुओं की इस समस्या को दूर करने के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिफेट) ने पहला हाई वॉल्यूम लो स्पीड सीलिंग फैन बनाया है। सिफेट के वैज्ञानिकों का दावा है कि यह पंखा दुधारू पशुओं को अवसाद से दूर रखेगा। विदेश में हाई वॉल्यूम लो स्पीड सीलिंग फैन की कीमत करीब चार लाख रुपये है, जबकि सिफेट ने इसे महज साठ हजार रुपये के खर्च में बनाया है।

सिफेट के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. संदीप मान और डॉ. के नरसईया ने बताया कि आम तौर पर अभी डेयरियों में हाई स्पीड कॉमर्शियल फैन लगे हुए हैं। ये पंखे काफी दबाव से हवा को फेंकते हैं। उस दबाव से हवा त्वचा पर लगती है। इससे थकावट महसूस होती है। जब पंखा तेज गति से चलता है तो जानवरों को दिया गया कटा चारा उड़ने लगता है। इससे चारा खाने में डेयरी के पशुओं को अतिरिक्त शक्ति लगानी पड़ती है। इन पंखों की आवाज भी काफी होती है। इससे वे अच्छे हॉर्मोन रिलीज नहीं करते हैं। इसका असर कहीं न कहीं उसकी सेहत और दूध पर भी पड़ता है। इसी को देखते हुए हमने हाई वॉल्यूम लो स्पीड सीलिंग फैन तैयार किया। इसमें पैडल टाइप ब्लेड हैं, जो हवा को एक बड़े सेलेन्ड्रिक फॉर्म में नीचे भेजते हैं, जिससे चारों तरफ एक बराबर हवा धीरे-धीरे जाती है। जब हवा जमीन से टकराती है तो पंखे के साइज जितना और एरिया भी कवर करती है। इससे तापमान सही रहता है। यह पंखा आवाज नहीं करता। इससे पशु आराम महसूस करते हैं। नाभा के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च ऑन बफेलो में ये पंखे लगाकर परीक्षण किया गया है। इस पंखे में बिजली की भी खपत कम होती है।

सिफेट द्वारा बनाया गया हाई वॉल्यूम लो स्पीड सीलिंग फैन। जागरण

पहाड़ की उम्मीदों को सड़क परियोजनाओं से लगे पंख

- ऑल वेदर रोड और देहरादून-दिल्ली एलिवेटेड रोड से बदलेगी तस्वीर
- अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे उत्तराखंड में सामरिक लिहाज से भी बढ़ जाएंगी सहूलियतें

राज्य ब्यूरो, देहरादून

चार धाम परियोजना (आल वेदर रोड) और देहरादून-दिल्ली एलिवेटेड रोड ने उत्तराखंड की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। आल वेदर रोड का काम करीब 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि एलिवेटेड रोड को केंद्र से हरी झंडी मिल गई है। दोनों परियोजनाओं के पूरा होने पर उत्तराखंड में तीर्थाटन और पर्यटन में इजाफा होने से आर्थिकी को संबल मिलेगा तो पलायन को थामने में भी मदद मिलेगी। साथ ही सामरिक लिहाज से भी सहूलियतें बढ़ जाएंगी। यही नहीं, दिल्ली की दूरी ढाई घंटे में तय होने पर उत्तराखंड के उत्पादों को दिल्ली का बाजार भी मिलेगा।

वर्षभर होगा तीर्थाटन व पर्यटन : करीब 11 हजार करोड़ की लागत वाली ऑल वेदर रोड परियोजना का न सिर्फ राष्ट्रीय महत्व है, बल्कि तीर्थाटन, पर्यटन के लिहाज से अहम है। दरअसल, जून 2013 में आई आपदा के बाद ऐसी सड़क पर जोर दिया गया, जो वर्षभर खुली रहे। केंद्र ने भी इसे समझा और 2016 में मिली ऑल वेदर रोड की सौगात। परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है और जैसी उम्मीद है कि अगले वर्ष हरिद्वार में होने वाले कुंभ से पहले कार्य पूरा हो जाएगा। जाहिर है कि इस डबललेन सड़क के तैयार होने पर वर्षभर तीर्थाटन और पर्यटन हो सकेगा। वर्तमान में वर्षाकाल में चारधाम यात्रा मार्गों के बाधित होने से दिक्कतें बढ़ जाती हैं, मगर अगले वर्ष से यह समस्या नहीं रहेगी।

सामरिक महत्व की सड़क : आल वेदर रोड और दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड राज्य के लिए तो अहम हैं ही, इसका सामरिक महत्व भी है। उत्तराखंड के तीन जिले उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ चीन सीमा से सटे हैं। इस लिहाज से उत्तरकाशी और चमोली जिलों तक ऑल वेदर रोड बनने से बड़े वाहनों की आवाजाही का रास्ता सुगम होगा। जाहिर है कि इससे सेना को भी सहूलियत मिलेगी।

पलायन पर लगेगा अंकुश : उत्तराखंड की आबादी एक बड़ा हिस्सा चारधाम मार्ग से जुड़ा है। आल वेदर रोड बनने पर इन क्षेत्रों की आर्थिकी तो संवरेगी ही, पलायन को थामने में भी मदद मिलेगी। आल वेदर रोड के जरिये वर्षभर तीर्थाटन व पर्यटन के चलते जहां नए डेस्टिनेशन विकसित होंगे, वहीं होम स्टे योजना परवान चढ़ेगी। नए बाजार विकसित होंगे तो स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे।

कृषि उत्पादों को बाजार, उद्योगों को लाभ : उत्तराखंड में ऑल वेदर रोड और दिल्ली-दून एलिवेटेड रोड के रूप में पुख्ता सड़क नेटवर्क तैयार होने से उत्तराखंड में होने वाले कृषि उत्पादों को बाजार मिलने से किसानों की आय बढ़ेगी। बेहतर सड़क नेटवर्क होने पर यहां के कृषि उत्पाद सीधे दिल्ली मंडी में चमक बिखेरेंगे, जो अभी जैसे-तैसे वहां पहुंच पाते हैं। इसी प्रकार उद्योगों को भी फायदा होगा, जिन्हें कच्चा माल मंगाने और फिर तैयार माल भेजने में सुलभता होगी।

646 किमी सड़क का 60 फीसद काम पूरा : उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता हरिओम शर्मा ने बताया कि आल वेदर रोड परियोजना के अंतर्गत वर्तमान में 646 किलोमीटर सड़क स्वीकृत है और इसमें लगभग 60 फीसद काम पूरा हो चुका है। 450 किलोमीटर में पहाड़ कटान और 260 किलोमीटर सड़क का डामरीकरण हो चुका है। हरिद्वार कुंभ से पहले स्वीकृत कार्य पूरे करा लिए जाएंगे।

50 किमी घटेगी दिल्ली की दूरी : देहरादून से देश की राजधानी दिल्ली की वर्तमान दूरी 255 किलोमीटर है और इसे तय करने में साढ़े पांच घंटे लगते हैं। एलिवेटेड एक्सप्रेस वे बनने पर यह दूरी 205 किलोमीटर हो जाएगी। इसमें मोहंद से डाटकाली तक सुरंग के अलावा उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के वन क्षेत्र में पड़ने वाली नदियों पर एलिवेटेड रोड बनेगी। ये कार्य होने पर दून से दिल्ली का सफर ढाई घंटे में तय होगा।

अच्छी खबर

उत्तरकाशी के जंगलों में मिले बाघ की मौजूदगी के संकेत, 50 हिम तेंदुओं की मौजूदगी भी दर्ज, जहां-जहां हिम तेंदुआ का मूवमेंट, वहां भरल व अन्य वन्य जीवों की संख्या भी काफी अच्छी

बाघ 'कैद' करने को उत्तरकाशी के जंगलों में दस ट्रैप कैमरे

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

चीन सीमा से लगे उत्तरकाशी जिले के जंगल वन्य जीवों के लिए मुफीद साबित हो रहे हैं। गुलदार और हिम तेंदुआ की संख्या बताती है कि इन जंगलों में स्वस्थ पारिस्थितिकीय तंत्र मौजूद है। हाल ही में यहां बाघ की मौजूदगी के भी संकेत मिले हैं, जो वन विभाग के लिए उत्साहित करने वाली खबर है। हालांकि, विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जब तक बाघ की मौजूदगी ट्रैप कैमरा में कैद नहीं हो जाती, तब तक वह अधिकृत रूप से कुछ नहीं कह सकते, लेकिन बाघ को ट्रैप करने के लिए दस ट्रैप कैमरे लगाए जाने की बात वह स्वीकारते हैं। इससे पहले बीते वर्ष केदारनाथ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में समुद्रतल से 3400 मीटर की ऊंचाई पर लगाए गए ट्रैप कैमरा में बाघ की मौजूदगी दर्ज हो चुकी है।

उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री नेशनल पार्क व गोविंद वन्यजीव विहार के अलावा उत्तरकाशी, अपर यमुना व टौंस वन प्रभाग आते हैं, जो 7.12 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले हुए हैं। इनमें से गंगोत्री नेशनल पार्क और गोविंद वन्यजीव विहार में उच्च हिमालय क्षेत्र के जंगल मौजूद हैं। यहां 50 हिम तेंदुओं की मौजूदगी दर्ज हुई है। जबकि, निचले इलाकों में गुलदार की संख्या सैकड़ों में हैं।

प्रतीकात्मक फोटो

पार्क क्षेत्र में भूरा भालू और वन प्रभाग क्षेत्र में काले भालू की मौजूदगी भी काफी है। इसके अलावा वर्ष 2018 में गंगोत्री नेशनल पार्क में लगाए गए ट्रैप कैमरा में अरगली भेड़ की मौजूदगी भी दर्ज हो चुकी है। जबकि, वर्ष 2019 में वन विभाग के एक अधिकारी को यहां बाघ की मौजूदगी के संकेत मिले थे।

यही नहीं, उत्तरकाशी के जंगलों में भरल, हिमालयी थार, सेराव, कस्तुरी मृग, घुराल, हिमालयन वीजल, जंगली सुअर, लंगूर, कस्तूरी मृग, पीत कंठ चितरौल, रायल्स पाइका, लाल लोमड़ी, जंगली बिल्ली, ऊदविलाव व लोमड़ी की भी अच्छी-खासी तादाद है। ये वन्य जीव गुलदार, हिम तेंदुआ और बाघ की मुख्य भोजन श्रृंखला में शामिल हैं। पक्षियों में यहां हिमालयी मोनाल, पहाड़ी राजालाल, पिलपेट हरी तूती, हिमालयी गिद्ध, हिमालयी कुक्कट, हिमालयी तितर आदि का दीदार किया जा सकता है।

पार्क क्षेत्र में वन्य जीवों की बहुतायत इस बात का प्रमाण है कि यहां एक अच्छा पारिस्थितिकीय तंत्र मौजूद है। कैमरा ट्रैप में आया है कि जहां-जहां हिम तेंदुआ का मूवमेंट है, वहां भरल व अन्य वन्य जीवों की संख्या भी काफी अधिक है।

– एनबी शर्मा, उप निदेशक, गंगोत्री नेशनल पार्क, उत्तरकाशी

ऑटो कंपनियों की बिक्री में सुधार नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : ऑटो कंपनियों को बिक्री के मोर्चे पर राहत मिलती नहीं दिख रही है। इस वर्ष फरवरी में भी लगभग सभी ऑटो कंपनियों की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआइ) की बिक्री 1.1 प्रतिशत गिरी है, तो होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआइएल) को घरेलू बिक्री में 46 प्रतिशत गिरावट का सामना करना पड़ा है। घरेलू ऑटो दिग्गज टाटा मोटर्स की फरवरी की बिक्री 34 प्रतिशत गिर गई है।

कॉल ड्रॉप से ग्राहकों को निजात दिलाना टेलीकॉम कंपनियों की जिम्मेदारी है। इस समस्या का कोई बहाना नहीं चलने वाला है।

— आरएस शर्मा, चेयरमेन, ट्राई

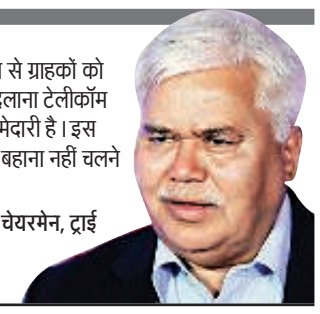

...पैसा बोलता है

रविवार (एक मार्च) से इंडियन बैंक ने दो हजार रुपये का नोट एटीएम से देना बंद कर दिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआइ) ने सभी बैंकों को निर्देश दिया है कि दो हजार रुपये का नोट एटीएम से नहीं दिया जाए, उसकी जगह दो सौ रुपये का नोट दिया जाए। इसके चलते एक भ्रम तेजी से फैला कि सरकार दो हजार रुपये का नोट बंद करने जा रही है। हालांकि पिछले दिनों केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसे अफवाह करार दिया। भारतीय अर्थव्यवस्था में 21 लाख करोड़ रुपये मूल्य के नोट परिचालन में हैं। आइये जानते हैं अर्थव्यवस्था में करेंसी नोटों का गणितः

पांच सौ का नोट सबसे ज्यादा परिचालन में

इस समय बाजार में चल रहे और बैंकों के करेंसी चेस्ट में सबसे ज्यादा 500 रुपये के नोट हैं। आरबीआइ ने वित्त वर्ष 2018-19 के आंकड़ों में बताया है कि कुल करेंसी नोटों में आधा हिस्सा 500 के नोटों का है।

2000 के नोट भी कम नहीं

आरबीआइ के 2019 के आंकड़ों के अनुसार सात लाख करोड़ से मूल्य से अधिक है इस समय बाजार में मौजूद दो हजार रुपये के नोटों का मूल्य। आरबीआइ ने तीन वर्ष में 370 करोड़ से अधिक दो हजार रुपये के नोट छापे थे।

नहीं हो रही दो हजार के नोटों की छपाई

एक आरटीआइ में रिजर्व बैंक ने स्पष्ट रूप से बताया है कि वर्ष 2019 की तीसरी तिमाही से दो हजार रुपये के नोटों की छपाई बंद कर दी गई है। 2017 में सबसे अधिक 354 करोड़ नोट, 2018 में 11 करोड़ और 2019 में 4.66 करोड़ दो हजार के नोट छापे गए।

200 के नोट पर फोकस

आरबीआइ और केंद्र सरकार का ध्यान अब 200 रुपये के नोटों पर है। आरबीआइ ने बैंकों से एटीएम से दो हजार की जगह दो सौ रुपये के नोट देने को कहा है। इस समय दो सौ रुपये के करीब 80 हजार करोड़ रुपये मूल्यके नोट बाजार में हैं।

बढ़ रहा है यूपीआइ से भुगतान

मोदी सरकार के डिजिटल भुगतान को बढ़ाने की मुहिम का असर दिख रहा है। यूपीआइ से इस वर्ष हर माह एक लाख 60 हजार करोड़ रुपये का भुगतान इस तरह से किए जाने की उम्मीद है। पिछले साल सबसे अधिक अप्रैल में एक लाख 55 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

तस्करों को भी पसंद दो हजार के नोट

चार लाख नकली नोट पिछले साल भारत में पकड़े गए, जिसमें 40 फीसद हिस्सा दो हजार के नोटों का था और तस्करों की दूसरी पसंद पांच सौ का नोट था। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के पास इस बात के पुख्ता सुबूत हैं कि पड़ोसी देश की खुफिया एजेंसी आइएसआइ पाकिस्तान और नेपाल में नकली भारतीय मुद्रा छाप रही है।

21 लाख 10 हजार करोड़ रुपये मूल्य के करेंसी नोट इस समय बाजार में उपलब्ध हैं

11.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के बराबर के हैं 500 रुपये के नोट

31 फीसद से अधिक है दो हजार रुपये के नोटों का हिस्सा कुल नोटों में

10 फीसद के आसपास है सौ रुपये के नोटों का हिस्सा कुल नोटों में

2017 में दो हजार के नोटों को छापने की शुरुआत हुई

2019 के उत्तरार्ध में बंद कर दी गई है दो हजार के नोटों की छपाई

4 फीसद ही हिस्सा है दो सौ रुपये का नोटों की कुल संख्या में

14 लाख करोड़ रुपये का डिजिटल पेमेंट वित्त वर्ष 2018-19 में हुआ

40 फीसद की दर से बढ़ रहा है डिजिटल पेमेंट का कारोबार

ग्राहकों के हित में फार्मा उद्योग को प्रोत्साहन देने की तैयारी में सरकार

कोरोना असर ▶ पैरासिटामॉल के कच्चे माल की कीमत में 80 प्रतिशत तक हो चुका उछाल

चीन के अलावा किसी और देश से कच्चा माल आयात करने पर लागत 25 फीसद बढ़ने का अंदेशा

राजीव कुमार, नई दिल्ली

चीन से शुरू हुए और अब तक 50 से अधिक देशों को चपेट में ले कोरोना वायरस का असर दवा उद्योग पर साफ तौर जाहिर होने लगा है। दवा निर्माण की लागत पिछले 15 दिनों में 40 फीसद तक बढ़ गई है। लेकिन आम उपभोक्ताओं को दवाओं की महंगाई से बचाने के लिए सरकार फार्मा कंपनियों को इनसेंटिव यानी प्रोत्साहन देने की घोषणा कर सकती है। सरकार 58 अति जरूरी दवाओं की कीमतों पर भी लगातार निगरानी रख रही है ताकि जरूरत पर उनके निर्यात पर रोक लगाई जा सके। दवा बनाने के लिए 70 फीसद कच्चे माल का आयात चीन से किया जाता है।

फेडरेशन ऑफ फार्मा एंटरप्रेन्योर्स (एफओपीई) के कार्यकारी सचिव सुदेश कुमार ने बताया कि पिछले 15 दिनों में फार्मा निर्माण की लागत 30-40 फीसद तक बढ़ गई है। दवा की अधिकतम कीमतों पर सरकारी नियंत्रण की वजह से फिलहाल उपभोक्ता तक पहुंचने वाली दवा के दाम में बढ़ोतरी नहीं हुई है। लेकिन ऐसा अधिक दिनों तक नहीं चल सकता, क्योंकि फार्मा कंपनियां लागत का दबाव महसूस करने लगी हैं। ऐसे में, सरकार दवा कंपनियों को कुछ प्रोत्साहन दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक सरकार दवा कंपनियों को कर्ज की ब्याज दरों में छूट या फिर कच्चे माल के दाम में बढ़ोतरी के अनुपात में कुछ फीसद सब्सिडी दे सकती है।

अन्य देशों से आयातित कच्चा माल 20-25 फीसद तक महंगे : एफओपीआई के मुताबिक चीन में कोरोना वायरस के लंबा खिंच जाने पर दूसरे देशों से कच्चा माल खरीदने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। इनमें सिंगापुर, वियतनाम, इटली, स्पेन जैसे देश शामिल हैं। इन देशों से कच्चा माल का आयात चीन के मुकाबले 20-25 फीसद तक महंगा है। ऐसे में, सरकार महंगे आयात में राहत देने का कुछ उपाय कर सकती है। इन मसलों पर पिछले सप्ताह नीति आयोग में वित्त मंत्रालय और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के साथ दवा निर्माताओं की लंबी बैठक चली थी।

दवा की हो सकती है कमी : हिमाचल प्रदेश ड्रग मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के चीफ एडवाइजर सतीश सिंघल ने बताया कि यह सही है कि दवा निर्माण की लागत 40 फीसद तक बढ़ गई है, लेकिन कुछ दवाओं के कच्चे माल में 70-80 फीसद तक का इजाफा है। सिंघल कहते हैं, पैरासिटामॉल के कच्चे माल का दाम जनवरी में 250 रुपये प्रति किलोग्राम था, जो अभी 410 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। अजीथ्रोमाइसिन के कच्चे माल की कीमत 6,500 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 12,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो चुकी है। वहीं, मोंटालुकास्ट के कच्चे माल का दाम 30,000 से बढ़कर 55,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

सिंघल के मुताबिक दिक्कत यह है कि अन्य देशों में भी दवा के कच्चे माल की किल्लत है। भारत में जिन कच्चा माल का निर्माण हो रहा है उन्हें अन्य देशों में अच्छी कीमत मिल रही है। इसलिए कंपनियां घरेलू स्तर पर कच्चा माल की आपूर्ति की जगह निर्यात को ज्यादा महत्व दे रही हैं।

प्रतीकात्मक

कॉस्मेटिक क्षेत्र में उत्पादन पर हो रहा है असर

दिल्ली के बादली औद्योगिक इलाके में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स की उत्पादन यूनिट चलाने वाले दीपक अरोड़ा ने बताया कि कॉस्मेटिक्स के एक उत्पाद के निर्माण में कई कच्चे माल का इस्तेमाल होता है। एक भी कच्चा माल की कमी होने पर उस उत्पाद का निर्माण नहीं किया जा सकता है। चीन से कच्चे माल की सप्लाई बाधित होने से कई कॉस्मेटिक उत्पाद का उत्पादन रुक गया है।

अप्रैल में लांच होगी करोड़पति बनाने वाली जीएसटी लॉटरी योजना

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार पहली अप्रैल से जीएसटी लॉटरी योजना लांच करने की तैयारी कर रही है। इस योजना में प्रति महीने लकी-ड्रॉ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम ग्राहकों और दुकानदार के बीच सौदे की हर पक्की रसीद को शामिल किया जाएगा। लकी-ड्रॉ के तहत 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक की राशि इनाम के रूप में दी जाएगी।

सरकार इस योजना के जरिये जीएसटी में हेराफेरी रोकने का प्रयास कर रही है। इनाम के चलते ग्राहक पक्की रसीद लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे, जिससे जीएसटी कलेक्शन बढ़ेगा और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। लकी-ड्रॉ का आयोजन राजस्व विभाग करेगा और इसके तहत तीन श्रेणियों में इनाम दिया जाएगा। पिछले महीने केंद्रीय परोक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) की ओर से इस बात की जानकारी दी जा चुकी है।

लकी-ड्रॉ में शामिल होने के लिए खरीदारी की कोई न्यूनतम सीमा नहीं रखी गई है। जुलाई, 2017 से प्रभाव में आई जीएसटी में कई तरह के प्रत्यक्ष करों को शामिल किया गया है। हेराफेरी और मुनाफाखोरी के चलते राजस्व में उम्मीद के मुताबिक इजाफा नहीं हुआ है। सरकार इसके लिए समय-समय पर प्रयास करती रही है। हालांकि पिछले कुछ महीनों के दौरान जीएसटी कलेक्शन बढ़ा जरूर है।

राजस्व विभाग को उम्मीद है कि इनाम के चलते उपभोक्ता किसी खरीदारी के लिए दुकानदार से रसीद की मांग करेंगे। जानकारी के मुताबिक 14 मार्च को प्रस्तावित जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस योजना को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आ जाएगी। इनाम के लिए दी जाने वाली राशि का बंदोबस्त उपभोक्ता कल्याण निधि से किया जाएगा। सरकार को अपनी तरफ से कोई राशि नहीं देनी पड़ेगी।

प्रतीकात्मक

मौका

- मुनाफाखोरी रोकने के लिए लाई गई है योजना
- इनाम के चलते उपभोक्ता पक्की रसीद लेने के लिए होंगे प्रोत्साहित

ऐसे बनें करोड़पति

किसी भी वस्तु की खरीद पर बिल अवश्य लें, जिस पर विक्रेता का जीएसटी नंबर दर्ज हो

हर बिल को स्कैन कर एक मोबाइल एप पर अपलोड करें, यह एप इस महीने के अंत तक एंड्रॉयड और आइओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे। इसका मतलब यह है कि आप इन्हें गूगल प्ले स्टोर और एपल एप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं

एक महीने में आप जितना मर्जी चाहें, बिल अपलोड कर सकते हैं। अगर लॉटरी में आपका बिल चुन लिया गया, तो आपको 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं

कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा कॉल ड्रॉप : ट्राई

पुणे, प्रेट्र : टेलीकॉम कंपनियां कॉल ड्रॉप को लेकर अलग-अलग बहाने बनाती रही हैं। फ्री वॉयस-कॉल का बहाना इनमें सबसे प्रमुख है। लेकिन अब टेलीकॉम नियामक प्राधिकरण ट्राई ने साफ कर दिया है कि खराब गुणवत्ता के लिए फ्री वॉयस-कॉल का बहाना बिल्कुल नहीं चलने वाला है। ट्राई के चेयरमैन आरएस शर्मा ने टेलीकॉम सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के प्रयास जारी रखने की बात कही है। उन्होंने कहा कि कॉल ड्रॉप के लिए टेलीकॉम कंपनियों पर जुर्माने वाले फैसले का सुप्रीम कोर्ट में सफलतापूर्वक बचाव किया गया है।

कॉल ड्रॉप के पीछे ज्यादातर टेलीकॉम कंपनियों का तर्क है कि वे वॉयस कॉल की सेवा मुफ्त में मुहैया करा रही हैं। ऐसे में जब सेवा के बदले में अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जा रहा तब कॉल ड्रॉप के लिए नियामक द्वारा उनपर जुर्माना लगाना सही नहीं है। ट्राई प्रमुख का बयान ऐसे समय में आया है, जब पूरे देश से कॉल ड्रॉप की शिकायतें लगातार आ रही हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2016 में रिलायंस जियो के टेलीकॉम मार्केट आने के बाद से सेक्टर की सेवाएं काफी सस्ती हो गई हैं। इस दौरान लगभग सभी कंपनियां सिर्फ डाटा के लिए शुल्क लेने और वॉयस कॉल मुफ्त में देने का दावा करती रही हैं। इसके चलते सेक्टर को वित्तीय संकट का सामना भी करना पड़ रहा है। शर्मा ने ट्राई के प्रयासों के चलते सेवाओं में सुधार होने की उम्मीद जताई।

फरवरी के जीएसटी कलेक्शन में 12 फीसद की बढ़ोतरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुधार

- लगातार चौथे महीने जीएसटी कलेक्शन एक लाख करोड़ के पार
- हालांकि जनवरी के मुकाबले फरवरी में कम रहा जीएसटी कलेक्शन

जीएसटी कलेक्शन में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की मासिक वसूली का सिलसिला जारी है। इस साल फरवरी में जीएसटी कलेक्शन 1,05,366 करोड़ रुपये का रहा जो पिछले साल फरवरी के मुकाबले 12 फीसद अधिक है। हालांकि इस साल जनवरी के मुकाबले फरवरी के कलेक्शन में मामूली गिरावट देखी गई। इस साल जनवरी में 1,10,818 करोड़ रुपये की वसूली हुई थी। पिछले वर्ष नवंबर से मासिक जीएसटी कलेक्शन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक फरवरी, 2020 में जीएसटी के कुल कलेक्शन में सीजीएसटी की हिस्सेदारी 20,569 करोड़ रुपये, एसजीएसटी की हिस्सेदारी 27,348 करोड़ तो आइजीएसटी की हिस्सेदारी 48,503 करोड़ रुपये रही। सेस के मद में 8,947 करोड़ रुपये वसूले गए। मंत्रालय के मुताबिक 29 फरवरी, 2020 तक जनवरी के लिए 83 लाख जीएसटीआर 3बी रिटर्न फाइल किए गए।

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस साल फरवरी महीने में वस्तुओं के आयात पर वसूले जाने वाले जीएसटी में पिछले साल के फरवरी माह के मुकाबले आठ फीसद का इजाफा रहा। मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार की तरफ से आइजीएसटी के मद से 22,586 करोड़ रुपये और सीजीएसटी के मद में 16,553 करोड़ रुपये सेटल किए गए। फरवरी, 2020 के नियमित सेटलमेंट के बाद केंद्र सरकार को सीजीएसटी के रूप में इस अवधि में 43,155 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। राज्यों को एसजीएसटी के रूप में इस दौरान 43,901 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

प्रतीकात्मक

पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी, और राहत की उम्मीद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चीन से फैले कोरोना वायरस से कई चीजों के दाम में बढ़ोतरी की आशंका के बीच पेट्रोल, डीजल की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले एक माह में पेट्रोल की खुदरा कीमत में करीब ढाई रुपये प्रति लीटर की राहत मिल चुकी है। इस दौरान डीजल का दाम प्रति लीटर लगभग तीन रुपये कम हुआ है। इस वर्ष पहली फरवरी को दिल्ली में पेट्रोल की खुदरा कीमत 73.19 रुपये और डीजल की 66.22 रुपये प्रति लीटर थी। पहली मार्च को दिल्ली में पेट्रोल व डीजल की कीमत क्रमशः 71.71 रुपये एवं 64.30 रुपये प्रति लीटर थी।

इस वर्ष 10 जनवरी को पेट्रोल की कीमत दिल्ली में 75.96 रुपये प्रति लीटर थी। इस कीमत की तुलना में अब तक चार रुपये प्रति लीटर से अधिक की राहत मिल चुकी है। एलपीजी सिलेंडर के दाम में भी रविवार को 53 रुपये की कटौती की गई। बिना सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमत पहले 858 रुपये थी जिसे घटाकर 805 रुपये कर दिया गया है।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के समूह ओपेक की रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना की वजह से इस वर्ष पहली छमाही में कारोबार सुस्त रहने की आशंका है। यही वजह है कि कच्चे तेल का दाम पिछले सप्ताह 14 फीसद की गिरावट के साथ 50.52 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

दुनिया ने डीबीटी और जीएसटी को माना क्रांतिकारी सुधार

नई दिल्ली, आइएएनएस : देश के फाइनेंशियल सिस्टम में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) और जीएसटी जैसे सुधारों को पूरी दुनिया में तवज्जो दी जा रही है। इनके प्रभाव में आने से न सिर्फ राजस्व में बचत संभव हो सकी है बल्कि भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगाने में मदद मिली है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन सुधारों को मौन क्रांति की संज्ञा दी है। सीतारमण ने बताया कि डीबीटी के चलते एक लाख करोड़ रुपये तक की बचत हो रही है।

वित्त मंत्री ने कहा कि आज जीएसटी और डीबीटी को पूरी दुनिया में फाइनेंशियल सिस्टम की मौन क्रांति के रूप में जाना जा रहा है। हमने यह साबित करके दिखा दिया है कि सार्वजनिक वित्तीय प्रणाली बोझिल नहीं होती, बल्कि यह कुशल और लोगों के प्रति उत्तरदायी होती है। उन्होंने 44वें सिविल अकाउंट डे के अवसर पर कहा कि तकनीक के बेहतर प्रयोग के जरिये हमने फाइनेंशियल सिस्टम को बेहतर बनाकर दिखाया है। इस दौरान उन्होंने लेखा अधिकारियों की भूमिका की प्रशंसा की और कहा कि इन अधिकारियों ने भ्रष्टाचार को सिस्टम से बाहर का रास्ता दिखाया है।

सरकार द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली सब्सिडी जैसी सुविधाओं से बिचौलियों को हटाने के लिए डीबीटी की व्यवस्था शुरू की गई थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में डीबीटी के जरिये कुल 2,31,927 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे लाभार्थियों के खाते में किया गया। डीबीटी में 56 मंत्रालयों के अंतर्गत आने वाली 427 योजनाओं को शामिल किया गया है।

इस बीच वित्त मंत्री ने लेखा अधिकारियों से वित्तीय प्रणाली में अधिक से अधिक तकनीक का इस्तेमाल करने को कहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रयोग के जरिये फाइनेंशियल सिस्टम को आसान बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि तकनीक के स्तर पर लगातार सुधार होते रहते हैं। इसपर लगातार नजर रखनी होगी और समय के साथ जरूरी बदलाव करने होंगे।

- वित्त मंत्री ने कहा - पूरी दुनिया में इसे मौन क्रांति के रूप में देखा जा रहा
- डीबीटी के जरिये हो रही एक लाख करोड़ रुपये तक की बचत

निर्मला सीतारमण। फाइल फोटो

'विवाद से विश्वास' योजना से अधिकारियों का मूल्यांकन

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रत्यक्ष कर विवाद के मामलों को निपटाने के लिए आम बजट में पेश की गई विवाद से विश्वास योजना अब टैक्स अधिकारियों के वार्षिक प्रदर्शन के मूल्यांकन का आधार बनेगी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 21 फरवरी की एक सूचना में कहा है कि अधिकारियों के अप्रेजल और पोस्टिंग में इस योजना के तहत उनके प्रदर्शन की बड़ी भूमिका होगी। सीबीडीटी के मुताबिक इससे टैक्स अधिकारियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

इनकम टैक्स कमिश्नर (सीएंडएस) राकेश गुप्ता के नाम से जारी एक मेमोरेंडम के मुताबिक टैक्स अधिकारियों को उनके खाते के 100 फीसद मामले सुलझाने का लक्ष्य दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक इस सूचना का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि ईमानदार करदाताओं ने टैक्स अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न की बहुत सी शिकायतें कर रखी हैं। माना जा रहा है कि इससे करदाताओं पर टैक्स अधिकारियों का उत्पीड़न बढ़ सकता है, क्योंकि वे बेहतर अप्रेजल और मनपसंद पोस्टिंग के लिए ज्यादा से ज्यादा मामले सुलझाने की कोशिश करेंगे।

सीबीडीटी की ओर से 13 फरवरी को जारी निर्देश में फील्ड से लेकर प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर स्तर तक के सभी टैक्स अधिकारियों से कहा गया कि वे अपने सालाना स्व-मूल्यांकन (सेल्फ अप्रेजल) में इस योजना में अपने प्रदर्शन का ब्योरा दे सकते हैं। इस दौरान टैक्स अधिकारी योजना से संबंधित मामलों की संख्या और निपटाए गए मामलों की जानकारी देंगे। सीबीडीटी ने बताया कि कर्मचारियों का प्रदर्शन भविष्य में उनकी पोस्टिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अगले वित्त वर्ष के लिए आम बजट में विवाद से विश्वास योजना की घोषणा की थी। इस योजना के जरिये प्रत्यक्ष कर से संबंधित 4.83 लाख मुकदमों का बोझ कम किया जाना है। इन मुकदमों में करीब 9.32 लाख करोड़ रुपये फंसे हुए हैं। सरकार विभिन्न अदालतों, प्राधिकरणों और संस्थाओं में लटके इन मामलों को जल्द से जल्द खत्म करना चाहती है।

शेयर समीक्षा

जीडीपी आंकड़ों का भी दिख सकता है असर, 50 से अधिक देशों में फैल चुका है कोरोना, कई वस्तुओं के आयात पर दिखने लगा प्रभाव

कोरोना के साए से बाजारों के निकलने का इंतजार

नई दिल्ली, प्रेट्र : दुनियाभर के शेयर बाजारों के लिए पिछला सप्ताह किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। ग्लोबल इकोनॉमी पर कोरोना के प्रभाव से घबराए शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह शुक्रवार को वर्ष 2008 की आर्थिक मंदी के बाद सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली। ग्लोबल बाजारों के साथ घरेलू शेयर बाजारों में भी ताबड़तोड़ बिकवाली का दौर रहा। इस सप्ताह भी शेयर बाजारों की चाल कोरोना वायरस को लेकर आने वाले समाचारों से तय होने की संभावना है। इसके अलावा बीते शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद आए जीडीपी अनुमान के आंकड़ों का असर भी बाजार पर देखने को मिल सकता है।

पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स में इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट दर्ज की गई थी। जानकारों के मुताबिक अगर कोरोना वायरस का प्रकोप इसी तरह जारी रहा तो बाजार में और गिरावट देखने को मिल सकती है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर के मुताबिक अगर कोरोना वायरस के नए मामलों की संख्या नहीं घटती है तो तो शेयर बाजार और लुढ़क सकते हैं।

गौरतलब है कि यह महामारी अब तक 50 से अधिक देशों में फैल चुकी है और 85,000 से अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। कोरोना के चलते अब तक 2,900 से अधिक लोग काल के गाल में समा चुके हैं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,872.83 अंक लुढ़क गया।

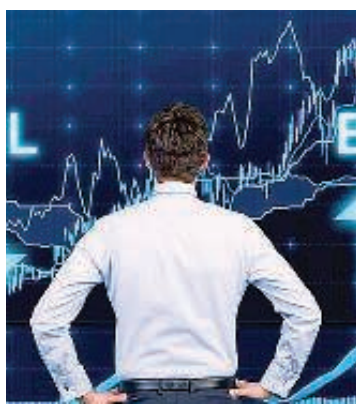

प्रतीकात्मक

शीर्ष 10 कंपनियों का एम-कैप 3.35 लाख करोड़ रुपये खिसका

नई दिल्ली, प्रेट्र : पिछले सप्ताह शेयर बाजारों की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.35 लाख करोड़ रुपये खिसक गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के एम-कैप में सबसे ज्यादा 99,430.93 करोड़ रुपये की गिरावट देखने को मिली। इसके बाद कंपनी का एम-कैप 8,42,262.64 करोड़ रुपये रह गया। शुक्रवार को सेंसेक्स में बड़ी गिरावट के बाद लगभग सभी कंपनियों के एम-कैप में कमी दर्ज की गई। समीक्षाधीन अवधि में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 58,293.29 करोड़ रुपये गिरकर 7,50,833.42 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी का एम-कैप भी 33,222.99 करोड़ फिसलकर 3,76,839.9 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके साथ ही एचयूएल, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक, एसबीआइ और एयरटेल के एम-कैप में भी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के चलते बीएसई के निवेशकों को सम्मिलित रूप से 5,45,452.52 करोड़ रुपये गंवाने पड़े।

एफपीआइ ने घरेलू बाजारों में डाले 6,554 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, प्रेट्र : फरवरी में फॉरेन पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने भारतीय बाजारों में 6,554 करोड़ रुपये का निवेश किया। डिपॉजिटरी डाटा के मुताबिक समीक्षाधीन अवधि के दौरान एफपीआइ ने इक्विटी में 1,820 करोड़ रुपये और डेट सेग्मेंट में 4,734 का निवेश किया। इस तरह से कुल निवेश 6,554 करोड़ रुपये रहा। जानकारों के मुताबिक कोरोना वायरस से ग्लोबल इकोनॉमी को संभावित नुकसान के डर से एफपीआइ निवेश से कतरा रहे हैं। लेकिन अन्य देशों के शेयर बाजारों के मुकाबले भारतीय बाजार बेहतर स्थिति में रहे हैं।

इजरायल में साल भर में तीसरा चुनाव, ये होगा प्रभाव

इजरायल में एक बार फिर चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले भी पिछले साल दो बार चुनाव हो चुके हैं, लेकिन यह राजनीतिक गतिरोध दूर करने में नाकाम रहा है। इजरायल के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं। नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने पहली बार इजरायल की यात्रा की। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ उनकी दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। राजनीतिक रूप से भारत स्थिर है और इजरायल अस्थिर। यदि नेतन्याहू की जगह दूसरा कोई प्रधानमंत्री आता है तो यह देखना होगा कि भारत के साथ उसके संबंध कैसे रहते हैं।

इसलिए इतने चुनाव

2018 के आखिर में इजरायल की लिकुड पार्टी के अनुभवी नेता बेंजामिन नेतन्याहू शक्ति के सर्वोच्च शिखर पर प्रतीत हो रहे थे। नेतन्याहू इजरायल के सबसे लंबे वक्त तक प्रधानमंत्री बने रहे हैं। हालांकि उन्हें संसद में एक सीट का अनिश्चित बहुमत मिला। 9 अप्रैल 2019 को आकस्मिक चुनाव कराए गए। दरअसल नेतन्याहू सरकार में रक्षा मंत्री रहे एविगडोर लीबरमैन ने इस्तीफा दे दिया। वे इतने ही तेजतर्रार हैं, जितने नेतन्याहू। लीबरमैन ने प्रधानमंत्री पर गाजा में फलस्तीनी आतंकवादियों पर नर्म रुख अपनाने का आरोप लगाया। हालांकि कई इजरायलियों ने नेतन्याहू के इस कदम को उनके खिलाफ चल रहे रिश्वत, धोखाधड़ी आदि से जुड़े मामलों के जांच अधिकारियों की सहानुभूति हासिल करनी थी।

नहीं मिला बहुमत

इजरायल में कभी भी कोई पार्टी संसद में पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी है और नेतन्याहू पर्याप्त सीटें जीतने में विफल रहे। सरकार बनाने के लिए वह हफ्तों तक संघर्ष करते रहे। फिर, अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी, पूर्व सशस्त्र बलों के प्रमुख बेनी गेंट्ज को सरकार बनाने का मौका देने के बजाय नेतन्याहू ने 17 सितंबर 2019 को एक और चुनाव कराने का फैसला किया।

फिर नहीं बनी सरकार

इस चुनाव में भी नेतन्याहू की सीटें कम पड़ गई। लिकुड और गेंट्स की ब्लू एंड व्हाइट पार्टी के बीच मुकाबला आभासीय टाई रहा। इसने लीबरमैन को किंग मेकर बना दिया। लेकिन लीबरमैन ने सत्ता से बचने के लिए दोनों के साथ नीतिगत मतभेदों का हवाला दिया। कई महीनों की खरीद-फरोख्त के बाद नेतन्याहू और गेंट्ज दोनों ही पर्याप्त समर्थन जुटाने में विफल रहे। इसके परिणामस्वरूप सोमवार को चुनाव होने जा रहा है।

अलग है समय

यह चुनाव पिछली बार से काफी अलग हैं। पिछले चुनाव के बाद से ही नेतन्याहू के खिलाफ औपचारिक आपराधिक आरोप लगाए गए हैं। चुनाव के सिर्फ दो हफ्ते बाद 17 मार्च को उनके खिलाफ मुकदमा शुरू होने वाला है। साथ ही, दोनों पिछले चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लंबे समय से टल रही पश्चिम एशिया शांति योजना को बिना मतदाताओं के जाने बिना लड़े गए थे। यह जनवरी में प्रकाशित हुआ था और इसके मुताबिक अमेरिका कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इसराइल की बस्तियों को मान्यता प्रदान करेगा। फलस्तीन के लोग इसे लेकर गुस्से में हैं। नेतन्याहू ने चुनाव के बाद बस्तियों को जोड़ने का निर्णय लिया है।

इस तरह जीत सकते हैं नेतन्याहू

नेतन्याहू जीत सकते हैं। लेकिन संसद की 120 सीटों में से 61 के साथ गठबंधन की सरकार बनानी है तो नेतन्याहू को अन्य दलों का समर्थन हासिल करना होगा। अदालत की सुनवाई के दौरान शीघ्र ही प्रतिद्वंद्वी मांग कर सकते हैं कि वे सजा सुनाए जाने से पहले ही इस्तीफा दे दें। हालांकि फैसले के महीनों आगे खिसकने की संभावना है और अपील की प्रक्रिया में सालों भी लग सकते हैं।

गेंट्स की भी हैं समस्याएं

चुनाव अभियान के आखिरी चरणों में नेतन्याहू के दल को थोड़ी सी बढ़त दिखाते हुए ओपिनियन पोल्स ने ब्लू एंड व्हाइट पार्टी से नजदीकी मुकाबला बताया है। नेतन्याहू की तरह ही गेंट्ज की भी समस्याएं हैं। उन्हें दक्षिणपंथी और इजरायल के अरब अल्पसंख्यक का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों को एक साथ लाना होगा, जो कि दोनों अलग ध्रुवों पर राजनीति करते हैं।

चौथा चुनाव हुआ तो...

यदि सोमवार का चुनाव गतिरोध बढ़ाने की कोशिश करता है तो चौथा चुनाव भी हो सकता है। लेकिन कुछ इजरायली राजनेता ऐसा नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि राजनीतिक अस्थिरता के साथ ही इसका अर्थ कार्यवाहक सरकार के तहत आर्थिक परेशानी बढ़ाने वाला होगा। यह गेंट्ज के नेतृत्व वाले गठबंधन में लिकुड पार्टी के भागीदार रहे दलों के दलबदल का कारण बन सकता है।

कितने दूर कितने पास : बहुत से इजरायली नेतन्याहू और गेंट्स को साथ देखना चाहते हैं, जिससे कि यह कलह खत्म हो। लेकिन गेंट्ज का कहना है कि वह नेतन्याहू के साझेदार नहीं बनेंगे।

ईरान में कोरोना वायरस से 54 लोगों की मौत

महामारी का प्रकोप ▶ 385 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर हो गई है 978

विभिन्न संस्थाओं ने ईरान पर मृतकों की संख्या छिपाने का लगाया आरोप

ईरान के मशहद में स्थित इमाम रजा दरगाह को विसंक्रमित करते स्वास्थ्य अधिकारी। रायटर

तेहरान, एजेंसियां : कोरोना वायरस की चपेट में आकर ईरान में 11 और लोगों की मौत हो गई। इससे देश में अब तक जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। संक्रमण के 385 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की संख्या 978 पर पहुंच गई है। इस बीच, मीडिया सहित पश्चिमी देशों की विभिन्न संस्थाएं इस्लामिक गणराज्य पर महामारी से मरने वालों की संख्या छिपाने का आरोप लगा रही हैं। चीन के बाद ईरान ही वह देश है जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं।

दो दिन पहले लंदन स्थित बीबीसी फारसी ने ईरान में 210 लोगों की मौत होने की बात कही थी। उसका दावा है कि उसने यह आंकड़े अस्पताल स्रोतों से जुटाए हैं। हालांकि ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे बेबुनियाद बताया है। निर्वासित संगठन पीपुल्स मुजाहिदीन का दावा है कि महामारी से 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और पूरे देश में 15 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। खास बात यह है कि ईरान इसे आतंकी संगठन मानता है। मीडिया की पैरवी करने वाले रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स ने कहा है कि ईरान के अधिकारी स्थिति नियंत्रण में होने का दावा करते हैं, लेकिन मीडिया को महामारी से जुड़ी खबरों को कवर करने से रोक रहे हैं।

ईरान के आधिकारिक डॉटा के मुताबिक संक्रमित लोगों में से सात फीसद की मौत हो चुकी है। यह चीन के मुकाबले लगभग दोगुना है। चीन में यह आंकड़ा 3.5 फीसद है जबकि इटली में यह दर दो फीसद है।

चीन में 35 और की मौत : चीन में शनिवार को संक्रमण के 573 नए मामले सामने आए। इनमें वुहान की जेलों में बंद 233 लोग भी शामिल हैं। देश में संक्रमित लोगों की संख्या 79,824 हो गई है। 35 और मौतों के साथ चीन में मरने वालों की संख्या 2870 हो गई है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि महामारी से निपटने के लिए चीन को दीर्घकालिक उपाय करने होंगे।

इटली में 29 की जान गई : इटली में अब तक 1,049 लोग संक्रमित हो चुके हैं जबकि आठ और लोगों के मरने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 29 हो गई है। संक्रमित 543 लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है।

दक्षिण कोरिया में 376 और संक्रमित : दक्षिण कोरिया में 376 और लोगों के संक्रमित होने का पता चला है। इस तरह देश में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 3,526 हो गई है। चीन के बाद कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा संक्रमित लोगों की संख्या दक्षिण कोरिया में है। संक्रमण के चलते कई समारोह और चर्च में प्रार्थना सभाएं निरस्त कर दी गई हैं। 70 से ज्यादा देशों ने दक्षिण कोरिया पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं।

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में वायरस से पहली मौत

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस से पहली मौत की पुष्टि हुई है। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पहले चार मामलों का पता चलने के बाद वाशिंगटन में एक संक्रमित मरीज की मौत हो गई। यह घटना किंग काउंटी की है, जो राज्य का सबसे अधिक आबादी वाला क्षेत्र है। अमेरिका ने एहतियातन ईरान, इटली और दक्षिण कोरिया के लिए नए यात्रा प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। उधर, ऑस्ट्रेलिया में जापान में फंसे डायमंड प्रिंसेज क्रूज से निकाले गए 78 वर्षीय एक व्यक्ति की रविवार को मौत हो गई।

कोरोना से जूझ रहे चीन को 200 टन चावल देगा म्यांमार

यंगून, एएनआइ : कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रहे चीन को पड़ोसी मुल्क म्यांमार ने मदद के तौर पर 200 टन चावल देने की घोषणा की है। म्यांमार में चीन के राजदूत चेन हाई को यह खेप रविवार को सौंप दी गई। चावल की यह खेप संक्रमण के केंद्र हुबेई प्रांत में पहुंचाई जाएगी। इस मौके पर म्यांमार के उप वाणिज्य मंत्री औंग हतू ने कहा, भाईचारे का रिश्ता होने के कारण हम भी वही महसूस करते हैं जो चीन करता है। म्यांमार और चीन की लंबी दोस्ती इससे एक कदम और आगे तक जाएगी। चीन ने म्यांमार का शुक्रिया अदा किया।

भारत विरोधी महातिर की जगह यासीन बने मलेशिया के पीएम

कुआलालंपुर, एपी : मलेशिया में रविवार को मुहिद्दीन यासीन (72) ने राजमहल में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रवादी बेरसातू पार्टी के नेता यासीन भारत विरोधी महातिर मुहम्मद (94) के स्थान पर प्रधानमंत्री बने हैं। महातिर ने बेरसातू पार्टी के सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद 24 फरवरी को पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके स्थान पर मलेशिया के सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह ने प्रधानमंत्री पद के लिए यासीन को मनोनीत किया था। इस्तीफा देने वाले महातिर ने अब नए प्रधानमंत्री को सदन में बहुमत साबित करने की चुनौती दी है। कभी मलय फर्स्ट...का नारा देने वाले यासीन ने जिम्मेदारियों को पूरी गंभीरता के साथ निभाने का वादा किया है।

मलेशिया में राजनीतिक अस्थिरता का दौर 24 फरवरी तब शुरू हुआ जब यासीन की बेरसातू पार्टी ने सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग होने का एलान किया था। इसके बाद महातिर मुहम्मद के नेतृत्व वाली सरकार अल्पमत में आ गई थी और उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति से देश को निजात दिलाने के लिए सुल्तान ने मुहिद्दीन यासीन को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। यासीन को यूनाइटेड मलयाज नेशनल ऑर्गनाइजेशन (यूएमएनओ) का समर्थन प्राप्त है। भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते यह पार्टी 2018 के चुनाव में महातिर के एलायंस ऑफ होप से पराजित हुई थी। उसी के बाद महातिर मलेशिया के प्रधानमंत्री बने थे।

यासीन की शपथ के बाद महातिर ने संसद के निचले सदन का सत्र अविलंब आहूत कर नई सरकार के बहुमत का फैसला होने की मांग की है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सदन का सत्र नौ मार्च को शुरू होगा लेकिन महातिर का कहना है कि तब तक देर हो जाएगी। उन्होंने कहा है कि उनके गठबंधन के सांसदों को मंत्री पद का लालच दिया जा रहा है। अन्य प्रलोभन भी दिए जा रहे हैं। सरकार के लिए सदन के 112 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। महातिर का दावा है कि उनके पास 114 सांसदों का समर्थन है।

उन्होंने यूएमएनओ के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को चेतावनी दी है कि अदालत से उन्हें जरूर दंड मिलेगा। रजाक पर भ्रष्टाचार के कई मुकदमे चल रहे हैं। वैसे महातिर और यासीन भी एक समय यूएमएनओ में रह चुके हैं। 2016 में भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर यासीन यूएमएनओ से अलग हो गए थे और उन्होंने बेरसातू पार्टी बनाई थी। यासीन देश के उप प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं।

अनुच्छेद 370 और सीएए पर बोले हैं महातिर

मलेशिया के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके महातिर मुहम्मद अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद भारत विरोध का मुखौटा बने। उन्होंने पाकिस्तान की आवाज में आवाज मिलाते हुए संयुक्त राष्ट्र के मंच से भारत की निंदा की। इतना ही नहीं नागरिकता संशोधन कानून पर भी वह भारत के खिलाफ बोल चुके हैं। भारत ने उनके बयानों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें आधारहीन और सत्य से परे बताया है।

साउथ कैरोलिना प्रांत में हुए प्राइमरी चुनाव में जीते बिडेन

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के साउथ कैरोलिना प्रांत में हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में पूर्व उप राष्ट्रपति जो बिडेन ने बाजी मारी। शनिवार को हुए इस चुनाव में बिडेन ने पार्टी समर्थकों के 50 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल किए। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में पार्टी की उम्मीदवारी को लेकर हो रहे प्राइमरी चुनावों में 77 साल के बिडेन की यह पहली जीत है। इससे पहले नेवादा, न्यू हैंपशायर और आयोवा प्रांतों में हुए प्राइमरी चुनाव बिडेन हार गए थे।

साउथ कैरोलिना की जीत ने बिडेन की उम्मीदवारी को नया बल प्रदान किया है। बिडेन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बर्नी सैंडर्स को काफी पीछे छोड़ दिया। नेवादा के चुनाव में सैंडर्स ने जीत हासिल की थी। डेमोक्रेट उम्मीदवारी की होड़ में अभी तक बिडेन के अलावा सैंडर्स और पीट बुटीगीग ने मजबूत दावेदारी पेश की है। डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवारी को लेकर प्राइमरी चुनाव का सबसे अहम मुकाबला मंगलवार को होने वाला है। इस दिन अमेरिका के 15 प्रांतों में प्राइमरी चुनाव कराए जाएंगे। इस दिन के चुनाव से डेमोक्रेटिक पार्टी के एक

▶ **पार्टी समर्थकों के 50 प्रतिशत से ज्यादा मत किए हासिल**

साउथ कैरोलिना के कोलंबिया में प्राइमरी चुनाव नाइट के दौरान समर्थकों को संबोधित करते अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति जो बिडेन। रायटर

तिहाई डेलीगेट्स वोट तय हो जाएंगे। चार प्राइमरी के बाद सैंडर्स 47 डेलीगेट्स वोट लेकर सबसे आगे हैं। क्रमशः 29 और 26 डेलीगेट्स के साथ बिडेन और बुटीगीग दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं।

म्यांमार में सेना के साथ आतंकियों की लड़ाई में पांच रोहिंग्या की मौत

यंगून, रायटर : म्यांमार के अशांत रखाइन प्रांत में शनिवार को सेना के साथ आतंकियों की लड़ाई में अल्पसंख्यक रोहिंग्या समुदाय के पांच लोगों के मारे जाने की खबर है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा कई लोग घायल भी हुए हैं। इसकी पुष्टि करते हुए स्थानीय सांसद तुन थार सेईन ने कहा कि यह घटना तब हुई जब मरौक यू शहर से गुजर रहे सेना के काफिले पर अराकन आर्मी के आतंकियों ने हमला कर दिया। जवाबी कार्रवाई में सेना द्वारा दागे गए गोले बु टा लोन गांव में जाकर गिरे, जिससे वहां पांच लोगों की मौत हो गई।

घटना की पुष्टि करते हुए अराकन आर्मी के प्रवक्ता ने कहा कि इन मौतों के लिए सेना जिम्मेदार है। सेना की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। बता दें कि इससे पहले भी आतंकियों के साथ सेना की लड़ाई की खबरें प्रकाश में आई थी। म्यांमार के पश्चिमी क्षेत्र रखाइन में सैन्य कार्रवाई के डर से लाखों रोहिंग्या मुसलमान पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश पलायन कर चुके हैं। अराकन आर्मी म्यांमार में सुरक्षाबलों को निशाना बनाती रही है।

तुर्की ने सीरिया के दो लड़ाकू विमान मार गिराए

अंकारा, एजेंसियां : तुर्की और सीरिया के बीच युद्ध जैसे हालात बनते जा रहे हैं। तुर्की ने रविवार को सीरिया के खिलाफ हमला तेज करते हुए उसके दो लड़ाकू विमानों को मार गिराया। उसने सीरिया की वायु रक्षा प्रणाली और 100 से अधिक टैंकों को तबाह करने का दावा भी किया है। वहीं, सीरिया ने कहा है कि अगर कोई भी देश उसकी वायु सीमा का उल्लंघन करता है तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। बढ़ते तनाव के बीच तुर्की के राष्ट्रपति रिसेप तैयब एर्दोगन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पांच मार्च को मास्को में मुलाकात होने वाली है। पिछले हफ्ते दोनों के बीच फोन पर भी बात हुई थी।

सीरिया के उत्तर पश्चिमी प्रांत इदलिब पर हुए हमले में मारे गए अपने 33 सैनिकों के जवाब में तुर्की ने 27 फरवरी से हमले तेज कर दिए हैं। इस हमले का आरोप सीरिया की बशर अल-असद सरकार पर लगा था। इसको लेकर तुर्की का रूस के साथ भी तनाव बढ़ गया है, जो सीरिया की सरकारी सेना का समर्थन कर रहा है। हालांकि, तुर्की के रक्षा मंत्री हुलूसी अकर ने कहा कि हमारे निशाने पर रूस नहीं है। हम केवल सीरिया की सरकार से जुड़े रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले कर रहे हैं जो इस क्षेत्र में कट्टरता को बढ़ावा दे रही है।

▶ **100 से अधिक टैंक और वायु रक्षा प्रणाली को तबाह करने का दावा किया**

▶ **सीरिया ने चेताया वायु सीमा का उल्लंघन किया तो करेंगे सख्त कार्रवाई**

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि सीरिया के विमान रोधी प्रणाली को ध्वस्त करने के साथ ही उसके एसयू-24 श्रेणी के दो विमानों को भी मार गिराया गया है। 100 टैंक भी तबाह किए गए हैं। सीरिया की सरकारी मीडिया ने कहा कि इदलिब में तुर्की की सेना ने उसके दो विमानों को निशाना बनाया है।

तुर्की और यूरोपीय यूनियन में हुआ था समझौता : यूरोप में लगातार बढ़ रही शरणार्थियों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए वर्ष 2015 के आखिर में यूरोपीय यूनियन और तुर्की के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत तुर्की को यूरोपीय संघ की तरफ से प्रतिवर्ष तीन अरब डॉलर की सहायता राशि दी जानी थी। इस सहायता के बदले में तुर्की को अपनी सीमाओं से जुड़ी कठोर नीतियों में बदलाव कर सीरिया और इराक के शरणार्थियों को अपने यहां पनाह देनी थी।

यूरोप पर दबाव बनाने के लिए तुर्की ने अपनी सीमा खोली

यूरोपीय देशों पर दबाव बढ़ाने के लिए तुर्की ने यूरोप से लगती अपनी सीमाओं को खोल दिया है और बड़ी संख्या में शरणार्थी ग्रीस में प्रवेश भी कर गए हैं। अब भी हजारों लोग तुर्की की सीमा में खड़े हैं और ग्रीस में प्रवेश की इजाजत मांग रहे हैं। ग्रीस ने रविवार को कहा कि उसने तुर्की से लगने वाली सीमा पर 10 हजार से अधिक शरणार्थियों को रोक रखा है। वहीं एक संगठन ने कहा है कि तुर्की-ग्रीस की सीमा पर 13 हजार से शरणार्थी जमा हुए हैं।

ग्रीस के लेस्बोस द्वीप पर सुरक्षित पहुंचने के बाद अपने नवजात बच्चे को निहारता एक पिता। रायटर

शनिवार को ग्रीस के कस्तोंग शहर में हालात उस समय तनावपूर्ण हो गए थे जब बड़ी संख्या में शरणार्थी वहां पहुंचने लगे थे और उन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। ग्रीस के उप रक्षा मंत्री अलकिविदिस स्टेफनीस ने स्काई टीवी को बताया कि शनिवार को 9600 मर्तबा सीमाओं का उल्लंघन करने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस और सेना के साझा प्रयास से उन्हें विफल कर दिया गया। ग्रीस के प्रवासी मंत्री नोटिस मितारची ने कहा, हम किसी भी कीमत में शरणार्थियों को अपने देश में नहीं आने देंगे। देश में घुसने का प्रयास करने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है। अब तक जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वो सभी लोग अफगानी हैं। ग्रीस के एजियन द्वीपों पर पहले से 40,000 से अधिक शरणार्थी हैं, जो बेहद बुरे हालात में रह रहे हैं।

आशंका

तालिबान के शासन में महिलाओं को घरों में कर दिया गया था कैद, अमेरिकी सेना भी अफगानिस्तान से वापसी की कर रही है तैयारी

अफगान महिलाओं को सता रहा तालिबान की वापसी का डर

काबुल, एएफपी : अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकी सेना वापसी की तैयारी में है, लेकिन देश की महिलाएं तालिबान की वापसी को लेकर बुरी तरह डरी हुई हैं। वे देश में शांति तो चाहती हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि इससे उन्हें मिली स्वतंत्रता छिन सकती है। वर्ष 2001 में अमेरिकी सेना के आने से पहले पांच साल तक अफगानिस्तान में तालिबान का शासन रहा था। उस दौरान शरई कानून लागू कर एक तरह से महिलाओं को घरों में कैद कर दिया गया था। उन्हें पढ़ने और काम करने की इजाजत नहीं थी। लेकिन जब तालिबान का पतन हुआ तो काबुल जैसे शहरी क्षेत्रों में महिलाओं का जीवन पूरी तरह बदल गया।

पश्चिमी शहर हेरात में 32 साल की एक कामकाजी तलाकशुदा महिला सितारा अकरीमी ने कहा, मुझे बहुत खुशी होगी कि देश में अमन कायम हो और तालिबान हमारे लोगों को मारना बंद कर दे। लेकिन अगर तालिबान अपनी पुरानी मानसिकता के साथ सत्ता में वापस आता है तो यह मेरे लिए चिंता की बात होगी। अगर वह कहते हैं कि मैं घर पर ही रहूं तो ऐसी स्थिति में मैं अपने घर की मदद नहीं कर सकूंगी। मेरे जैसी हजारों महिलाएं हैं और वह सभी चिंतित हैं। काबुल स्थित पशु चिकित्सक ताहिरा रेजाई ने कहा, तालिबान के आने से महिलाओं की स्वतंत्रता पर असर पड़ेगा। उनकी मानसिकता में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। उनके इतिहास को देखकर मुझे लगता है कि मेरे जैसी कामकाजी महिलाओं के लिए स्थिति कठिन हो जाएगी।

काबुल स्थित पशु चिकित्सालय में पशु चिकित्सक ताहिरा रेजाई। एएफपी

नांगरहार प्रांत की एक सरकारी महिला अधिकारी ने कहा, यहां रहने वाला हर परिवार दुखी है, क्योंकि उसने युद्ध में अपने बच्चों, बेटों और भाइयों को खोया है। हम देश में शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि अगर तालिबान फिर से शासन में आया तो महिलाएं दूसरे दर्जे की नागरिक हो जाएंगी।

तालिबानी भी हमारे भाई : अन्य महिलाएं जहां तालिबान की वापसी को लेकर चिंतित हैं वहीं कंधार की 17 वर्षीय छात्रा परवाना हुसैनी इससे पूरी तरह बेफिक्र हैं। उन्होंने कहा, मैं बिल्कुल चिंतित नहीं हूं। तालिबानी भी हमारे भाई हैं। हम सभी अफगान हैं और शांति चाहते हैं। युवा पीढ़ी पूरी तरह बदल गई है और वह तालिबान को अपनी पुरानी विचारधारा को उन पर थोपने की अनुमति नहीं देगी।

समझौते के बाद तालिबान ने शुरू किए कूटनीतिक प्रयास

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

अमेरिका के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर के कुछ घंटों बाद ही तालिबान ने वैश्विक स्तर पर संपर्क बनाने शुरू कर दिए हैं। इसी परिपेक्ष्य में कट्टर इस्लामिक संगठन के राजनीतिक प्रमुख ने रूस, इंडोनेशिया और नार्वे के वरिष्ठ राजनयिकों से मुलाकात की। अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने दोहा में तुर्की, उज्बेकिस्तान और नार्वे के विदेश मंत्रियों के साथ ही रूस, इंडोनेशिया और पड़ोसी देशों के राजनयिकों से मुलाकात की। तालिबान प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा, मुल्ला बरादर से मिलने वाले गणमान्य लोगों ने अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह समझौता ऐतिहासिक है।

श्रीलंका में जल्द चुनाव के लिए संसद भंग किए जाने के आसार

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे आम चुनाव जल्द कराने के लिए वर्तमान संसद को रविवार के बाद कभी भी भंग कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि देश में अप्रैल के मध्य तक संसदीय चुनाव कराए जा सकते हैं। विदेश मंत्री दिनेश गुणवर्धना ने शनिवार को इसके संकेत दिए। मौजूदा संसद का कार्यकाल इस साल 31 अगस्त तक है।

आम चुनाव की संभावना को देखते हुए श्रीलंका के चुनाव आयुक्त महिंदा देशप्रिय ने भी कहा है कि राष्ट्रपति द्वारा संसद भंग किए जाने पर चुनाव नामांकन का काम 12 मार्च से शुरू कर दिया जाएगा। इससे 225 सीटों वाली संसद के लिए चुनाव प्रक्रिया अप्रैल तक पूरी कराई जा सकेगी। पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद गोतबाया राजपक्षे ने अपने बड़े भाई महिंदा राजपक्षे को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया था।

ये भी जानिए

विराट कोहली ने इस टेस्ट सीरीज में 02, 19, 03 और 14 रन बनाए। यह दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में सिर्फ दूसरा मौका है जब कोहली 20 रन तक नहीं पहुंच सके।

शमी-बुमराह की मेहनत पर बल्लेबाजों ने फेरा पानी

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ▶ न्यूजीलैंड की पहली पारी 235 रन पर सिमटी, शमी ने चार तो बुमराह ने लिए तीन विकेट

भारत ने दूसरी पारी में 90 रन पर गंवाए छह विकेट

क्राइस्टचर्च, प्रेट्र : मुहम्मद शमी (चार विकेट) और जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) की तूफानी गेंदबाजी से भारत ने रविवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन न्यूजीलैंड को पहली पारी में 235 रन पर समेट दिया, लेकिन दूसरी पारी में मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने शमी और बुमराह की मेहनत पर पानी फेर दिया। पहली पारी के आधार पर सात रन की बढ़त हासिल करने वाली भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 90 रन पर छह विकेट गंवा दिए हैं। भारत की कुल बढ़त 97 रन की है। दिन का खेल खत्म होने पर हनुमा विहारी पांच, जबकि रिषभ पंत एक रन बनाकर खेल रहे थे।

सुबह छाए रहे भारतीय गेंदबाज : सुबह के सत्र में भारतीय गेंदबाज छाए रहे। टॉम लाथम ने 122 गेंद में 52 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन सुबह वह कभी भी लय में नहीं दिखे और बुमराह ने उन्हें काफी परेशान किया। शमी, बुमराह और उमेश यादव की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की। उमेश ने टॉम ब्लंडेल (30) को एलबीडब्ल्यू करके भारत को पहली सफलता दिलाई। बुमराह ने इसके बाद न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन (03) को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। रॉस टेलर (15) भी सटीक गेंदबाजी के सामने धैर्य खो बैठे। जडेजा की गेंद को आगे बढ़कर खेलने की कोशिश में वह गेंद को हवा में लहरा गए और उमेश ने बैकवर्ड प्वाइंट पर अच्छा कैच लपका। इस दौरे पर अब तक नाकाम रहे शमी ने इसके बाद बेहतरीन गेंद पर लाथम को बोल्ड किया। लाथम ने शॉट नहीं खेलने का फैसला किया, लेकिन अंदर आती गेंद ने उनके स्टंप उखाड़ दिए। उन्होंने 122 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके मारे। शमी ने इसके बाद हेनरी निकोल्स (14) को भी स्लिप में कप्तान विराट कोहली के हाथों कैच कराया। बुमराह ने भोजनकाल के बाद बीजे वाटलिंग (00) और टिम साउथी (00) को जल्दी पवेलियन भेजा। जडेजा ने इसके बाद कोलिन डि ग्रैंडहोम (26) को बोल्ड किया।

फिर पुछल्लों ने बढ़ाई मुश्किल : भारत ने न्यूजीलैंड का स्कोर आठ विकेट पर 177 रन कर दिया था और भारतीय टीम पहली पारी में ठोस बढ़त लेने के करीब थी, लेकिन काइली जेमिसन और नील वैगनर (21) ने नौवें विकेट के लिए 51 रन जोड़कर मेहमान टीम के इरादों पर पारी फेर दिया। वैगनर और जेमिसन ने लगभग 12 ओवर तक भारतीय गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। जेमिसन हालांकि सिर्फ एक रन से अपना पहला टेस्ट अर्धशतक जड़ने से चूक गए।

जडेजा का यादगार कैच : जडेजा ने चाय से ठीक पहले डीप मिडविकेट पर वैगनर का शानदार कैच लपकते हुए इस साझेदारी को तोड़ा। मिडविकेट पर खड़े जडेजा ने उछलते हुए बायें हाथ से वैगनर का यादगार कैच लपका। पहले सत्र की तरह दूसरे सत्र में भी भारत ने पांच विकेट चटकाए।

बल्लेबाजों ने गंवाया मौका : दूसरी पारी में भी भारत की शुरुआत खराब रही। बोल्ट ने पारी के दूसरे ओवर में ही मयंक अग्रवाल (03) को एलबीडब्ल्यू कर दिया। पृथ्वी शॉ भी 14 रन बनाने के बाद साउथी की बाउंसर पर स्लिप में लाथम को आसान कैच दे बैठे। कप्तान विराट कोहली (14) एक बार फिर लय में नहीं दिखे। उन्होंने साउथी पर चौके से खाता खोलने के बाद जेमिसन पर दो चौके मारे, लेकिन डि ग्रैंडहोम की सीधी गेंद को पूरी तरह से चूककर एलबीडब्ल्यू हो गए। चेतेश्वर पुजारा (24) और अजिंक्य रहाणे (09) ने इसके बाद कुछ देर विकेटों के पतन पर विराम लगाया। रहाणे हालांकि दो रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे, जब वैगनर की गेंद पर डि ग्रैंडहोम ने डीप स्क्वॉयर लेग पर उनका कैच टपका दिया। रहाणे हालांकि क्रीज पर बिलकुल भी सहज नहीं दिखे और वैगनर की गेंद को विकेटों पर खेलकर पवेलियन लौट गए। पुजारा भी इसके बाद बोल्ट की तेजी से अंदर आती गेंद पर बोल्ड हो गए, जबकि इस तेज गेंदबाज ने नाइट वॉचमैन उमेश यादव (01) को भी बोल्ड किया।

दूसरे दिन गिरे कुल 16 विकेट : दूसरी पारी में तीन विकेट लेने वाले बायें हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने गेंद को काफी मूव कराया और भारतीय बल्लेबाजों को लगातार मुसीबत में डालकर रखा। साउथी, वैगनर और ग्रैंडहोम ने भी उनका अच्छा साथ दिया। हेगले ओवल में दूसरा दिन पूरी तरह से गेंदबाजों के नाम रहा, जिसमें 262 रन पर 16 विकेट गिरे। न्यूजीलैंड ने अपने सभी 10 जबकि भारत ने छह विकेट गंवाए।

स्कोर बोर्ड

टॉस : न्यूजीलैंड (गेंदबाजी) — भारत (पहली पारी) : 242 रन (63 ओवर)

न्यूजीलैंड (पहली पारी) 235 (73.1 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
टॉम लाथम बो. शमी	52	122	05	00
टॉम ब्लंडेल एलबीडब्ल्यू बो. यादव	30	77	04	00
केन विलियमसन का. पंत बो. बुमराह	03	08	00	00
रॉस टेलर का. यादव बो. जडेजा	15	37	01	00
हेनरी निकोल्स का. कोहली बो. शमी	14	27	01	00
बीजे वाटलिंग का. जडेजा बो. बुमराह	00	16	00	00
कोलिन डि ग्रैंडहोम बो. जडेजा	26	44	04	00
टिम साउथी का. पंत बो. बुमराह	00	02	00	00
काइली जेमिसन का. पंत बो. शमी	49	63	07	00
नील वैगनर का. जडेजा बो. शमी	21	41	03	00
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	01	02	00	00

अतिरिक्त : (बा-20, लेबा-4) 24

कुल : 73.1 ओवर में 235 रन पर सभी आउट

विकेट पतन : 1-66 (ब्लंडेल, 25.3), 2-69 (विलियमसन, 28.1), 3-109 (टेलर, 38.4), 4-130 (लाथम, 43.6), 5-133 (निकोल्स, 45.4), 6-153 (वाटलिंग, 50.3), 7-153 (साउथी, 50.5), 8-177 (डि ग्रैंडहोम, 60.2), 9-228 (वैगनर, 71.6)

गेंदबाजी :
जसप्रीत बुमराह 22-5-62-3
उमेश यादव 18-2-46-1
मुहम्मद शमी 23.1-3-81-4
रवींद्र जडेजा 10-2-22-2

भारत (दूसरी पारी) 90/6 (36 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
पृथ्वी शॉ का. लाथम बो. साउथी	14	24	02	00
मयंक अग्रवाल एलबीडब्ल्यू बो. बोल्ट	03	06	00	00
चेतेश्वर पुजारा बो. बोल्ट	24	88	02	00
कोहली एलबीडब्ल्यू बो. डि ग्रैंडहोम	14	30	03	00
अजिंक्य रहाणे बो. वैगनर	09	43	01	00
उमेश यादव बो. बोल्ट	01	12	00	00
हनुमा विहारी नाबाद	05	12	01	00
रिषभ पंत नाबाद	01	01	00	00

अतिरिक्त : (बा-9, लेबा-10) 19

कुल : 36 ओवर में छह विकेट पर 90 रन

विकेट पतन : 1-8 (मयंक, 1.5), 2-26 (शॉ, 8.1), 3-51 (कोहली, 17.1), 4-72 (रहाणे, 30.3) 5-84 (पुजारा, 33.1), 6-89 (यादव, 35.1)

गेंदबाजी :
टिम साउथी 6-2-20-1
ट्रेंट बोल्ट 9-3-12-3
काइली जेमिसन 8-4-18-0
कोलिन डि ग्रैंडहोम 5-3-3-1
नील वैगनर 8-1-18-1

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह। एएनआइ

किसी पर दोष नहीं मढ़ना चाहता : जसप्रीत बुमराह

क्राइस्टचर्च, प्रेट्र : भारतीय गेंदबाजों के दूसरे टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन का बल्लेबाज फायदा उठाने में नाकाम रहे, लेकिन तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह इसके लिए किसी पर दोष नहीं मढ़ना चाहते। बुमराह और मुहम्मद शमी ने मिलकर सात विकेट चटकाए।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का बचाव करते हुए बुमराह ने कहा कि देखिए, हम किसी पर दोष नहीं मढ़ना चाहते। हमारी टीम संस्कृति में हम किसी पर दोष डालने की कोशिश नहीं करते। किसी दिन अगर गेंदबाजी इकाई के रूप में हम विकेट हासिल नहीं करते तो यह बल्लेबाजों को हक नहीं देता कि वे हमारे बारे में बात करें, क्या ऐसा नहीं है?

26 साल के बुमराह ने कहा कि उन्हें रिषभ पंत और हनुमा विहारी की क्षमताओं पर भरोसा है कि वे विरोधी टीम को तीसरे दिन मुश्किल में डाल सकते हैं। न्यूजीलैंड की पहली पारी में 62 रन देकर तीन विकेट चटकाने वाले बुमराह ने कहा कि एक टीम के रूप में हम कड़ी टक्कर देना चाहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन स्थिति सभी के सामने है। हमारे दो बल्लेबाज बचे हैं और हम सोमवार को भी पारी को लंबा खींचने का प्रयास करेंगे। हम प्रयास कर सकते हैं और कड़ी मेहनत कर सकते हैं और जितना अधिक हो उतने रन बना सकते हैं और फिर देखते हैं क्या होता है। उन्होंने कहा कि एक इकाई के रूप में हम एक-दूसरे के काफी करीब हैं और हम कड़ी मेहनत करते हैं। हमने उम्मीद से अधिक विकेट गंवाए, लेकिन हम किसी को दोष नहीं देते और एकजुट रहने की कोशिश करते हैं। बुमराह को वनडे सीरीज और फिर पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें पता है कि वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं तब तक इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

बुमराह ने कहा कि मैं निजी प्रदर्शन पर ध्यान नहीं देता। आपका ध्यान प्रक्रिया को सही रखने पर होता है और आप अच्छी गेंदबाजी करने का प्रयास करते हो। आप दबाव बनाने की कोशिश करते हो। किसी दिन मुझे विकेट मिलते हैं तो किसी दिन किसी और को। मेरा ध्यान हमेशा इस पर रहता है कि मैं क्या कर सकता हूं। बुमराह ने कहा कि उन्हें सिर्फ इस चीज का फर्क पड़ता है कि उनकी मानसिकता सही है या नहीं। मेरे साथ अभी ऐसी कोई समस्या नहीं है। मैं पूरी तरह से अभी सकारात्मक महसूस कर रहा हूं। विकेट नहीं मिल पाने पर बुमराह ने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि बल्लेबाज आपको काफी ध्यान से खेलता है। ऐसे में आपके लिए विकेट लेना मुश्किल हो जाता है। बुमराह ने कहा कि उम्मीद है कि भारतीय टीम मैच के तीसरे दिन वापसी करेगी।

हमारा लक्ष्य था कोहली पर दबाव बनाए रखना : बोल्ट

क्राइस्टचर्च : न्यूजीलैंड के दौरे पर कप्तान विराट कोहली का बल्ला पूरी तरह खामोश ही रहा और अपनी आखिरी पारी में भी वह सिर्फ 14 रन ही बना पाए। दूसरे दिन के खेल के बाद कीवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि हमारा लक्ष्य टीम इंडिया के कप्तान पर दबाव बनाए रखना था और हम इसमें कामयाब हुए।

बोल्ट ने कहा कि हमारे द्वारा बनाए गए दबाव के कारण कोहली लगातार गलतियां करते रहे। बोल्ट ने भारतीय कप्तान कोहली के खराब फॉर्म को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। हमने कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी पर पर्याप्त दबाव बनाने का लक्ष्य रखा था और हम इसमें सफल रहे। बोल्ट ने कहा कि कोहली ने अब तक चारों पारियों में गलतियां कीं। हम भाग्यशाली रहे कि उनका बल्ला नहीं चला। टीम इंडिया के कप्तान और भारतीय रन मशीन कोहली ने इस टेस्ट सीरीज की चार पारियों में 02, 19, 03 और 14 रन ही बनाए हैं।

विराट इस दौरे पर किसी भी प्रारूप में शतक नहीं जमा पाए। इस दौरे पर उनके नाम एक अर्धशतक रहा, जो उन्होंने हैमिल्टन वनडे में बनाया था। जब बोल्ट से इस टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष पर सवाल किया गया तो इस तेज गेंदबाज ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च की पिचों पर पैर जमाने में काफी समय लिया। इस बायें हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा कि भारतीय बल्लेबाज लो और स्लो पिचों पर खेलने के आदी हैं। ऐसे में उन्हें यहां दिक्कत हुई। साथ ही हमने उन पर शुरुआत से दबाव बनाए रखा। हमारे बल्लेबाजों के लिए भारत में खेलना बिलकुल ऐसी ही स्थिति होती है। वे लो औ स्लो विकेट पर खेलने के आदी नहीं हैं।

सर जडेजा का हैरान कर देने वाला कैच

नई दिल्ली, जेएनएन : अपने ऑलराउंड खेल से हमेशा प्रभावित करने वाले रवींद्र जडेजा ने रविवार को क्राइस्टचर्च के मैदान पर एक बार फिर फिर वैसा ही किया। डीप स्क्वॉयर लेग पर खड़े जडेजा ने यहां नील वैगनर (21) का हैरतअंगेज कैच पकड़कर सभी को हैरान कर दिया। जडेजा का यह सुपरमैन कैच देखकर सिर्फ दर्शक और कमेंटेटर ही नहीं, मैदान पर खड़े उनके बाकी साथियों समेत आउट होने वाले वैगनर भी हैरान रह गए। कई पूर्व क्रिकेटर जड्डू के इस उम्दा कैच वाले करतब को- पक्षी, फ्लाइट और सुपरमैन बता रहे हैं। उनके इस उम्दा कैच ने एक बार फिर क्रिकेट के सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ कैचों का जिक्र छेड़ दिया है।

ऐसे पकड़ा कैच : जडेजा ने छलांग लगाते हुए बायें हाथ से चमत्कारिक कैच पकड़ा। उन्होंने हवा में ऊंची छलांग लगाई और अपने बायें हाथ को गेंद की दिशा में ऊपर की ओर तान दिया। गेंद उनके हाथ से चिपक गई और इसके बाद जडेजा जमीन पर गिरे, लेकिन तब तक गेंद उनके हाथ से चिपक चुकी थी और जडेजा अब इसे छोड़ने वाले नहीं थे।

हुसैन ने बताया अविश्वसनीय कैच : जडेजा के इस कैच के दौरान टीवी पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन कमेंट्री कर रहे थे और उन्होंने तुरंत ही इस कैच अतुलनीय करार देते हुए सर्वकालिक महान कैच में एक बताया। जडेजा के इस कैच ने क्रिकेट के कुछ यादगार कैचों की एक बार फिर याद दिला दी।

जडेजा बोले, लगा ही नहीं कैच लपक लिया : जडेजा ने कहा कि उन्होंने उम्मीद ही नहीं की थी कि गेंद इतनी तेजी से उनकी ओर आएगी। जडेजा ने कहा कि मैं उम्मीद कर रहा था कि वह डीप स्क्वॉयर लेग की ओर रन बनाएंगे। मैंने उम्मीद नहीं की थी कि गेंद इतनी तेजी से मेरी तरफ आएगी। हवा के साथ यह इतनी तेजी से आई और मेरे हाथों में आ गई। जब मैंने कैच लपका तो मैंने महसूस ही नहीं किया कि मैंने कैच पकड़ लिया है। एक इकाई के रूप में हमने अच्छी गेंदबाजी की। हम अच्छी बल्लेबाजी और उन्हें दोबारा आउट करने की कोशिश करेंगे।

कपिल का यादगार कैच : 1983 विश्व कप के फाइनल में कपिल देव ने भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स का एक हैरतअंगेज कैच पकड़ा था। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को मात्र 184 रन का लक्ष्य दिया था। भारतीय टीम खिताब से दूर जाती दिख रही थी, लेकिन कपिल देव ने यहां विव रिचर्ड्स (33) का कैच पकड़ा था।

विकेट लेने के बाद पृथ्वी शॉ के संग जश्न मनाते भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा। एएनआइ

खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में खेलों का बेहतरीन स्तर देखने को मिल रहा है

अंजू बॉबी जॉर्ज
जंपिंग गर्ल

मैं जब भी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का प्रसारण देखती हूं तो एक विचार मन में आता है। प्रसारण की बेहतरीन गुणवत्ता, कई एंगल से तुरंत रीप्ले देखने की व्यवस्था मुझे याद दिलाती है कि मैंने साल 2004 के एथेंस ओलंपिक गेम्स में छह लंबी छलांगों की रिकॉर्डिंग को नहीं देखा था। मौजूदा वक्त में एथलीट उच्च गुणवत्ता के रीप्ले देख सकते हैं और कई क्लिप तो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही हैं।

मुझे विश्वास है कि खेलो इंडिया कार्यक्रम शानदार है और इसमें बेहद संभावनाएं हैं। ये और अच्छा है कि ये अब यूनिवर्सिटी स्तर पर भी पहुंच गया है। दायरा अब बढ़ चुका है, ताकि असली प्रतिभाएं सामने आ सकें। फिर इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कहां छिपी हुई हैं। खेलो इंडिया गेम्स के जरिये खेलों का बेहतरीन स्तर देखने को मिल रहा है और इसका फायदा सिर्फ भारत को ही है। लंबे समय से हमारे पास ऐसे एथलीट रहे हैं, जिन्होंने जूनियर स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन जब सीनियर स्तर पर प्रदर्शन की बारी आई तो वे कहीं गुम से हो गए। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स एथलीट, कोच, फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट और यूनिवर्सिटीज को इस स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ने का अवसर देंगे। इसमें समय लग सकता है, लेकिन ये देखना सुखद होगा जब अमेरिका की तर्ज पर कॉलेजिएट कंप्टीशन की तरह चैंपियन निकलकर सामने आएंगे।

अगर यूनिवर्सिटी के स्तर पर खेल प्रतिभाओं को तराशा जा सका और युवा एथलीटों को सही समय पर सही माहौल में सही दिशा दिखाई गई तो इससे देश के खेल ढांचे को काफी फायदा होगा।

ऐसे दिन जब हमने द्रोणाचार्य जेएस सैनी के निधन की खबर सुनी, इस बारे में बताना काफी मुश्किल है कि कैसे यूनिवर्सिटी के कोच एथलीटों के प्रदर्शन को बेहतर करने में मदद कर सकते हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की शुरुआत के साथ ही कोचों को खिलाड़ियों को तराशकर उन्हें दुनिया के सामने पहचान दिलाने का अतिरिक्त अवसर मिला है।

ये देखना अच्छा होगा जब स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी ये सुनिश्चित करना शुरू कर देंगी कि उनके एथलीट सिर्फ अपनी प्रतियोगिताओं में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी जीत हासिल करने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरेंगे। मुझे पूरी उम्मीद है कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स युवा एथलीटों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में उनके शैक्षणिक संस्थान की भी मदद करेंगे। मैंने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की उपयोगिता को लेकर कई टिप्पणियां सुनी हैं, लेकिन मैं देख सकती हूं कि खेलो इंडिया गेम्स की वजह से कई खेल लाइमलाइट में आ गए हैं। यह आगे की तैयारियों के लिए काफी अच्छा कदम है। उम्मीद है आने वाले वर्षों में ओलंपिक में पदकों की संख्या बढ़ेगी।

दुखद

1968 की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य थे बलबीर, 77 वर्ष की उम्र में हुआ निधन, आज होगा अंतिम संस्कार

पूर्व हॉकी खिलाड़ी बलबीर सिंह कुलार का निधन

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी बलबीर सिंह कुलार का पंजाब स्थित उनके घर पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। कुलार 1968 की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य थे। उनका निधन शुक्रवार दोपहर को हुआ। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और दो बेटियां हैं।

बलबीर सिंह। फाइल फोटो

अमेरिका में रहने वाले कुलार के बेटे कमलबीर सिंह ने रविवार को बताया, 'मेरे पिता को मेरे साथ अमेरिका जाना था, लेकिन अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा और शुक्रवार दोपहर को जालंधर जिले में संसारपुर गांव में हमारे पैतृक निवास पर उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा, क्योंकि मेरा बेटा और उनका पोता अभी अमेरिका से आया है। मेरी बड़ी बहन कनाडा में रहती है और दूसरी अमेरिका में, वे भी रविवार को पहुंचे हैं।'

कुलार ने 1963 में फ्रांस के ल्योन में भारत की ओर से पदार्पण किया। उन्होंने भारतीय टीम में इनसाइड फॉरवर्ड के रूप में प्रतिष्ठा हासिल की और बेल्जियम, इंग्लैंड, नीदरलैंड्स और पश्चिम जर्मनी जैसे देशों का दौरा किया। बलबीर 1966 में बैंकाक एशियन गेम्स में स्वर्ण और 1968 में मेक्सिको में हुए ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। हॉकी इंडिया ने कुलार के निधन पर शोक जताया है जो राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ता भी रह चुके थे। हॉकी इंडिया ने ट्वीट किया कि हमें अपने पूर्व हॉकी खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता टीम के सदस्य रहे बलबीर सिंह कुलर के निधन का दुख है।

नहीं रहे द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता एथलेटिक्स कोच सैनी

पटियाला, प्रेट्र : अनुभवी एथलेटिक्स कोच और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जोगिंदर सिंह सैनी का रविवार को यहां बढ़ती उम्र से संबंधित बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 90 साल के थे। सैनी को भारत के कुछ प्रतिष्ठित ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों को निखारने का श्रेय जाता है।

सैनी पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। वह पिछली सदी के अंतिम तीन दशक के दौरान कई वर्षों तक राष्ट्रीय एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच रहे। एएफआइ अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने कहा, 'मुझे अपने साथी, अपने मुख्य कोच और मेंटर जेएस सैनी के निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। उन्हें एथलेटिक्स से प्यार था और अपने अंतिम दिन तक उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ को योगदान दिया। वह मेरे मित्र और मार्गदर्शक थे और अपनी सलाह से एएफआइ अध्यक्ष की मेरी भूमिका में उन्होंने काफी मदद की।' पंजाब के होशियारपुर जिले में एक जनवरी 1930 को जन्मे सैनी ने विज्ञान में स्नातक किया और शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा और एनआइएस पटियाला से कोचिंग का कोर्स करने के बाद 1954 में एथलेटिक्स कोच बने। वह 1990 में तत्कालीन भारतीय एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ के मुख्य कोच बने। भारतीय एथलेटिक्स में योगदान के लिए सैनी को 1997 में द्रोणाचार्य पुरस्कार से नवाजा गया। वह 1978 एशियन गेम्स में आठ स्वर्ण सहित 18 पदक जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य कोच थे। 'सैनी साहब' के नाम से मशहूर सैनी 2004 तक कोचिंग से जुड़े रहे और इसके बाद से एएफआइ के सलाहकार की भूमिका निभा रहे थे।

सैनी ने अपने युवा दिनों में बाधा दौड़ में हिस्सा लिया और एनआइएस तथा राष्ट्रीय शिविर में भारत के कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी। सैनी ने 1962 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले गुरबचन सिंह रंधावा को डेकाथलन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

भारत को न्यूजीलैंड में सही संतुलन बनाना होगा : चैपल

- कहा, न्यूजीलैंड में इंग्लैंड की तरह ही तेज विकेट होता
- पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने चेतेश्वर पुजारा की तारीफ की

नई दिल्ली, प्रेट्र : ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान चैपल ने रविवार को कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सतर्कता और आक्रामकता के बीच संतुलन बनाना होगा। चैपल की राय हालांकि पहले टेस्ट में मिली हार के बाद विराट कोहली की राय से उलट है, जिसमें भारतीय कप्तान ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि ज्यादा सतर्क होने या एहतियात बरतने से मदद मिलेगी क्योंकि इससे आप कुछ शॉट खेलना छोड़ सकते हो।

चैपल ने कहा कि न्यूजीलैंड में इंग्लैंड की तरह ही तेज विकेट होता है और जहां ऑस्ट्रेलिया की तुलना में ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि जो भी कारण हो, बेसिन रिजर्व में नंबर एक रैंकिंग टीम (भारत) की बल्लेबाजी काफी खराब थी, जो दोनों पारियों में 200 रन तक पहुंचने में विफल रही। चैपल ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम को सही तरह से लगाना इतना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि सही संतुलन बनाना अहम है और खिलाड़ी को उस स्थान पर उतारो जहां वह सहज हों जिससे सफलता की संभावना अधिक होती है।

चेतेश्वर पुजारा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर के बल्लेबाज की आलोचना करना मुश्किल है क्योंकि 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की जीत में वह काफी अहम रहे थे। वह सामान्य तौर पर रोहित शर्मा और मयंक अग्रवाल के और कोहली से पहले बल्लेबाजी करते हैं। वह संतुलन बनाने के लिए तीसरे नंबर पर आदर्श खिलाड़ी हैं।

राफेल नडाल ने जीता खिताब

लास एंजिलिस : दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी राफेल नडाल ने यहां गैरवरीय टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराकर एटीपी मेक्सिको ओपन का खिताब जीत लिया, जो 2020 का उनका पहला खिताब है। नडाल ने अमेरिका के फ्रिट्ज को 6-3, 6-2 से हराकर तीसरी बार मेक्सिको ओपन का खिताब जीता। इससे पहले वह 2013 और 2015 में भी यहां खिताब जीत चुके हैं। नडाल के करियर का यह 85वां खिताब है।

टीम में बदलाव के वक्त निरंतरता का ख्याल रखना बेहद जरूरी है।
– क्विंटन डिकॉक, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान

न्यूज गैलरी

मेंडिस-डिसिल्वा के अर्धशतक

पालेकल (श्रीलंका) : कुशल मेंडिस और धनंजय डिसिल्वा के अर्धशतकों से श्रीलंका ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में 307 रन बनाए। श्रीलंकाई टीम तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बनाए है। मेंडिस 55 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि डिसिल्वा ने 51 रन बनाए। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने चार विकेट चटकाए जिससे श्रीलंकाई टीम 50 ओवर में सिमट गई। श्रीलंका के लिए दिमुथ करूणारत्ने और कुशल परेरा ने 44-44 रन का योगदान दिया। बुधवार को शतकीय पारी खेलने वाले मेंडिस ने अपना 17वां वनडे अर्धशतक जमाया। (एएफपी)

अच्छा प्रदर्शन करना है : रीड

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच ग्राहम रीड ने रविवार को कहा कि अगर उन्हें टोक्यो ओलंपिक में पोडियम स्थान हासिल करना है तो उन्हें सभी मैचों में और खेल के सभी विभागों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वह हाल में नीदरलैंड्स, विश्व चैंपियन बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ समाप्त एफआइएच प्रो लीग मैचों में टीम के प्रदर्शन से खुश थे। उन्होंने कहा कि एफआइएच लीग से सबसे अच्छी बात यह रही कि हमने साबित कर दिया कि हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अच्छा नतीजा हासिल कर सकते हैं। यह आत्मविश्वास बढ़ाने की ओर अगला कदम है। साथ ही यह दिखाता है कि जिन चीजों पर हम काम कर रहे हैं, उनका फायदा हो रहा है। हॉकी इंडिया ने रविवार को पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए 32 सदस्यीय कोर संभावित खिलाड़ियों के ग्रुप की घोषणा की। (प्रेट्र)

लेगीज ने जीती टोक्यो मैराथन

टोक्यो : इथोपिया के बिरहानू लेगीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आयोजित 2020 टोक्यो मैराथन का पुरुष वर्ग का खिताब जीत लिया। कोरोना वायरस के कारण इस साल इस मैराथन में बहुत कम लोगों ने हिस्सा लिया। मैराथन में 38 हजार लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद थी, लेकिन कोरोना वायरस के कारण कई लोगों ने मैराथन से नाम वापस ले लिया। लेगीज ने दो घंटे दो मिनट और 48 सेकेंड का अपना व्यक्तिगत समय निकालते हुए पहला स्थान हासिल किया। बेल्जियम के धावक बशीर आब्दी 2 :04 .49 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। (प्रेट्र)

लिवरपूल का अजेय अभियान रुका

फुटबॉल डायरी ▶ वाटफोर्ड ने ने दी इंग्लिश प्रीमियर लीग में 3-0 से शिकस्त

हार के बाद भी अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है लिवरपूल की टीम

लंदन, एएफपी : वाटफोर्ड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में शनिवार रात यहां खेले गए मुकाबले में लिवरपूल को 3-0 से करारी शिकस्त दी। अंक तालिका में 17वें नंबर की टीम वाटफोर्ड के आगे मैनेजर जुर्जेन क्लोप की टीम लिवरपूल की एक नहीं चली। इस हार के बाद भी तालिका में शीर्ष पर चल रही लिवरपूल ने दूसरे नंबर पर काबिज मैनचेस्टर सिटी पर 22 अंकों की बढ़त बनाई हुई है और अभी भी इस खिताब को जीतने की मजबूत दावेदार है।

इसके अलावा जुर्जेन क्लोप और उनकी टीम के लीग के इस सत्र में 44 मैचों से चले आ रहे अजेय अभियान पर भी विराम लग गया। लिवरपूल की इस सत्र में 28 मैचों में पहली हार है। हार के बावजूद लिवरपूल की टीम 79 अंकों के साथ पहले नंबर पर मौजूद है। लिवरपूल ने अगर वॉटफोर्ड को हरा दिया होता तो वह लगातार 19 जीत के साथ लीग में एक साथ सबसे अधिक जीत के साथ मैनचेस्टर युनाइटेड के रिकॉर्ड को तोड़ देता। विकारेज स्टेडियम में खेले गए इस मैच में वाटफोर्ड के लिए इस्माइला सार ने दूसरे हाफ में छह मिनट के अंदर ही दो गोल करके अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। सार ने ये गोल 54वें और 60वें मिनट में किए। इसके बाद ट्रॉय डीने ने 72वें मिनट में एक और गोल कर वाटफोर्ड को जीत दिलाई।

पीएसजी ने डिजोन को हराया

पेरिस, एएफपी : पीएसजी ने यहां नेमार की अनुपस्थिति में फ्रांस की लीग-1 में डिजोन को 4-0 से मात दी। पिछले सप्ताह बोर्दो के खिलाफ मैच में विश्व के सबसे महंगे फुटबॉलर नेमार को रेड कार्ड मिला था, जिसके कारण वह इस मैच में नहीं खेलने नहीं उतरे। पीएसजी के लिए कायलियन एमबापे (74वें, 90+1वें मिनट) ने सर्वाधिक दो गोल दागे, जबकि पाब्लो सराबिया (03वें मिनट) और माउरो इकार्डी (76वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। इस जीत के बाद पीएसजी अंक तालिका में 68 अंक के साथ शीर्ष पर है और दूसरे नंबर पर मौजूद मार्सिले पर 13 अंक की बढ़त बना ली है

लिवरपूल के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद खुश वाटफोर्ड के ट्रॉय डीने। रायटर

तेज गेंदबाज पोरेल ने कर्नाटक पर मारा 'पंजा'

रणजी ट्रॉफी

खेल संवाददाता, कोलकाता

पहले दिन अनुस्तूप मजुमदार (नाबाद 149) की साहसिक शतकीय पारी और दूसरे दिन इशान पोरेल (5/39) की घातक गेंदबाजी। रविवार को ईडन गार्डेंस स्टेडियम में रणजी ट्राफी का सेमीफाइनल मैच अचानक से 360 डिग्री घूम गया। कर्नाटक के शिकंजे से निकलकर अब बंगाल ने उस पर ही शिकंजा कस दिया है। पहले दिन के नायक रहे अनुस्तूप ने दूसरे दिन भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए टीम स्कोर को 9/275 से 312 तक पहुंचाया। उन्होंने 10वें विकेट के लिए इशान पोरेल के साथ 54 रनों की एक और अहम साझेदारी निभाई।

बोर्ड पर अच्छा-खासा स्कोर हो जाने पर बंगाल के गेंदबाजों के भी हौसले बुलंद हुए। कर्नाटक के गेंदबाजों के बाद अब इशान पोरेल की बारी थी। 2018 का अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे पोरेल ने गेंद से यूं कहर बरपाना शुरू किया कि कर्नाटक की पहली पारी महज 122 रनों पर सिमट गई। आकाश दीप (3/30) और मुकेश कुमार (2/46) ने भी पोरेल का अच्छा साथ दिया।

कर्नाटक के पांच बल्लेबाज तो दहाई अंक पर भी नहीं पहुंच पाए। मेहमानों की तरफ से कृष्णप्पा गौतम ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। हालांकि दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक बंगाल ने भी 72 रन पर चार महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए, लेकिन उसकी 262 रनों की अच्छी-खासी बढ़त हो गई है। बंगाल के सबसे अनुभवी बल्लेबाज मनोज तिवारी (13) दूसरी पारी में भी विफल रहे। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक सुदीप चटर्जी (40) और अनुस्तूप मजुमदार (01) क्रीज पर हैं।

पाक को हराकर द. अफ्रीका सेमीफाइनल में

टी-20 महिला विश्व कप

सिडनी, प्रेट्र : दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को पाकिस्तान को 17 रनों से हराकर यहां जारी आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पाकिस्तान के लिए हालांकि आगे का सफर मुश्किल हो गया है। सिडनी शो ग्राउंड स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 136 रन बनाए। इसमें लाउरा वूल्वार्ड के सर्वाधिक 53 रन शामिल हैं।

लाउरा ने इस विश्व कप में दूसरा अर्धशतक लगाया। इसके अलावा मेरीजेन काप ने 31 तथा मिगनॉन प्रीज ने 17 रन जोड़े। लाउरा की नाबाद पारी में 36 गेंदों पर आठ चौके शामिल हैं। लाउरा ने पारी की अंतिम आठ गेंदों पर चार चौके लगाते हुए अपनी टीम को सम्मानजनक योग तक पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से डियाना बेग ने दो विकेट लिए, जबकि अनाम अमीन, अइमान अनवीर, सैयदा शाह और निदा डार ने 1-1 सफलता हासिल की।

जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तानी टीम 20 ओवरों में पांच विकेट पर 119 रन ही बना सकी। उसकी ओर से कप्तान जावेरिया खान ने 31 और आलिया रियाज ने नाबाद 39 रन बनाए। खान की 34 गेंदों की पारी में चार चौके शामिल हैं, जबकि रियाज ने 32 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाया। इराम जावेद 17 रनों पर नाबाद रहीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से नोनकुलुलेको मियाबा, शैबनीम इस्माइल और कप्तान डेन निकेर्क ने एक-एक सफलता हासिल की। पाकिस्तान की दो बल्लेबाज रन आउट हुईं।

नताली का अर्धशतक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में

सिडनी, प्रेट्र : इंग्लैंड ने नताली स्किवर के अर्धशतक के बाद स्पिनरों की शानदार गेंदबाजी के दम पर रविवार को यहां वेस्टइंडीज को 46 रन से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और ऑलराउंडर स्किवर के 57 रन (छह चौके) की मदद से पांच विकेट पर 143 रन बनाए। उसके लिए सलामी बल्लेबाज डानी वाट ने 29 रन और एमी जोंस ने नाबाद 23 रन का योगदान दिया। इस लक्ष्य के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 17 .1 ओवर में 97 रन पर ढेर हो गई। उसके लिए ली एन किर्बी 20 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। इंग्लैंड की गेंदबाज सोफी एक्सेलस्टोन ने सात रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए, जबकि सारा ग्लेन ने 16 रन देकर दो विकेट और मैडी विलियर्स ने 30 रन देकर एक विकेट लिया। सोफी ने इस दौरान अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय विकेट भी हासिल किया, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है।

ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय बढ़े : साइना

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पी कश्यप का मानना है कि कोरोना वायरस के कारण टोक्यो ओलंपिक के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट रद होने के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को क्वालीफिकेशन समय को बढ़ाना चाहिए।

कोरोना वायरस से जुड़ी चिंताओं के कारण अब तक चार ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट रद हो चुके हैं जिसमें चीन मास्टर्स (25 फरवरी से एक मार्च), वियतनाम अंतरराष्ट्रीय चैलेंज (24 से 29 मार्च), जर्मन ओपन (तीन से आठ मार्च) और पोलिश ओपन (26 से 29 मार्च) शामिल हैं। साइना ने बीडब्ल्यूएफ और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'अगर कोरोना वायरस के कारण टूर्नामेंट रद हो रहे हैं तो क्वालीफिकेशन समय बढ़ाया जा सकता है। यह उन खिलाड़ियों के लिए अनुचित होगा जो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के करीब हैं।'

जैक्सन और गेंदबाजों ने सौराष्ट्र को मजबूत स्थिति में पहुंचाया

राजकोट, प्रेट्र : शेल्डन जैक्सन की शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सौराष्ट्र ने रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक गुजरात के छह विकेट झटक लिए। जैक्सन की 103 रन की मदद से सौराष्ट्र ने पहली पारी में 304 रन बनाए और फिर घरेलू टीम के गेंदबाजों ने गुजरात के बल्लेबाजी लाइन अप को झकझोर दिया जिसने पहली पारी में छह विकेट पर 119 रन बना लिए हैं। गुजरात अब भी पहली पारी के आधार पर 185 रन से पिछड़ रहा है।

सौराष्ट्र ने सुबह पांच विकेट पर 217 रन से आगे खेलना शुरू किया। जैक्सन को 82 रन पर जीवनदान मिला जब कप्तान पार्थिव पटेल ने अरजन नागवासवाला की गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया। जैक्सन ने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए अपना 19वां और इस सत्र का तीसरा प्रथम श्रेणी शतक जड़ा। जैक्सन और चिराग जानी (29) ने छठे विकेट के लिए 103 रन जोड़ लिए थे, लेकिन मध्यम गति के गेंदबाज रूश कलारिया ने दोनों बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखा दी जिससे सौराष्ट्र का स्कोर सात विकेट पर 266 रन हो गया। प्रेरक मांकड़ (15) और धर्मेंद्रसिंह जडेजा (15) ने सुनिश्चित किया कि भोजनकाल तक कोई और विकेट नहीं गिरे, लेकिन भोजनकाल के बाद गुजरात के गेंदबाजों ने पुछल्ले बल्लेबाजों को जल्द ही समेट दिया जिससे सौराष्ट्र ने सात रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए, लेकिन सौराष्ट्र के गेंदबाजों ने भी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई और जयदेव उनादकट ने प्रियांक पंचाल (शून्य) को पहले ही ओवर में आउट कर दो रन पर पहला विकेट हासिल किया। दूसरे ओवर में समित गोहेल (01) भी चलते बने। ध्रुव रावल (35) और भार्गव मेराई (13) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन प्रेरक मांकड़ ने भार्गव को आउट कर स्कोर तीन विकेट पर 37 रन कर दिया। रावल भी ज्यादा देर तक नहीं टिक सके और उनादकट का दूसरा शिकार बने। धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने फिर दो झटके दिए और पार्थिव (27) के रूप में अहम विकेट हासिल किया। इसके बाद उन्होंने चिराग गांधी को शून्य पर पवेलियन भेजा।

विविध

कुत्ते को बचाने में मेजर ने दी जान

राज्य ब्यूरो, जम्मू

- गुलमर्ग में ऑफिसर्स हट में मध्य रात्रि हुआ हादसा
- 90 फीसद झुलस गए थे झांसी के रहने वाले थे अंकित बुद्धराजा

उत्तरी कश्मीर में बारामूला के गुलमर्ग में ऑफिसर्स हट में शनिवार मध्य रात्रि लगी आग में फंसे कुत्ते को बचाने के प्रयास में मेजर अंकित बुद्धराजा की मौत हो गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। फिलहाल सेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जाता है कि एक मार्च को उन्हें कोर सिग्नल इंजीनियरिंग रेजीमेंट में रिपोर्ट करना था। सूत्रों के अनुसार वह उत्तर प्रदेश के झांसी के रहने वाले थे।

गुलमर्ग पुलिस स्टेशन के एसएचओ आफताब अहमद ने बताया कि चार कमरे वाली लकड़ी से बनी ऑफिसर हट में मध्य रात्रि दो बजे आग लगी। अंकित बुद्धराजा ने तुरंत पहले पत्नी और फिर एक कुत्ते को बाहर सुरक्षित निकाल दिया। सैनिकों को उन्हें सुरक्षित जगह ले जाने की हिदायत देकर मेजर फिर से जल रही हट में घुस गए। दूसरा कुत्ता चौथे कमरे में था। आग तेजी से फैल चुकी थी। झुलसने के बाद भी मेजर कुत्ते को बाहर ले आए। नब्बे फीसद जले 33 वर्षीय मेजर की मौके पर ही मौत हो गई।

सुबह रंगरेठ रवाना होना था : मेजर अंकित सेना की सिग्नल रेजीमेंट के अधिकारी थे और गुलमर्ग में सेना में सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर (एसएसटीसी) के साथ अटैच थे। उन्हें एक मार्च को श्रीनगर के रंगरेठ में कोर सिग्नल इंजीनियरिंग रेजीमेंट में रिपोर्ट करना था।

इसके लिए रविवार सुबह रवाना होना था। एसएचओ ने बताया कि उन्हें इस हादसे के बारे में रात पौने तीन बजे पता चला। इसके बाद वहां पहुंच कर अग्निशमन दस्ते ने मुहिम चलाकर आग पर काबू पाया। मेजर के पार्थिव शरीर को उप जिला अस्पताल में रखा गया था। रविवार को इसे 92 बेस सैन्य अस्पताल भेज दिया गया। सुबह इस अग्निकांड की जानकारी सेना के बड़े अधिकारियों को दी गई। सेना ने गुलमर्ग में हट में आग लगने के मामले में कोर्ट ऑफ इंकवायरी के आदेश जारी कर दिए हैं।

आग के कारणों की हो रही जांच : फारेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम ने भी जली हुई हट से सैंपल उठाए हैं। इसकी रिपोर्ट से पुष्टि होगी कि ऑफिसर हट में आग का कारण शार्ट सर्किट था या फिर अंदर रखी केरोसिन वाली बुखारी।

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने रविवार को मध्यप्रदेश के भोपाल में स्थित बोट क्लब पर सेल्फी पाइंट का शुभारंभ किया। उन्होंने इस दौरान प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल करके बनाए गए धरती के मॉडल के साथ सेल्फी भी ली। यह मॉडल बनाने का मकसद प्लास्टिक का उपयोग बंद कर पर्यावरण बचाने का संदेश देना है। विपिन यादव

चांद देखकर उभरी कल्पना को दिया हकीकत का 'आकाश'

गणेश पांडे, हल्द्वानी

- शेरवुड कॉलेज के आठवीं के छात्र व्योम ने मून एंड दि ब्वॉय शीर्षक से लिखी किताब

चांद की कहानियों से अमूमन सभी का बचपन वाकिफ है। किसी ने चांद के घटते-बढ़ते आकार को कविताओं में पढ़ा तो किसी की बाल स्मृति में चांद मामा बनकर उतर गए, मगर व्योम ने तो चांद से दोस्ती ही गांठ ली। दोनों के बीच खूब बातें होती हैं। कुछ साहसिक करने की मंशा से दोनों रोमांच के सफर पर निकल पड़ते हैं। शेरवुड कॉलेज के छात्र व्योम और चांद का यह किस्सा 'मून एंड दि ब्वॉय' नामक पुस्तक के रूप में सामने है।

चांद को हमसफर बनाने वाले 11 वर्षीय व्योम नैनीताल शेरवुड कॉलेज में आठवीं के छात्र हैं। करीब सौ पृष्ठ की किताब को व्योम ने तीन माह की मेहनत के बाद अक्टूबर में तैयार किया। मून एंड दि ब्वॉय में व्योम के किरदार का नाम सनी है। सनी सपने में चांद देखता है। चांद उसे जगाता है। नींद में कमरे से बाहर आ गया सनी चांद से खूब बतियाता है। दोनों रोमांचक सफर पर निकल पड़ते हैं। इसी यात्रा के रोचक अनुभव किताब में दर्ज हैं। किताब में एक कहानी व्योम के बड़े भाई सुजल ने लिखी है। जो टीन एज पर फोकस है।

नैनीताल के शेरवुड कॉलेज में आठवीं के छात्र बाल लेखक व्योम। फोटो: साभार रानी चौधरी

छह साल की उम्र में लिखी पहली किताब : हरियाणा के गुरुग्राम के रहने वाले व्योम ने छह साल की उम्र में पहली किताब 'फ्रीडम ऑफ ड्रीम्स' लिखी। इसमें व्योम ने अपने जीवन अनुभव के आधार पर आठ शॉर्ट स्टोरी संकलित की हैं। बीते दिनों व्योम को उनकी रचनात्मकता के लिए लखनऊ में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जा चुका है।

भाई ने चिढ़ाया तो उसे ही बनाया प्रेरणा : व्योम बताते हैं कि उनके बड़े भाई सुजल ने किताब लिखी थी। सुजल, व्योम को चिढ़ाते थे कि वह किताब नहीं लिख सकते। व्योम ने अपने भाई से प्रेरणा लेते हुए चुनौती के तौर पर किताब लिखना शुरू किया। व्योम अपनी मां सोना चौधरी से खुद को प्रेरित मानते हैं। सोना भारतीय महिला फुटबाल टीम की कैप्टन रही हैं। पिता नसीब बामल पायलट हैं।

आइपीएस बनने की चाह : व्योम को टेबल टेनिस, बैडमिंटन व तैराकी का भी शौक है। वह छोटे-छोटे प्रेरक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते हैं। व्योम नैनीताल के मौसम को दिल्ली से काफी बेहतर बताते हैं। वह आइपीएस ऑफिसर बनकर देश सेवा करना चाहते हैं।

खोज

दूसरी साइट पर जमीन के 50 सेंटीमीटर नीचे आवासीय व्यवस्था के प्रमाण बभनियांव व महावन में मिल रहीं बेहद कलात्मक व जीवंत मूर्तियां

शुंग कुषाण काल की ओर बढ़ी बभनियांव की खोदाई

जागरण संवाददाता, वाराणसी

काशी के प्राचीन हिस्से के रूप में पहचान पाने जा रहा बभनियांव अब गुप्तकाल से शुंग कुषाण काल की ओर बढ़ गया है। गांव में टीले के पीछे पश्चिम की ओर दूसरी साइट पर 50 सेंटीमीटर तक खोदाई की जा चुकी है। इसमें द्वितीय ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी तक के कई बर्तन कटोरे, तसले, घड़े, गुलाब पाश, स्किन स्क्रबर के अलावा पशुओं की हड्डियां भी मिली हैं। उत्खनन दल के सह निदेशक प्रो. अशोक कुमार सिंह ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि यहां पर लोगों के रहने की आवासीय व्यवस्था रही होगी। शुंग कुषाण काल में उस समय के लोग पशुपालन के साथ ही जानवरों का शिकार भी करते रहे होंगे। टूटी हड्डियों के इन अवशेषों से यही अनुमान लगाया जा रहा है कि उस काल में लोग सर्वाहारी थे।

बभनियाव गांव में मिलीं प्राचीन मूर्तियों के बारे में बताते मूर्ति विशेषज्ञ प्रो. मारुति नंदन तिवारी। जागरण

शिवलिंग में है शिव का रूप: पहले पुरा स्थल की साफ-सफाई कराई गई, जिसमें गुप्तकालीन शिवलिंग की पुष्टि हो गई। इस पर भगवान शिव का मुख व जटा भी उकेरी दिख रही है। प्रो. सिंह के अनुसार उत्तर भारत में इस तरह के गुप्तकालीन शिवलिंग कम ही मिलते हैं।

मूर्तियों के भाव बता रहे कहानी: प्रख्यात मूर्तिकला विशेषज्ञ व बीएचयू के एमिरेट्स प्रोफेसर मारुति नंदन तिवारी ने बताया कि बभनियांव व महावन में मिलीं मूर्तियां आठवीं से दसवीं शताब्दी तक की हैं। इसमें सूर्य, शक्ति व शिव की प्रतिमाएं हैं, स्पष्ट होता है कि यह क्षेत्र धर्म, संस्कृति व वैदिक ब्राह्मण परंपरा की लिहाज से बेहद समृद्ध रहा है। यहां की मूर्तियों को ध्यान से देखें तो वे खुद ही सब कुछ बोल रही हैं। एक मूर्ति में महिषासुर का वध करती दुर्गा जी के चेहरे पर कोई तनाव नहीं, देवत्व का भाव है। एक मूर्ति में शिव का गंगाधर स्वरूप दिख रहा। ये मूर्तियां बहुत ही कलात्मक व विरल प्रकार की हैं। भगवान शंकर की जटा से गंगा जी का अवतरण हो रहा है व पार्वती थोड़ा नाराज हो रही हैं, इसे लेकर शिव जी उन्हें मना रहे हैं, इसका एहसास मूर्ति देखकर किया जा सकता है। इसके अलावा यहां से मिली हनुमान मूर्ति बेहद प्राचीन है।

असम में नाबालिग की दुष्कर्म के बाद हत्या

तेजपुर, प्रेट्र : असम के बिस्वनाथ जिले में दसवीं बोर्ड की परीक्षा दे रहे सात लड़कों को एक 12 साल की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करके उसकी हत्या करने के आरोप में पकड़ा गया है। वरिष्ठ पुलिस अफसर ने रविवार को बताया कि घटना शुक्रवार की है जो चकला गांव के गोहपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र की है।

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में आंशिक बादल छाये रहेंगे। इन राज्यों में एक-दो स्थानों पर गरज के साथ हल्की वर्षा व बर्फबारी संभव है। रात के तापमान में हल्की गिरावट संभव है। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब तथा राजस्थान में सुबह के समय हल्का कोहरा व कुहासा छा सकता है।

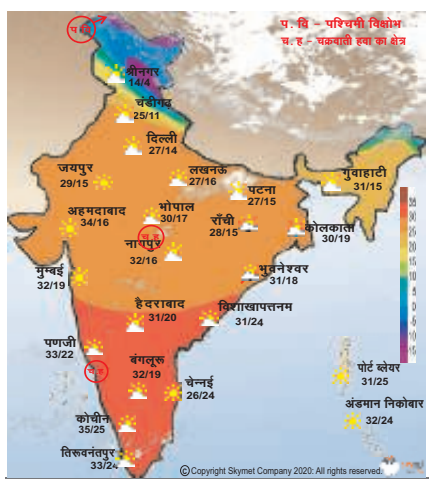

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 2 मार्च 2020
आजकल
16
www.jagran.com

दुनिया की पहली वायरलेस टेलीग्राफ कंपनी अस्तित्व में आई

आज ही 1901 में दुनिया की पहली वायरलेस टेलीग्राफ कंपनी हवाई में शुरू हुई। 1894 में आविष्कारक मारकोनी ने बोलोन्या में बेतार के तार से वार्ता का सफल प्रदर्शन किया। 1899 में मारकोनी टेलीग्राफिक कंपनी का निर्माण किया। इंग्लिश चैनल पार बेतार का संदेश प्रेषित करने में सफलता प्राप्त की।

सिलाई मशीन की सुई का निर्माण शुरू हुआ

आज ही पहली बार 1866 में एक्सेलसियर निडल कंपनी ने सिलाई मशीन की सुई बनानी शुरू की। धातुओं के मिश्रण से सांचा बनाकर सुई को बनाया गया। अमेरिका के एलायस होवे ने पहली सिलाई मशीन का आविष्कार किया। 1846 में उन्होंने सिलाई मशीन का पेटेंट कराया था।

सुपरसोनिक कॉनकॉर्ड विमान की हुई पहली उड़ान

आज ही 1969 में सुपरसोनिक कॉनकॉर्ड विमान ने पहली बार उड़ान भरी। ब्रिटिश एयरक्रॉफ्ट कॉरपोरेशन और फ्रांस की एरोस्पेशिएल इंजीनियरों ने मिलकर निर्माण किया। विश्व का पहला सुपरसोनिक विमान था। इसमें दो पायलट, एक फ्लाइट इंजीनियर और 6 फ्लाइट अटेंडेंट होते थे। 100 यात्रियों को लेकर उड़ सकता था। इसकी गति आवाज से दोगुनी थी। 2179 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले इस विमान की 1976 में व्यावसायिक उड़ानें शुरू हुई। 29 घंटों और 59 मिनटों में दुनिया का चक्कर लगाने का रिकार्ड भी इसी के नाम रहा। 26 नवंबर 2003 को आखिरी उड़ान भरी।

ऑटिज्म पीड़ित बच्चों की देखभाल करेंगे 'कीवी'

तकनीक ▶ सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने विकसित किया नया रोबोट

एकाकीपन के खतरे को भी बहुत हद तक किया जा सकता है कम

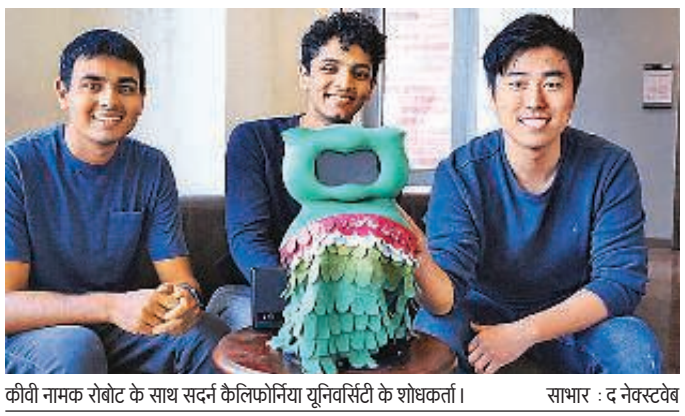

कीवी नामक रोबोट के साथ सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता। साभार : द नेक्स्टवेब

लॉस एंजिलिस, प्रेट्र : भारतीय मूल के शोधकर्ताओं ने ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए रोबोट विकसित किए हैं और मशीन लर्निंग का उपयोग करके उनके साथ जुड़ने में शिशुओं की रुचि का अनुमान लगाया है। इसके आधार पर उनका दावा है कि इस रोबोट से ऑटिज्म जैसे मानसिक विकारों से पीड़ित बच्चों की बेहतर देखभाल हो सकती है।

ऑटिज्म एक मानसिक बीमारी है जिसके लक्षण बचपन से ही नजर आने लगते हैं। इस रोग से पीड़ित बच्चों का विकास उनकी हम उम्र के बच्चों की तुलना में काफी धीरे होता है। यह जन्म से लेकर तीन वर्ष की आयु तक विकसित होने वाला रोग है जो सामान्य रूप से बच्चे के मानसिक विकास को प्रभावित करता है।

इस अध्ययन के लिए अमेरिका की सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक महीने तक तीन और सात साल की उम्र के बीच ऑटिज्म से पीड़ित 17 बच्चों के घरों में कीवी नामक एक रोबोट रखा।

जर्नल साइंस रोबोटिक्स में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, बॉट्स हर बच्चे की सीखने की क्षमता के मुताबिक अपने निर्देश और प्रक्रियाओं को बेहतर कर सकते हैं। बॉट्स एक प्रोग्राम है, जो खुद ब खुद यूजर से इंट्रेक्ट करता है। रोबोटिक्स और कंप्यूटिंग के क्षेत्र में इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है। इसे आप ऐसे भी समझ सकते हैं- जब आप ऑनलाइन कोई गेम खेलते हैं तो आपके साथ खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी बॉट्स ही होते हैं। अध्ययन पूरा होने के बाद शोधकर्ताओं ने रोबोट से प्रतिभागियों के जुड़ाव का आकलन किया और पाया कि रोबोट खुद से 90 फीसद तक यह सटीक पता लगा सकते हैं कि बच्चे उनके साथ व्यस्त थे या नहीं।

सख्त है रोबोटिक सिस्टम : सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से इस अध्ययन के प्रमुख लेखक शोमिक जैन ने कहा, 'वर्तमान में रोबोटिक सिस्टम बहुत सख्त है।' उन्होंने कहा कि यदि आप वास्तव में सीखने के माहौल के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले शिक्षकों को बच्चे के बारे में पता लगाना होता है और उसके बाद बच्चे उनसे सीखते हैं, लेकिन वर्तमान रोबोटिक्स प्रणालियों के साथ ऐसा नहीं होता है। नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने रोबोट्स की कार्य प्रणाली को स्मार्ट बनाने का प्रयास किया है।

ऐसे किया अध्ययन : वैज्ञानिकों ने बताया कि इस अध्ययन के दौरान बच्चों ने 'कीवी' के साथ टैबलेट पर अंतरिक्ष की थीम वाले गणित के खेल खेले। इस दौरान 2 फुट लंबे 'कीवी' को हरे पंखों वाले पक्षी की तरह कपड़े पहनाए गए थे। ताकि बच्चों की रोबोट के प्रति उत्सुक्ता बनी रहे। वैज्ञानिकों ने पाया कि रोबोट ने हर बच्चे की मानसिक स्थिति का आंकलन करते हुए अपना व्यवहार भी उनके अनुकूल कर लिया था। जब भी बच्चे किसी प्रश्न का सही उत्तर देते थे तो रोबोट एक विशेष आवाज में 'बहुत अच्छा' बोलकर उनका उत्साह बढ़ाता था। शोधकर्ताओं ने कहा, इससे बच्चों में एकाकीपन के खतरे को भी बहुत हद तक कम किया जा सकता है।'

सहायक के रूप में रहेंगे मौजूद

इस अध्ययन के सह-लेखक कार्तिक महाजन ने कहा, 'किसी भी बीमारी से निपटने के लिए डॉक्टरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है, लेकिन वे हमेशा पीड़ित परिवारों के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। इसीलिए इस तरह के सामाजिक रोबोट सहायक के रूप में अब हमारे पास हमेशा मौजूद हो सकते हैं, जो खास तौर पर हमारी मानसिक स्थिति को समझकर हमसे बातचीत करेंगे और ऑटिज्म जैसे रोग को बढ़ने से रोकेंगे।

स्वस्थ रहने के लिए ध्रुवीय क्षेत्रों से पलायन करती है किलर व्हेल

किलर व्हेल। फाइल

- ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया अध्ययन
- समुद्री जीवों के संरक्षण के बेहतर उपाय करने में मदद करेगा यह शोध

वाशिंगटन, प्रेट्र : एक अध्ययन के अनुसार, ध्रुवीय पानी में रहने वाली किलर व्हेल भोजन और अपनी त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए निम्न अक्षांशों की ओर पलायन करती है, क्योंकि ध्रुवीय इलाकों में ज्यादा लंबे समय तक रहने से उनका स्वास्थ्य तो प्रभावित होता ही है साथ ही, उन्हें भोजन भी आसानी से नहीं मिल पाता। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस अध्ययन की मदद से समुद्री जीवों के संरक्षण के लिए बेहतर उपाय किए जा सकते हैं।

मरीन मैमल साइंस नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, अंटार्कटिका के संरक्षित इलाकों में रहने वाली किलर व्हेल भोजन की तलाश में निम्न अक्षांशों की ओर आने लगती हैं। तापमान बदलने से उनके शरीर में रक्त के प्रवाह की गति भी बदलती है और त्वचा की कोशिकाएं भी दोबारा बनने लगती हैं। इससे उनके शरीर की बाहरी परत में आई खराबियां ठीक हो जाती हैं।

अमेरिका की ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी से इस अध्ययन के मुख्य लेखक रॉबर्ट पिटमैन ने कहा, 'मुझे लगता था कि व्हेल अपनी त्वचा को नहीं बदलती, लेकिन यह हर जीव की एक महत्वपूर्ण शारीरिक आवश्यकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सभी पक्षी और स्तनधारी जीव नियमित रूप से अपनी त्वचा, फर या पंखों को साफ करते हैं। गर्म पानी में प्रवास करने से व्हेल को अपनी त्वचा के मेटाबोलिज्म (चयापचय) को पुनर्जीवित करने में मदद मिलती है। इससे किलर व्हेल हर प्रकार के वातावरण में रहने के अनुकूल हो जाते हैं और उनके शरीर की गर्मी भी बनी रहती है।

ऐसे किया अध्ययन : आठ वर्षों तक किए गए इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने किलर व्हेलों पर 62 सेटेलाइट टैग लगाए थे। इस दौरान उन्होंने पाया कि अंटार्कटिका के पानी में रहने वाली व्हेलों ने 11 हजार किलोमीटर परिधि में दूसरे क्षेत्रों की ओर प्रवास किया था। उन्होंने कहा कि इस दौरान ज्यादातर व्हेलों ने तेजी से बिना रुके और बड़े पैमाने पर पलायन किया।

ठंडे क्षेत्रों में भी देती है बच्चों को जन्म : शोधकर्ताओं ने अंटार्कटिका में नवजात किलर व्हेलों की तस्वीरें भी ली हैं, जिससे संकेत मिलता है कि व्हेल को जन्म देने के लिए इन्हें गर्म पानी में जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले यह अनुमान लगाया जाता था कि बड़ी व्हेल उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में जा कर अपने बच्चों को जन्म देती हैं। लेकिन नया अध्ययन व्हेलों की एक अलग तस्वीर बयां करता है।

इधर-उधर की

कोरोना से कोरोना बीयर का जबरदस्त नुकसान

न्यूयॉर्क, एजेंसी : कोरोना वायरस दुनिया पर कहर बनकर टूट रहा है और लोग इससे मिलते-जुलते नामों से भी परहेज कर रहे हैं। फिर चाहे वे पहले से इसका इस्तेमाल क्यों न करते रहे हों। एक अमेरिकी सर्वे के मुताबिक, कोरोना की बीमारी सामने आने के बाद कोरोना नामक बीयर ब्रांड की बिक्री गिर गई है। यह सर्वे 5डब्ल्यू पब्लिक रिलेशंस ने किया है। सर्वे में 737 लोगों से सवाल किया। 14 फीसद ने कहा कि वे कोरोना बीयर पीते हैं, वहीं बीयर पीने वालों में से 38 फीसद ने दावा किया कि वे अब किसी भी परिस्थिति में मेक्सिको से आयातित सामान नहीं खरीदेंगे। 16 फीसद लोगों ने कहा कि यह सुनिश्चित नहीं है कि क्या कोरोना वायरस बीयर से संबंधित है। एक शख्स ने कहा कि जब हम बार में जाकर कहते हैं कि कोरोना दे दो, तो बहुत अजीब लगता है। अमेरिका में यह सबसे ज्यादा बिकने वाली बीयर है।

केले के पौधों से आसानी से अलग होंगे रेशे

- भारतीय शोधकर्ताओं ने विकसित की नई किफायती तकनीक
- औद्योगिक उत्पादन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

यह अध्ययन एनईआईएसटी के शोधकर्ताओं ने किया है। फाइल

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : केले के पौधे हमारे देश के लगभग सभी राज्यों के पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों में से एक हैं। भारतीय शोधकर्ताओं ने अब एक ऐसी तकनीक विकसित की है, जो केले के पौधों में पाए जाने वाले रेशों को अलग करने में उपयोगी हो सकती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन रेशों का उपयोग औद्योगिक उत्पादन और स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा देने में किया जा सकता है।

जोरहाट स्थित सीएसआइआर-उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआइएसटी) के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित इस तकनीक में केले के पौधे में पाए जाने वाले रेशों को अलग करने के लिए विभिन्न यांत्रिक और रासायनिक विधियों का उपयोग किया गया है। इसकी मदद से है। बेहद कम पूंजी में प्रतिदिन एक टन केले के रेशे का उत्पादन किया जा सकता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि बहुतायत में उपलब्ध सेलूलोज आधारित कचरे का निपटारा करने के साथ-साथ कई तरह के उत्पाद भी बनाए जा सकेंगे। इन उत्पादों में हैंडीक्राफ्ट व चटाई जैसे घरेलू सामान, सुतली और रस्सी प्रमुख रूप से शामिल हैं। यह एक ईको-फ्रेंडली तकनीक है, जो कौशल तथा उद्यमिता विकास में भी मददगार हो सकती है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों, निजी उद्यमों, गैर सरकारी संस्थाओं और स्वयं सहायता समूह इस तकनीक के उपयोग से लाभान्वित हो सकते हैं।

हाल में व्यावसायिक उत्पादन के लिए इंफाल की एक निजी कंपनी को यह तकनीक हस्तांतरित की गई है। इस मौके पर एनईआइएसटी के निदेशक डॉ. जी. नरहरि शास्त्री, मणिपुर के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एल. जयंतकुमार सिंह और मणिपुर स्टेट मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के सीईओ गुणेश्वर शर्मा मौजूद थे।

औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में होगा इस्तेमाल : कई बारहमासी पौधे प्रकंद से बढ़ते हैं एवं फल देने के बाद धीरे-धीरे स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र में विघटित हो जाते हैं और कचरे के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। इस प्रकार, इस सेलूलोज आधारित कचरे की एक बड़ी मात्रा उपयोग के लिए उपलब्ध रहती है। एनईआइएसटी के वैज्ञानिकों ने केले के साथ-साथ अन्य पौधों से प्राप्त प्राकृतिक रेशों के संश्लेषण की विधियां विकसित की हैं, जिनका औद्योगिक और व्यावसायिक महत्व काफी अधिक है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस तकनीक से काम शुरू होने के बाद कई लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

उपयोगी वस्तुओं का किया जा सकता है निर्माण

पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए पारिस्थितिक संतुलन को नुकसान पहुंचाए बिना प्राकृतिक संसाधनों का औद्योगिक उपयोग लगातार बढ़ रहा है। इस लिहाज से यह तकनीक काफी उपयोगी मानी जा रही है। केले के पौधे से निकलने वाले रेशे का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से फूलों की झालर, कागज और चटाई के निर्माण में किया जाता है। लेकिन, किसानों को अभी भी केले के बागान से रेशे के उत्पादन की क्षमता के बारे में पता नहीं है। इसकी जानकारी किसानों को हो जाए तो उन्हें दोहरा लाभ हो सकता है।

शारीरिक गतिविधियां जारी रखने से बुढ़ापे में भी कम हो सकता है फ्रैक्चर का खतरा

वाशिंगटन, प्रेट्र : बैठे रहने की बजाय शरीर को ज्यादा से ज्यादा सक्रिय रखने से हमारी सेहत को काफी फायदा मिल सकता है। रोजाना शारीरिक गतिविधियों में व्यस्त रहने से बुजुर्गों में फ्रैक्चर (हड्डी टूटना) का खतरा कम हो सकता है।

एक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है। शोध में बताया गया है कि दिन में 35 मिनट तक घर का काम या अन्य शारीरिक क्रियाएं करने वाली महिलाओं की कमर में फ्रैक्चर का खतरा 18 फीसद तक कम हो जाता है। वहीं, शरीर के अन्य हिस्सों की हड्डियों में चोट का खतरा छह फीसद घटता है।

अमेरिका के बफैलो स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ से जुड़े विशेषज्ञ जीन वेंडे ने कहा, 'शरीर के किसी भी हिस्से में फ्रैक्चर होना बुजुर्गों में आम है। इससे सबसे ज्यादा महिलाएं प्रभावित होती हैं। इसके चलते ना सिर्फ वह दूसरों पर निर्भर हो जाती हैं बल्कि उनकी मृत्यु का खतरा भी बढ़ जाता है।

नई विधि से होगा ब्रेन कैंसर का उपचार

वाशिंगटन डीसी, एएनआइ : शोधकर्ताओं के एक समूह ने 'मेडुलोब्लास्टोमा' से निपटने के लिए एक अनूठी उपचार पद्धति विकसित की है। मेडुलोब्लास्टोमा ब्रेन (मस्तिष्क) कैंसर के आम प्रकारों में से एक है जो सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित करता है। यह घातक बीमारी बच्चे के भ्रूण के विकास के दौरान तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं में जैविक असामान्यताओं के कारण उत्पन्न होती है।

ब्राजील की फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ रियो ग्रांडे डो सुल के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल और चिल्ड्रन कैंसर इंस्टीट्यूट में कैंसर एंड न्यूरोबायोलॉजी प्रयोगशाला में काम करने वाले शोधकर्ताओं ने टोरंटो स्थित सिक चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी के अस्पताल में काम करने वाले कनाडाई वैज्ञानिकों के सहयोग से पोर्टो एलेग्रे स्थित इंस्टीट्यूटो डू कैंसर इन्फेंटिल (आइसीआइ) में रोगियों के मेडुलोब्लास्टोमा ट्यूमर में जीन की अभिव्यक्ति विश्लेषण किया।

इस दौरान शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि सभी मेडुलोब्लास्टोमा ट्यूमर दो स्टेम सेल मार्कर (प्रोटो-ऑनकोजीन प्रोटीन बीएमआइ 1 और सेल सरफेस प्रोटीन सीडी133) को व्यक्त करते हैं। जब डीएनए क्रोमैटिन अवस्था में होता है, तो कोशिकाओं में अंतर को बढ़ावा देने वाले जीन की अभिव्यक्ति कम हो जाती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं स्टेम सेल जैसी स्थिति में रहती हैं। शोधकर्ताओं की टीम के मुताबिक, एपीजेनेटिक कंपाउंड के साथ मेडुलोब्लास्टोमा कोशिकाओं का इलाज करने पर पाया गया कि यह हिस्टोन डेक्सेटाइलेज (एचडीएसी) गतिविधि को रोकता है, जिससे बीएमआइ 1 और सीडी 133 अभिव्यक्ति कम हो जाती है।

नाश्ता न करने और देर रात खाने से बढ़ता है वजन

शोध अनुसंधान

आप क्या खाते हैं, इससे ही नहीं बल्कि कब खाते हैं, इससे भी यह तय होता है कि आपका वजन किस तरह से बढ़ेगा। हालिया शोध के मुताबिक, रात के भोजन से सुबह के नाश्ते के बीच कुछ नहीं खाना वजन नियंत्रण में सहायक हो सकता है। अमेरिका की वांडरबिल्ट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कहा कि वजन बढ़ने या कम होने को आमतौर पर इस बात से जोड़ा जाता है कि आप किस तरह का भोजन करते हैं और कितना व्यायाम करते हैं। लेकिन हालिया शोध में सामने आया है कि अलग-अलग समय पर कैलोरी बर्न करने की शरीर की क्षमता अलग-अलग रहती है। दिन में शरीर ज्यादा कैलोरी बर्न करता है, वहीं रात में यह क्षमता कम हो जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस शोध के नतीजे लोगों को खानपान की आदतों में सुधार के लिए प्रेरित करने में सहायक होंगे और वजन नियंत्रित करना आसान होगा और लोग स्वस्थ भी रहेंगे। - प्रेट्र

फल, सब्जी कम खाने से एंग्जाइटी का खतरा ज्यादा

खाने में फलों और सब्जियों का सेवन केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक सेहत के लिए भी जरूरी है। हालिया शोध के मुताबिक, कम फल-सब्जी खाने वाले वयस्कों में एंग्जाइटी यानी व्यग्रता का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि रोजाना तीन से कम फल या सब्जी खाने वालों में एंग्जाइटी की आशंका 24 फीसद तक बढ़ जाती है। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने शरीर में वसा की मात्रा और एंग्जाइटी के बीच भी संबंध पाया है। शोध के मुताबिक, शरीर में यदि वसा की उपस्थिति 36 फीसद से ऊपर निकल जाए तो एंग्जाइटी की आशंका 70 फीसद से ज्यादा बढ़ जाती है। व्यक्ति की आय और सामाजिक परिस्थितियां भी उसमें एंग्जाइटी का कारण बन सकती हैं। ऐसे में वयस्कों को एंग्जाइटी और इससे जुड़े खतरों से बचने के लिए खानपान से लेकर सामाजिक एवं अन्य परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। -एएनआइ

स्क्रीन शॉट

उपन्यास लिखने जैसा है वेब के लिए लिखना : नीरज पांडे

सात सवाल

'ए वेडनेस डे', 'स्पेशल 26', 'एमएस धौनी : द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले नीरज पांडे ने भी डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख किया है। 17 मार्च से हॉट स्टार स्पेशल पर प्रसारित होने वाले वेब शो 'स्पेशल ऑप्स' का उन्होंने शिवम नायर के साथ निर्देशन किया है। आठ एपिसोड का यह शो 19 वर्षों में भारतीय खुफिया एजेंसी की भूमिका को दर्शाता है और कई आतंकी हमलों पर रोशनी डालता है। नीरज से बातचीत :

आपको जासूसी थ्रिलर का महारथी कहना कितना सही होगा?

- बिल्कुल गलत होगा। हम लोग रोचक कहानियों की तलाश में रहते हैं। वेब शो का जॉनर भले ही आपको थ्रिलर लगे, पर इस कहानी का अलग मिजाज है। मेरे साथ शिवम नायर ने शो डायरेक्ट किया है। मेरे लिए सहयोगी निर्देशक का काम को लेकर जुनूनी होना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि हम साथ काम करते हैं।

वेब शोज को ज्यादातर दो निर्देशक ही निर्देशित कर रहे हैं?

- दो निर्देशक होने का फायदा यह होता है कि प्रोडक्शन का काम तेजी से हो जाता है। दो यूनिट एक साथ शूट कर सकते हैं। इस शो में कहानी का एक हिस्सा देश में शूट हो रहा था, जबकि दूसरा विदेश में। दोनों के लिए काम का विभाजन आसानी से हो जाता है।

शो में कितना फिक्शन है?

वर्ष 2001 में देश की ससंद पर हमला हुआ था। संसद पर हमले के समय यह बात सामने आई थी कि हमले का एक आरोपी फरार हो गया था। उस थ्योरी को लेकर हम आगे बढ़े हैं। हालांकि वह हमला सफल नहीं रहा, उसमें कुछ लोग घायल हुए। पांच आतंकी मार गिराए गए थे। शो के साथ अच्छी बात यह है कि मुंबई हमले (26/11) की तरह इसकी याद लोगों को बहुत ज्यादा नहीं है। हम इस कहानी के साथ इस सोच के साथ बढ़े कि बाकी लोगों को पकड़ने में सफलता मिली या कुछ और हुआ?

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आतंकवाद पर आधारित कहानियां ज्यादा एक्सप्लोर की जा रही हैं?

- मैं ऐसा नहीं मानता हूं। हर प्लेटफॉर्म अलग-अलग कंटेंट ला रहा है। यहां पर बड़ी-छोटी हर प्रकार की कहानियों को एक्सप्लोर किया जा रहा है। आतंकवाद की ये घटनाएं हमारे आसपास हो रही हैं। लिहाजा उस तरह की कहानियां कही जा रही हैं।

शुरुआत से ही आपने इस कहानी पर शो बनाने की सोची थी? इसकी लेखन प्रक्रिया कितनी अलग रही?

- बिल्कुल। दरअसल, यह करीब साढ़े सात घंटे की कहानी है, इसलिए फिल्म सही माध्यम नहीं था। अगर किसी कहानी पर फिल्म नहीं बना पा रहे हैं तो उस पर वेब शो बनाने की सोच सही नहीं है। जहां तक लेखन की बात है, वेब शो में कहानी को दिखाने के लिए ज्यादा समय होता है। उसके चैलेंज भी अलग होते हैं। मुझे लगता है सीरीज के लिए लिखना उपन्यास लिखने की तरह है। यहां आप किरदारों के साथ खेल सकते हैं।

• तुर्की, जॉर्डन समेत कई देशों में में आपने शूटिंग की...?

- हमारी कहानी का दायरा काफी बड़ा था, लिहाजा उसके साथ ट्रैवल करना ही था। हमने 12 देशों में शो की शूटिंग की। जब हमने जॉर्डन में शूट किया तो विदेशी टीम भी 16-17 घंटे काम करती थी। विदेश में दिक्कत तभी आती है, जब आप नियमों को तोड़ते हैं।

आपकी फिल्म 'चाणक्य' की क्या तैयारी है?

- साल के आखिर में उसकी शूटिंग करने की योजना है। उसके बारे में अभी बात करना जल्दबाजी होगी।

स्मिता श्रीवास्तव

ट्रांसजेंडर्स बिल्डिंग के लिए अक्षय कुमार ने दिया 1.5 करोड़ का दान

अक्षय कुमार अभिनय के साथ समाज सेवा के लिए भी जाने जाते हैं। फिलहाल वह फिल्म 'लक्ष्मी बॉम्ब' की शूटिंग कर रहे हैं। उसमें वह किन्नर की भूमिका निभा रहे हैं। यह पहली बार है, जब कोई बड़ा सितारा किन्नर की भूमिका में सिल्वर स्क्रीन पर नजर आएगा। यह फिल्म साउथ की सुपरहिट तमिल फिल्म 'कंचना' की रीमेक है। मूल फिल्म का निर्देशन करने वाले राघव लॉरेंस ही 'लक्ष्मी बॉम्ब' का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म के साथ-साथ अक्षय कुमार और राघव ट्रांसजेंडरों के लिए घर बनवाएंगे। राघव ने अपने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए बताया, 'अक्षय कुमार सर ने भारत में पहली बार किन्नरों के लिए बनने वाली बिल्डिंग के लिए 1.5 करोड़ रुपये दान दिया है। जैसा कि आप जानते हैं कि लॉरेंस चेरिटेबल ट्रस्ट शिक्षा, बच्चों के लिए घर, चिकित्सा और शारीरिक रूप से विकलांग नृत्यांगनाओं के लिए पहले से काम कर रहा है। अब हम अपने 15वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। हम इस वर्ष को ट्रांसजेंडर्स के उत्थान के लिए एक नई परियोजना की शुरुआत करके उन्हें आश्रय प्रदान करना चाहते थे। हमारे ट्रस्ट ने भूमि प्रदान की है और हम इमारत के लिए धन जुटाने के लिए उत्सुक थे। 'लक्ष्मी बॉम्ब' की शूटिंग के दौरान मैं अक्षय कुमार से ट्रस्ट प्रोजेक्ट्स और ट्रांसजेंडर्स के घर के बारे में बात कर रहा था, यह सुनने के तुरंत बाद मुझसे पूछे बिना उन्होंने कहा कि किन्नरों के घर के निर्माण के लिए 1.5 करोड़ रुपये दान कर रहा हूं। मैं हर मदद करने वाले को भगवान मानता हूं, इसलिए अब अक्षय कुमार सर हमारे लिए भगवान हैं। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं।'

'लुका छुपी' के एक साल होने पर कृति ने मिस किया कार्तिक को

'लुका छुपी' को रिलीज हुए एक साल हो गया है। 1 मार्च 2019 को रिलीज हुई यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई थी। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कृति सैनन और कार्तिक आर्यन ने लीड रोल निभाया था। अब लक्ष्मण दोबारा कृति के साथ फिल्म 'मीमी' की शूटिंग कर रहे हैं। कृति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के सेट की एक तस्वीर शेयर की है। इसमें उनके साथ निर्देशक भी हैं। इसके साथ ही कृति ने लिखा कि 'फिल्म 'लुका छुपी' के एक साल बाद भी लक्ष्मण सर और मैं लुका छुपी खेल रहे हैं, लेकिन इस बार 'मीमी' के सेट पर। कार्तिक आर्यन को मिस कर रही हूं।' इसके बाद उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें फिल्म के कुछ यादगार सीन हैं। कृति ने लिखा, 'लक्ष्मण सर के साथ फिर एक सुपर स्पेशल फिल्म 'मीमी' की शूटिंग करना यादगार है।' बता दें कि 'मीमी' की कहानी 2010 में आई एक मराठी फिल्म से प्रेरित है। फिल्म में सई तम्हांकर और पंकज त्रिपाठी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

प्रीति जिंटा की लीप ईयर वाली शादी की वर्षगांठ

अभिनेत्री प्रीति जिंटा सोशल मीडिया पर अपने पति जीन गुडइनफ के साथ वह अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। शादी के चार साल होने पर प्रीति ने अपने पति के साथ एक और तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, 'शादी की सालगिरह मुबारक हो। चार साल हो गए हैं, लेकिन ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो।' इस पोस्ट के साथ प्रीति ने कुछ मजेदार हैशटैग भी लिखे हैं। वह अक्सर अपने पति को 'पति परमेश्वर' कहकर बुलाती हैं। हैशटैग में उन्होंने पति परमेश्वर और लीप ईयर एनीवर्सरी जैसे शब्द लिखे हैं। दरअसल, प्रीति के लिए यह सालगिरह कुछ ज्यादा ही खास है, क्योंकि उन्होंने जीन के साथ 29 फरवरी 2016 के दिन शादी की थी। लीप ईयर में शादी करने की वजह से प्रीति और जीन को इस तारीख के लिए चार साल का इंतजार करना पड़ा। 2016 में शादी के बाद वर्ष 2020 में उन्हें 29 फरवरी का यह दिन मिला है।

'भूल भुलैया 2' में गोविंद नामदेव की हुई एंट्री

अनीस बज्मी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 2' में अब एक्टर गोविंद नामदेव का भी नाम जुड़ गया है। फिल्म में कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा अहम किरदारों में हैं। फिल्म इंडस्ट्री में गोविंद नामदेव अपने निगेटिव रोल के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा वे कॉमेडी करते भी नजर आ चुके हैं। पिछली बार वह 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'ओह माई गॉड!' और 'बॉस' में दर्शकों से रूबरू हुए थे। 'भूल भुलैया 2' के बारे में वह कहते हैं, 'मैं फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार निभा रहा हूं। शूटिंग जयपुर में हो रही है। इस पीढ़ी के टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम करने में खुशी हो रही है। कियारा और कार्तिक दोनों ने ही कई हिट फिल्में दी हैं। अनीस बज्मी बेहतरीन निर्देशक हैं।' जयपुर में फिल्म का शेड्यूल खत्म होने के बाद 'भूल भुलैया 2' की टीम लखनऊ में शूटिंग शुरू करेगी। फिल्म 31 जुलाई को रिलीज होगी।